हीरो

रॉन्डा बर्न

the Secret™

हीरो

the Secret™

हीरो

रॉन्डा बर्न

MANJUL

मंजुल पब्लिशिंग हाउस

First published in India by

MANJUL

Manjul Publishing House Pvt. Ltd.

• 2nd Floor, Usha Preet Complex,
42 Malviya Nagar, Bhopal 462 003 – India
• 7/32, Ground Floor, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi 110 002
Email: manjul@manjulindia.com Website: www.manjulindia.com
Distribution Centres:
Ahmedabad, Bengaluru, Bhopal, Kolkata, Chennai,
Hyderabad, Mumbai, New Delhi, Pune

Hindi language translation copyright © 2014 by Manjul Publishing House Pvt. Ltd.

This edition first published in 2014

Hero by Rhonda Byrne

Copyright © 2013 by Making Good LLC. THE SECRET and The Secret logo are registered trademarks of Creste LLC.
www.thesecret.tv

Published by arrangement with the original publisher, Atria Books, a Division of Simon & Schuster, Inc. All rights reserved.

ISBN 978-81-8322-423-9

Translation by Dr. Sudhir Dixit

Artwork concept and art direction by Nic George for Making Good LLC.

Book layout and design by Gozer Media P/L (Australia), www.gozer.com.au, directed by Making Good LLC. Excerpt from ILLUSIONS: THE ADVENTURES OF A RELUCTANT MESSIAH by Richard Bach, copyright © 1977 by Richard Bach and Leslie Parrish-Bach. Used by permission of Delacorte Press, an imprint of The Random House Delacorte Press, a division of The Random House LLC. All rights reserved. Excerpts from COPY THIS! by Paul Orfalea, copyright © 2005 by The Orfalea Family Foundation. Used by permission of Workman Publishing Co., Inc., New York. All rights reserved.

The information contained in this book is intended to be educational and not for diagnosis, prescription, or treatment of any health disorders or as a substitute for financial planning. This information should not replace consultation with a competent healthcare or financial professional. The content of this book is intended to be used as an adjunct to a rational and responsible program prescribed by a healthcare practitioner or financial professional. The author and publisher are in no way liable for any misuse of the material. No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form, or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

“इस पृथ्वी पर आपका मिशन पूरा हुआ है या नहीं, इसका पता लगाने का तरीक़ा यह है। अगर आप जीवित हैं, तो यह पूरा नहीं हुआ है।”

रिचर्ड बाख़

इल्यूज़न्स

प्रत्येक हीरो को समर्पित

आभार

हर नए प्रोजेक्ट की यात्रा एक विचार के बीज से शुरू होती है और अपनी ख़ुद की अनूठी राह पर चलती है, जब तक कि अंतत: संसार में उसका सृजन नहीं हो जाता। मुझे यात्रा के रोमांच से प्रेम है, जिसमें अप्रत्याशित मोड़, आश्चर्य, जोश और आनंद भरा होता है। लेकिन सबसे बढ़कर, जब मैं अपनी यात्रा की ओर पलटकर देखती हूँ, तो मैं उन अविश्वसनीय लोगों को देखकर बहुत विनम्र हो जाती हूँ, जिन्होंने उस प्रोजेक्ट को संसार में लाने में अत्यावश्यक भूमिका निभाकर मदद की। हीरो के सृजन की यात्रा प्रारंभ से अंत तक ख़ुशी से भरपूर थी और मैं इन असाधारण लोगों के प्रति आभार प्रदर्शन करना चाहूँगी, जिनकी बदौलत यह संभव हुआ कि आप इस ख़ास पुस्तक को अपने हाथों में थामे हैं।

हीरो में वर्णित लोग पूरे संसार से शामिल किए गए हैं, ताकि वे अपने अनुभव साझा कर दूसरों को प्रेरित करें और ऊँचा उठाएँ। मुझे जिन लोगों के साथ काम करने का असीम सम्मान और गौरव मिला है, वे हैं : लिज़ मरे, पीटर फ़ोयो, जॉन पॉल डिजोरिया, एनेस्टाज़िया सोर, माइकल ऐक्टन स्मिथ, पीटर बरवॉश, मैस्टिन किप, जी. एम. राव, पीट कैरल, लेअर्ड हैमिल्टन, लेन बीचली और पॉल ऑरफ़ेलिया। आप सभी को धन्यवाद, जो आपने मुझ पर भरोसा जताया, अपना बेशक़ीमती समय निस्संकोच दिया और हीरो के स्वप्न व संभावना को तब देख लिया, जब यह सिर्फ़ एक विचार बीज था।

योगदान देने वालों के अद्भुत सहायकों को उनकी अमूल्य मदद के लिए। योगदान देने वालों की संस्थाओं और आर्थिक सहायता के लिए काम करने वाले कमाल के लोगों को; हीरो का हिस्सा बनने तथा आपके द्वारा किए जा रहे प्रशंसनीय काम को रेखांकित करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद। मायरा-अलेजैन्ड्रा गार्सिया, लूका कार्प, भुवन चक्रवर्ती, साइमे डैवर्न, मैगन मैकग्राथ और टमारा अज़ार को विशेष धन्यवाद।

द सीक्रेट टीम के सदस्य, स्काई बर्न और पॉल हैरिंगटन, जिन्होंने हीरो की संरचना तैयार करने में मेरे साथ क़रीबी तौर पर काम किया, जिन्होंने योगदान देने वालों के शब्दों को एकत्रित करने का विराट काम किया और जिन्होंने इसके सृजन के दौरान बेहतरीन राय दी। इसके अतिरिक्त स्काई को धन्यवाद, जिसने मेरे लेखन का ज़बर्दस्त संपादन किया और अपनी समझ की गहराई प्रदर्शित की। उसके संपादन के बिना हीरो वह नहीं बन पाती, जो यह है।

ग्लेंडा बेल, जिन्होंने हीरो प्रोजेक्ट का प्रबंधन किया और वे न सिर्फ़ हीरो में योगदानकर्ताओं को लाईं, बल्कि जिन्होंने साक्षात्कार तय किए और योगदानकर्ताओं के संस्थाओं के साथ संपर्क में रहीं। ऐंड्रिया कियर, जिन्होंने ग्लेंडा के कंधे-से-कंधा मिलाकर मेहनत से काम किया, ताकि आदर्श योगदानकर्ताओं को हीरो में शामिल किया जाए। आपको धन्यवाद।

यान चाइल्ड, जो द सीक्रेट के प्रकाशन की प्रभारी हैं। आपके प्रोत्साहन, उत्साह और हीरो में अथक श्रम के लिए धन्यवाद, जो आपने पूरे संसार की प्रकाशन, ग्राफ़िक्स और वेबसाइट टीमों को एक सृजनात्मक शक्ति के सूत्र में पिरोया।

द सीक्रेट के सृजनात्मक संचालक निक जॉर्ज। हीरो के लिए आपकी शानदार ड्रॉइंग तथा मौलिक आर्टवर्क के लिए धन्यवाद और अपने ग्राफ़िक कार्य के अनुरूप मेरे लेखन को ऊपर उठाने हेतु लगातार प्रेरित करने के लिए भी धन्यवाद। गोज़र मीडिया में शेमस होर और ऐना बाइज़ की हमारी ग्राफ़िक टीम को, आपके समर्पण और प्रतिभा के लिए एक बार फिर आपको धन्यवाद।

एट्रिया बुक्स और साइमन एंड शुस्टर में मेरी शानदार प्रकाशन टीम को धन्यवाद, जो उन्होंने मेरी पुस्तकों, द सीक्रेट और मेरा समर्थन किया। कैरोलिन रीडी, जूडिथ कर, डेनिस यूलाउ, डर्लीन डेलिलो, मेरी संपादक सारा ब्रैनहैम को उनके मार्गदर्शन के लिए, लीज़ा कीम, आइलीन अहर्न, पॉल ऑल्सेवस्की, जिम थिएल, डैनिएला वेक्सलर और कॉपी-एडिटर इज़ॉल्ड ज़ॉवर और किम्बर्ली गोल्डस्टाइन को धन्यवाद।

सीक्रेट टीम के सदस्यों डॉनल्ड ज़िक, लोरी शारापोव, मार्क ओ'कॉनर, जॉश गोल्ड, मेरी व्यक्तिगत सहायक जिल नेल्सन, कोरी जोहान्सिंग, पीटर बर्न, चाई ली और मार्सी कोल्टन-क्राइली को धन्यवाद, जिनके साथ हर दिन काम करने का मुझे सौभाग्य मिला है।

ग्रीनबर्ग ग्लस्कर में हमारी क़ानूनी टीम को धन्यवाद : बॉनी इस्केनाज़ी और आरोन मॉस। मंगर टॉल्स के ब्रैड ब्रायन को मेरा शाश्वत धन्यवाद। हमारी जन संपर्क कंपनी एडलमैन की टीम और लॉरा रीव को धन्यवाद।

मेरे प्रिय मित्र और परिवार के सदस्य, जो मेरे काम में मुझे हमेशा प्रोत्साहित और प्रेरित करते रहते हैं तथा मेरे जीवन में जिनकी मौजूदगी पर मैं बहुत गर्व करती हूँ, आपको धन्यवाद। और मेरे कमाल के माता-पिता को – आप सबसे अच्छे थे।

मेरी बेटी हेली, जो मुझे भौतिक जगत में ज्ञात चीज़ों से परे जवाब पूछना सिखाती है। उसके आदर्श सृजन सवाना बर्न-क्रोनिन के लिए धन्यवाद। प्रेम और समर्थन के लिए केविन "किड" मैकेमी, खूबसूरत ओकू डेन, पॉल क्रोनिन और एंजेल मार्टिन वेलायोज़ को उनके सतत आध्यात्मिक मार्गदर्शन तथा बुद्धिमत्ता के लिए धन्यवाद।

अंत में, हीरो का विचार मुझे एक शाम को एकाएक आया था, इसलिए सृष्टि और शाश्वत मस्तिष्क के प्रति मेरी सबसे गहरी कृतज्ञता है, जो उसने इतने ख़ास प्रोजेक्ट के लिए मुझे प्रेरित किया और इस पृथ्वी पर इसके सृजन की यात्रा के हर क़दम पर मुझे मार्गदर्शन दिया।

विषय-सूची

प्रस्तावना

खंड एक : सपना

रोमांचक यात्रा का आवाहन

आवाहन सुनने से इंकार

अपने सपने को खोजना

अपने आनंद का अनुसरण करें

खंड दो : हीरो

विश्वास

स्वप्न

हीरो का दिमाग़

हीरो का हृदय

हीरो का तरीक़ा

समर्पण

खंड तीन : खोज

भूलभुलैया

हमें मना करने वाले और हमारे सहयोगी

मुसीबतों और चमत्कारों की राह

[सबसे कठिन परीक्षा]

[खंड चार : विजय]

[पुरस्कार]

[जीने लायक़ जीवन]

[आप में छिपा हीरो]

[हीरो में ये सभी शामिल हैं]

[हीरो के योगदानकर्ताओं की पुस्तकें]

प्रस्तावना

यह पुस्तक एक कहानी के बारे में है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसने मेरी और इतिहास के बहुत से दूसरे इंसानों की भी ज़िंदगी बदली है। यह कहानी समय की शुरुआत से ही सुनाई जाती रही है। यह संसार की हर संस्कृति और हर देश में प्रकट हुई है। इस कहानी के रूप बदलते रहते हैं, लेकिन सार हमेशा वही रहता है। यह कहानी एक ऐसे हीरो के बारे में है, जो पृथ्वी पर एक साहसिक यात्रा शुरू करता है।

पृथ्वी नामक यह ग्रह बेहद सुंदर जगह है – यहाँ विशाल समुद्र हैं, पहाड़, जंगल, रमणीक समुद्र तट, खुले मैदान और हर प्रकार के अद्‌भुत जानवर व प्राणी हैं। प्राकृतिक संसार के इस सौंदर्य के साथ वे सारी खुशियाँ भी हैं, जो इस पृथ्वी पर रहने वाले इंसान अनुभव करते हैं। लेकिन जैसा कि हीरो को पता चलता है, इस पृथ्वी पर रहने वाले इंसानों के लिए जीवन बहुत चुनौतीपूर्ण भी है। विकास कष्टकारी होता है। बचपन से किशोरावस्था, वयस्कता और फिर बुढ़ापे तक हर एक के लिए शारीरिक कष्ट, ग़रीबी, दुख और अंतत: मृत्यु के अनुभव भी हैं।

पृथ्वी नामक इस ग्रह पर ख़ुशी भी है और दुख भी, क्योंकि यह सुंदर संसार द्वैत का संसार है – विपरीत वस्तुओं का संसार। हर चीज़ का एक विपरीत पहलू है। प्रकाश है, तो अँधेरा है। क़रीब है, तो दूर है। ऊपर है, तो नीचे है। बाएँ है, तो दाएँ है। गर्मी है, तो सर्दी है। और ये विपरीत पहलू जीवन के हर स्तर पर अनुभव किए जाते हैं। यहाँ मित्र हैं, तो शत्रु भी हैं। प्रेम होना है, तो प्रेम छूटना भी है। सुरक्षा है, तो अनिश्चितता भी है। दौलत है, तो ग़रीबी भी है। आनंद है, तो निराशा भी है। इसके अलावा, हर इंसान में सकारात्मक गुण हैं, तो नकारात्मक गुण भी हैं। इस पृथ्वी पर हर चीज़ का विपरीत पहलू होता है।

और इस संसार में भारी आनंद, महान प्रेम, भारी चुनौतियाँ तथा भीषण कष्ट भी हैं, जिन सबका आप अनुभव करना चाहते थे। आप ही हैं, जो यहाँ आना चाहते थे और इस सुंदर लेकिन चुनौतीपूर्ण स्थान पर जीने की साहसिक यात्रा का अनुभव करना चाहते थे। आप ही हैं, जिन्होंने संकल्प लिया था कि कोई भी मुश्किल इतनी बड़ी नहीं है, जो आपको अपने भीतर के हीरो को खोजने से रोक दे। आप ही हैं, जो हीरो की यात्रा करना चाहते थे... क्योंकि आप ही इस कहानी के हीरो हैं।

जब आप हीरो की यात्रा करते हैं, तो ऐसा नहीं है कि आपके पास संसाधन नहीं होते हैं। आप बेहद शक्तिशाली योग्यताओं के साथ पैदा हुए थे, जिनकी मदद से आप अपने सपने

साकार कर सकते हैं, जिनकी मदद से आप अपने सामने आने वाली हर मुश्किल, बाधा और चुनौती से उबर सकते हैं। लेकिन पृथ्वी नामक ग्रह के सीमित भौतिक संसार में पैदा होने की वजह से आपका मस्तिष्क और चेतना भी सीमित हो गए। यानि आप अपनी सच्ची प्रकृति भूल गए और आपको अपने भीतर मौजूद शक्तिशाली योग्यताओं का एहसास नहीं है। इस वजह से आपको उन्हें नए सिरे से खोजना होगा।

हीरो की यात्रा पूरी करने और अपने सर्वोच्च मानवीय गुणों को अपने भीतर उभरने की अनुमति देकर ही आप अंतत: हीरो बनेंगे। और फिर एक नया उद्देश्य आपके हृदय को जकड़ लेगा – आपने राह में जो भी खोजा है, उससे उन लोगों की मदद करना, जो हीरो बनने की अपनी ख़ुद की यात्रा शुरू कर रहे हैं।

आपे इस पुस्तक में जिन लोगों से मिलने वाले हैं, वे हीरो की यात्रा पूरी कर चुके हैं। वे पूरे संसार से यहाँ इसलिए इकट्ठे हुए हैं, ताकि आपको अपने जीवन की कहानियाँ बता सकें और अपने अनुभव का लाभ दे सकें, जिससे आपको हीरो बनने की अपनी ख़ुद की यात्रा शुरू करने में मदद मिले।

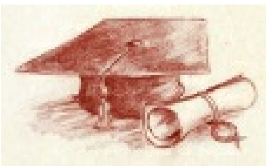

लिज़ मरे — अमेरिका से

लिज़ मरे के माता-पिता को मादक द्रव्य की लत थी। वे न्यू यॉर्क सिटी में ग़रीबी में पली-बढ़ी थीं। जब लिज़ किशोरावस्था में थीं, तभी उनकी माँ की मृत्यु हो गई और उनके पिता एक आश्रय में रहने चले गए। अचानक वे बेघर हो गईं। लिज़ स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाईं। वे सीढ़ियों पर सोती थीं और पेट भरने के लिए दुकानों से भोजन चुराती थीं, लेकिन उसी वक़्त उनके भीतर हार्वर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ने के सपने ने जन्म लिया। चार साल बाद लिज़ का सपना साकार हो गया। अपनी आपबीती बताकर वे बेस्टसेलिंग लेखिका बनीं और संसार की बेहद लोकप्रिय प्रेरक वक्ताओं में से एक भी बन गईं।

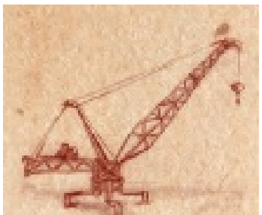

जी. एम. राव — भारत से

जी. एम. राव भारत के एक छोटे गाँव में पैदा हुए थे, जहाँ न बिजली थी, न टेलिफ़ोन। और तो और, लोगों को सामान के लिए राशन की लाइन में लगना होता था। जूनियर हाई स्कूल परीक्षा में पहली बार असफल होने के बावजूद श्री राव कारोबार में उतरना चाहते थे। उनका इरादा यह था कि वे किसी दिन एक छोटे व्यवसाय और अच्छे घर के साथ

अच्छी तरह बस जाएँ। सौभाग्य से उन्होंने अपनी आँखें रास्ते में आने वाले अवसरों के प्रति खुली रखीं। जूट मिल के शुरुआती व्यवसाय से श्री राव ने धीरे-धीरे अपना कारोबार फैलाया और आज उनके विशाल साम्राज्य में पॉवर प्लांट, हवाई अड्डों, राजमार्गों व नगरों का विकास शामिल है।

लेअर्ड हैमिल्टन — अमेरिका से

लेअर्ड हैमिल्टन हवाई के एक विखंडित परिवार में पले-बढ़े थे। उनके मन में अलग-थलग होने और भेदभाव की भावना थी। उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें तेज़ी से आगे बढ़ना है, इसलिए वे ख़ुद को सर्फ़र (समुद्र की लहरों पर सवारी करने वाला) के रूप में साबित करने में जुट गए। उनका लक्ष्य वहाँ तक जाना था, जहाँ कोई सर्फ़र पहले कभी नहीं गया था। उन्होंने पानी के अंदर और बाहर कई अति साहसिक प्रयास किए। इस वजह से उन्हें कई अवसरों पर गंभीर चोटें लगीं, हड्डियाँ टूटीं और वे कई मर्तबा समुद्र में खो भी गए, लेकिन इसके बावजूद लेअर्ड हैमिल्टन ने संभावनाओं की सीमाएँ तोड़ने के अपने सपने को साकार कर लिया तथा आज वे बड़ी लहरों के संसार के सबसे महान सर्फ़रों में से एक हैं।

एनेस्टाज़िया सोर — रोमेनिया से

एनेस्टाज़िया सोर और उनका छोटा परिवार शीत युद्ध के चरम पर बेहतर जीवन की तलाश में साम्यवादी रोमेनिया से भाग निकला। जब वे लॉस ऐंजेलिस रहने आईं, तो उनके पास पैसा नहीं था, वे अँग्रेज़ी नहीं बोल पाती थीं और एक ब्यूटी सलून में चौदह घंटे काम करती थीं। कुछ समय बाद एनेस्टाज़िया को इस बात का एहसास हुआ कि उनके जीवन में कोई भी चीज़ तब तक नहीं बदलेगी, जब तक वह अपने काम में बदलाव नहीं लातीं। यह सोचकर उन्होंने बेवर्ली हिल्स में अपना ख़ुद का व्यवसाय शुरू किया। एनेस्टाज़िया ने भौंहों को आकार देने का एक अनूठा तरीक़ा ईजाद किया, जिससे उन्हें तुरंत सफलता मिली। आगे चलकर उन्होंने भौंहें सँवारने की कला को एक राष्ट्रीय और विश्वव्यापी साम्राज्य में बदल दिया।

पॉल ऑरफ़ेलिया — अमेरिका से

स्कूल में पॉल ऑरफ़ेलिया डिस्लेक्सिया और एडीएचडी से बुरी तरह पीड़ित थे। हालाँकि शुरुआत में वे पढ़ भी नहीं पाते थे, लेकिन उनके दिल में आईबीएम से ज़्यादा बड़ी कंपनी बनाने की महत्त्वाकांक्षा थी। अपनी साक्षरता की चुनौतियों से उबरने के लिए पॉल ने अवलोकन का तीक्ष्ण एहसास विकसित किया। इसी योग्यता की बदौलत एक दिन क़तार में खड़े-खड़े पॉल ने एक आवश्यकता को देख लिया – सस्ती प्रिंटिंग और फ़ोटोकॉपीइंग। उस एक विचार से किंकोज़ का जन्म हुआ, जो अंतत: बिलियन डॉलर फ़ोटोकॉपीइंग कंपनी बन गई।

पीटर बरवॉश — कैनेडा से

पीटर बरवॉश एक युवा आइस हॉकी खिलाड़ी थे। एक दिन ज़ोरदार भिड़ंत की वजह से वे बर्फ़ पर चित्त हो गए और उनके शरीर के निचले हिस्से को लकवा मार गया। उस पल उन्होंने क़सम खाई कि अगर वे ज़िंदगी में दोबारा कभी चल पाए, तो हमेशा के लिए हॉकी छोड़ देंगे। यह क़सम खाने के एक घंटे बाद ही वे अपने पैरों पर खड़े होने में समर्थ हुए। अपना वादा निभाते हुए पीटर ने अपने बैग उठाए और टेनिस प्रोफ़ेशनल बनने की दिशा में बढ़ गए। हालाँकि वे कभी शीर्षस्थ टेनिस खिलाड़ी नहीं बन पाए, लेकिन सार्वकालिक सम्मानित टेनिस कोचों में से एक बन गए और उन्होंने आगे चलकर संसार की सबसे बड़ी टेनिस मैनेजमेंट कंपनी बनाई।

मैस्टिन किप — अमेरिका से

संसार मैस्टिन किप के क़दमों में था, जब वे लॉस ऐंजिलिस संगीत उद्योग के सबसे युवा जूनियर एग्ज़ेक्यूटिव में से एक थे। लेकिन शराब और मादक द्रव्यों की बढ़ती लत की वजह से उन्हें अपने जीवन का सबसे बड़ा सदमा लगा; उन्हें नौकरी से निकाल दिया

गया। हर भौतिक चीज़ खोने और समझदारी हासिल करने के बाद मैस्टिन अपने जीवन को दोबारा बनाने में जुट गए। अब वे एक प्रेरक ब्लॉगर और लेखक हैं। द डेली लव उनकी तीव्र गति से विकास कर रही वेबसाइट, ईमेल और ट्विटर अकाउंट है।

पीट कैरल — अमेरिका से

पीट कैरल ने ज़िंदगी में सिर्फ़ एक ही चीज़ का सपना देखा था – खेल खेलना और खेल में पेशेवर करियर बनाना। लेकिन जब उन्हें नैशनल फ़ुटबॉल लीग में नहीं चुना गया, तो उनका सपना अधूरा रह गया। उस वक़्त पीट को समझ नहीं आ रहा था कि वे अपनी अनूठी योग्यताओं या जीवन का क्या करें – जब तक कि उन्हें यह एहसास नहीं हुआ कि उनका सपना अब भी सच हो सकता है, लेकिन एक ऐसे तरीक़े से जो उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था। पीट फ़ुटबॉल कोच बन गए। हालाँकि पेशेवर कोचिंग की उनकी यात्रा में काफ़ी उतार-चढ़ाव आए, लेकिन अंतत: वे सार्वकालिक सर्वाधिक प्रेरक अमेरिकी फ़ुटबॉल कोचों में से एक बन गए और कुछ समय पहले सिऐटल सीहॉक्स के कोच के रूप में उन्हें एनएफ़सी के कोच ऑफ़ द इयर पुरस्कार से नवाज़ा गया।

माइकल ऐक्टन स्मिथ — इंग्लैंड से

युनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी करने के बाद माइकल ऐक्टन स्मिथ ने ख़ुद को बेरोज़गार पाया। उन्होंने कारोबार शुरू करने का फ़ैसला किया, लेकिन कोई बैंक उन्हें लोन देने को तैयार नहीं था। आख़िर उनकी माँ ने उन्हें 1,000 पौंड उधार दिए। उनके कई कारोबार असफल हो गए। वे दिवालिएपन की कगार पर पहुँच गए। मगर माइकल को बिना किसी शक के यह बात मालूम थी कि उनका नवीनतम विचार बहुत ख़ास है। और यह था भी! मॉशी मॉन्स्टर्स ने इंग्लैंड में धूम मचा दी और बच्चों के मनोरंजन के क्षेत्र में विश्वव्यापी लोकप्रियता हासिल की।

लेन बीचली — ऑस्ट्रेलिया से

जब लेन बीचली की उम्र सिर्फ़ सात साल थी, तभी उनकी माँ का दुखद देहांत हो गया। कुछ समय बाद ही लेन को पता चला कि बचपन में उन्हें गोद लिया गया था। लेन ने अभाव और परित्यक्तता की अपनी भावनाओं से उबरने के लिए यह लक्ष्य तय किया कि वे संसार के सामने अपनी योग्यता साबित करेंगी – वे विश्व-चैंपियन सर्फ़र बनेंगी। लेन बीचली ने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया और विश्व ख़िताब सिर्फ़ एक बार नहीं, बल्कि सात बार जीता, जिससे वे विश्व की महानतम महिला सर्फ़र बन गईं।

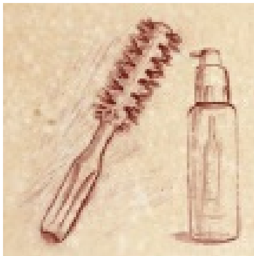

जॉन पॉल डिजोरिया — अमेरिका से

जॉन पॉल डिजोरिया और उनके भाई ने बचपन के साढ़े चार साल एक पालक-गृह में गुज़ारे, क्योंकि उनकी बीमार माँ नौकरी करने के साथ-साथ उनकी देखभाल नहीं कर सकती थीं। अंत में वे दोनों ही ईस्ट लॉस ऐंजिलिस में बच्चों की एक आवारा टोली में शामिल हो गए। उनके हाई स्कूल के एक टीचर ने यह भविष्यवाणी की कि जॉन पॉल कभी कुछ नहीं बन पाएँगे। युवावस्था में एक ऐसा दौर आया, जब जॉन पॉल अपने नवजात शिशु के साथ एक कार में रह रहे थे और ज़िंदा रहने के लिए बोतलें बीन रहे थे। उस मोड़ पर ऐसा लग रहा था कि टीचर की भविष्यवाणी सही थी। लेकिन जॉन पॉल जीवन में कुछ कर दिखाने के लिए संकल्पवान थे। लगातार तीन बार नौकरी से निकाले जाने के बाद जॉन पॉल ने पॉल मिचेल के साथ साझेदारी की और सिर्फ़ 700 डॉलर से अपनी ख़ुद की हेयर-प्रोडक्ट कंपनी शुरू की। आगे चलकर जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स 1 अरब डॉलर से अधिक की वार्षिक आमदनी करने लगी।

पीटर फ़ोयो — अमेरिका से

पीटर फ़ोयो अमेरिका आए मेहनती अप्रवासियों की संतान थे। बचपन में वे प्रौद्योगिकी के चमत्कारों के सपने देखते थे, जहाँ शहर सौर ऊर्जा से चल सकें और टेलिफ़ोन की जगह मोबाइल हों। बड़े होने पर उन्होंने इतने बड़े और सफल कारोबार के सपने देखे, जिससे वे लैटिन अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ एग्ज़ेक्यूटिव बन जाएँ। उस वक़्त कोई भी उनके इस सपने को असंभव कह देता, लेकिन पीटर ने अपने सपने को साकार कर लिया, जब वे सिर्फ़ तैंतीस साल की उम्र में टेलिकम्युनिकेशन्स दिग्गज नेक्सटेल कम्युनिकेशन्स मेक्सिको के अध्यक्ष बने।

जहाँ तक मेरी बात है, मेरा जन्म ऑस्ट्रेलिया के एक साधारण कामकाजी वर्ग में हुआ था। शुरुआती वर्षों में मेरी कोई बड़ी महत्त्वाकांक्षाएँ नहीं थीं, क्योंकि मुझे लगता ही नहीं था कि मेरे लिए बड़े सपने साकार करना संभव है। लेकिन 2004 में मेरा जीवन हमेशा के लिए बदल गया, जब मैंने एक रहस्य खोजा और एक विशाल सपने ने मुझे जकड़ लिया – अपना खोजा हुआ रहस्य सारे संसार को बताना। 2006 में द सीक्रेट फ़िल्म और पुस्तक निकलीं तथा उन्होंने पूरे संसार के करोड़ों लोगों तक पहुँचकर लोकप्रियता हासिल की।

यदि आप वैसे हैं जैसी कि मैं कभी थी और आपने कभी बड़े सपने महज़ इसलिए नहीं देखे, क्योंकि आपको लगता ही नहीं था कि वे सच हो सकते हैं, तो जान लें कि आप इस वक़्त जो यात्रा शुरू करने वाले हैं, उसमें आपको हर चीज़ पता चल जाएगी, जिसकी ज़रूरत आपको अपने सपने साकार करने के लिए है – चाहे वे आपको इस वक़्त कितने ही असंभव दिख रहे हों।

यह आपकी कहानी है। यह आपका उद्देश्य है। इसीलिए आप इस पृथ्वी नामक ग्रह पर आए हैं – हीरो की यात्रा करने और अपने भीतर के हीरो को खोजने के लिए। आपको जो अमूल्य ज्ञान मिलने वाला है और आपके भीतर जो शक्तिशाली योग्यताएँ हैं, उनकी बदौलत आप अपना सपना साकार करने में सफल होंगे। तब आपको वह सच्ची, स्थायी ख़ुशी मिल जाएगी, जिसे हममें से प्रत्येक बड़ी शिद्दत से चाहता है। चाहे आप जीवन में कहीं भी हों, चाहे आपकी उम्र कितनी भी हो, अपने सपने का पीछा करने में कभी देर नहीं होती।

खंड एक
सपना

रोमांचक यात्रा का आवाहन

सारी संभावनाओं के विरुद्ध

कोई भी आदर्श जीवन में पैदा नहीं होता। यदि ऐसा होता, तो आपके पास चाहने के लिए कोई चीज़ ही नहीं होती। आपमें जीवन में कुछ सृजन करने की इच्छा ही नहीं होती। आपके पास कोई सपने भी नहीं होते। आप चाहे जैसी परिस्थितियों में पैदा हुए हों, आपको जैसी भी पारिवारिक ज़िंदगी या शिक्षा-दीक्षा मिली हो या न मिली हो, आप यहाँ अपने सपने साकार करने आए हैं। आप इस वक़्त चाहे जहाँ हों, यह बात अच्छी तरह जान लें कि आपको अपने सपने साकार करने के लिए जिन चीज़ों की ज़रूरत है, वे सभी आपके पास इसी वक़्त मौजूद हैं।

एनेस्टाज़िया सोर

संस्थापक – एनेस्टाज़िया बेवर्ली हिल्स

मैंने शून्य से शुरुआत की थी। मैंने वाक़ई, वाक़ई शून्य से शुरुआत की थी। हमारे पास बिलकुल भी पैसा नहीं था। मैं यहाँ की भाषा नहीं बोल पाती थी। मुझे ज़रा भी पता नहीं था कि किसी पाश्चात्य देश में क्या होता है – यहाँ कैसी मानसिकता होती है, यहाँ का आर्थिक तंत्र कैसा होता है। मैं तो यह भी नहीं जानती थी कि चेक कैसे काटा जाता है, क्योंकि रोमेनिया में हमारे यहाँ चेक नहीं थे। मैंने दरअसल शुरूआत से सीखने की शुरुआत की थी।

पॉल ऑरफ़ेलिया

संस्थापक – किन्कोज़

सेकेंड ग्रेड में बहुत ज़्यादा बच्चे फ़ेल नहीं होते, लेकिन मैं हुआ था। मैं वर्णमाला नहीं सीख सकता था। मैं पढ़ नहीं सकता था। मैं हमेशा मुश्किल में रहता था। मैं ख़ुद पर क़ाबू नहीं रख पाता था। मैं बहुत आवेगशील था। आख़िरकार मुझे सोलह साल की उम्र में हाई स्कूल से निकाल दिया गया।

हमारे जीवन में परिस्थितियाँ जितनी ज़्यादा मुश्किल होती हैं और संभावनाएँ हमारे जितनी ज़्यादा ख़िलाफ़ दिखती हैं, वे हमें सपने की खोज में आगे बढ़ाने वाली उतनी ही बड़ी उत्प्रेरक होती हैं।

पीटर फ़ोयो

प्रेज़िडेंट – नेक्सटेल कम्युनिकेशन्स मेक्सिको

मेरे माता-पिता अमेरिका में आकर बसे अप्रवासी थे और हमने शून्य से शुरुआत की थी। मुझे याद है कि मेरी पैंट टखनों के ऊपर रहती थी। पिताजी जिस देश से आए थे, वहाँ वे सेनानायक थे, लेकिन अमेरिका आने के बाद अंतत: वे चिमनी साफ़ करने का काम करने लगे।

लेअर्ड हैमिल्टन

बड़ी लहरों के सर्फ़र

मैं जातीय दृष्टि से तनावपूर्ण माहौल में बड़ा हुआ था, जहाँ लोग मुझसे इसलिए नफ़रत करते थे क्योंकि मैं उस जाति में पैदा हुआ था।

“मेरे पास वे सारे अभाव थे, जो सफलता के लिए ज़रूरी होते हैं।”

लैरी एलिसन
ऑरेकल कॉर्पोरेशन के सह-संस्थापक

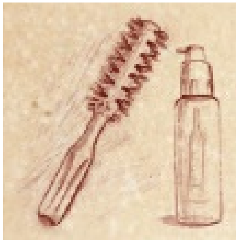

जॉन पॉल डिजोरिया

सह-संस्थापक – जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स

मैं तेईस साल का था और मेरा बेटा ढाई साल का। उस वक़्त मेरी पत्नी हमें छोड़कर जा चुकी थी। तीन महीने से हमने मकान का किराया नहीं चुकाया था, इसलिए हमें घर से निकाल दिया गया। हमें मजबूरन कार में सोना पड़ा। हम बस इस तरह ज़िंदा बचे कि हम सोडा बॉटल इकट्ठी करने में जुटे रहते थे और उनके बदले हमें कुछ पैसे मिल जाते थे।

युवावस्था की इन परिस्थितियों को देखते हुए यह यक़ीन करना मुश्किल है कि आगे चलकर जॉन पॉल डिजोरिया ने जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स जैसी बेहद सफल हेयर-प्रॉडक्ट कंपनी बनाई। जॉन पॉल ने अपने लिए एक ऐसा जीवन बनाया, जो उनके शुरुआती जीवन से बिलकुल अलग था और उन्होंने जिन गुणों का इस्तेमाल करके ऐसा किया, वे इस वक़्त आपके भीतर भी हैं।

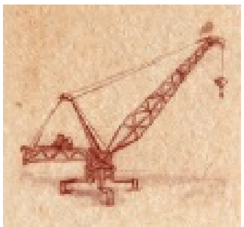

जी. एम. राव

मेकैनिकल इंजीनियर, संस्थापक – जीएमआर समूह

मैंने शून्य से शुरू किया था। मेरा गाँव छोटा था : वहाँ सिर्फ़ 5,००० लोग रहते थे। न फ़ोन था, न बिजली। हमारे पास ठंडे पानी की एक बोतल रहती थी, जिससे हम सभी साझा करते थे। हमारे दूध और शक्कर का मासिक कोटा रहता था, जिसके लिए हमें क़तार में खड़े होना पड़ता था।

चाहे आप भारत में पैदा हुए हों या ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, फ़्रांस या सिंगापुर में, आपकी शुरुआती परिस्थितियों से यह तय नहीं होता है कि आप कैसा जीवन जिएँगे। अपने सपनों को साकार करने के लिए आपको जितनी भी मानवीय शक्तियों या गुणों की ज़रूरत है, वे सभी आपमें पहले से मौजूद हैं। संभावनाएँ आपके कितनी ही ख़िलाफ़

नज़र आती हों, आपके भीतर हर ज़रूरी चीज़ है, जो वह बनने या करने में आपको सफल बना सकती है, जो भी आप बनना या करना चाहते हों।

पीट कैरल

एनएफ़एल कोच – सिऐटल सीहॉक्स

एक बार जब मैंने कॉलेज में फ़ुटबॉल खेल ली, तो इसके बाद मैंने किसी एनएफ़एल टीम और फिर वर्ल्ड फ़ुटबॉल लीग टीम में शामिल होने की कोशिश की। लेकिन जब मुझे आख़िरी बार ठुकराया गया, तो मैं सकते में आ गया। मुझे दूसरी कोई दिशा सूझ ही नहीं रही थी, क्योंकि मैंने तो हमेशा से सिर्फ़ खेलने के बारे में ही सोचा था। मेरे सामने अचानक यह सवाल आ खड़ा हुआ – अब क्या?

आइस हॉकी खिलाड़ी के रूप में जीवन को संकट में डालने वाली चोट लगने के बाद पीटर बरवॉश टेनिस खेलने लगे, हालाँकि उन्हें पेशेवर टेनिस रैंकिंग या टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिली। उनके पास पैसा नहीं था, इसलिए प्राय: वे पीनट बटर के जार और दो दिन पुरानी ब्रेडस्टिक से पेट भरा करते थे। इसके भी वे कई टुकड़े कर लेते थे, ताकि यह पाँच दिनों तक चल जाए। टेनिस सर्किट पर सात साल रहने के बाद पीटर को रिटायर होना पड़ा और एक बार फिर उन्होंने ख़ुद को ऐसी स्थिति में पाया, जहाँ सफलता की संभावना शून्य नज़र आ रही थी।

पीटर बरवॉश

टेनिस कोच, संस्थापक – पीटर बरवॉश इंटरनैशनल

जब हमने टेनिस मैनेजमेंट कंपनी बनाने के बारे में सोचा, तो सोलह अन्य कंपनियाँ पहले से ही यह काम कर रही थीं। मेरे पास उन सबसे कम पैसे, आर्थिक सहारा और टेनिस प्रतिष्ठा थी। हमारे ऑफ़िस में एक भी कुर्सी नहीं थी, इसलिए पहले दो सालों में हमारी बैठकें फ़र्श पर ही होती थीं।

बाहरी संसार की परिस्थितियाँ यह तय नहीं करती हैं कि आपके सपने पूरे होंगे या नहीं। इससे भी कुछ तय नहीं होता कि आपके पास कितना पैसा है, आप कितने शिक्षित हैं, आप किसे जानते हैं या आपके पास कितना अनुभव है। सब कुछ तो इस बात से तय

होता है कि आप अपने भीतर की योग्यताओं को कैसे खोजते हैं और बाहरी जगत में सामने आने वाली हर बाधा से उबरने में उनका कैसा इस्तेमाल करते हैं। हर सफल व्यक्ति ने यही किया था और यही आप भी कर सकते हैं।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

संस्थापक – माइंड कैंडी

युनिवर्सिटी में मेरी टॉम से मित्रता हुई और हमने मिलकर कारोबार खड़ा करने का निर्णय लिया। हमारे पास ज्यादा पैसा नहीं था। सच तो यह था कि हम पर.युनिवर्सिटी के कर्ज़ थे। कारोबार करने का पैसा तो हमारे पास तब आया, जब हमने एक दिन अख़बार में विज्ञापन देखा, जिसमें लोगों से बुनियादी तौर पर कहा गया था कि वे चिकित्सा विज्ञान को अपने शरीर बेच दें, यानि एक नई ऐंटी-माइग्रेन दवा के परीक्षण में हिस्सा लें। हमने यह जोख़िम उठाया और इसके बदले हम दोनों को चार-चार सौ पाउंड मिल गए। यह जानकर मेरी माँ दहशत में आ गईं। मेरे ख़्याल से यह भी एक कारण था, जो उन्होंने हमें इतना ज़्यादा सहारा दिया। उन्होंने हम दोनों को एक-एक हज़ार पाउंड दिए और टॉम के माता-पिता ने हमें अपनी अटारी का इस्तेमाल करने दिया।

दस साल पहले मेरी ज़िंदगी अच्छी तरह चल रही थी और मैं टेलिविज़न उद्योग में सफलता की सीढ़ी पर चढ़ रही थी। तभी अचानक एक के बाद एक कई बुरे हादसे हुए और कुछ ही महीनों में मेरी पूरी ज़िंदगी बिखर गई। मैं हताशा में डूब गई, लेकिन उसी पल मैंने एक रहस्य खोजा, जो अंतत: एक फ़िल्म और मेरी पहली पुस्तक में बदल गया। जब आपका जीवन जलकर राख हो जाता है, तो उस राख से एक नया जीवन उत्पन्न होता है।

मैस्टिन किप

प्रेरक लेखक, संस्थापक – द डेली लव

जब मैं पहली बार हॉलीवुड आया, तो मैं संगीत मैनेजर बनना चाहता था। यह दरअसल कारगर नहीं हुआ – हॉलीवुड सबसे प्रेमपूर्ण माहौल के लिए विख्यात नहीं है। मैंने ख़ुद को शराब व नशीले पदार्थों में डुबो लिया और मैं तलहटी तक पहुँच

गया। एक सप्ताह के दौरान ही मेरे कारोबारी साझेदार ने साझेदारी तोड़ दी, मेरे साथ कमरे में रहने वाले ने मुझे तीन दिन का नोटिस थमा दिया, मेरे पैर में गठिया हो गया, मेरी कमर का निचला हिस्सा जवाब दे गया.और जिस लड़की से मैं मिल रहा था, उससे मेरा संबंध टूट गया। एक सप्ताह में ही मेरा जीवन शब्दश: बिखर गया। इससे एक बहुत लंबी और दुखद यात्रा शुरू हुई। हालाँकि इसके लिए मैं बहुत कृतज्ञ हूँ, लेकिन मैं यह सब दरअसल दोबारा कभी नहीं करना चाहता। उस वक़्त मुझे महसूस हुआ, जैसे मैं तूफ़ान में फँसा था, लेकिन फिर मुझे अचानक एहसास हुआ : कहीं ऐसा तो नहीं कि यह दैवी तूफ़ान हो?

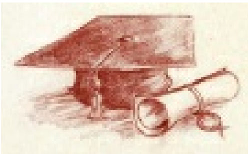

लिज़ मरे

हार्वर्ड स्नातक, लेखक और वक्ता

एक वक़्त था, जब मेरे पास भौतिक चीज़ें थीं। लेकिन फिर अचानक एक ऐसा दौर आया, जब मेरे पास एक भी भौतिक चीज़ नहीं बची। मेरी माँ गुज़र गईं, मेरे डैडी मुझसे दूर जाकर आश्रय में रहने लगे और मेरे अंकल – जो संभवत: मेरे जीवन के सबसे बड़े देवदूत थे – अचानक चल बसे। मैं बेघर हो गई। मेरे पास जो भी था, अचानक अब कुछ भी नहीं रहा। मुझे याद है, उस वक़्त मैंने सोचा था कि अगर जीवन बदलकर बुरा बन सकता है, तो संभवत: यह बदलकर अच्छा भी बन सकता है, क्योंकि सच्चाई यही है, जीवन बहुत जल्दी बदल सकता है।

जीवन की परिस्थितियाँ बहुत मुश्किल हो सकती हैं, जैसी कि वे लिज़ मरे के लिए थीं, लेकिन उन्हीं परिस्थितियों ने लिज़ को प्रबल इच्छा भी दी थी, जिसकी बदौलत वे न्यू यॉर्क सिटी की सड़कों से उठकर हार्वर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ाई करने तक पहुँचीं। जब आपमें कुछ बनने या करने की ज्वलंत इच्छा होती है, तो आपको एक प्रबल शक्ति मिल जाती है, जो असंभव नज़र आने वाली परिस्थितियों और सीमाओं को ख़त्म कर सकती है।

अपने सपनों को हासिल करके आप अपने भीतर की महानता को साकार कर लेंगे। महानता मुँह में चाँदी का चम्मच लेकर पैदा होना नहीं है। महानता तो अपने सपनों का पीछा करना और अपने भीतर के हीरो को साकार करना है।

आपका आवाहन

हर इंसान जो कभी पैदा हुआ है या होगा, किसी न किसी अनूठे गुण या योग्यता के साथ आता है। आपके बारे में यह अनूठी या ख़ास चीज़ ही आपका आवाहन है। हालाँकि इसके बिना एक भी इंसान पैदा नहीं होता, लेकिन कई लोगों को ज़िंदगी भर अपने आवाहन का न तो पता चल पाता है, न ही वे इसे जी पाते हैं।

आपका आवाहन एक ऐसी चीज़ है, जो आपमें उस तरह चाबी भरती है, जिस तरह कोई दूसरी चीज़ नहीं भरती। यह एक ऐसी चीज़ है, जिसके प्रति आप आकर्षित होते हैं, जिसके बारे में आप जोशीले होते हैं और जिससे आप प्रसन्न होते हैं। उसे करते समय आपके दिल में गर्मजोशी भर जाती है।

आपका ख़ास आवाहन व्यवसाय, खेल, नौकरी या करियर में कुछ हासिल करने की ज्वलंत इच्छा हो सकता है। यह आपका शौक भी हो सकता है। शौक आपके आवाहन का संकेत हो सकता है, क्योंकि यह एक ऐसी चीज़ है, जिसके बारे में आप जोशीले रहते हैं और जिसे करने के लिए आप समय निकालते हैं। बहुत से लोगों के शौक बाद में बड़े सपनों में बदले हैं, जो आगे चलकर बड़ी कंपनियों में बदल गए।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

जब मैं छोटा था, तभी से मुझे खेल से हमेशा प्रेम रहा है। मुझे खेलने से प्रेम था। मैं सोचता हूँ कि यह इंसान होने का बड़ा अहम हिस्सा है। मेरा बड़ा सपना हमेशा यह रहा है कि मैं एक गेम कंपनी चलाऊँ, गेम डिज़ाइन करूँ और लोगों का मनोरंजन करूँ।

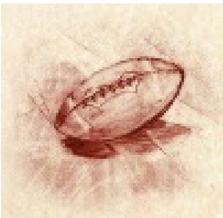

पीट कैरल

हालाँकि मैंने तेरह बरस की उम्र से ही कैंपों आदि में कोचिंग दी है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भविष्य में यही काम करने लगूँगा। जब मैं दोबारा ग्रैजुएट स्कूल गया, तो युनिवर्सिटी ऑफ़ द पैसिफ़िक का कोच था और तब मैंने पीछे हटकर सोचा, “अरे वाह, यह तो एक ऐसी चीज़ है, जो मैं कर सकता हूँ और जो फ़ुटबॉल खेलने से मिलती-जुलती है।” और वहीं दरअसल मैंने कोचिंग की दिशा में अपना पहला क़दम उठाया।

आपका आवाहन कोई ऐसी चीज़ हो सकती है, जो बनने या करने के आपने दिवास्वप्न देखे हों, हालाँकि आप सोचते होंगे कि ऐसा आपके साथ कभी नहीं हो सकता। बहरहाल, जब आप उस ख़ास चीज़ को करने या उस जीवन को जीने के बारे में सोचते हैं, तो आपमें ख़ुशी और संतुष्टि की उत्कट भावना आ जाती है। और चाहे वह सपना कितना भी

असंभव नज़र आता हो, उसका पीछा करने के लिए आपका आवाहन किया जाता है, आपको पुकारा जाता है।

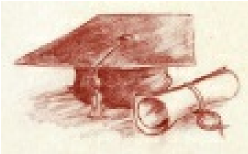

लिज़ मरे

मैं न्यू यॉर्क सिटी में एक गलियारे में अकेली सोती थी। मैंने दुकानों से ओरियो और बिस्किट चुराए। मैं अपना सिर अपनी पुस्तकों के बैग पर रखकर सोती थी। उस बैग में वह हर चीज़ थी, जिसकी मैं मालकिन थी – मेरा जर्नल, मेरे कपड़े और मेरी माँ की तस्वीर, जिसे मैं हर जगह अपने साथ ले जाती थी। पुस्तकों के उस बैग पर सिर रखकर, उस गलियारे में सोते वक़्त मैं एक बेहतर जीवन के सपने देखती थी। और मेरे भीतर यह गहरा एहसास था कि चाहे यह जो भी हो, मैं उसके पार निकल जाऊँगी, सिर्फ़ अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए ही नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से भी।

चाहे आपको यह याद हो या न हो, आपको यह आवाहन जीवन में कई बार पहले ही मिल चुका है। हो सकता है यह आपको बचपन में मिला हो, जब आप पक्के तौर पर जानते थे कि बड़े होने पर आप क्या बनना चाहते हैं। लेकिन फिर समाज या शुभचिंतक माता-पिता और शिक्षक हमें उन सीमित विकल्पों से प्रभावित कर देते हैं कि हम क्या कर सकते हैं या क्या नहीं कर सकते। इसका नतीजा यह होता है कि हम अपने आवाहन और अपने सपनों का दरवाज़ा बंद कर देते हैं।

पीटर फ़ोयो

जब मैं बहुत छोटा था, तभी से बहुत बड़े-बड़े विचारों के सपने देखा करता था। वायरलेस फ़ोन बाज़ार में आने से काफ़ी पहले ही मैं इस बात के सपने देख रहा था कि कितना अच्छा रहेगा अगर मेरे हाथ में बिना तार वाला.फ़ोन हो। कितना अद्भुत रहेगा, अगर मैं किसी गैस पंप में एक कार्ड डालकर अपनी गैस ख़ुद भर सकूँ? कितना बढ़िया रहेगा, अगर हम सौर ऊर्जा से शहरों को चला सकें? मेरे मन में एक बेहतरीन कंपनी बनाने, बहुत सी दौलत कमाने और लैटिन अमेरिका का सबसे अच्छा एग्ज़ेक्यूटिव बनने का सपना था।

हो सकता है कि आपको अपना आवाहन तब मिला हो, जो रोज़मर्रा का पल नज़र आता था, जैसे कोई चीज़ जो आपने देखी, पढ़ी या सुनी। अचानक कोई चीज़ बिजली के झटके

की तरह आपको छूती है और एक साधारण पल ज़िंदगी बदलने वाला पल बन जाता है।

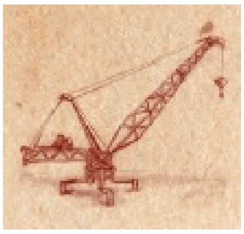

जी. एम. राव

स्कूल में मेरे गणित के शिक्षक ने कहा था कि हर जीवन का एक उद्देश्य होता है और हमें इसे पूरा करने की दिशा में काम करना चाहिए, क्योंकि सच्ची उपलब्धि यही है। इससे मेरे मन में अपना आवाहन खोजने और इसे हासिल करने की दिशा में काम करने की ज्वलंत इच्छा जाग उठी।

लेअर्ड हैमिल्टन

मेरे पिता ने मेरी माँ को तभी छोटी दिया था, जब मैं बहुत छोटा था, इसलिए मुझे छोटी उम्र में ही बड़ा बनना पड़ा। इससे मैं सचमुच यह चेतन निर्णय लेने के लिए मजबूर हुआ कि मैं कुछ बनना चाहता हूँ।

जीवन की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों की वजह से लेअर्ड हैमिल्टन के भीतर एक ज्वलंत इच्छा जागी कि वे अपने जीवन में कुछ करें। उन्होंने आवाहन को सुना, उस पर प्रतिक्रिया की और बड़ी लहरों के महान सर्फ़र बनने का सपना साकार करके उन्होंने संसार के लाखों-करोड़ों लोगों को प्रेरित किया।

लेन बीचली का आवाहन भी उनके बचपन की एक बहुत चुनौतीपूर्ण स्थिति के ज़रिये आया। जब लेन सात साल की थीं, तभी उनकी माँ का अकस्मात निधन हो गया। अपनी माँ की मृत्यु के बाद लेन को पता चला कि उन्हें गोद लिया गया था। उन्हें जन्म देने वाली माँ तब सत्रह साल की थीं, जब एक परिचित व्यक्ति ने ही उनसे दुष्कर्म किया था और वे गर्भवती हो गई थीं।

लेन के क़दमों तले ज़मीन खिसक गई। लेकिन अपनी माँ को खोने की अति महत्त्वपूर्ण घटना ने ही ऑस्ट्रेलिया की लेन बीचली को संसार की सबसे महान महिला खिलाड़ियों में से एक बनने के लिए आगे धकेला।

लेन बीचली

सात बार की विश्व सर्फ़िंग चैंपियन

ईमानदारी से कहूँ, तो विश्व चैंपियन बनने के लिए मुझे जिस चीज़ ने प्रेरित किया, वह थी गोद लिया जाना। सर्फ़िंग को चुनने से पहले मेरा बड़ा सपना किसी भी क्षेत्र में विश्व चैंपियन बनना था। मुझे किसी न किसी क्षेत्र में संसार में सर्वश्रेष्ठ बनना ही था। मुझे संसार के सामने अपना वजूद साबित करने की ज़रूरत महसूस हो रही थी।

पॉल ऑरफ़ेलिया

मेरे दिमाग़ में कभी कोई शंका नहीं थी कि मैं अपने जीवन में क्या चाहता हूँ। मैं अपना ख़ुद का कारोबार करना चाहता था। यह कारोबार कोई भी हो सकता था। आईबीएम की इमारत को देख-देखकर मैं सोचता था, “मैं इससे ज़्यादा बड़ा कारोबार चाहता हूँ।”

एडीएचडी और डिस्लेक्सिया से पीड़ित होने की वजह से पॉल ऑरफ़ेलिया पढ़-लिख नहीं सकते थे, लेकिन देखिए तो सही, उन्होंने अपने जीवन के साथ क्या किया? उन्होंने किन्कोज़ की स्थापना की। यह मल्टीबिलियन डॉलर कंपनी हज़ारों लोगों को रोज़गार देती है। द्वैत के हमारे इस संसार में हर नुक़सान के साथ इसका विपरीत यानि लाभ भी जुड़ा होता है। पॉल ने अपने नुक़सान को अपने लाभ में बदल लिया।

एनेस्टाज़िया सोर के मन में साम्यवादी रोमेनिया से पलायन करने का सपना था। लगभग तीन सालों तक उन्होंने योजना बनाई और अपनी बेटी के साथ भागने का इंतज़ार किया। भागने के उनके निर्णय में भारी जोख़िम था और जब एनेस्टाज़िया आख़िरकार अमेरिका पहुँचीं, तो उनके सामने एक और बड़ा निर्णय था। अपने परिवार की गुज़र-बसर लायक़ पैसा कमाने के लिए वे रोज़ चौदह घंटे काम कर रही थीं और अगर वे कुछ अलग नहीं करतीं, तो उनकी ज़िंदगी ऐसे ही गुज़र जाती।

एनेस्टाज़िया सोर

मुझे कुछ करने की ज़रूरत थी। मुझे यह साबित करने और पता लगाने की ज़रूरत थी कि इंसान के रूप में मैं कौन थी, मेरा मूल्य क्या था। मैं यह नहीं कह रही हूँ कि यह भयावह नहीं था, क्योंकि यह भयावह था। लेकिन मैंने सोचा, “इसीलिए तो मैं इस देश में आई हूँ। यह अवसरों का देश है। मुझे यह करना ही है, वरना मैं यहाँ आई ही क्यों हूँ? रोमेनिया के जीवन से ख़राब जीवन जीने? नहीं।”

रोमेनिया में बहुत मुश्किल परिस्थितियों में रहने के बाद एनेस्टाज़िया में एक ख़ास चारित्रिक शक्ति और एक संकल्प आया, जो उन्हें हर बाधा के पार ले गया तथा इसकी बदौलत अपना ख़ुद का व्यवसाय बनाने का उनका सपना साकार हो गया। यह व्यवसाय अब एक साम्राज्य बन चुका है, जिसके अमेरिका में 1,000 से अधिक और बाक़ी संसार में 600 से ज़्यादा आउटलेट हैं। इसके अलावा, संसार के कई देशों में उनके सलून भी हैं।

जीवन की कोई भी परिस्थिति 100 प्रतिशत नकारात्मक नहीं होती। हर नकारात्मक परिस्थिति के साथ उसका विपरीत भी जुड़ा होता है, इसलिए हर बुरी दिखने वाली चीज़ के भीतर थोड़ी अच्छाई भी छिपी होती है। जीवन में महत्त्वपूर्ण यह नहीं है कि आपके साथ कितनी नकारात्मक परिस्थितियाँ हैं। महत्त्वपूर्ण तो यह है कि आप इनके भीतर छिपे सुनहरे अवसरों के साथ क्या करते हैं!

आपका आवाहन किसी सपने का अनुसरण करने के लिए तब तक नहीं किया जाता, जब तक कि आपके पास उसे साकार करने के बहुत से तरीक़े न हों। यह असंभव है कि आपके पास कोई ऐसा सपना है, जिसे आप कम से कम साकार करने की स्थिति में न हों। आपके सपने आपका आवाहन उस सर्वश्रेष्ठ जीवन की ओर कर रहे हैं, जो आपको मिल सकता है। वे अपने भीतर के हीरो को खोजने के लिए आपका आवाहन कर रहे हैं।

मैस्टिन किप

मैं तुलनात्मक रूप से अच्छे माहौल में पला-बढ़ा था। मेरे माता-पिता ज़बर्दस्त थे और उन्होंने संसार के दर्द से मुझे बचाने के लिए काफ़ी कुछ किया। जब मैंने अपने बाहर क़दम रखा और दूसरों का दर्द देखा, तो मुझे यह एहसास हुआ कि मैं इस बारे में कुछ कर सकता हूँ। इससे यह बात एकदम साफ़ हो गई कि मैं अपने जीवन में

> दरअसल कोई दूसरी चीज़ कर ही नहीं सकता था। मेरा सपना आधुनिक संस्कृति को प्रेरणा व बुद्धिमत्ता के साथ मिलाना रहा है, ताकि हम ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुँच सकें।

यदि आप आवाहन सुनते हैं और इस पर इसलिए प्रतिक्रिया नहीं करते हैं, क्योंकि आप बहुत ज़्यादा घबरा जाते हैं या आपको यक़ीन नहीं होता कि आप इसे हासिल कर सकते हैं, तो कई बार परिस्थितियाँ आपको अपने सपने का पीछा करने के लिए धकाएँगी, जैसा कि मेरे साथ हुआ।

मैं एक नेटवर्क में टेलिविज़न प्रोड्यूसर के रूप में काम कर रहा था और अपनी ख़ुद की टेलिविज़न प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने का सपना देखता रहता था। मैं ऐसा कभी नहीं कर पाता, क्योंकि मेरे पास पालने के लिए एक परिवार था, मुझे नौकरी में अच्छी तनख़्वाह मिलती थी और हमें खाने तथा अपने सिर पर छत रखने के लिए धन की ज़रूरत थी। मैं अपनी पूरी ताक़त से नौकरी की सुरक्षा को जकड़े रहा, हालाँकि कई लोग मुझे ख़ुद की कंपनी शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे।

फिर मुझे नौकरी से निकाल दिया गया। मैं सदमे में आ गया। अब हम कैसे खाएँगे? हम अपनी बेटियों की पढ़ाई के लिए पैसे कैसे देंगे? हम हाउस लोन की क़िस्त कैसे चुकाएँगे हैं?

मेरे पास एक विकल्प यह था कि मैं किसी दूसरे टेलिविज़न नेटवर्क में नौकरी कर लूँ। लेकिन मैं जो कर रहा था, उस काम पर लौटकर जाने का दिल नहीं हुआ। मुझे एहसास हुआ कि चूँकि मुझे नौकरी से निकाल दिया गया था, इसलिए मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं था। तो मैं हमारे बहुत सामान्य से मकान के पीछे वाले कमरे में प्लास्टिक की टेबल-कुर्सियों पर बैठकर टेलिविज़न शो के विचारों पर काम करने लगा। मैंने एक विचार पर काम किया और एक टेलिविज़न शो के लिए योजना बनाई, हालाँकि मुझे पता भी नहीं था कि उस पर अमल कैसे करना है। लेकिन उस विचार पर मुझे यक़ीन था, इसलिए धड़कते दिल और काँपते क़दमों के साथ मैंने वह विचार एक नेटवर्क के सभी एग्ज़ेक्यूटिव के सामने पेश किया। शो को तुरंत मंजूरी मिल गई और प्रसारित होने पर यह ज़बर्दस्त सफल हुआ तथा लंबे समय तक चलने वाली सीरीज़ बन गया।

नौकरी से निकालकर मुझे आख़िरकार अपने आवाहन का जवाब देने और अपना सपना जीने के लिए आदर्श परिस्थितियाँ दी गई थीं और मैं आज तक इस बात के लिए कृतज्ञ हूँ कि उस टेलिविज़न नेटवर्क ने मुझे नौकरी से निकाला। उसके बिना मैं अपने सपने का पीछा करने के आवाहन से इंकार कर देता। तब मैं अपने जीवन की सबसे रोमांचक और संतुष्टिदायक यात्रा जीने से वंचित रह जाता।

आवाहन सुनने से इंकार

लेअर्ड हैमिल्टन

आप अपने सपने का पीछा न करके जो जोख़िम लेते हैं, वह समाप्ति की ओर जाता है। यह अंत है। यह बग़ैर पूर्णता का जीवन है, यह बग़ैर उपलब्धि का जीवन है, यह बग़ैर संतुष्टि का जीवन है और यह बग़ैर ख़ुशी का जीवन भी है। यह दुख है।

जब आप अपने सपनों का पीछा करने के जीवन के आवाहन को सुनने से इंकार करते हैं, तो आप असंतुष्ट और दुखी जीवन जीने का जोख़िम लेते हैं। चाहे आप जो भी करते हों और चाहे आपने रास्ते में कितनी भी भौतिक चीज़ें इकट्ठी कर ली हों, लेकिन अगर आप वे चीज़ें नहीं करते हैं जो आपके दिल को गुनगुनाने के लिए प्रेरित कर दें, तो जीवन के अंत में पहुँचने पर आपको भारी असंतुष्टि और अफ़सोस का एहसास होगा। इसे अपने जीवन की कहानी न बनने दें। चाहे आप इस वक़्त कितने ही युवा या बुज़ुर्ग हों, आपके पास जीने के लिए एक ज़्यादा बड़ी कहानी है! अपने सपने का पीछा करना एक बड़ा जोख़िम लग सकता है, लेकिन क्या अपना जीवन चूकना सबसे बड़ा जोख़िम नहीं है?

माइकल ऐक्टन स्मिथ

अपने सपनों को कभी मौक़ा न देना सबसे बड़ी असफलता है।

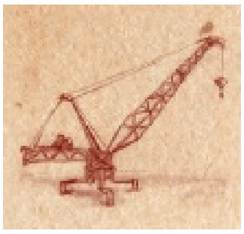

जी. एम. राव

जब आप अपने सपने या जोश का पीछा नहीं करते हैं, तो आप जो काम करेंगे, वह एक पिंजरे जैसा लगेगा, भले ही वह सोने का हो। बग़ैर आत्मा के शरीर जैसा! परिणाम यह होगा कि आप कुंठित, निरुत्साहित और जीवन के उद्देश्य से रहित महसूस करेंगे।

अपने आवाहन पर प्रतिक्रिया करने और अपने सपनों का पीछा करने का निर्णय लेना दरअसल आसान रास्ता है। आवाहन से इंकार करना मुश्किल रास्ता है, क्योंकि इसमें आप दुखी होने का जोख़िम लेते हैं, आप बग़ैर ख़ुशी, बग़ैर जोश, बग़ैर अर्थ या उद्देश्य का जीवन जीकर ख़ुद को नष्ट करने का जोख़िम लेते हैं।

हो सकता है कि शुरुआत में आप अपनी वर्तमान नौकरी से प्रेम करते हों, लेकिन समय के साथ आपका काम आपके लिए चक्की बन जाता है। इसका मतलब यह है कि आपका वर्तमान काम आपका चरम आवाहन नहीं है। शायद अब आपको गहराई तक जाने तथा ख़ुद से यह पूछने की ज़रूरत है कि कहीं रास्ते में आपने अपने सपनों को एक तरफ़ तो नहीं रख दिया।

लेन बीचली

अगर आप जीवन में कोई ऐसी चीज़ कर रहे हैं, जो आपके दिल को गुनगुनाने के लिए प्रेरित नहीं कर रही है, जो हर दिन सुबह उठने के आपके जोश को हवा नहीं दे रही है, तो आप इस ग्रह पर इंसान के रूप में अपनी भूमिका नहीं निभा रहे हैं।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

जीवन छोटा है; यह कोई ड्रेस रिहर्सल नहीं है। यह तो इसे जकड़ने, ज़्यादा से ज़्यादा चीज़ों का अनुभव करने और ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से मिलने के बारे में है। यह निश्चित रूप से सोफ़े पर बैठकर टीवी देखने और "क्या हो सकता था" पर अफ़सोस करने के बारे में नहीं है।

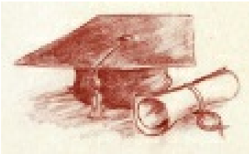

लिज़ मरे

हमने क्रिसमस के बाद वाले दिन मेरी माँ को दफ़नाया था। तब मैं सोलह साल की थी। हमारे पास पारंपरिक अंत्येष्टि के पैसे नहीं थे, इसलिए हमने उन्हें चीड़ के बक्से में लेटा दिया, जिस पर ढक्कन लगा था। लोगों ने बक्से पर "सिर" और "पैर" शब्द लिख दिए थे। यह सबसे भयानक चीज़ थी। हमारा जीवन कष्टकारी रहा था, लेकिन हमारा संबंध बहुत प्रेमपूर्ण था और मेरी माँ मेरे पलंग के पैताने पर बैठकर मुझे अपने सपने बताया करती थीं। होश में रहने के बारे में, एक मकान ख़रीदने के बारे में, एक बेहतर जीवन जीने के बारे में। और उनकी सभी बातों का अंत इस सकंल्प पर होता था कि वे ऐसा करने वाली हैं, लेकिन तुरंत नहीं। वे इसे बाद में करेंगी; वे इसे बाद में करेंगी। और किसी बिंदु पर मुझे यह एहसास हुआ कि मैं भी जीवन में ख़ुद से यही कह रही हूँ कि मैं चीज़ें बाद में करूँगी।

आपको लग सकता है, "मेरे पास अपने सपनों का पीछा करने का समय है।" देखिए, आपके पास समय नहीं है। जीवन छोटा है। वर्तमान अनुमानित जीवनकाल 24,869 दिन है। हालाँकि हममें से कुछ इससे ज़्यादा दिन जिएँगे और कुछ इससे कम, लेकिन दोनों ही मामलों में आपके पास इस जीवन में दिनों की सिर्फ़ क़ीमती संख्या है। इसीलिए आपके पास अपने सपनों में टालमटोल करने का समय नहीं है। यह "अभी या कभी नहीं" वाली बात है। अगर आप इसे अभी नहीं करते हैं, तो इस काम को टालते रहेंगे और कभी नहीं कर पाएँगे। इसे करने का समय अभी है!

"'किसी दिन' एक रोग है, जो आपके सपनों को आपके साथ क़ब्र में ले जाएगा..."

टिमोथी फ़ेरिस

द 4-आवर वर्कवीक की लेखक

कोई दूसरा आपके सपनों को सच नहीं करने वाला है, यह एहसास होना ही एक बड़ा क़दम है। आपका बॉस, मित्र, जीवनसाथी, परिवार और बच्चे आपके लिए आपका जीवन नहीं जी सकते। आप एक ऐसे जीवन का सृजन करने के ज़िम्मेदार हैं, जो आपको ख़ुश और संतुष्ट बनाता हो। आपके लिए यह काम कोई दूसरा नहीं कर सकता।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

लोगों के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण चीज़ यह है कि वे अपने कार्यों की ज़िम्मेदारी लें। अपनी परवरिश या पैसे की कमी या इसकी कमी या उसकी कमी को दोष देना निहायत आसान होता है। लेकिन अगर आप रुककर कहते हैं, "आप जानते हैं? मेरे जीवन के लिए अतंत: मेरे सिवा कोई दूसरा ज़िम्मेदार नहीं है," तो यह वह सबसे महत्त्वपूर्ण क़दम है, जिसे उठाने पर आपको एहसास होगा कि आपको चीज़ों को दुरुस्त करना होगा। आपको अपनी मानसिकता बदलनी होती है। आपको उस नौकरी को बदलना होता है। जो भी होता है, उसे आपको बदलना होता है, ताकि चीज़ें घटित हों और सही हो जाएँ।

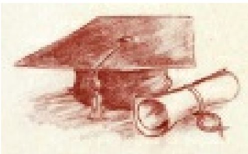

लिज़ मरे

बचपन में हमारे पास ऐसा कुछ होता है, जिसे वयस्क खो देते हैं। हर चीज़ नई और रोमांचक लगती है, लेकिन इसके अलावा दरअसल हर चीज़ संभव लगती है। फिर कुछ होता है। हम असफल होते हैं, हमें अस्वीकृति मिलती है, हम निराश होते हैं। हम अपने उस हिस्से का दमन कर लेते हैं और कुछ ज़्यादा ही गंभीर हो जाते हैं। लेकिन काश आप हर दिन जागें और ख़ुद से कहें, "अगर मैं अपनी मनचाही चीज़ों का पीछा करूँ, तो क्या हो? मेरे सपने?" आप अलार्म घड़ी का बटन दबाते हैं, फ़र्श पर पैर टिकाते हैं और बस चल पड़ते हैं। अपने जीवन में उस जादू को वापस पाने के लिए... संभावना की ख़ातिर जीने के लिए।

आप जीवन में जो चाहते हैं, हो सकता है उसका पीछा करने में आपको डर लग रहा हो, क्योंकि आपके हिसाब से आप उसमें असफल हो सकते हैं, लेकिन यह बात याद रखें, आपको कभी किसी सपने का पीछा करने का आवाहन तब तक नहीं मिलेगा, जब तक कि आपमें उस सपने को हासिल करने और उसे सच करने की शक्ति न हो।

लेअर्ड हैमिल्टन

असफलता का डर लोगों को बहुत-सी चीज़ें करने से रोक देता है। मेरी माँ कहा करती थीं कि हममें से प्रत्येक अपना अवरोध ख़ुद हैं – कि हम ही ख़ुद को रोक देते हैं।

हम एक और तरीक़े से ख़ुद को रोकते हैं। हम यह सोचने लगते हैं कि अब कोई अच्छे विचार या अवसर बचे ही नहीं हैं। हम इस बहाने का इस्तेमाल करके इस बात को तर्कसंगत साबित करना चाहते हैं कि हम अपने जीवन का कुछ क्यों नहीं कर पा रहे हैं। अगर आप सोचते हैं कि कोई अच्छा अवसर बचा ही नहीं है, तो देखें कि पॉल ऑरफ़ेलिया ने कितनी आसानी से एक स्वर्णिम अवसर खोज लिया।

एक दिन जब पॉल ऑरफ़ेलिया लाइब्रेरी फ़ोटोकॉपियर का इस्तेमाल करने के लिए क़तार में खड़े थे, तो उन्होंने वह चीज़ देखी, जो किसी दूसरे ने नहीं देखी थी। उन्होंने मन ही मन सोचा, “अगर यहाँ क़तार लगी है, तो दूसरी जगहों पर भी क़तार लगी ही होगी।” और इस सरल अवलोकन से किंकोज़ का विचार पैदा हुआ।

पॉल ऑरफ़ेलिया

अगर मेरे पास कोई अच्छे गुण हैं, तो वह यह है कि मैं जानता हूँ कि वर्तमान में कैसे रहना है। अगर आप इस पल में नहीं हैं, तो अवसर को भी नहीं देख सकते।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

बहुत से लोग सफल लोगों को देखते हैं और कंधे उचकाकर कह देते हैं, “ओह, वे ख़ुशाक़िस्मत थे।” लेकिन जीवन में अपनी क़िस्मत आप ख़ुद बनाते हैं और जब अवसर आते हैं, तो आपको छलाँग लगाकर उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होता है।

एनेस्टाज़िया सोर

अवसर हर दिन हर एक के सामने आते हैं। यह तो वैसा ही है, जैसे आप रेलवे स्टेशन पर हों। हर कोई स्टेशन पर होता है, ट्रेनें लोगों के सामने आकर रुकती हैं, लेकिन उनकी आँखें बंद रहती हैं। उनकी आँखें खुली नहीं होतीं कि वे देखें और उस ट्रेन में बैठ जाएँ। अवसर हर जगह होते हैं।

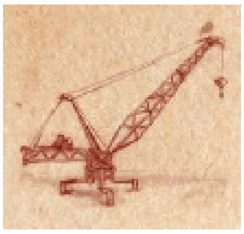

जी. एम. राव

कोई बड़ी चीज़ करने के लिए आपको किसी बड़े सपने की ज़रूरत नहीं है। बस जीवन के अवसरों के प्रति अपनी आँखें खुली रखें।

"लोग आपको बताने की कोशिश करेंगे कि सारे महान अवसर लपके जा चुके हैं। सच तो यह है कि संसार हर पल बदलता रहता है, जिससे नए अवसर सभी दिशाओं में बनते रहते हैं, जिनमें आप भी शामिल हैं।"

केन हाकुता – डॉ. फ़ैड
आविष्कारक

सुरक्षा का भ्रम

धनराशि और सुरक्षा के आधार पर अपने जीवन के विकल्प न चुनें। जीवन लगातार बदलता है; कंपनियाँ कर्मचारियों को बदलती हैं, दिवालिया होती हैं या विदेश चली जाती हैं, नौकरियाँ छूट जाती हैं या आर्थिक मंदी की वजह से भारी छँटनी का दौर शुरू हो जाता है। हो सकता है कि आप अपनी नौकरी, अपनी बचत और अपना मकान गँवा दें। तलाक़ हो सकता है, बीमारियाँ आ सकती हैं और ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, जो आपकी काल्पनिक सुरक्षा को दरवाज़े के बाहर फेंक सकती हैं। मैंने वित्तीय सुरक्षा को अपने सपनों से ज़्यादा महत्त्व दिया। लेकिन जब मुझे नौकरी से निकाला गया, तो मुझे स्पष्टता से समझ आ गया कि मैं जिसे सुरक्षा समझती थी, उसका अस्तित्व सिर्फ़ मेरे दिमाग़ में ही था। असली सुरक्षा का मतलब यह जानना है कि कोई सुरक्षा नहीं है, क्योंकि तब आप अपने जीवन का हर दिन पूरी तरह जीना सुनिश्चित करेंगे।

मैस्टिन किप

हालाँकि परिवार वाले और मित्र आपसे प्रेम करते हैं और बावजूद इसके कि वे आपका सबसे ज़्यादा हित चाहते हैं, जब तक बड़े होते समय आपके मम्मी-डैडी या माहौल बेहतरीन न हों, तब तक आम तौर पर वे यही चाहेंगे कि आप आर्थिक दृष्टि से सुरक्षित राह चुनें, जहाँ निश्चितता और सुरक्षा हो।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

सुरक्षा और अच्छी तनख़्वाह वाली नौकरी को छोड़ना अल्प-काल में कष्टकारी हो सकता है, लेकिन आप कई दशक तक ज़िंदा रहने वाले हैं। आपके लिए अल्पकालीन दर्द सहन करना अच्छा हो सकता है, ताकि आप वह चीज़ खोज लें, जिससे आप प्रेम करते हों, भले ही वहाँ कम वेतन मिल रहा हो। क्योंकि अगर आपके पास ऐसी नौकरी है, जिससे आप प्रेम करते हैं, तो आप अंत में कई दूसरे मायनों में सफल हो जाएँगे।

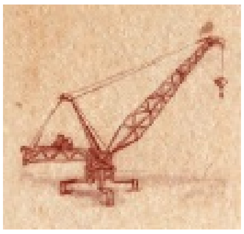

जी. एम. राव

आप जो करना पसंद करते हैं, पैसे के कारण उससे कभी समझौता न करें। आप जिसमें उत्कृष्ट होते हैं, उससे निश्चित रूप से आपको उतनी दौलत और सुरक्षा मिल जाएगी, की आपको ज़रूरत है। शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकीन जब आप अपने काम में पूर्णता हासिल कर लेते हैं, तो हर दूसरी चीज़ अपने आप आएगी।

सुरक्षा के जाल में कोई भी फँस सकता है; कई लोग बहुत-सा धन कमाते हैं, लेकिन उन्हें अपना काम चक्की की तरह महसूस होता है। दरअसल वे उतने ही नाख़ुश और असंतुष्ट होते हैं, जितना कि बहुत कम कमाई करने वाले।

लेअर्ड हैमिल्टन

धनराशि आपके लिए क्या है? यदि यह आपका लक्ष्य है, तो यह आपका मालिक बन जाएगा – यह आपकी गतिविधियों और आपको नियंत्रित करेगा।

भौतिक वस्तुएँ अद्भुत हैं और उनका अनुभव करना पृथ्वी पर रहने की भारी ख़ुशियों में से एक है, लेकिन सामाजिक प्रभाव की बदौलत हम यह ग़लत विचार करने लगते हैं कि भौतिक वस्तुओं का संग्रह ही हमारे जीवन का उद्देश्य है। अगर भौतिक वस्तुएँ ही हमारे जीवन का उद्देश्य होतीं, तो उनसे हमें सच्ची ख़ुशी, पूर्णता और संतुष्टि मिल जाती। तब हमें कभी किसी दूसरी वस्तु को ख़रीदने की ज़रुरत ही नहीं पड़ती। तब पाई गई वस्तुओं से महसूस होने वाली ख़ुशी क्षणिक नहीं, बल्कि स्थायी होती।

यदि भौतिक वस्तुओं का संग्रह करना ही हमारे जीवन का उद्देश्य होता, तो यहाँ से जाते वक़्त हम उन्हें अपने साथ ले जा पाते। आप सुबह अख़बार उठाने के लिए बाहर जाते और देखते कि सड़क के पार जो बूढ़ा रहता था उसका मकान ग़ायब हो चुका है, क्योंकि वह उसे अपने साथ ले गया। हम अपने साथ भौतिक वस्तुएँ इसलिए नहीं ले जा सकते, क्योंकि वे वह नहीं हैं जो हम हैं। हालाँकि वे पृथ्वी पर जीने के आनंद का हिस्सा हैं, लेकिन वे हमारे जीवन का उद्देश्य नहीं हैं।

लेन बीचली

यह मुश्किल था, यह चुनौतीपूर्ण था और मैंने बहुत त्याग किए, लेकिन मैंने वे त्याग जान-बूझकर किए, क्योंकि विश्व चैंपियन बनने के सपने का पीछा करना मेरे लिए पैसे बनाने से ज़्यादा महत्वपूर्ण था।

हम सभी को रोटी, कपड़े और मकान की ज़रूरत होती है, लेकिन यदि हम भौतिक वस्तुओं का ही पीछा करते रहें, तो सचमुच संतुष्टिदायक जीवन जीने की हमारी स्वतंत्रता छिन जाएगी। अपने सपनों का पीछा करने के बजाय भौतिक वस्तुओं तथा सुरक्षा की खोज को अपने जीवन का उद्देश्य न बनाएँ। पूँछ को नेतृत्व नहीं, अनुसरण करने दें। विरोधाभासी बात यह है कि जब आप सुरक्षा के बजाय अपने सपनों का पीछा करने का चुनाव करते हैं, तो आपको सब कुछ मिल जाएगा, भौतिक दौलत भी और समृद्ध, संतुष्टिदायक जीवन भी।

इसके अलावा, आपको ऐसा कुछ भी मिलता है, जो पैसे से कभी नहीं ख़रीदा जा सकता। आपके पास उपलब्धि, संतुष्टि और पूर्णता की सबसे महान भावना होगी। ज़ाहिर है, आप हमेशा और ज़्यादा करना चाहेंगे तथा अपने सपनों को आगे भी बढ़ाना चाहेंगे, लेकिन जब आप हीरो की यात्रा करके पूर्ण संतुष्टि की भावना महसूस करते हैं, तो आपके

मन में ज़रा भी शंका नहीं रहेगी कि यही करने के लिए आप पैदा हुए थे। और अपने उद्देश्य को पूरा करने पर आप अपने भीतर जो हासिल करते हैं, जाते वक़्त अपने साथ ले जाते हैं।

अपने जीवन के अंत में पहुँचकर उन सारी चीज़ों पर अफ़सोस न करें, जो आपने नहीं कीं। आपका जीवन क़ीमती है। अगर आप ख़ुद को चंद सिक्कों में बेच देते हैं, तो आपको वह ख़ुशी नहीं मिलेगी, जिसकी आप बुरी तरह खोज कर रहे हैं, क्योंकि सच्ची ख़ुशी तो अपने सपने साकार करने से मिलती है। कल्पना करें कि बिना किसी अफ़सोस के जीवन के अंत तक पहुँचना कैसा रहेगा। कल्पना करें कि आप पलटकर अपने किए हर काम को देखेंगे और संतुष्टि के परम भाव से भर जाएँगे।

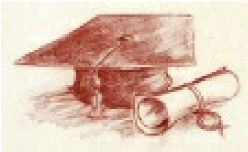

लिज़ मरे

आप वह कहावत जानते होंगे कि “अपने संगीत को अपने भीतर छिपाए हुए ही न मर जाएँ।” लोग जब रात को तकिए पर सिर रखते हैं, तो वे मन में सपने देखते हैं। और अगर आप उस आवाज़ का सम्मान नहीं करते हैं, तो यह कहीं नहीं पहुँच पाती है। यह एक ऐसी ऊर्जा है, जो आपके भीतर रहती है। आप इस ऊर्जा को नकार नहीं सकते। यह तो उस सूत्र का हिस्सा है, जो आप इंसान के रूप में हैं। इसलिए अगर आप रात को तकिए पर सिर रखते हैं और इस संसार में कुछ करने के लिए आपका आवाहन किया जाता है और आप उसे नज़रअंदाज़ कर देते हैं, तो वह सपना आपके भीतर ही बंद रह जाता है। मेरे लिए यह सबसे बुरी चीज़ है... अपना संगीत अपने भीतर छिपाए हुए ही मर जाना।

मेरी एक सहेली कई वर्षों से टेलिविज़न के प्रशासनिक क्षेत्र में नौकरी कर रही थी। उसने कंपनी में जिन परिवर्तनों की ख़ातिर काम किया था, उन्हीं की बदौलत उसे नौकरी से बाहर निकाल दिया गया। वह जानती थी कि उसकी सबसे बड़ी तमन्ना फ़िल्म डायरेक्टर बनने की थी, इसलिए अब वह अपने सपने के मुताबिक़ नया जीवन जीने की योजना बनाने लगी। लेकिन अवसर को जकड़ने और फ़िल्म निर्देशक के रूप में अपने नए जीवन को शुरू करने से पहले ही उसे एक बार फिर टेलिविज़न के प्रशासनिक क्षेत्र में एक अच्छी तनख़्वाह वाली नौकरी मिल गई। उसने वह नौकरी कर ली और इस तरह उसके सपने तथा नए जीवन की संभावना काफ़ूर हो गई।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मैं अपने जीवन के अंत में किसी नर्सिंग होम में बैठकर यह नहीं सोचना चाहता कि काश मैं इन सारी चीज़ों को अलग तरीक़े से करता!

एनेस्टाज़िया सोर

आपके पास खोने के लिए क्या है? आपको इसकी कोशिश करनी ही चाहिए। हिम्मत नहीं करेंगें, तो आप जीवन जीते रहेंगे, लेकिन आपको यह पता ही नहीं चल पाएगा कि आप यह करने में समर्थ थे। यह दुखद है... मेरे हिसाब से, बहुत दुखद है।

पॉल ऑरफ़ेलिया

मैं हमेशा विद्यार्थियों से कहता हूँ कि कॉलेज से ही अपना व्यवसाय शुरू कर दो। आपके साथ सबसे बुरी चीज़ क्या हो सकती है? आप अपने माता-पिता के साथ दोबारा रहने जा सकते हैं। यह अनुभव के बारे में नहीं है – बस अपनी गरदन बाहर निकालो और अपना व्यवसाय शुरू करो।

मैस्टिन किप

ज़्यादातर लोग छलाँग नहीं लगाना चाहते, क्योंकि उन्हें पर्याप्त दर्द महसूस नहीं हो रहा है। आम तौर पर वे तब क़दम उठाएँगे, जब वे इतने उकता जाएँगे, इतने थक और उकता चुके होंगे कि वे कहेंगे, “अब मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता।”

पॉल ऑरफ़ेलिया

भले ही आप किसी ऐसी नौकरी या पेशे में अटके हों, जिसे आप पसंद नहीं करते, लेकिन इसके बावजूद आज आपके पास मानव इतिहास में सबसे ज़्यादा संभावना है कि आप अंतत: वह चीज़ करें, जिससे आपको सचमुच संतुष्टि मिलती है।

परिवर्तन करने से पहले तब तक इंतज़ार न करें, जब तक कि हालात बर्दाश्त के बाहर न हो जाएँ। इसी समय अपनी ज़िंदगी बदल लें! सच्ची ख़ुशी और संतुष्टि के सिवा कोई भी चीज़ आपके लिए पर्याप्त रूप से अच्छी नहीं है, इसलिए इससे कमतर से समझौता न करें। भले ही आप सोचते हों कि सुरक्षा के तंतुओं ने आपको कसकर जकड़ रखा है और आप अपने दायित्वों के कारण हिल भी नहीं सकते, लेकिन यह याद रखें कि कभी बहुत ज़्यादा देर नहीं होती है – अपने सपनों का पीछा करने के हमेशा असीमित तरीक़े होते हैं और आप जितना सोचते हैं, यह उससे बहुत आसान है।

अपने सपने को खोजना

पीटर फ़ोयो

मानव जाति की परम कुंठा – मैं अपने जीवन के साथ क्या करूँ?

लेन बीचली

आप क्या चाहते हैं? अपने दिल पर हाथ रखें और ख़ुद से पूछें, मैं क्या चाहता हूँ? दिमाग़ में जो पहली चीज़ आती है, वह हमेशा सही होती है।

अपने बारे में आपकी राय, मान्यता और निष्कर्ष जो भी हों, उन्हें जाने दें, क्योंकि यही वे चीज़ें हैं, जिन्होंने आपको अपना सपना देखने से रोका था। अपनी तुलना किसी दूसरे से न करें, क्योंकि आपके भीतर जो क्षमता है, वह इस पृथ्वी पर किसी दूसरे के पास नहीं है। ख़ुद के लिए क्या संभव है, इस बारे में सभी सीमित विचार छोड़ दें और अपने दिमाग़ के पट सारी संभावनाओं के प्रति खोल दें। यदि आप उस सारे सामान को छोड़ सकते हों, जो आपने जीवन भर इकट्ठा किया है, यदि आप सुबह एक बिलकुल नई, साफ़ स्लेट की तरह जाग सकते हैं, तो हर अविश्वसनीय संभावना आपके जीवन में आने के लिए स्वतंत्र होगी।

लेन बीचली

लोग अपने बाहर देखते हैं, लेकिन जब आप एक बार अपने भीतर देखते हैं, तो आप जान जाते हैं।

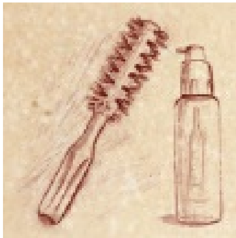

जॉन पॉल डिजोरिया

हमें हमेशा पता नहीं होता कि हम क्या चाहते हैं, लेकिन हम निश्चित रूप से यह बात जानते हैं कि हम क्या नहीं चाहते। जो आप नहीं चाहते हैं, उस बारे में करना या सोचना छोड़ दें और आगे बढ़ जाएँ। यह तो वैसा ही है कि अगर ट्रेन की सवारी बुरी है, तो उससे उतर जाएँ। अगर आप उस ट्रेन से नहीं उतरते हैं, तो आपको कभी किसी दूसरी चीज़ का अनुभव नहीं मिल पाएगा। इसके बाद आप ख़ुद को किसी दूसरी चीज़ के लिए खुला छोड़ देते हैं।

मैस्टिन किप

उन पलों की ओर देखें, जिनमें आप आनदंदायक महसूस करते हैं, वे पल जब समय पखं लगाकर उड़ जाता है, जब आप सचमुच ऊर्जा महसूस करते हैं, जब आप वाक़ई प्रेरित महसूस करते हैं। इस बारे में सोचें, “मैं कहाँ सबसे अधिक प्रेरित रहता हूँ? मैं कहाँ सचमुच ख़ुश रहता हूँ?” भले ही यह दौर आपके जीवन में कुछ पल ही रहा हो, लेकिन ऐसे दौर ही वे द्वार हैं, जो आपको दिखा रहे हैं कि आपका सपना किस बारे में है।

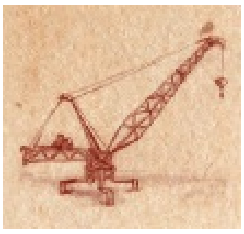

जी. एम. राव

कुछ लोग अपने बड़े सपने पर उसी पल पहुँच जाएँगे, जब वे अपने भविष्य के बारे में सोचना शुरू करेंगे।

अगर आप कोई भी चीज़ कर सकते हों, तो आप क्या करेंगे? अगर पैसे का मुद्दा बीच में न हो, तो आप क्या करेंगे? यदि सफलता की गारंटी दे दी जाए, तो आप क्या करेंगे? जब आप कोई सवाल पूछते हैं या अपने उद्देश्य के बारे में कोई सवाल पूछते हैं, तो सृष्टि जवाब आप तक पहुँचा देगी। जवाब आपके चेतन मन से नहीं आता है; वरना यह बात आपको पहले से ही पता होती। जवाब तो शाश्वत मन से आता है।

लेन बीचली

हममें से ज़्यादातर लोग ज़िंदगी गुज़ार देते हैं, लेकिन यह जान ही नहीं पाते हैं कि हमारा सपना या हमारा उद्देश्य क्या है, क्योंकि हमने कभी ख़ुद से यह पूछने का समय ही नहीं निकाला है। यह महत्त्वपूर्ण है कि लोग यह पहचानने का समय निकालें कि उन्हें किस चीज़ से प्रेम है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप बिना पतवार की नाव के समान हैं।

सवाल पूछने से पहले ख़ुद को शिथिल और शांत मानसिकता में पहुँचा दें। इसके बाद ही कोई सवाल पूछें, जैसे, “जीवन में मेरा उद्देश्य क्या है?” या, “मुझे क्या करने के लिए बनाया गया है?” या, “मेरे यहाँ होने का क्या कारण है?” इस सवाल का जवाब अपने दिमाग़ से देने की कोशिश न करें, बल्कि इसे हवा में झूलने दें। एक मिनट तक शांत रहें। जो भी चीज़ आए, उस पर ध्यान दें और फिर ख़ास तौर पर इस बात पर ग़ौर करें कि उस दिन आप क्या करने के लिए प्रेरित होते हैं।

जवाब आपके दिमाग़ में एक कौंध के रूप में आएगा। इसके आने की सबसे ज़्यादा संभावना तब है, जब आप किसी बिलकुल ही अलग चीज़ पर केंद्रित होते हैं। जब आपको जवाब मिले, तो उस पर शंका न करें, बल्कि सोचें कि उस दिशा में आप कौन-सा छोटा क़दम उठा सकते हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन

यह अपनी बात सुनने, भीतर जाने और स्थिर रहने के बारे में है। जंगल में जाएँ या समुद्र में जाएँ; किसी ऐसी जगह पर जाएँ, जहाँ आप इसे सुन सकें। आपको आपका ही अवचेतन बता देगा। यह आपके भीतर है और यह हमेशा से वहाँ है, आपने तो बस इसे किसी गहरी जगह पर रख दिया है।

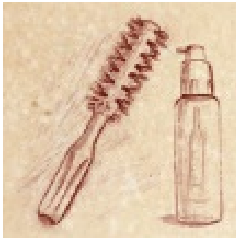

जॉन पॉल डिजोरिया

यदि आप ख़ुद को सृष्टि के लिए खुला छोड़ देते हैं, तो अंतत: जवाब आपके पास आ जाएगा।

सारा ब्लेकली नामक महिला जानती थी कि वह एक मल्टीमिलियन डॉलर कारोबार बनाना चाहती है। वह बस इतना ही जानती थी। इसलिए सारा ने मल्टीमिलियन डॉलर का एक विचार माँगा। एक दिन जब वह कपड़े पहन रही थी, तो उसे कपड़ों के साथ एक समस्या आई। तुरंत सारा को महिलाओं के एक नए क़िस्म के अंडरवियर का बेहतरीन विचार मिल गया और वह विचार स्पैंक्स में बदल गया – जो अब मल्टीबिलियन डॉलर की वैश्विक कंपनी है।

पीटर बरवॉश

दूसरा तरीक़ा है, सच्चे उद्यमी की दिशा में जाएँ, जिसका मतलब यह पूछना है : “संसार को किस चीज़ की ज़रूरत है और संसार समय के इस ख़ास पल में क्या चाहता है?”

मैस्टिन किप

यह सवाल पूछें, “मैं लोगों की किसी समस्या या किसी मुद्दे को कैसे सुलझा सकता हूँ?” फिर यह पता लगाएँ कि क्या यह उससे मेल खाता है, जिसके बारे में आप उत्साहित हैं। यही सफलता की कुंजी है। आध्यात्मिक, भावनात्मक और वित्तीय दृष्टि से भी यह सबसे प्रभावी सपर्क-बिंदु है।

पॉल ऑरफ़ेलिया

किन्कोज़ एक सवाल से शुरू हुआ था। अगर आप सवाल पूछना छोड़ चुके हों, तो उन्हें पूछना दोबारा शुरू कर दें।

किन्क़ोज़ की स्थापना करने वाले पॉल ऑरफ़ेलिया और स्पैंक्स को बनाने वाली सारा ब्लेकली की तरह उद्यमी प्रश्न पूछते हैं। इसी तरह उद्यमी को आदर्श समय पर आदर्श विचार मिलते हैं, जिसकी संसार को ज़रूरत होती है। बस एक सवाल पूछकर वे एक विचार प्राप्त करते हैं और उस विचार से वे आगे चलकर बड़ी सफल कंपनियाँ बनाते हैं।

जब भी आपको कोई सवाल पूछने की ज़रूरत हो, तो अपनी ज़रूरत की जानकारी, विचार, समाधान या निर्णय का तरीक़ा माँगें। शाश्वत मन जवाब आप तक पहुँचा देगा। यह एक कौंध के रूप में आपके दिमाग़ में प्रकट होगा। इस अविश्वसनीय संसाधन का दोहन करने की योग्यता का उपयोग करें!

पीटर बरवॉश

अपनी दिशा मालूम करने का एक तरीक़ा : दो क़ागज़ लें। एक क़ागज़ पर लिखें कि आप किस चीज़ में अच्छे हैं और दूसरे क़ागज़ पर लिखें कि आप जीवन में क्या करना पसंद करेंगे। फिर देखें कि क्या आप उन दो क़ागज़ों में समानता खोज सकते हैं।

मैस्टिन किप

ऐसे लोगों को खोजें, जो उस यात्रा पर जा चुके हों या उन लोगों से पुछें जो उस सड़क पर वापस लौट रहे हों, जिस पर आप जाना चाहते हैं। पूछें, “आपने यह कैसे किया?” ख़ुद को एक ऐसे माहौल में रखें, जहाँ लोग वह चीज़ कर रहे हों, जो आप करना चाहते हैं। प्ररेक जानकारी की भारी ख़ुराक़ लें, चाहे यह पुस्तकें हों या डीवीडी हो या सीडी हो, क्योंकि हो, क्योंकि ऐसा करते समय आप संसार के महानतम लोगों के विचारों को सोच रहे हैं।

लेन बीचली

आपको स्पष्ट बनना होता है। स्पष्टता से ही आपको शक्ति मिलती है। समय लगाकर स्पष्टता से जान लें कि आप क्या चाहते हैं और फिर इसकी ओर एक क़दम उठा दें। दूसरी ओर, अगर आपको यही नहीं मालूम कि आप क्या चाहते हैं, तो आप जीवन को यह अनुमति दे देंगे कि वह आपको उसके हिसाब से चलाए। मैंने कभी जीवन को यह अनुमति नहीं दी कि यह मुझे उसके हिसाब से चलाए।

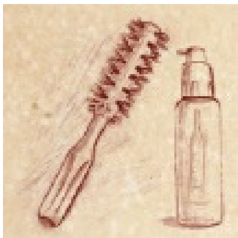

जॉन पॉल डिजोरिया

अगर आप किसी चीज़ के सपने देख रहे हैं और कुछ नहीं हो रहा है, तो लिखें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं और सुबह उठते समय उसे अपने सामने रखें। एक या दूसरे तरीक़े से, अगर आप उस पर केंद्रित होते हैं, तो मन आपको उसकी दिशा में ले जाता है। मन जो भी सोच सकता है और यक़ीन कर सकता है, यह उसे हासिल भी कर लेगा। कोई चीज़ आपके दिमाग़ में जितनी ज़्यादा रहती है, इसके होने की संभावना भी उतनी ही ज़्यादा होती है।

पीट कैरल

यह रॉकेट विज्ञान नहीं है। मेरे लिए यह सचमुच स्पष्ट है कि यह सचेत निर्णय लेना महत्त्वपूर्ण है कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं या आप क्या बनना चाहते हैं। स्वप्न ही सृष्टि में मौजूद शक्तियों को गतिमान करता है, जो हमें वह बनाने में मदद करती हैं, जो हम बनना चाहते हैं।

भले ही आप अब तक यह न जान पाए हों कि आपका सपना क्या है, लेकिन आप इसी वक़्त एक ऐसी चीज़ कर सकते हैं, जो आपके सपने के साकार होने की गति को तीव्र कर देगी : आप वर्तमान में जो कर रहे हैं, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ लगाएँ। भले ही आप जानते हों कि आप इस वक़्त जो नौकरी कर रहे हैं, आप अंतत: उससे भिन्न नौकरी चाहते हैं, लेकिन अपनी वर्तमान नौकरी पर अपना पूरा ध्यान दें और इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रयत्न करें। ऐसा करके आप दरअसल अपनी वर्तमान नौकरी से ज़्यादा बड़े बन जाते हैं और समय के साथ वे द्वार खुल जाएँगे, जो आपको अपने सपने की आदर्श परिणिति की ओर ले जाएँगे।

लेअर्ड हैमिल्टन

मेरी माँ ने मुझमें एक मूल्य यह भरा था, कि जब भी कोई काम करो, चाहे वह कोई भी हो, तो उसे अपनी पूरी योग्यता के साथ करो। अगर आप सड़क की सफ़ाई करने जा रहे हैं, तो सबसे अच्छी सफ़ाई करें।

जॉन पॉल डिजोरिया

मेरे लिए सफलता का अर्थ यह नहीं है कि आपके पास कितना ज़्यादा पैसा है; इसका अर्थ यह है कि आप जो भी करते हैं, उसे कितनी अच्छी तरह करते हैं। चाहे आप चौकीदार हों या व्यवसायी हों या विमान चालक हों, आप क्या करते हैं और

आप उसे कितनी अच्छी तरह करते हैं, उसी से यह तय होता है कि आप कितने सफल हैं।

बड़े सपने और छोटे सपने

एनेस्टाज़िया सोर

छोटे सपनों के साथ कुछ ग़लत नहीं है। बड़े सपने उन लोगों के लिए हैं, जो अपने जीवन में मौजूद हर चीज़ का जोख़िम लेने के सचेत रूप से इच्छुक होते हैं। छोटे सपने हैं, बड़े सपने हैं और उन्मादी सपने हैं। इतना उन्मादी होने के लिए एक ख़ास व्यक्तित्व की ज़रूरत होती है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

ज़्यादातर लोगों के पास जीवन में बड़े सपने नहीं होते। उनके पास आत्मविश्वास नहीं होता। वे सोचते हैं कि सारे रोमांचक काम दूसरे लोग कर रहे हैं। लेकिन बड़े सपने होना महत्त्वपूर्ण है और इससे जीवन रोमांचक बनता है। अगर आपके पास बड़े सपने नहीं हैं, तो बड़े सपने सच नहीं हो सकते।

एनेस्टाज़िया सोर

लोगों को यह समझने की ज़रूरत है कि कुछ पाने के लिए वे कितना कुछ देने के लिए तैयार हैं। जीवन में हर चीज़ बैंक अकाउंट जैसी होती है। आप जितना अंदर डालते हैं, उतना ही आप बाहर निकालेंगे। कम देकर ज़्यादा पाने की कोशिश न करें। यह नहीं होने वाला।

हो सकता है कि कोई व्यक्ति किसी बहुत बड़े सपने से शुरूआत करे, लेकिन शुरुआत छोटे सपने से भी हो सकती है, जो आगे चलकर इतना बड़ा हो जाए, जितनी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। जीवन उसी आकार के सपने के प्रति हमारा आवाहन करता है, जिसे हम उस वक़्त सँभाल सकते हैं।

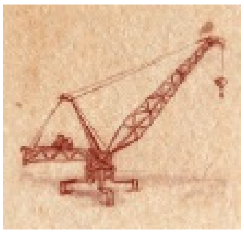

जी. एम. राव

किसी पहेली के टुकड़ों की तरह छोटे सपने ज़्यादा बड़े सपनों के द्वार खोल देंगे। शुरुआत में सपना देखना भी मुश्किल होता है, लेकिन यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि महात्मा गाँधी ने कभी किसी बड़े सपने के साथ शुरुआत नहीं की थी। वे जो चाहते थे, बस उसकी सीमाओं को बढ़ाते गए और सबसे बड़ी चीज़ घटित हो गई।

जब आप अपने सपने को खोज लेते हैं और उसे सच कर देते हैं, तो अपने जीवन के लिए आपने जो दूसरे छोटे सपने देखे थे, वे भी सच हो जाते हैं। बीस साल की उम्र के बाद मेरा सपना एक अलग देश में रहने का था। मैं किसी ऐसे देश में रहने का रोमांच और चुनौती चाहती थी, जो मेरे लिए अपरिचित हो। मैं किसी भिन्न संस्कृति के रोमांच का अनुभव चाहती थी। जब द सीक्रेट का मेरा सपना सच हो गया, तो मेरे काम के लिए यह ज़रूरी था कि मैं ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका रहने आ जाऊँ, इसलिए जिस सपने को मैंने अलग रख दिया था, वह भी मेरे बड़े सपने के साथ ही सच हो गया। सपने एक दूसरे से जुड़े होते हैं और जब एक सपना साकार हो जाता है, तो बाक़ी उसका अनुसरण करेंगे।

चाहे आपको अपना सपना मिल गया हो या आपको इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा न हो कि आपका सपना क्या है, एक बहुत ही सरल सलाह है, जो निश्चित रूप से आपको अपने सपने की ओर ले जाएगी।

अपने आनंद का अनुसरण करें

जोसफ़ कैंपबेल विश्व के सबसे सम्मानित पौराणिक कथा विशेषज्ञों में से एक थे। अपनी ज्ञानवर्धक सीखों में उन्होंने हमारे जीवन के लिए एक आसान लेकिन गहन संदेश दिया है :

“अपने आनंद का अनुसरण करें।”

ये पाँच शब्द आपके जीवन का कम्पास हैं। वे आपको बताते हैं कि हर पल आपकी दिशा की सुई किस तरफ़ होनी चाहिए। आनंद आपको तब महसूस होता है, जब आप कोई ऐसी चीज़ करते हैं, जिसे करने से आपको बेहद प्रेम है। यह एक धागा है, जो आपके सपनों से जुड़ा है। इसलिए जब आप अपने आनंद का अनुसरण करते हैं, तो आप अपने सपनों को भी खोज लेते हैं और इस धरती पर रहने का अपना मिशन पूरा कर देते हैं।

निक वुडमैन जानते थे कि वे उद्यमी बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि वे किस व्यवसाय में उतरें। जब निक ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया की यात्रा में अपने मित्रों के साथ सर्फ़िंग करते हुए अपने आनंद का अनुसरण कर रहे थे, तो उनके दिमाग़ में एक विचार आया। उन्होंने सोचा, ऐसा कैमरा होना चाहिए, जो सर्फ़िंग करते वक़्त उनकी और उनके मित्रों की तस्वीरें ले सके। यही छोटा-सा विचार एक बीज बना, जो आगे चलकर गो-प्रो कैमरा बना, जिसने निक वुडमैन को विश्व के सबसे युवा अरबपति उद्यमियों में से एक बना दिया।

आनंद ही आनंद की ओर ले जाता है

जब आप आनंद में होते हैं और अपना प्रिय काम कर रहे होते हैं, तो आपसे एक सम्मोहक और शक्तिशाली गुण का संचार होता है। यह शक्तिशाली गुण और अधिक आनंद को आपकी ओर आकर्षित करता है। भले ही आप अपने सपने को अब तक न पहचान पाए हों, लेकिन जब आप आनंद में होते हैं, तो आप सही मार्ग पर हैं, क्योंकि आनंद आपको सपने की ओर ले जाएगा।

लेन बीचली

कोई ऐसी चीज़ करने का विकल्प चुनें, जो आपको हर दिन अच्छा महसूस कराती हो। कितने लोग ऐसा करते हैं? कितने लोग यह जान पाते हैं कि किस चीज़ से उन्हें अच्छा महसूस होता है? कितने लोग नियमित रूप से उसे करने में समय समर्पित करते हैं?

आप तब अपने आनंद का अनुसरण करते हैं, जब आप कोई ऐसी चीज़ करने का निर्णय लेते हैं, जिससे आपको हर दिन सचमुच अच्छा महसूस होता है। यह कोई बहुत छोटी चीज़ हो सकती है, जैसे पार्क या बगीचे में पैर ऊपर करके बैठना या अपनी प्रिय कॉफ़ी ख़रीदना और इसे भागमभाग में पीने के बजाय बैठ जाना, चैन की साँस लेना और संसार को पास से गुज़रते देखना। चाहे यह कितना ही महत्त्वहीन या छोटा नज़र आए, हर दिन कुछ ऐसा करना सुनिश्चित करें, जो आपके आनंद की परिभाषा में आता हो। इससे पहले कि आप जान पाएँ, आपको दूसरी आनंददायक चीज़ों की प्रेरणा मिलेगी, जिन्हें आप कर सकते हैं। बस उस एक प्रिय चीज़ को करने से जल्दी ही आपकी पकड़ में वह धागा आ जाएगा, जो आपको अपने सपनों और कहीं बेहतर जीवन की ओर ले जाने वाला है।

पीटर फ़्रोयो

यह काफ़ी घिसी-पिटी बात लगती है, लेकिन मुझे यक़ीन है कि अपने जीवन को पूरी तरह जीना वाक़ई महत्त्वपूर्ण है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

हमारे परिवार और संबंधों के अलावा हमारी नौकरी हमारे जीवन के सबसे अहम हिस्सों में से एक है। यह निश्चित रूप से वह जगह है, जहाँ आप अपने ज़्यादातर

घंटे जागते हुए गुज़ारते हैं, इसलिए इसे आनदंदायी होना चाहिए। आपके मन में इसके प्रति जोश होना चाहिए। आपको इसके बारे में परवाह होनी चाहिए।

जॉन पॉल डिजोरिया

मैं जो करता हूँ, उससे प्रेम करता हूँ, वरना मैं इसे कर ही नहीं रहा होता।

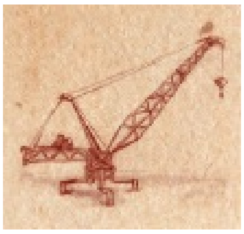

जी. एम. राव

पैसा और सुरक्षा हर एक के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। आप जो ख़ास चीज़ करते हैं, उसके बारे में व्यक्तिगत संतुष्टि और उसके प्रति जोश कहीं ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है। इसीलिए सपने देखना महत्त्वपूर्ण है।

अगर आपके पास पूर्णकालिक नौकरी है, तो आप ऑफ़िस में हर साल संभवत: 250 दिन गुज़ारते होंगे। 250 दिन का मतलब है साल का दो-तिहाई हिस्सा, इसलिए अगर आप वह नहीं कर रहे हैं, जिसमें आपका दिल लगता है, जिससे आपमें जोश और रोमांच भर जाता है, तो आप अपने जीवन के बहुत से क़ीमती दिन बर्बाद कर रहे हैं।

> “आपका काम आपके जीवन का एक बड़ा हिस्सा है, इसलिए सचमुच संतुष्ट होने का इकलौता तरीक़ा वह करना है, जिसे आप महान काम मानते हैं। और महान काम करने का एकमात्र तरीक़ा अपने प्रिय काम को करना है। अगर आपको यह अब तक नहीं मिला है, तो तलाश करते रहें और समझौता न करें।”

स्टीव जॉब्स
ऐप्पल इन्कॉर्पोरेटिड के सह-संस्थापक

अगर आप घर पर बच्चे पाल रही हों, तो सुनिश्चित करें कि आपके जीवन के इस क़ीमती समय में कोई ऐसी चीज़ शामिल हो, जिससे आप प्रेम करती हों और फिर उसे ज़्यादा से ज़्यादा बार करें। जब मैं घर पर रहकर अपने बच्चे पाल रही थी, तो मुझे एक सृजनात्मक कार्य की ज़रूरत थी, इसलिए मैंने ख़ुद को कुकिंग में झोंक दिया। मैंने कुकिंग कोर्स किए,

पुस्तकें ख़रीदीं और पकाने का तब तक अभ्यास किया, जब तक कि मैंने हर मिलने वाली कुकिंग विधि को आदर्श नहीं बना लिया। कुकिंग मेरा आनंद बन गया। जब मैं टेलिविज़न की नौकरी पर लौटी, तो मेरा पहला तैयार टेलिविज़न शो एक कुकिंग शो था। मैंने जो सीखा था, उसकी बदौलत वह शो बहुत सफल हो गया। इसकी सफलता के साथ टेलिविज़न प्रोडक्शन में मेरा करियर परवान चढ़ गया।

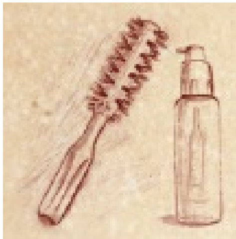

जॉन पॉल डिजोरिया

जब आप जोशीले होते हैं और जब आप अपने काम को पसंद करते हैं, जब यह काम वही होता है जो आप करना चाहते हैं, वह नहीं जो आपको मजबूरी में करना होता है, तो आप इसे हमेशा बेहतर करते हैं, क्योंकि आप इसे प्रेम के साथ कर रहे हैं।

किसी कारण हममें से कई लोगों ने अपने आनंद को अपने काम से अलग कर लिया है। नतीजा यह हुआ है कि हम हर दिन जो करते हैं, उससे प्रेम नहीं करते हैं। लेकिन जीवन को ऐसा होने की ज़रूरत नहीं है। कुछ लोग अपने काम में आनंदित हैं और अपने काम को लेकर अपने सपने को जी रहे हैं। इस बात से आपको पता चलता है कि यह आपके लिए भी संभव है। आपको यह जानने की ज़रूरत नहीं है कि आपके सपने का काम कौन-सा है, क्योंकि इसके साथ आपका आनंद जुड़ा है, इसलिए आपको तो बस अपने आनंद का अनुसरण करना है और यह आपको आपके सपने तक ले जाएगा!

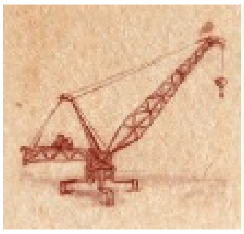

जी. एम. राव

मैं काम इसलिए नहीं करता, क्योंकि काम करना मेरी मजबूरी है। मैं तो काम इसलिए करता हूँ, क्योंकि मुझे इसमें आनंद आता है। मेरे लिए काम पूजा है, क्योंकि यह उद्देश्य के एहसास के साथ जुड़ा है और यह सिर्फ़ मुझे ही नहीं, बल्कि मेरे आस-पास के लोगों को भी ख़ुशी और संतुष्टि प्रदान करता है।

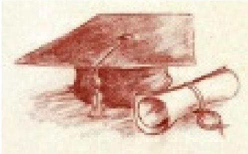

लिज़ मरे

मैं नहीं सोचती कि मैंने कभी कहा हो : “मैं काम पर जा रही हूँ।”

आप ऐसी कौन-सी नौकरी करने की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ आप कभी यह न कहें, “मैं काम पर जा रहा हूँ?” आपके काम को आपके जोश या ख़ास गुण को समाविष्ट करना चाहिए और कोई ऐसी चीज़ होना चाहिए, जिसे आप हर हाल में करना चाहेंगे, चाहे आपको इसके लिए पैसे दिए जाएँ या ना दिए जाएँ।

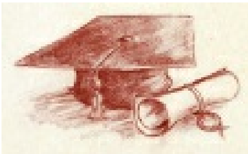

लिज़ मरे

मैं जो करती हूँ, उसमें मुझें आनंद आना ही चाहिए। अगर मुझे किसी तरह का मज़ा नहीं आता है, अगर किसी तरह का रोमांच पैदा नहीं होता, अगर यह जादू जैसा महसूस नहीं होता है, तो मैं उसके साथ चिपकी नहीं रह सकती। मुझे ऐसी चीज़ों का पीछा करना होता है, जिनसे मुझे क्रिसमस की सुबह अपने बचपन जैसा एहसास हो, जब मैं बिस्तर छोड़ने के लिए उतावली थी। दूसरी तरफ़, अगर मैं किसी काम को लेकर दहशत में रहूँ या यह चाहूँ कि यह ख़त्म हो जाए, तो यह एक लक्षण है कि उसे बजलने की ज़रूरत है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

माइंड कैंडी में हम उन लोगों के साथ काम करने में आनंदित होते हैं, जो ख़ुद को बहुत ज़्यादा गंभीरता से नहीं लेते हैं और जो काम करते समय मज़े कर सकते हैं। इसमें से कोई चीज़ जीवन-मरण वाली नहीं है, हालाँकि कुछ लोग इसके बारे में इस तरह सोचना चाहेंगे। मैं सोचता हूँ कि जब आपको काम में मज़ा आता है, तो आप जीवन का आनंद लेते हैं और आप आरामदेह रहते हैं।

“मैं अमीर बनने नहीं निकला था। मैं ज़िंदगी में सिर्फ़ मज़ा और चुनौती ही चाहता था – और अब भी चाहता हूँ... लेकिन मैंने पाया है कि अगर मैं मज़े लेता हूँ, तो पैसे

अपने आप आएँगे।”

सर रिचर्ड ब्रैनसन
उद्यमी/उद्योगपति

अपने प्रति सच्चे रहें

जब आपका काम आपका आनंद होगा, तो आप ख़ुश रहेंगे। अगर आप वह काम नहीं करते हैं, जिससे आपको प्रेम है और इसके बजाय वह काम करते हैं, जो आपके हिसाब से आपको करना चाहिए, तो आप झूठी ज़िंदगी जी रहे हैं। बहुत से लोग ऐसा जीवन जी रहे हैं, जो उनके शुभचिंतक माता-पिताओं, शिक्षकों या समाज, या किसी मित्र या जीवनसाथी ने उन पर थोपा है, इसलिए वे दुखी हैं। हमें लोगों में दुख के प्रामाण दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि संसार में मानसिक रोगों की संख्या बहुत चिंताजनक गति से बढ़ रही है। कोई दूसरा क्या सोचता है, इस विचार को दिमाग़ से निकाल दें, ख़ुद के आनंद का अनुसरण करने का साहस रखें और आप बेहद ख़ुश रहेंगे।

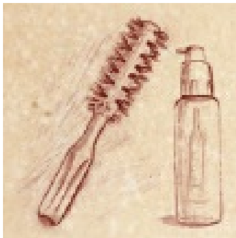

जॉन पॉल डिजोरिया

इंसान बहुत-सी ऐसी चीज़ें करना चाहता है, जो शायद आम नहीं हैं या जिनसे दूसरे लोग सहमत नहीं होंगे, लेकिन अगर इससे आपको ख़ुशी मिलती है, तो वही करें। अपने प्रति ईमानदार रहना बहुत फलदायी होता है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

यूनिवर्सिटी निकलते ही मुझे बैंक में एक अच्छी नौकरी मिल गई, लेकिन काफ़ी जल्दी ही मुझे यब एहसास हो गया कि मैं इसके लिए नहीं बना था। इससे मेरी आत्मा के तार नहीं झनझनाते थे। और मुझे एहसास हो गया कि मैं इस तरह का हूँ कि नौकरी मुझे रास नहीं आ सकती थी।

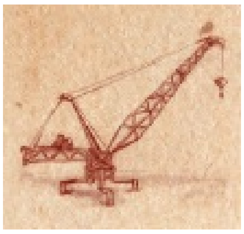

जी. एम. राव

जब हम किसी सपने का पीछा करते हैं, तो कई दिशाओं से कई खिंचाव आएँगे, शेयरहोल्डरों से, परिवार से, मित्रों से और समाज से। मेरे मामले में ऐसी कई स्थितायाँ थीं। मिसाल के तौर पर, मैं अपने भाइयों के साथ पारिवारिक कारोबार कर रहा था, लेकिन जब उनकी इच्छाएँ अलग हुईं, तो मैं अपने ख़ुद के सपनों का पीछा करने के लिए साझेदारी से बाहर निकल गया।

जी. एम. राव में अपने सपनों का पीछा करने का साहस था और देखें तो सही, उन्होंने अपने जीवन में कितना कुछ किया है। उन्होंने हवाई अड्डे बनाए, राजमार्ग बनाए, अस्पताल बनाए और भारत में कई शहरों का विकास किया। उन्होंने अपने देश और करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया, सिर्फ़ इसलिए क्योंकि उन्होंने अपने ख़ुद के आनंद का अनुसरण करने का निर्णय लिया था।

जिस काम से आप प्रेम करते हैं, उसे करने के लिए अक्सर साहस की ज़रूरत होती है और बहुमत के ख़िलाफ़ जाना पड़ सकता है। हर एक को ख़ुश करने का प्रलोभन त्याग दें और अपने प्रति ईमानदार रहें। वैसे भी, किसी दूसरे की ख़ुशामद करना आपका काम नहीं है। स्वयं को ख़ुश करना और स्वयं की ख़ुशी खोजना, यह उनका काम है। यह आपका जीवन है और आपको अपने दिल का अनुसरण करना चाहिए। आपके बारे में कुछ ख़ास है, आपमें एक अनूठा गुण या योग्यता है और उसे सामने लाना अपने जीवन के प्रति आपकी ज़िम्मेदारी है।

"कोई ऐसी नौकरी करें, जिससे आप प्रेम करते हों। मेरे ख़्याल से आप महामूर्ख हैं, अगर आप कोई ऐसी नौकरी करते हैं जिसे आप पसंद नहीं करते, क्योंकि आपको लगता है कि यह आपके बायोडाटा में अच्छी दिखेगी। क्या यह सेक्स को अपने बुढ़ापे के लिए बचाकर रखने जैसा मामला नहीं है?"

वॉरेन बफ़े

उद्योगपति और निवेशक

एनेस्टाज़िया सोर

अपने जीवन में झाँकें। आप आज जहाँ हैं, अगर वहाँ ख़ुश हैं, तो आपके लिए अच्छा है। अगर ख़ुश नहीं हैं, तो आपको विश्लेषण शुरू कर देना चाहिए। “ठीक है, मुझे किस चीज़ में ख़ुशी मिलती है? मैं एक नौकरी कर रहा हूँ और मैं नाख़ुश हूँ।” तो नौकरी बदल लें।

अगर आपने निर्णय लिया है कि आप कोई परिवर्तन करने वाले हैं, लेकिन आप नहीं जानते कि कैसे, तो आप जो पहला और सबसे बड़ा क़दम उठा सकते हैं, वह है अपने आनंद का अनुसरण शुरू करना।

एनेस्टाज़िया सोर

आप एक अकाउंटेंट हैं और आप पूरी तरह नाखुश हैं। देखिए, शायद आपको खाना पकाना पसंद हैं। तो शेफ़ बन जाएँ। अपनी नौकरी तुरंत न छोड़ें, क्योंकि आपको अपने बिल चुकाने होंगे, लेकिन योजना बनाने की कोशिश करें। “ठीक है, मैं यह काम पार्ट टाइम करूँगा।” आपको योजना बनानी होती है। अपनी कमाई का इस्तेमाल करके मैं अपने सपने का पीछा करना चाहती थी। अगर आपके पास कमाई का सहारा न हो, तो अपने बिल न चुका पाने से उत्पन्न तनाव आपके सपने को चकनाचूर कर देगा।

एनेस्टाज़िया के पास पालने के लिए परिवार था, इसलिए उन्होंने छलाँग लगाने से पहले अपने कारोबार की योजना बनाने में दो साल लगाए। आज उनके पास एक वैश्विक कंपनी है और वे अपने सपनों का जीवन जी रही हैं। अगर एनेस्टाज़िया ने योजना पर काम नहीं किया होता और अपने आनंद का अनुसरण न किया होता, तो वे अब भी किसी दूसरे के सलून में दिन में चौदह घंटे काम कर रही होतीं।

अपने आनंद का अनुसरण करने के लिए आप आज ही से बहुत-सी चीज़ें करना शुरू कर सकते हैं। आप जो करना चाहते हैं, उस पर कोई मुफ़्त कोर्स करें। पुस्तकें और पत्रिकाएँ लें तथा उन लोगों के बारे में पढ़ें, जो वह काम कर रहे हैं, जो आप करना चाहते हैं। पता लगाएँ कि उस क्षेत्र में पहुँचने के लिए आप किस तरह की नौकरी पा सकते हैं। इंटरनेट या सामाजिक मीडिया का इस्तेमाल करें, ब्लॉग लिखें और शोध करें। संसार आपकी उँगलियों पर है और जुड़ने तथा टटोलने के पहले से अधिक अवसर मौजूद हैं। आपको जो काम प्रिय है, उसमें क़दम बढ़ाने पर ज़्यादा से ज़्यादा ध्यान दें।

लेअर्ड हैमिल्टन

जो आप कर रहे हैं, वहाँ से उस जगह पर पहुँचने का परिवर्तन कैसे करें, जहाँ आप अपना प्रिय काम कर सकें? आपको जो काम प्रिय है, उसका भुगतान करने के लिए कोई दूसरा काम करें, ताकि आपके पास अपना प्रिय काम करने के लिए पर्याप्त समर्थन रहे। अचानक आप अपना प्रिय काम कर रहे होंगे और उससे आपको पर्याप्त आमदनी भी हो रही होगी। और आप जितना सोच रहे हैं, यह परिवर्तन उससे ज़्यादा जल्दी होगा।

मैस्टिन किप

अगर आपके पास दूसरी ज़िम्मेदारियाँ हैं, तो आप धीरे-धीरे एक साइड बिज़नेस शुरू कर सकते हैं और अंततः आप बस छलाँग लगा देते हैं।

"अपने आनंद का अनुसरण करें और सृष्टि आपके लिए वहाँ द्वार खोल देगी, जहाँ सिर्फ़ दीवारें हैं।"

जोसफ कैंपबेल
पौराणिक कथा विशेषज्ञ

आप इसी समय अपने आनंद का अनुसरण करना शुरू कर सकते हैं, क्योंकि आपके जीवन में कहीं पर कोई ऐसी चीज़ है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे, लेकिन जिसे आपने अब तक नहीं किया है। क्या आपके मन में बॉलरूम डांसिंग या रैप, सर्फ़िंग या वाइट वाटर राफ़्टिंग सीखने की इच्छा हुई है? क्या आपके मन में अभिनय, पेंटिंग या बागवानी की कक्षा में जाने या यह सीखने की इच्छा हुई है कि वस्त्रों या मकानों के इंटीरियर को सुंदर कैसे बनाया जाए? या क्या कोई वाद्ययंत्र है, जिसे सीखने की आपकी इच्छा हुई थी, क्योंकि उसे सुनते ही आप तुरंत आनंद की अवस्था में पहुँच गए थे? क्या आप किसी ख़ास देश के प्रति खिंचाव महसूस करते हैं और जब आप वह भाषा सुनते हैं, तो आपके भीतर कोई तार झनझना जाता है? क्या कोई ऐसा काम है, जिसे करने में बचपन में आपको मज़ा आता था, लेकिन बड़े होने पर आपने उसे इसलिए छोड़ दिया, क्योंकि आपको जीविका कमानी थी। वह कौन-सी चीज़ है, जो आप हमेशा से करना

चाहते हैं?

ज़्यादातर लोग या तो कभी अपनी ऐसी इच्छाओं पर काम नहीं कर पाते हैं या फिर वे उन्हें अलग रख देते हैं, क्योंकि वे सोचते हैं कि वे महत्त्वहीन हैं और उनका उन ज़्यादा बड़ी चीज़ों से कोई संबंध नहीं है, जो वे अपने जीवन में चाहते हैं। लेकिन आप किसी ख़ास चीज़ को करने की जो इच्छा महसूस करते हैं, वह सृष्टि का आवाहन है कि आप अपने आनंद का अनुसरण करें और वह ख़ास चीज़ निश्चित रूप से आपके सपनों की राह से जुड़ी हुई है। आप पृथ्वी के सीमित दृष्टिकोण से संबंध नहीं देख सकते, लेकिन सृष्टि स्पष्टता से देख सकती है कि यही वह मार्ग है, जो आपको अपने सपनों की ओर ले जाएगा।

वह चीज़ जो आपको प्रेरित करती है

आप किसके प्रति खिंचते हैं? कौन-सी चीज़ आपको प्रेरित करती है? आपके मन में क्या करने की इच्छा हमेशा से रही है? उस प्रेरणा का अनुसरण करें; अपने आनंद का अनुसरण करें, क्योंकि हो सकता है यह आपको अपने सपने के लिए प्रासंगिक न लगे, लेकिन दरअसल यही वह धागा है, जो आपको वहाँ तक ले जाएगा – जैसे यह मेरी बेटी को ले गया।

जिस पल मेरी बेटी ने पढ़ना सीखा, उसने ऐलान कर दिया कि वह बड़े होकर लेखिका बनने जा रही है। लिखने के अलावा उसे दो चीज़ें बाक़ी चीज़ों से ज़्यादा प्रिय थीं : प्रकृति के बीच रहना और घुड़सवारी करना। उसने बचपन से लेकर वयस्कता तक अपने तीनों प्रेम क़ायम रखे, लेकिन जब वह अमेरिका रहने आई, तो उसे अपने घोड़ों को पीछे छोड़ना पड़ा।

नइ जागह पर आकर रहने की वजह से लेखिका बनने का उसका जीवन भर का सपना पृष्ठभूमि में चला गया, जबकि एक और बड़ा सपना उस पर हावी हो गया – अपने आदर्श जीवनसाथी से मिलना और परिवार बसाना। उसने हर उस चीज़ की सूची बना ली, जो वह अपने आदर्श जीवनसाथी में चाहती थी, लेकिन कुछ महीनों तक ऐसा कोई भी नज़र नहीं आया।

फिर उसने अपने आनंद का अनुसरण करने का निर्णय लिया। इसलिए वह घुड़सवारी के सबक़ लेने लगी, उसने दोबारा लिखना शुरू कर दिया और एक छोटा मकान ख़रीद लिया, जो प्रकृति की गोद में था। उसके छोटे मकान को बहुत-सी मरम्मत की ज़रूरत थी, लेकिन वह उसमें रहते समय आनंदित और खुश थी, क्योंकि वह प्रकृति की गोद में रह रही थी।

ज़रा देखें कि जब मेरी बेटी ने अपने आनंद का अनुसरण किया, तो उसके बाद क्या हुआ। उसे अपने सबक़ में सवारी करने के लिए एक नया घोड़ा दिया गया, और जिस पल वह उस घोड़े पर बैठी, वे एक दूसरे के हो गए। उसे अपने सपनों का घोड़ा मिल गया और उसे क़िस्तों पर घोड़ा ख़रीदने का अवसर दिया गया, जिन्हें वह आसानी से चुका सकती थी।

उसके दिमाग़ में बच्चों की पुस्तक का एक विचार आया और उसने अपनी पहली पुस्तक पूरी कर ली। वह बेहद आनंदित थी; उसके पास उसके सपनों का घोड़ा था, वह प्रकृति के बीच रह रही थी और उसने आख़िरकार एक पुस्तक लिख ली थी। और ठीक वहीं, अपने आनंद के बीच, मेरी बेटी की मुलाक़ात उसके आदर्श साथी से हो गई। अपने आदर्श साथी के सपने के साकार होने के दो महीने बाद लेखिका बनने का उसका सपना भी सच हो गया; एक बड़े प्रकाशक ने उसकी पुस्तक प्रकाशन के लिए स्वीकार कर ली। यही नहीं, उसके छोटे मकान को जो भारी मरम्मत की ज़रूरत थी, उसकी संभावना भी अचानक प्रबल दिखने लगी – उसका आदर्श साथी एक भवन निर्माता का पुत्र निकला।

आपको यह सब मिल सकता है। चाहे आप अपने आनंद को अपने ज़्यादा बड़े सपने से कितना भी असंबद्ध मानते हों, अपने आनंद का अनुसरण करें और पूरे दिल से करें। हालाँकि आप आगे का पूरा रास्ता नहीं देख सकते, लेकिन आपका आनंद ही वह धागा है, जो आपको आपके सभी सपनों की ओर ले जाएगा!

खंड दो
हीरो

विश्वास

लेन बीचली

अतंतः जीवन में किसी चीज़ को हासिल करने के लिए आपको यह विश्वास करना होता है कि आप उसे हासिल कर सकते हैं। इसी विश्वास की बदौलत मैंने कई विश्व ख़िताब जीते।

लेअर्ड हैमिल्टन

आपको यक़ीन करने की ज़रूरत है कि सभी चीज़ें संभव हैं – कि आप यह कर सकते हैं।

ख़ुद में यक़ीन करना संभवतः हीरो की वह सबसे शक्तिशाली क्षमता है, जो आपके पास मौजूद है। आपका विश्वास आपको हर मुश्किल स्थिति या कैसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच से सही-सलामत ले जाएगा और उसकी बदौलत आप अंततः अपने सपने को हासिल कर लेंगे!

जब पीट कैरल युनिवर्सिटी ऑफ़ सदर्न कैलिफ़ोर्निया के हेड कोच बने, तो उन्होंने अपने पहले सीज़न में ही एक गुणी युवा क्वार्टरबैक को मार्गदर्शन दिया। उस खिलाड़ी में भारी क्षमता तो थी, लेकिन वह उसका उपयोग नहीं कर पा रहा था। समस्या यह थी कि उसे नकारात्मक आत्म-चर्चा की आदत थी, जिससे कई बार उसके प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ता था। एक बार जब पीट को पता चल गया कि क्वार्टरबैक मन ही मन ग़लतियाँ

करने की आशंकाएँ करता रहता है, तो उन्होंने उस खिलाड़ी की नकारात्मक आत्म-चर्चा को ख़त्म करने के लिए अपने स्टाफ़ के साथ काम किया।

उनके सही समय पर हस्तक्षेप करने की बदौलत वह क्वार्टरबैक ख़ुद में यक़ीन करने लगा, इतना कि दो सीज़न बाद ही उसे कॉलेज फ़ुटबॉल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में हीज़मैन ट्रॉफ़ी का पुरस्कार मिल गया। आगे चलकर वह एनएफ़एल का स्टार बना और उसने एनएफ़एल प्रो बोल के "सबसे मूल्यवान खिलाड़ी" का ख़िताब जीता। उसका नाम कार्सन पामन है।

पीट कैरल

अपने कोचिंग जीवन में मैंने लोगों को समझाया है कि उनके विचारों और व्याक्तिगत विश्वासों में भारी शक्ति होती है। किसी व्यक्ति की आत्म-चर्चा उसके आत्मविश्वास का सबसे स्पष्ट सूचक है। मैं लगातार सिखाता हूँ कि सकारात्मक आत्म-चर्चा आपके सपनों को साकार करने के प्रमुख तत्व के रूप में कितनी मूल्यवान और महत्त्वपूर्ण है।

एनेस्टाज़िया सोर

मैं लोगों को यह संदेश देना चाहती हूँ : यहाँ आते समय मैं यहाँ की भाषा भी नहीं बोल पाती थी और मेरी जेब में एक पाई भी नहीं थी। अगर इसके बावजूद मैं यह सब कर सकती हूँ, तो इसे कोई भी कर सकता है। आपको तो बस ख़ुद में विश्वास करने भर की ज़रूरत होती है। बस इतनी-सी बात है।

लेकिन यदि आपको ख़ुद पर विश्वास ही न हो, तो क्या हो? ख़ुद पर विश्वास नहीं होने का एकमात्र कारण यह है कि आपने अनजाने में ही सोच-सोचकर ख़ुद पर विश्वास गँवा दिया है। कुछ विचार सोचने और उन्हें सच मान लेने से ही विश्वास या मान्यताएँ बनते हैं। आप स्वयं में विश्वास के साथ जन्मे थे और अगर आज आप स्वयं में विश्वास नहीं करते हैं, तो इसका मतलब बस यह है कि जीवन में आपने ख़ुद के बारे में दूसरे लोगों के दिए विचारों को स्वीकार कर लिया है और उन्हें सच मान लिया है। और स्वयं में विश्वास की यह कमी आज भी क़ायम है, तो उसका एकमात्र कारण है ख़ुद के बारे में आपके मन में रहने वाले

विचार – आपकी आत्म-चर्चा।

> मैस्टिन किप
>
> सफलता में सबसे बड़ी बाधा वे लोग हैं, जिन्हें यह विश्वास होता है कि कोई काम उनके लिए संभव नहीं है। यदि आपको विश्वास है कि कोई चीज़ संभव नहीं है, तो आप सही हैं। और तब पूरी सृष्टि आपके ख़िलाफ़ होगी, इसलिए नहीं क्योंकि सृष्टि एक बुरी जगह है, बल्कि इसलिए क्योंकि आप इसके साथ इसी तरह संवाद कर रहे हैं और आप सिर्फ़ अपनी कम आत्म-योग्यता तथा इसके संभव नहीं होने के प्रमाण की तलाश कर रहे हैं।

विश्वास की कमी से उबरने का तरीक़ा बहुत सरल है। आप अपने बारे में जो विचार सोचते आ रहे हैं, उसके विपरीत विचार सोचने लगें : कि आप यह कर सकते हैं, कि इसे करने के लिए आवश्यक हर चीज़ आपके भीतर है। ख़ुद को याद दिलाएँ कि आपमें बेहद शक्तिशाली योग्यताएँ हैं और आप सटीकता से जानते हैं कि समय आने पर उनका इस्तेमाल कैसे करना है। ख़ुद को याद दिलाएँ कि आपको तो बस एक समय में एक क़दम उठाने भर की ज़रूरत है।

आपका अवचेतन मन

जब आप इस तरह के विचार सोचते हैं कि आप अपने सपने को हासिल कर सकते हैं, तो आप अपने अवचेतन मन के प्रोग्राम को बदल देंगे। आपका अवचेतन मन किसी कंप्यूटर की तरह होता है और उसमें कई अलग-अलग प्रोग्राम होते हैं, जो आपने उसमें भरे हैं, या तो अपने ख़ुद के विचारों से या अपने बारे में दूसरे लोगों के विचार सुनकर तथा स्वीकार करके। और आप ऐसा ज़िंदगी भर से करते आ रहे हैं।

> माइकल ऐक्टन स्मिथ
>
> यदि आपको ख़ुद पर विश्वास नहीं है – यदि आपको यह विश्वास नहीं है कि आप कोई चीज़ हासिल कर सकते हैं – तो दूसरा कोई भी विश्वास नहीं करने वाला।

आपके अवचेतन मन के सारे प्रोग्राम विचार से ही वहाँ पहुँचे हैं, इसलिए यह विचार तथा

सिर्फ़ विचार द्वारा ही संभव है कि आप एक नया प्रोग्राम बनाएँ और पुराने प्रोग्राम को निरस्त कर दें।

जब आप पहलेपहल इस तरह के विचार मन में लाते हैं कि आप कोई काम कर सकते हैं, तो पहले तो आपके अवचेतन मन की “फ़ायरवॉल” इसे अस्वीकार कर देगी और आपको बता देगी कि आपके ये विचार सच नहीं हैं। लेकिन जब आप इस विचार को बार-बार बोते रहते हैं कि आप यह कर सकते हैं, तो अंततः वह विचार विश्वास बन जाएगा और आपके अंदर का प्रोग्राम बदल जाएगा।

लेन बीचली

कोई भी स्वयं में विश्वास हासिल कर सकता है, बशर्ते वह ऐसा करने का चुनाव कर ले।

यह आश्चर्यजनक है कि कई साल तक – यहाँ तक कि ज़िंदगी भर – ख़ुद में विश्वास न करने के बाद आत्मविश्वास हासिल करने में बस संगठित प्रयास के थोड़े से समय की ही ज़रूरत होती है।

अवचेतन मन की दोबारा प्रोग्रामिंग करने का सबसे अच्छा समय तब होता है, जब आप रात को सो रहे होते हैं। जब आप आधी नींद में हों और आधे जागे हों, यानि उनींदी अवस्था में हों, तो इस विचार का बीज बो दें कि आप कुछ भी कर सकते हैं और आप जिस चीज़ का इरादा कर लें, उसे हासिल कर सकते हैं। आपका लक्ष्य “ख़ुद में विश्वास करने” के उस विचार को सोने से पहले का आख़िरी विचार बनाना है, क्योंकि जब आप सो रहे होते हैं, तब आप जो आख़िरी विचार सोचते हैं, वह फ़ायरवॉल के पार निकलकर सीधे आपके अवचेतन मन में पहुँच जाता है। और जब वह विचार फ़ायरवॉल के पार पहुँच जाता है, तो अवचेतन मन को उसे सच मानना ही पड़ेगा।

एक बार जब विश्वास करने का नया प्रोग्राम आपके अवचेतन मन में पहुँच जाता है, तो इसे उस प्रोग्राम पर अमल करना होगा और स्वयं में आपके विश्वास को सही साबित करना होगा। आपको अचानक अपने जीवन में नए लोग मिलेंगे, जो आपमें यक़ीन करते हैं या जीवन में पहले से ही मौजूद लोगों का नया समर्थन मिलेगा। फिर आप उन ख़ास क़दमों को उठाने या कार्यों को करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे, जो आपकी योग्यताओं को साबित करते हैं और स्वयं में आपके विश्वास को बढ़ाते हैं।

आप अपने अवचेतन मन में जो भी विचार बनाए रखते हैं, वही आपके जीवन में प्रकट होते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आपके अवचेतन मन का कोई भी नया प्रोग्राम तुरंत शाश्वत मन तक भेज दिया जाता है; और एक बार जब सृष्टि के पास निर्देश पहुँच जाते हैं,

तो यह आपके साथ मिलकर काम करेगी और सुनिश्चित करेगी कि आप जिसमें यक़ीन करते हैं, उसे हासिल कर लें। शायद अब आप समझ गए होंगे कि यह क्यों कहा जाता है कि “इंसान का मस्तिष्क जो भी सोचता है और विश्वास करता है, उसे यह हासिल भी कर सकता है।”

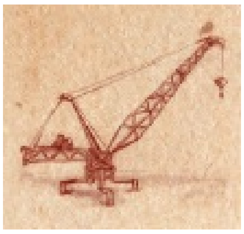

जी. एम. राव

मैं समाज में योगदान देने के अपने स्वप्न में दृढ़ता से विश्वास करता था। बीच में दो महत्त्वपूर्ण विपत्तियाँ आईं, जो मेरे जीवन को पटरी से उतार सकती थीं, लेकिन उनके बावजूद मैं इसलिए सही-सलामत रहा, क्योंकि मेरे मूल्य और अटल समर्पण सृष्टि की इच्छा के सामंजस्य में थे, जिसने मेरा बिना शर्त समर्थन किया। मेरे दिमाग़ में कभी कोई शंका नहीं थी।

लेअर्ड हैमिल्टन

मुझे सचमुच विश्वास था कि मैं अपने सपने को हासिल कर सकता हूँ। मैंने जो हासिल किया है, उसे कभी हासिल नहीं कर पाता, अगर मुझे इसमें सच्चा यक़ीन नहीं होता। देखिए, इसका यह मतलब नहीं है कि मेरे मन में शंका नहीं थी, क्योंकि शंका तो हमेशा मौजूद रहती है, हमेशा मँडराती है, चक्कर काटती है और आपको शिकंजे में कसने की कोशिश करती है। लेकिन मैंने उस शंका को गले नहीं लगाया।

स्वयं पर विश्वास करने का यह मतलब नहीं है कि ऐसे पल नहीं होंगे, जब आप सपने साकार करने की अपनी योग्यता पर सवाल नहीं करेंगे। शंका के इन पलों में बस अपने दिमाग़ को उस अगले क़दम पर ले आएँ, जो आपको उठाना है। ऐसा इसलिए, क्योंकि आगे की पूरी यात्रा के बारे में सोचकर अपने दिमाग़ को चकरघिन्नी करने के बजाय यह विश्वास करना ज़्यादा आसान होता है कि आप अगला छोटा क़दम उठा सकते हैं। और अगर सोचा जाए, तो हीरो की यात्रा में आप एक बार में एक ही क़दम उठा सकते हैं और एक बार में एक क़दम ही है, जो हर सफल व्यक्ति ने उठाया था।

जब आप ख़ुश महसूस करेंगे, तो आपका विश्वास शक्तिशाली होगा। जब आप थके, हताश, अस्वस्थ होते हैं या आपमें ऊर्जा की कमी होती है, तभी शंकाएँ आती हैं। हर एक के जीवन में ऐसे पल आते हैं, इसलिए ख़ुद को याद दिलाएँ कि आप जो महसूस कर रहे

हैं, वह अस्थायी है और यह गुज़र जाएगा। इसीलिए हर दिन अपने आनंद का अनुसरण करना इतना महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि ऐसा करने से आपको ख़ुशी मिलेगी और फलस्वरूप आपका विश्वास शक्तिशाली होगा।

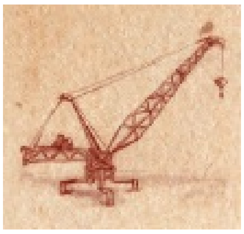

जी. एम. राव

आपको अपने सपने में विश्वास का निवेश करना होता है। विश्वास रखें कि आप जो चाहते हैं, वह आपके लिए संसार की सर्वश्रेष्ठ चीज़ है। इस विश्वास के अभाव में जो आता है, वह प्रयास, संकल्प या लगन के बिना ढुलमुल, आधे-अधूरे दिल की नीति होती है। कई बार, इस विश्वास के अभाव के पीछे असफलता का डर होता है।

मैस्टिन किप

मेरी माँ ने मुझे बताया था कि मैं जिस भी चीज़ का इरादा कर लूँ, उसे कर सकता हूँ। मैंने उनकी बात पर पूरा यक़ीन कर लिया। मैं शुरुआत से ही जानता था कि जब मैं किसी चीज़ को करने की सचमुच ठान लेता हूँ, तो कोई बड़ी चीज़ होकर रहेगी।

लेअर्ड हैमिल्टन

मेरी माँ को यक़ीन था कि मैं पानी पर भी चल सकता हूँ। उनका विश्वास लक्ष्य के बारे में कम था और इस बारे में ज़्यादा था कि मैं अच्छा इंसान बन सकता हूँ। चाहे जो हो, इससे मुझे ख़ुद पर विश्वास करने की शक्ति मिली। जिसके भी पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो उसमें यक़ीन करता है, उसे उस व्यक्ति को जकड़कर रखना चाहिए। ऐसे व्यक्ति के हमेशा आस-पास रहने की ज़रूरत होती है।

एनेस्टाज़िया सोर

एक छोटी-सी चीज़ आपकी ज़िंदगी बदल देती है। वैसे तो बचपन में बहुत से मौक़े आए, लेकिन एक मौक़ा मुझे स्पष्टता से याद है। उस वक़्त मैं छह साल की थी और अपने माता-पिता की कपड़ों की दुकान में थी। एक दिन मेरी माँ ने कहा : “तुम्हें वह दुकान याद है, जहाँ मैं तुम्हें हर बार लेकर जाती हूँ? मैं तुम्हें पैसे दे देती हूँ और एक क़ागज़ पर लिख देती हूँ कि वहाँ से क्या ख़रीदना है। तुम बस से जाना और उतरने से पहले छह स्टॉप गिन लेना। ड्राइवर से ज़रूर पूछ लेना कि क्या यह सही स्टॉप है।” मैंने कहा, “मम्मी, मैं छह साल की हूँ! मैं नहीं जानती...” “नहीं, तुम स्मार्ट हो। तुम यह कर सकती हो।” मैं थोड़ी घबरा रही थी, लेकिन आप जानते हैं मेरे दिमाग़ में क्या था? उन्होंने कहा था कि मैं स्मार्ट हूँ और मैं यह कर सकती हूँ अगर उन्होंने यह कहा था, तो मैं स्मार्ट हूँ। मैं जब वापस लौटकर आई, तो मैं उनके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं भूल पाऊँगी। उन्होंने कहा, “मैंने तुम्हें बताया था ना कि तुम स्मार्ट हो और तुम यह कर सकती हो। मुझे तुम पर नाज़ है।”

माइकल ऐक्टन स्मिथ

स्वयं में विश्वास करना ज़्यादा आसान होता है, जब आप उत्साहवर्धक माता-पिता के साथ शुरू करते हैं, लेकिन अनके बिना भी यह असंभव नहीं है।

भले ही आपका कोई ऐसा अभिभावक न रहा हो, जिसने आपमें विश्वास जताया हो, कोई न कोई तो आपके बचपन में रहा ही होगा, जिसने आपमें विश्वास किया। यह कोई रिश्तेदार, दादा-दादी, नाना-नानी, पड़ोसी, शिक्षक या भाई-बहन हो सकता है, लेकिन निश्चित रूप से कम से कम एक व्यक्ति तो रहा होगा, जिसने आपके बड़े होते समय आप पर यक़ीन किया था। और वह व्यक्ति चाहे जीवित हो या न हो, आपके पास दरअसल संसार में सारा समर्थन उपलब्ध है।

जब आप अपने सपने का पीछा करने का निर्णय लेते हैं, तो सृष्टि आपका समर्थन करेगी। सृष्टि आपको हर परिस्थिति, हर व्यक्ति और हर वह चीज़ प्रदान करेगी, जिसकी ज़रूरत आपको अपना सरना सच करने के लिए है। और सृष्टि का दोहन करने का तरीक़ा यह है कि आप विश्वास करने के लिए अपने अवचेतन मन का इस्तेमाल करें!

लेअर्ड हैमिल्टन

यक़ीन करें कि अगर आप बस अपने मिशन या लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो चीज़ें अपने आप हो जाएँगी और आपकी कोशिशों के लिए हर व्यवस्था कर दी जाएगी।

मैस्टिन किप

एक सूची बनाएँ कि आपको कौन प्रेरित करता है। इसके बाद लिखें कि उस व्यक्ति की कौन-सी चीज़ आपको प्रेरित करती है। क्या यह उनकी लगन है? या यह कि वे कितना दान देते हैं? क्या यह उनका बैंक अकाउंट है? क्या यह उनका ब्रांड है? क्या यह वह है, जो उन्होंने संसार में किया है? फिर इस बात का एहसास करें कि उस व्यक्ति की जो चीज़ आपको प्रेरित करती है, वह दरअसल आपका भी हिस्सा है।

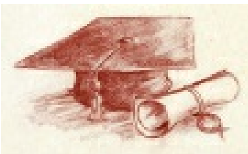

लिज़ मरे

हम करके सीखते हैं, इसलिए अगर आप ख़ुद को काम करने की स्थितियों में रख देते हैं, तो अनुभव से सीखने की प्रक्रिया द्वारा आप अपने आत्मसम्मान को दोबारा बना सकते हैं और अपने विश्वास तंत्र को बदल सकते हैं। आप ऐसी चीज़ें कर सकते हैं, जो पहले संभव नज़र नहीं आ रही थीं, क्योंकि जीवन में आपके पास उसका कोई पूर्व-उदाहरण नहीं था। यह लगभग मांसपेशीय स्मृति की तरह है। इस तरह नए अनुभव हमें नए विश्वास तक पहुँचा सकते हैं।

हीरो की यात्रा में आप जो भी क़दम उठाते हैं और जो भी अनुभव लेते हैं, हर क़दम और हर अनुभव के साथ आपका विश्वास बढ़ेगा तथा मज़बूत होगा, क्योंकि आप ख़ुद यह खोज लेते हैं कि आप सचमुच कितने सक्षम हैं।

अपने सपने में यक़ीन करें और ख़ुद में यक़ीन करें, क्योंकि आप एक हीरो हैं और आपके

भीतर का हीरो सिर्फ़ यह विश्वास ही नहीं करता है कि आप अपना सपना साकार कर सकते हैं – यह जानता है कि आप ऐसा कर लेंगे!

स्वप्न

मैस्टिन किप

बाइबल में इसे सबसे अच्छे तरीक़े से कहा गया है : स्वप्न के बिना लोग नष्ट हो जाते हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन

मेरे मन में जो भी विचार आया है और मैंने जो भी किया है, उसे मैंने पहले अपने दिमाग़ में देखा। लोग मानसिक चित्रों की बात करते हैं, जिसका मतलब सिर्फ़ यही है कि आप किसी चीज़ को अपने दिमाग़ में देख सकते हैं। अगर आप इसे देख न पाएँ, तो आपके पास सपना हो ही नहीं सकता। आप किसी ऐसी चीज़ को साकार कैसे कर सकते हैं, जिसे आप पहले अपने दिमाग़ में न देखें?

खेल जगत से जुड़े लोग और खिलाड़ी अपने सपने का चित्र बनाने की शक्ति जानते हैं। आपने ऑलंपिक खेलों में एक के बाद एक खिलाड़ियों के मुँह से यह बात सुनी होगी कि वे पिछले चार सालों से स्वर्ण पदक जीतने के इस पल को अपने दिमाग़ में देखते आ रहे हैं। खिलाड़ी अपने प्रशिक्षण में मानसिक चित्रण की तकनीक का इस्तेमाल लगातार करते हैं, यानि अपनी मनचाही चीज़ को अपने दिमाग़ में देखकर विशिष्ट योग्यताओं का अभ्यास करना तथा उन्हें बेहतर बनाना।

लेन बीचली

खिलाड़ी के रूप में मानसिक चित्रण में मैंने बहुत समय लगाया। खिलाड़ी बनने के बारे में बेहतरीन चीज़ यह है कि मनचाहे परिणाम पाने के मानसिक चित्रण की तकनीक का इस्तेमाल करके आप सचमुच उसे पा सकते हैं।

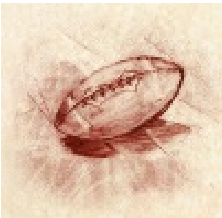

पीट कैरल

हम लगातार मानसिक चित्रण के साथ काम करते हैं। हम लगातार उन सपनों के साथ काम करते हैं कि हम क्या बन सकते हैं। सारी शक्ति यह सपना देखने की योग्यता से आती है कि आप क्या बनना चाहते हैं। जब तक कि आप मंज़िल की तस्वीर ही न देख सकें, तब तक आप वहाँ कैसे पहुँच सकते हैं? जब आप सफल हो जाएँगे, तो आपको कैसे पता चलेगा?

"जब मैं सोने वाला होता हूँ, तो मैं उस बिंदु का मानसिक चित्र देखता हूँ, जिसके बारे में मैं सटीकता से जानता हूँ कि मैं उसे करना चाहता हूँ : गोता, ग्लाइड, स्ट्रोक, पलटना, दीवार तक पहुँचना, सेकेंड के सौवें हिस्से से विजय पाना, फिर उतनी बार दोबारा तैरना, जितने की ज़रूरत मुझे रेस जीतने के लिए होती है।"

माइकल फ़ेल्प्स
ओलंपिक चैंपियन तैराक

हम जो चाहते हैं, उसे उत्पन्न करने के लिए खेल जगत ने एक बहुत शक्तिशाली आदत का सहारा लिया है – दिमाग़ में अपने मनचाहे परिणाम की तस्वीर बना लें। इस तकनीक का इस्तेमाल करके खेल जगत में काफ़ी सफलता हासिल की गई है, लेकिन इसके बावजूद लोग आम तौर पर इस तथ्य के बारे में अब भी अनजान हैं कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए वे भी इसी तकनीक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

लेन बीचली

> मैं केवल एक ही परिणाम की मानसिक तस्वीर देख सकती थी : मंच पर अपने सिर से ऊपर ट्रॉफ़ी उठाने की तस्वीर, जबकि मुझ पर शैम्पेन का छिड़काव किया जा रहा था। मेरे लिए बस यही मायने रखता था।

स्वप्न या मानसिक चित्र बनाने का सबसे अहम हिस्सा यह है कि आप अपने दिमाग़ में अंतिम या मनचाहे परिणाम का चित्र रख लेते हैं। अपने दिमाग़ से हर दूसरी चीज़ हटा दें। यह न सोचें कि आप इसे कैसे हासिल करने वाले हैं; बस अपने सपने का अंतिम परिणाम देखें। लेन बीचली ने शैम्पेन के छिड़काव के बीच विजेता मंच पर खड़े होने का चित्र चुना, क्योंकि यह स्वप्न स्पष्ट रूप से उनके मनचाहे परिणाम की प्राप्ति थी – विश्व चैंपियन बनना।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

> मुझे ड्रॉइंग करने, चित्र बनाने और स्केचिंग से प्रेम है। मैं घंटों तक अपनी नोटबुक भरता रहता हूँ। मैं उन चीज़ों को लिख लेता हूँ, जिन्हें मैं करना और हासिल करना चाहता हूँ।

जब आप अपने सपनों की चीज़ें स्केच करते हैं, तो आपका दिमाग़ स्केच से तुरंत स्वप्न बना लेता है। जब आप अपने सपने के बारे में नोट्स लिखते हैं, तो आपका दिमाग़ अपने आप आपके नोट्स से एक स्वप्न बना लेता है। दोनों ही तरीक़ों से आप मानसिक चित्र बना रहे हैं।

जीवन में जब भी मुझे कोई ऐसी चीज़ करनी होती है, जो मैंने पहले कभी नहीं की, तो मैं अपने मनचाहे परिणाम का मानसिक चित्र देखे बिना वह काम करने नहीं जाती हूँ। मैं उस चित्र को अपने दिमाग़ में देखती रहती हूँ और रोमांचित भावनाएँ महसूस करती हूँ, मानो यह वास्तव में हो चुका है। मैं इस बारे में नहीं सोचती कि मैं वह काम कैसे करूँगी; मैं तो बस अपने मनचाहे परिणाम का चित्र देखती हूँ। यह तकनीक इंसान की सबसे शक्तिशाली और कम पहचानी योग्यताओं में से एक है, जिसके द्वारा हम अपनी मनचाही चीज़ का जीवन में सृजन कर सकते हैं। चूँकि आपका अवचेतन मन चित्रों से प्रेम करता है, इसलिए

जब आप अपने अवचेतन मन में एक चित्र रख देते हैं, तो इसे उस चित्र को साकार करने के लिए हर संभव चीज़ करनी ही होगी।

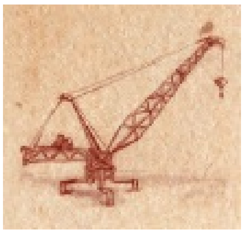

जी. एम. राव

मेरा सपना हमेशा से मेरे मन में था। शुरुआत से ही मैं अपने सपने को सजीव रखकर जी रहा था और इस पर काम कर रहा था, तब भी जब यह सिर्फ़ शुरुआती विचार के रूप में था। मेरे काम इस विचार से उत्पन्न हुए कि मेरा सपना पहले ही हासिल हो चुका है। इसके बाद मैं अपने कार्यों से परिणाम उत्पन्न होते देख सकता था।

"सफलता दो बार हासिल की जाती है। एक बार दिमाग़ में और दूसरी बार वास्तविक संसार में।"

अज़ीम प्रेमजी
भारतीय उद्योगपति

पीटर फ़ोयो

मैंने अपने जीवन में जो भी किया है, लगभग हर चीज़ इस बात का परिणाम नहीं है कि मैंने क्या पढ़ा है या कितनी कड़ी मेहनत की है। यह तो मानसिक चित्र देखने और यह जानने का परिणाम है कि मैं पहले ही वहाँ पहुँच चुका हूँ।

जब मैं द सीक्रेट फ़िल्म बना रही थी, तो मैंने दिन में कई बार अपने चाहे गए परिणाम का मानसिक चित्र देखा। मैंने परिणाम को इतनी स्पष्टता से अपने दिमाग़ में देखा, मानो यह पहले ही मिल चुका हो। मेरे मन में कोई शंका नहीं है कि मानसिक चित्रण ही वह सबसे शक्तिशाली चीज़ थी, जो मैंने द सीक्रेट को बेहद सफल बनाने के लिए की थी।

पीटर फ़ोयो

> लोग सोचते हैं कि मानसिक चित्र देखते समय आप सरासर झूठे होते हैं, क्योंकि वे सोचते हैं, “यह नहीं हो रहा है। यह यहाँ है ही नहीं।” ओह, हाँ यह है। यह बिलकुल यहीं है, क्योंकि अगर आप इसे सोच सकते हैं, तो यह हो भी सकता है।

एक बार जब आप दिमाग़ में अपने सपने के परिणाम का मानसिक चित्र देखने में माहिर हो जाते हैं, जहाँ आपको महसूस होता है मानो यह पहले ही हो चुका हो, तो आप इसी तकनीक का इस्तेमाल उन छोटे क़दमों या लक्ष्यों के लिए भी कर सकते हैं, जिन्हें आप हीरो की यात्रा में हासिल करना चाहते हैं। भले ही आप सिर्फ़ अपनी मनचाही चीज़ के अंतिम परिणाम का मानसिक चित्र देख रहे हैं, लेकिन आपका स्वप्न यह सुनिश्चित करता है कि किसी न किसी तरह, किसी न किसी तरीक़े से आप वहाँ पहुँच जाएँगे।

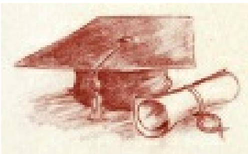

लिज़ मरे

> चूँकि मेरा लक्ष्य सभी विषयों में ए ग्रेड पाना था, इसलिए मैं अपने स्कूल के ऑफ़िस में गई और मैंने उनसे मेरे ग्रेड प्रिंट करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, “तुमने तो अभी शुरू ही किया है। तुम्हें अब तक कोई ग्रेड मिले ही नहीं हैं।” मैंने कहा, “नहीं, मैं तो ख़ाली रिपोर्ट कार्ड चाहती हूँ।” उन्होंने मेरा नाम लिखकर उसे छाप दिया और मैंने सीढ़ी पर बैठकर उसमें अपने ग्रेड भरे। मुझे महसूस हुआ, जैसे वे पहले से ही भविष्य में मौजूद थे, मुझे तो बस उनकी बराबरी करनी थी। जब मैं होमवर्क करती थी, तो मैंने उस रिपोर्ट कार्ड को पास में रख लिया, जिसमें लिखा था कि मैं कितने ए ग्रेड हासिल करना चाहती थी, ताकि मैं पढ़ते-लिखते वक़्त उनकी ओर देख सकूँ। मैंने सचमुच इस भावना से काम किया कि यह पहले से ही सच था।

अपने जीवन में आप जिस भी स्थिति को अच्छी बनाना चाहते हैं, उसमें मानसिक चित्रण का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप परीक्षाओं, ऑडिशन, साक्षात्कारों, बैठकों, सेल्स प्रस्तुति, प्रेम-प्रस्ताव, भाषण देने, अपने सास-ससुर से मिलने, यात्रा करने या कंपनी के इतिहास में बॉस द्वारा आपको दी जाने वाली सबसे बड़ी वेतनवृद्धि के परिणाम का मानसिक चित्र देख सकते हैं!

यह मानसिक चित्र देखना सुनिश्चित करें कि इस साल के अंत में आप कहाँ पहुँचना चाहते

हैं और हर नए साल में वार्षिक स्वप्न को क़ायम रखें। इसके अलावा, एक बड़ा स्वप्न बनाएँ कि आज से पाँच साल बाद आप कहाँ होना चाहते हैं। फिर देखें कि आपके जीवन के साथ क्या होता है!

> "आपको यह मानसिक चित्र देखना होता है कि आप किस दिशा में जा रहे हैं और इस बारे में बहुत स्पष्ट होना होता है। आप कुछ सालों में कहाँ जा रहे हैं, इसकी एक पोलरॉइड तस्वीर ले लें।"

सारा ब्लेकली
स्पैंक्स की संस्थापक

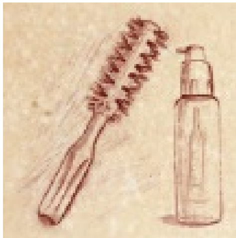

जॉन पॉल डिजोरिया

मैं सुबह जागता हूँ और मैं बस मैं होता हूँ। दूसरे शब्दों में, मैं टीवी नहीं चलाता हूँ, मैं कॉफ़ी नहीं पीता हूँ। मैं कुछ नहीं करता हूँ। मैं वहाँ बिस्तर पर बैठा रहता हूँ और मैं बस होता हूँ। कोई निर्णय नहीं लिए जाने हैं, कोई फ़ोन कॉल नहीं किए जाने हैं। बस पाँच मिनट तक मैं दिमाग़ को साफ़ रखता हूँ और मैं यहाँ इस पल में रहता हूँ। इस तरह आपका दिमाग़ बग़ैर किसी शंका के दिन में प्रवेश करता है। और अगर आप कोई सपना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, तो आख़िरी दो मिनटों में आप उस सपने के बारे में थोड़ा सोचते हैं और यह भी कि आप इसे कितना ज़्यादा चाहते हैं, आप इसे क्यों चाहते हैं और इसके ज़्यादा क़रीब पहुँचने के लिए आप कौन-सी चीज़ें कर सकते हैं।

जब आप दिन के शुरू होने से पहले दिमाग़ की आपाधापी को रोक देते हैं और अपने चेतन मन को पूरी शिथिल अवस्था में ले आते हैं, तो आपके स्वप्न की भविष्यदृष्टि सीधे आपके अवचेतन मन में पहुँच जाएगी। यह काफ़ी हद तक किसी नए अपडेट या प्रोग्राम को इंस्टॉल करने के लिए कंप्यूटर को बंद करने जैसा है। जब आपका कंप्यूटर बहुत से दूसरे प्रोग्राम चला रहा हो, तो अपडेट इंस्टॉल नहीं किए जा सकते – और इसी तरह आपका अवचेतन मन आपके स्वप्न की तस्वीर को तब तक ग्रहण नहीं कर सकता, जब तक आपका दिमाग़ दूसरी चीज़ों में उलझा हुआ हो। लेकिन जब आप शिथिलीकरण द्वारा अपने दिमाग़ को बंद कर देते हैं, तो आपका स्वप्न सफलतापूर्वक इंस्टॉल हो जाएगा।

जब आप मानसिक चित्रण का सफलतापूर्वक इस्तेमाल कर लेते हैं, तो आपके आस-पास के लोग हैरान होंगे कि ऐसा कैसे हुआ कि अचानक हर चीज़ आपके मनचाहे तरीक़े से

होने लगी और हर चीज़ आपकी ख़ातिर ऐसे हो रही है, मानो आप कोई महा मानव हों। और आप जान जाएँगे कि आप तो बस सबसे सरल, लेकिन सबसे शक्तिशाली योग्यताओं में से एक का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसके साथ आप पैदा होते हैं और जो इस धरती पर रहने वाले हर इंसान के पास हमेशा रहती है।

हीरो का दिमाग़

पीटर बरवॉश

आप सुबह जागते हैं और आपको एक सचमुच महत्त्वपूर्ण निर्णय लेना होता है; यह इस बारे में नहीं होता कि आप कौन-से कपड़े पड़नेंगे; न ही इस बारे में कि आप अपने बाल किस शैली में सँवारेंगे। निर्णय यह है : आप अच्छा नज़रिया रखेंगे या बुरा नज़रिया रखेंगे? क्योंकि सकारात्मक नज़रिया बहुत महत्त्वपूर्ण होता है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मैं बहुत ख़ुशक़िस्मत हूँ कि मैं नैसर्गिक रूप से आशावादी इंसान हूँ और मेरे ख़्याल से इससे भारी मदद मिली है।

हर इंसान जिस बहुत मुश्किल चीज़ के साथ कुश्ती लड़ता है, वह है उसका नज़रिया। जब आप सचमुच समझ जाते हैं कि सकारात्मक नज़रिया रखे बिना आप अपनी सफलता को रोक देंगे, दुखी रहेंगे और संभवत: ख़ुद को बीमार कर लेंगे, तो आप आशावादी नज़रिये से जीवन की ओर देखना शुरू करने का चुनाव करेंगे। आपका नज़रिया आप ख़ुद बनाते हैं। और यही आपका सबसे बड़ा शत्रु या आपका सबसे शक्तिशाली औज़ार साबित हो सकता है।

लेन बीचली

> अगर आप अपने जीवन की स्थितियों को बेहतर बनाना चाहते हैं, अगर आप वर्तमान में अनुभव किए जा रहे ढर्रे में परिवर्तन चाहते हैं, तो अपने विचारों की ज़िम्मेदारी लेना सीखें।

आपके विचार ही आपके नज़रिये को बनाते हैं, इसलिए नज़रिये को बदलने के लिए पहला क़दम है अपने ख़ुद के विचारों की ज़िम्मेदारी लेना। जब आप इस बात को पहचान लेते हैं और स्वीकार कर लेते हैं कि यह आपके सोचे जा रहे विचार हैं, जिनकी वजह से आप दुखी महसूस कर रहे हैं, तो आप अपने विचारों को बदलना शुरू कर देंगे।

यदि कोई आपको आपके सपनों का जीवन देने का प्रस्ताव रखे और इसके बदले में आपसे बस इतना माँगे कि आप हर दिन जीवन में ज़्यादा से ज़्यादा अच्छी चीज़ें खोजें, तो आप यह काम एक झटके में कर सकते हैं। देखिए, यही वह तरीक़ा है, जिससे आपको अपने सपनों का जीवन मिलता है!

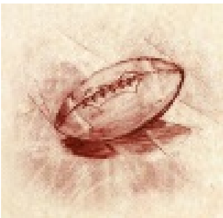

पीट कैरल

> अपनी ज़िंदगी में मैंने पाया है कि सकारात्मक तरीक़े से सोचना और आशावादी अंदाज़ में जीना सफल बनने और अपनी मनचाही चीज़ों का सृजन करने का सबसे अच्छा तरीक़ा है।

अगर आप अपने नज़रिये को बनाने के लिए संसार की बाहरी परिस्थितियों की ओर देखते हैं, तो आप कष्ट में रहेंगे। आप सकारात्मक नज़रिया रख सकें, इसके लिए आपके आस-पास की हर परिस्थिति को हर समय आदर्श होने की ज़रूरत होगी। लेकिन इसमें एक दिक्क़त यह है कि आप हर परिस्थिति को नियंत्रित नहीं कर सकते। इसके लिए बहुत से लोगों को सारे समय आदर्श व्यवहार करने की ज़रूरत भी होगी, जबकि आप अपने सिवा किसी को नियंत्रित नहीं कर सकते। अगर सोचा जाए, तो आपको आशावादी और सकारात्मक नज़रिया रखने से पहले इस बात की ज़रूरत होगी कि संसार के सभी 7 अरब लोग आपके मनचाहे साँचे में ढल जाएँ। आप बाहरी परिस्थितियों को यह तय नहीं करने दे सकते कि आपका नज़रिया कैसा होगा। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपको

हमेशा कोई न कोई परिस्थिति या इंसान ऐसा मिल जाएगा, जो आपको नकारात्मक नज़रिया रखने का कारण दे देगा। यदि आपको नज़रिये को अपना सबसे शक्तिशाली औज़ार बनाना है, तो इसका आदेश आपको अंदर से देना होगा।

मैस्टिन किप

मैं सबसे बुरी परिस्थितियों में भी आशावादी रहा हूँ।

पीटर बरवॉश

हर चीज़ में सकारात्मक या नकारात्मक पहलू जुड़ा होता है। आप संसार में हर स्थिति में दोनों पा सकते हैं। जो व्यक्ति सफल होने जा रहा है, वह ऐसा इंसान होता है, जो सारी चीज़ों को पहले सकारात्मक अंदाज़ में देखेगा।

आपके पास आशावादी या निराशावादी बनने का विकल्प चुनने की स्वतंत्रता है। आप पुराने कपड़ों की तरह अपने पुराने नज़रियों को उतार सकते हैं और हर दिन एक बिलकुल नया चमचमाता नज़रिया रख सकते हैं। बस इतनी सी बात है।

कोई अच्छी चीज़ बस होने ही वाली है

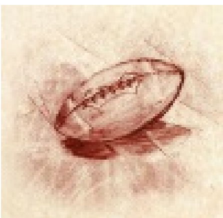

पीट कैरल

मेरी माँ हमेशा कहती थीं कि कोई अच्छी चीज़ बस होने ही वाली है। मुझे शुरुआत में यह एहसास नहीं था, लेकिन मैं इस विचार के साथ जिया हूँ कि चाहे परिस्थितियाँ कितनी ही स्याह या मुश्किल क्यों न हो जाएँ, निरंतर आशा रहनी चाहिए कि हवा का रुख़ पलटने वाला है। मेरी माँ ने मुझे इसका उपहार दिया था। इससे मैं सकारात्मक रहता हूँ और इसकी बदौलत मैं आशावादी अंदाज़ में चीज़ों

की ओर देखता रहता हूँ। मैं बहुत सौभाग्यशाली हूँ कि मैंने इस विचार के साथ अपना जीवन जिया है।

पृथ्वी पर द्वैत के कारण आपको हमेशा सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही अनुभव होने वाले हैं। लेकिन अगर आप लगातार अच्छे की तलाश करते हैं और बाहरी परिस्थितियों के बावजूद सकारात्मक नज़रिया क़ायम रखते हैं, तो आप जीत जाएँगे। और आपको सकारात्मक नज़रिया क़ायम रखने की याद दिलाने के लिए पीट कैरल की माँ के शब्दों से बेहतर शब्द नहीं मिलेंगे : "कोई अच्छी चीज़ बस होने ही वाली है!" जब आप हमेशा जानते हैं कि कोई अच्छी चीज़ बस होने ही वाली है, तो आपका आशावाद कभी लंबे समय तक नहीं डगमगाएगा।

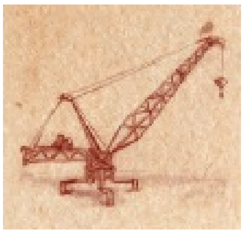

जी. एम. राव

मेरी आध्यात्मिकता ने स्याह परिस्थितियों में भी सकारात्मक तरीक़े से सोचने में मेरी मदद की।

जो लोग ख़ुश और सफल हैं, वे हो सकने वाली अच्छी चीज़ों के बारे में ज़्यादा सोचते हैं। वे ख़ुशी मिलने, पैसा मिलने तथा एक समृद्ध व सार्थक जीवन बनाने के बारे में ज़्यादा सोचते हैं और इसकी विपरीत चीज़ों के बारे में कम सोचते हैं।

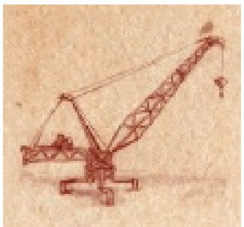

जी. एम. राव

मैं दौलतमंद परिवार और ऊँची सामाजिक हैसियत के बहुत से अच्छे शिक्षित लोगों से मिला हूँ, जो अपने नकारात्मक नज़रियों के कारण सफल नहीं हो पाते हैं। नकारात्मकता इंसान को नीचे खींच लेती है।

जीवन के प्रति निराशावादी नज़रिये का मतलब है दुखी जीवन। अपने जीवन के किसी बिंदु पर आप बेशक किसी ऐसे व्यक्ति से मिले होंगे, जो हर चीज़ के बारे में निराशावादी रहता है और जब आप उसके साथ रहते हैं, तो इससे आपकी ऊर्जा और ख़ुशी मानो चूस ली जाती है। देखिए, निराशावादी नज़रिया आपके साथ यही करता है।

एनेस्टाज़िया सोर

अगर आप निराशावादी हैं और सारे समय खिन्न रहते हैं, तो यह किसी भी सपने को मार देगा।

दूसरी ओर, मुझे यक़ीन है, आप किसी ऐसे व्यक्ति को भी जानते होंगे जो हमेशा प्रसन्नचित्त रहता है और जिसका जीवन के प्रति ख़ुशनुमा तथा उजला दृष्टिकोण रहता है। जब आप उसके साथ रहते हैं, तो आप भी ज़बर्दस्त और उमंग से भरे महसूस करते हैं। और आशावादी नज़रिया भी आपके साथ ठीक यही करता है।

मुझे कोई एक निराशावादी व्यक्ति दिखा दें, जो अपने जीवन के हर पहलू में बेहद ख़ुश हो। यह संभव ही नहीं है, क्योंकि भले ही उसके पास उसकी हर मनचाही चीज़ हो, लेकिन इसके बावजूद उसे गिलास आधा ख़ाली ही दिखेगा!

पीटर बरवॉश

दो लोग पास-पास रहते हैं। उनमें से एक सुबह जागता है और खिड़की खोलकर कहता है, “गुड मॉर्निंग, भगवान!” और बग़ल वाले घर में निराशावादी कहता है : “हे भगवान। सुबह हो गई!”

ज़रा ख़ुद से पूछें, क्या आप सोचते हैं कि दोष देने और शिकायत करने से किसी व्यक्ति का जीवन सफलता तथा ख़ुशी से भर सकता है? क्या आप सोचते हैं कि रोने-धोने तथा आलोचना करने से किसी इंसान के सपने साकार हो सकते हैं और उसे चिरस्थायी ख़ुशी मिल सकती है?

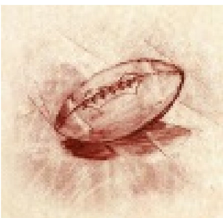

पीट कैरल

हमारे प्रोग्राम में जो एक नियम हमेशा रहता है, वह है – कोई आलोचना नहीं, कोई

शिकायत नहीं और कोई बहाने नहीं। ये ऐसी वैचारिक आदतें नहीं हैं, जो हमें आगे बढ़ाएँ। ये हमें वहाँ क़तई नहीं ले जाने वाली हैं, जहाँ हम जाना चाहते हैं।

क्या आपने कभी सुपरमैन को रोते-धोते देखा है? क्या आपने कभी इंडियाना जोन्स को शिकायत करते देखा है? क्या आपने जेम्स बॉण्ड को अपनी क़िस्मत के लिए दूसरों को दोष देते देखा है? आप किसी फ़िल्म के सुपरहीरो को इनमें से किसी गुण का प्रदर्शन करते कभी नहीं देखेंगे, क्योंकि फ़िल्म बनाने वाले जानते हैं कि इससे आपकी नज़रों में सुपरहीरो की क़द्र तत्काल कम हो जाएगी और इसके बाद वह हीरो नहीं रह जाएगा। और दर्शक सहज बोध से महसूस कर लेंगे कि कोई चीज़ गलत है; ऐसा नकारात्मक व्यक्ति हीरो कैसे बन सकता है? और जवाब है, वह नहीं बन सकता।

दोष, द्वेष, रोना-धोना और शिकायतें बहाने हैं, जो हम तब बनाते हैं, जब हम वह जीवन नहीं जीते हैं, जिसे जीने के लिए हम यहाँ आए थे।

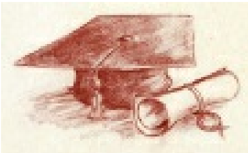

लिज़ मरे

इंसान के रूप में अपने स्याह पलों में हम क्रोधित हो जाते हैं, ख़ुद को हर चीज़ का हक़दार समझने लगते हैं और दोष देना शुरू कर देते हैं। मैं सोचती हूँ कि क्रोध, अधिकार की भावना और दोषारोपण चचेरे भाई-बहन हैं; वे इस बारे में हैं कि आपके पास क्या होना चाहिए था और आपके पास किस चीज़ की कमी है और किस व्यक्ति को आपको वह चीज़ देनी चाहिए थी। बड़े होते वक़्त मैं जानती थी कि मेरा किसी पर भी कोई कर्ज़ नहीं है। यह एहसास करें कि आपके पास जो भी है, वह आपको वरदानस्वरूप मिला है, क्योंकि यह उतनी ही आसानी से ग़ायब हो सकता था। यह ज़्यादा बेहतर नज़रिया है।

चूँकि हम अपने आस-पास ऐसे लोगों को देखते हैं, जो दोष देते हैं, द्वेष पालते हैं, झीकते हैं और शिकायत करते हैं, इसलिए हमें भूलवश यह आभास हो सकता है कि यह ठीक है और इससे हमें कोई नुक़सान नहीं होगा। लेकिन ये सारे नकारात्मक भाव आपको नीचे खींच लेंगे और आपकी शक्ति तब तक कम कर देंगे, जब तक कि आप निराश महसूस न करने लगें। इनमें से कोई भी भाव आपको उस ख़ुशी से नहीं भर सकता, जो आप चाहते हैं और जिसके आप हक़दार हैं। इनमें से कोई भाव आपको अपने सपने की ओर नहीं ले जाएगा। इनमें से कोई भी उस हीरो के लिए उपयुक्त नहीं है, जो कि आप हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन

यह असंभव है कि आप सारे समय पूरी तरह ख़ुश रहेंगे, चहकते रहेंगे, मुस्कुराते रहेंगे, हर चीज़ आदर्श रहेगी। ईर्ष्या होगी, द्वेष होगा, कभी-कभार ये सारी नकारात्मक चीज़ें होंगी। यह इंसान होने का हिस्सा है। लेकिन क्या आप उन्हें बढ़ने की ज़मीन देते हैं या फिर उन्हें बाहर धकेलकर उनकी जगह पर सकारात्मक चीज़ें भर लेते हैं? आप क्या करते, सोचते और कहते हुए अपना ज़्यादातर समय बिताते हैं? यही है, जो आपको फल देगा।

सकारात्मक और आशावादी नज़रिये का मतलब यह नहीं है कि कभी-कभार आपके दिन उदासी भरे नहीं होंगे। आपके कुछ दिन उदासी भरे रहेंगे। वैसे कभी-कभार का उदासी भरा दिन महत्त्वपूर्ण नहीं है। महत्त्वपूर्ण तो यह है कि अपने सकारात्मक और आशावादी नज़रिये की बदौलत आप अपने जीवन के 24,869 दिनों में से कितनों का आनंद लेने वाले हैं।

पीट कैरल

शांत मन के साथ हर दिन काम करने की कोशिश करें, ऐसे मस्तिष्क के साथ नहीं, जो हमेशा शंका कर रहा हो और सोच रहा हो कि क्या आप मूल्यवान हैं। "मैं नहीं जानता कि मैं इसे सँभाल सकता हूँ या नहीं," "यह काम मेरे लिए बहुत बड़ा है," "मैंने पहले कभी इसे नहीं किया," "अतीत में मैं यहाँ या वहाँ कमतर साबित हुआ हूँ," इस तरह के नकारात्मक विचार आपका ध्यान वैसा प्रदर्शन करने से दूर खींचते हैं, जिसमें आप सक्षम हैं। इस बात के आसार हैं कि ऐसे विचारों के साथ हम कभी उतने अच्छे नहीं हो पाएँगे, जितने कि हो सकते हैं।

लेन बीचली

इस बारे में सचेत रहें कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं, क्योंकि ऐसा समय भी आता है, जब आप नकारात्मक महसूस करते हैं, निराश महसूस करते हैं या पराजित करते हैं। और सबसे महत्त्वपूर्ण चीज़ जो आप कर सकते हैं, वह ज़िम्मेदारी स्वीकार करना, यह स्वीकार करना कि ये भावनाएँ आपके सोचने के

तरीक़े से उत्पन्न हुई हैं। इसके बाद अपनी वर्तमान परिस्थितियों को बदलने के लिए कुछ भिन्न करने का चुनाव करें।

यदि आप निराश महसूस कर रहे हैं, तो कुछ ऐसा करें, जो आपको वाक़ई अच्छा महसूस कराए और आपके उत्साह को बढ़ा दे। उस सबसे अच्छी चीज़ के बारे में सोचें, जो आप इस पल कर सकते हैं, जो आपको उतना अच्छा महसूस कराए, जितना आप महसूस कर सकते हैं। फिर उसे कर दें।

लेन बीचली

ख़ुद को ख़ुश और सकारात्मक महसूस कराने के लिए मुझे सबसे पहले कोई ऐसी चीज़ करनी होती है, जिससे मैं प्रेम करती हूँ और अपने भीतर संतुष्टि का एहसास बनाना होता है। इसलिए मैं हर दिन सर्फ़िंग करने जाती हूँ, क्योंकि मैं जानती हूँ कि इससे मुझे बहुत ख़ुशी और संतुष्टि महसूस होती है।

हीरो का दिमाग़ मुख्यत: सकारात्मक होता है। हीरो का नज़रिया निरंतर आशावादी रहता है। सकारात्मक मस्तिष्क और आशावादी नज़रिया जब मिल जाते हैं, तो आपके सपनों को हासिल करने के लिए वे अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली साधन बन जाते हैं, क्योंकि आपके विचार और आपका नज़रिया मिलकर आपका जीवन बन जाते हैं!

हीरो का हृदय

साहस

लेअर्ड हैमिल्टन

डर हममें हमेशा मौजूद रहने वाला भाव है। जिस चीज़ ने हमें विकसित किया है, यह उसका हिस्सा है।

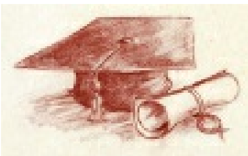

लिज़ मरे

आप कभी डर से मुक्ति नहीं पा सकते, क्योंकि डर एक दैहिक प्रतिक्रिया है। आप किसी को एक मशीन से बाँधकर देख सकते हैं कि आपको उससे डर की प्रतिक्रिया मिल रही है। आपको हमेशा डर की प्रतिक्रिया मिलेगी।

हालाँकि हममें से हर व्यक्ति अनूठा होता है, लेकिन हम सभी इंसान हैं, इसलिए हममें से प्रत्येक में इंसानी भावनाओं का पूरा समूह है – जैसे डर, अनिश्चितता, शंका, ख़ुशी, जोश, आशा और विश्वास। हीरो की यात्रा में अलग-अलग समय पर आपको इनमें से प्रत्येक भावना का अनुभव होगा। कोई सफल है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसे डर, अनिश्चितता और शंका की वही भावनाएँ महसूस नहीं हुई थीं। डर उनके लिए भी वैसा ही है, जैसा कि आपके लिए है। शंका उनके लिए भी वैसी ही है, जैसी कि आपके लिए है। सफल व्यक्तियों ने तो बस इन भावनाओं को महसूस करने के बावजूद अपने सपने का पीछा करना जारी रखने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने डर या शंका को यह अनुमति

नहीं दी कि वे उन्हें पंगु बना दें या उनके सपने को हासिल करने से रोक दें।

मैस्टिन किप

चाहे आपका सपना बड़ा हो या छोटा, यह आपके आरामदेह दायरे के बाहर होता है और इस दायरे के बाहर क़दम रखने का मतलब है डर। लेकिन डर शायद मानव विकास में सबसे ज़्यादा ग़लत समझी गई चीज़ों में से एक है। जीववैज्ञानिक दृष्टिकोण से डर का उद्देश्य हमें सुरक्षित रखना है; डर आत्म-रक्षा का उपाय है।

इंसान के रूप में हम दो तरह के डरों का अनुभव करते हैं। लेकिन यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि हमारी शारीरिक इंद्रियां हमारे जीवन की रक्षा के लिए जो डर उत्पन्न करती हैं, वह मनोवैज्ञानिक डर से बहुत भिन्न होता है।

मनोवैज्ञानिक डर वह है, जिसे हम अपने दिमाग़ में ख़ुद पैदा करते हैं, हालाँकि उस वक़्त हमारे जीवन के लिए कोई ख़तरा नहीं होता। हो सकता है आपने किसी परीक्षा के समय ऐसे डर का अनुभव किया हो, जब आपको महसूस हुआ हो कि उस पर आपका भविष्य निर्भर है। या फिर ड्राइवर के लाइसेंस का टेस्ट देते समय आपको ऐसा लगा होगा। अगर आपने स्कूल में किसी खेल प्रतिस्पर्धा में भाग लिया हो या अगर आपको बहुत से लोगों के सामने भाषण देना पड़ा हो, तब भी शायद आपको मनोवैज्ञानिक डर महसूस हुआ होगा। इन सारी स्थितियों में आपकी जान को कोई जोख़िम नहीं था। जो डर आपने महसूस किया, वह मनोवैज्ञानिक था, जिसे आपके ख़ुद के दिमाग़ ने पैदा किया था। हीरो की यात्रा के दौरान हममें से ज़्यादातर लोग सिर्फ़ मनोवैज्ञानिक डर का सामना करेंगे, लेकिन कुछ लोग, जैसे किसी ख़तरनाक खेल में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी एक साथ दोनों प्रकार के डर महसूस कर सकते हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन

लोग कहते हैं, "आप डरते नहीं हैं।" दरअसल ऐसा नहीं है। मैं सोचता हूँ कि मैं सबसे ज़्यादा डरता हूँ। मैं उन बड़ी लहरों से डरता हूँ। लेकिन आपकी कल्पना हमेशा वास्तविकता से ज़्यादा बड़ी होती है। जिस चीज़ से आपको डर लगता है, उसे करने के लिए ख़ुद को मजबूर कर दें। यह उसका आदी बनने, उसके साथ अंतरंग होने का सबसे महत्त्वपूर्ण तरीक़ा है। इसके बाद आप अचानक पाते हैं कि

उसमें वह शक्ति नहीं रह गई है, जो पहले थी।

फ़ंतासी फ़िल्मों में आप हीरो को राक्षसों या दैत्यों का सामना करते देखते हैं, क्योंकि लक्ष्य हासिल करने से पहले उसे उन्हें मारना होता है। फ़िल्मों में हीरो का लक्ष्य हमारे जीवन जैसा ही होता है, क्योंकि अपने सपने को हासिल करने के लिए हमें भी इसी प्रक्रिया से गुज़रना होता है। ये राक्षस या दैत्य और कोई नहीं, बल्कि हमारे ख़ुद के दिमाग़ की शंकाएँ और डर हैं। फ़िल्मों की ही तरह हमें भी उनसे उबरना होता है, ताकि वे हमें अपना सपना साकार करने से न रोक पाएँ।

जो चीज़ आपके आरामदेह दायरे से बाहर है, उसे करते ही डर और शंका के राक्षस व दैत्य उसी जगह मर जाते हैं।

मैस्टिन किप

अगर आप निर्भीक जीवन जीना चाहते हैं, तो अपने आरामदेह दायरे को कभी न छोड़ें, कभी भी नहीं। अगर आप विकास करना चाहते हैं – और अंतत: जो चीज़ आपको ख़ुश करेगी, वह विकास ही है – तो आपको अपने आरामदेह दायरे से निरंतर बाहर क़दम रखने की ज़रूरत होगी। इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि अगर डर लग रहा है, तो यह एक अच्छी बात है।

जब आप डर के बावजूद अपने आरामदेह दायरे के बाहर क़दम बढ़ाते हैं, तो आप पर डर का शिकंजा कमज़ोर हो जाता है और आपका साहस बढ़ जाता है।

साहस यानि 'करेज,' फ़्रांसीसी शब्द कय्र से आया है, जिसका अर्थ है "हृदय।" जब आप डर महसूस होने के बावजूद आगे बढ़ते हैं और कोई काम कर डालते हैं, तो साहस आपके हृदय के भीतर से उत्पन्न होता है। इसी तरह आप साहस हासिल करते हैं। यह किसी दूसरे तरीक़े से नहीं होता, जहाँ आपको काम करने से पहले साहस खोजना होता है। साहस डर भरे काम करने से आता है! जब आप साहसी होते हैं, तो आप पाएँगे कि जो चीज़ें पहले आपको डरावनी लगती थीं, अब वे ज़रा भी डरावनी नहीं दिखती हैं।

लेन बीचली

अगर आपमें कोई लक्ष्य तय करने का साहस है, अगर आपमें उसका पीछा करने और उसे हासिल करने का विश्वास है, तो आप हर दिन अपने आरामदेह दायरे के बाहर क़दम रखेंगे। यानि आरामदेह दायरे के बाहर क़दम रखने की इच्छा और पर्याप्त साहस सफलता का आवश्यक हिस्सा हैं।

मैस्टिन किप

एक बेहतरीन पुस्तक का नाम है फ़ील द फ़ियर ऐंड डू इट (डर को महसूस करो और जो करना है उसे कर डालो।) मैंने शीर्षक पढ़ा और आगे कुछ नहीं पढ़ा। मुझे बाक़ी पुस्तक पढ़ने की ज़रूरत ही नहीं थी। मैं मतलब समझ गया। और यह दरअसल सबसे अच्छी सलाह है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मुझे अब भी कई चीज़ों से डर लगता है। सैकड़ों लोगों के सामने भाषण देना डरावना होता है। जिस व्यक्ति का आप सम्मान करते हैं, उससे पहली बार मिलना डरावना होता है। लेकिन इन डरावनी स्थितियों में ख़ुद को रखकर आप दरअसल अपने चरम स्वप्नों की ओर प्रगति करते हैं, विकास करते हैं और उनके ज़्यादा क़रीब पहुँचते हैं। क्या यह एलनॉर रूज़वेल्ट थीं, जिन्होंने कहा था, "हर दिन एक ऐसा काम करो, जिससे आपको डर लगता हो?" मैं इस दर्शन से प्रेम करता हूँ।

तैयारी से आपका डर कम होता है। आप आसानी से समझ सकते हैं कि किसी टेस्ट, परीक्षा या भाषण से पहले आप जितने ज़्यादा तैयार होते हैं, आपको उतना ही कम डर लगेगा। देखिए, जब आप परिणाम का मानसिक चित्रण करके किसी भावी काम के लिए अपने मन को तैयार कर लेते हैं, तो आप महसूस होने वाले डर को कम कर देते हैं। आपको यह भी पता चल सकता है कि जो काम करने से आप डरते हैं, उसे शुरू करते ही डर तुरंत ग़ायब हो जाता है। मैंने इसे अपने जीवन में बार-बार सच पाया है; किसी चीज़ को करने का डर उसे करने की हक़ीक़त से ज़्यादा बुरा होता है। और जब आप मानसिक चित्रण का अभ्यास करते हैं, तो आपका अंतिम पुरस्कार यह होगा कि परिणाम ठीक वैसा ही मिलेगा, जैसा आपने उसका चित्र बनाया था।

जोख़िम लेना

जब हमने द सीक्रेट फ़िल्म बनाई, तो मैंने अपना करियर, अपनी कंपनी, मकान, प्रतिष्ठा और हर वह चीज़ जिसके लिए मैंने काम किया था, दाँव पर लगा दी। लेकिन एक बार भी मैंने इसे जोख़िम नहीं माना। मैं जानती थी कि मेरा सपना सच होगा।

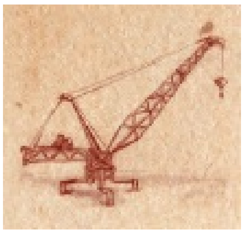

जी. एम. राव

मैंने अपना सपना हासिल करने के लिए हर चीज़ दाँब पर लगा दी। देखिए, मेरे पास जितना कुछ था, यह उससे पच्चीस गुना बड़ा निवेश था। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा कि मैं अपने सपने हासिल नहीं कर पाऊँगा। मैंने हमेशा समृद्धि की मानसिकता से काम किया है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

जोख़िम बहुत महत्त्वपूर्ण है। मैं निरकुंश और दुस्साहसी जोख़िम की बात नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस जोख़िम की बात कर रहा हूँ, जहाँ आप यह तो नहीं जानते कि परिणाम क्या होगा, लेकिन आपको सफलता का काफ़ी विश्वास होता है। कारोबार में मेरा दर्शन है छोटे जोख़िम लेना। इसके बाद अगर कोई चीज़ कारगर हो जाती है, तो हम उसे ज़्यादा करते हैं और अगर यह कारगर नहीं होती है, तो हम धूल झाड़कर दोबारा ड्रॉइंग बोर्ड पर पहुँच जाते हैं।

एनेस्टाज़िया सोर

ज़ाहिर है, यह डरावना होता है, लेकिन मैं जोख़िम लेने वालों में से हूँ। यदि आप जीवन में जोख़िम नहीं लेते हैं, तो पहली बात, आपको कभी पता नहीं चल पाएगा

कि आप कितने मज़बूत हैं। दूसरी बात, आप कभी विकास नहीं कर पाएँगे।

हीरो की यात्रा में ऐसे पल भी आएँगे, जब जोख़िम लेने के लिए आपका आवाहन किया जाएगा। यदि आपको डर लगता है, लेकिन साथ ही यह भी महसूस होता है कि यह सही क़दम है, तो आगे बढ़ें और वह क़दम उठा लें। बहरहाल, अगर आप घबरा रहे हों और आपको मन में यह शंका हो रही हो कि क्या यह सही क़दम है, तो उसे न उठाएँ – जब तक कि आप अधिक निश्चित महसूस न करें कि किस रास्ते जाना है। जब शंका हो, तो काम न करें।

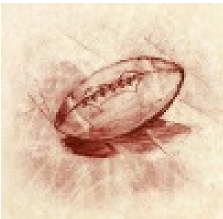

पीट कैरल

मैं यूएससी में था और मैंने नौ साल तक वहाँ अपने जीवन का पूरा आनदं लिया। हम काफ़ी बड़े पैमाने पर जीते और हमने बहुत से रिकॉर्ड बनाए। फिर मुझे एनएफ़एल में जाने का मौक़ा मिला और मेरे सबसे अच्छे दर को छोड़ने का वक़्त आ गया। यह वह सबसे बड़ा जोख़िम था, जो मैंने कभी लिया था, क्योंकि वहाँ मेरे लिए सब कुछ सही चल रहा था, मैं सफल हो चुका था। बहरहाल, यह प्रतिस्पर्धा करने और कोई चीज़ हासिल करने का बहुत ही असाधारण अवसर था, जहाँ दाँव ज़्यादा ऊँचे थे और चुनौतियाँ ज़्यादा बड़ी थीं।

कृतज्ञ हृदय

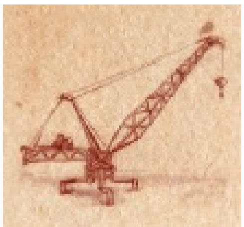

जी. एम. राव

कृतज्ञता आपके सपने तक पहुँचने की कुंजी है – कृतज्ञता उसके लिए, जो आपके पास है और जो जल्द ही मिलने वाला है। “संसार के साथ सब कुछ अच्छा है” की भावना सकारात्मक सोच की दिशा में पहला क़दम है। इससे हम सृष्टि के वरदान पाने में समर्थ होते हैं।

कृतज्ञता हीरो की यात्रा में अनिवार्य है। यह एक शांत और विनम्र, लेकिन बेहद शक्तिशाली गुण है। कृतज्ञता हीरो की आपकी यात्रा को सुचारु बनाने और साथ ही तीव्र

करने का तरीक़ा है। कृतज्ञता ऐसी चमत्कारी परिस्थितियों का अनुभव करने का तरीक़ा है, जो अचानक आकर आपकी झोली में गिर पड़ती हैं।

लेन बीचली

मैं कृतज्ञता में बहुत विश्वास करती हूँ, क्योंकि यह हर चीज़ को सही परिप्रेक्ष्य में रख देती है और इसकी बदौलत अप वर्तमान पल में रहने में समर्थ होते हैं। अश्चर्यजनक बात यह है कि जब आप कृतज्ञ होते हैं, तो सृष्टि आपको ज़्यादा ख़ुशी और कृतज्ञता देती रहती है।

एनेस्टाज़िया सोर

सुबह जागें और अपने वरदानों को गिनें कि आप स्वस्थ हैं, आप चल सकते हैं, आप देख सकते हैं, आप साँस ले सकते हैं।

आप कृतज्ञता से चुनौतियों, बाधाओं और समस्याओं जैसी सभी तरह की नकारात्मक स्थितियों को कम कर सकते हैं और दरअसल ग़ायब कर सकते हैं। अगर आपके सामने कोई समस्या है या दीवार है और आपको बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा हो, तो गहरी कृतज्ञता रास्ता साफ़ कर देगी। यह तो वैसा ही है, मानो आपकी कृतज्ञता के कारण सृष्टि आपको एक “फ़्री पास” दे देती है, जिससे आप बाधा को लाँघने में समर्थ हो जाते हैं। अचानक आप पाते हैं कि आपके सामने मौजूद बाधा कम हो गई है या ग़ायब हो गई है और आगे का रास्ता साफ़ हो चुका है या आप समाधान खोजकर बाधा से उबर जाते हैं।

पीटर फ़ोयो

आप जो भी करते हैं, कृतज्ञता सबसे पहले रहनी चाहिए। पहली बात तो आपको जीवित होने के लिए बहुत कृतज्ञ होना चाहिए। अगर आपके जीवन में सकारात्मक चीज़ें हैं, तो उनके लिए कृतज्ञ बनें। इससे वे कई गुना हो जाती हैं। आप जितने ज़्यादा कृतज्ञ होते हैं, चीज़ें उतनी ही ज़्यादा बढ़ती जाती हैं। इसके अलावा, जो घटनाएँ, स्थितियाँ या लोग आपके लिए ज़्यादा अच्छे नहीं होते हैं, कृतज्ञता की बदौलत वे कम हो जाते हैं या ग़ायब हो जाते हैं। यह आश्चर्यजनक है कि आप जितने ज़्यादा कृतज्ञ होते हैं, आपके पक्ष में न रहने वाली चीज़ें उतनी ही जल्दी ग़ायब हो जाती हैं। मैं सभी स्तरों पर असंख्य बार इसका साक्षी रहा हूँ।

यदि आप अपनी यात्रा के आरंभ से ही अपने हृदय को कृतज्ञ बना लें और पूरे रास्ते अपनी कृतज्ञता को क़ायम रखें, तो आपकी यात्रा ज़्यादा आसान हो जाएगी और किसी भी तरह की मुश्किलें नाटकीय रूप से कम हो जाएँगी। कृतज्ञता के बिना आप यह अवसर गँवा देते हैं कि सृष्टि योजना बनाकर आपको सबसे जादुई तरीक़े से सही लोग तथा सटीक परिस्थितियाँ प्रदान करे, जिनकी ज़रूरत आपको अपना सपना सच करने के लिए है। कृतज्ञता के बिना आपकी यात्रा बहुत ही मुश्किल होगी। इसके अलावा, आप उस आनंददायक भावना से भी वंचित रह जाएँगे, जो एक कृतज्ञ हृदय के साथ आती है।

मैस्टिन किप

कृतज्ञता के बारे में बेहतरीन चीज़ यह है कि यह आपको स्वयं से बाहर ले जाती है। आप उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो आपके पास है, आप वरदानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, आप दूसरे लोगों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और अंतत: इसी से संतुष्टि मिलती है। जब आप कृतज्ञ होते हैं, तो आप स्वयं पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं। यह मैं के दुख को रोक देता है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

इसका विपरीत भी उतना ही सच है। अगर आप नकारात्मक पहलुओं पर, समस्याओं पर और बाधाओं पर केंद्रित रहते हैं, तो आप नीचे की तरफ़ फिसलते जाते हैं और खुद को ज़्यादा तनावपूर्ण, विचलित व दुखी बना लेते हैं।

मैस्टिन किप

कृतज्ञता संतुष्टि के लिए अनिवार्य है। मैं बहुत से ऐसे लोगों को जानता हूँ, जो "सफल" तो हैं लेकिन कृतज्ञ नहीं हैं और मैं उनके जैसा जीवन नहीं चाहूँगा।

पीटर फ़ोयो

मैं मानता हूँ कि कृतज्ञता एक मानसिक अवस्था है, जिसे लगातार क़ायम रखना होता है। मैं मानता नहीं हूँ – मैं जानता हूँ। मैं जानता हूँ कि यह सच है। जब-जब मैंने कृतज्ञता के अपने स्तर को क़ायम नहीं रखा है, मुझे अंतर साफ़ दिख गया है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

जब भी मेरा कोई दिन ख़राब या निराशा से भरा रहता है, तो मैं दिन के अंत में अपने बाथ-टब में बैठता हूँ या कॉफ़ी पीता हूँ और उन सारी चीज़ों को याद करता हूँ, जिनके लिए मैं कृतज्ञ हूँ – मेरा स्वास्थ्य, मेरे मित्र, मेरा परिवार। इससे अचानक आपकी मनोदशा सही हो जाती है। और मैं सोचता हूँ कि सबसे सफल लोग यह बात समझते हैं।

जब हम द सीक्रेट फ़िल्म बना रहे थे, तो मैं सुबह तब तक बिस्तर से नहीं उतरती थी, जब तक कि मैं दस-पंद्रह मिनट कृतज्ञता में नहीं गुज़ार लेती थी।

पीटर फ़ोयो

यहाँ तक कि मेरे कंप्यूटर का पासवर्ड भी ऐसा है, जो मुझे हर दिन याद दिलाता है कि मेरे पास जो चीज़ें हैं, उन सभी के लिए मैं कितना कृतज्ञ और खुश हूँ।

पीटर बरवॉश

मुझे मेरी माँ से एक बेहद महत्त्वपूर्ण सीख मिली। क्रिसमस का दिन था और तब मैं पाँच साल का था और लिख सकता था। माँ ने कहा कि मैं तब तक बाहर जाकर नहीं खेल सकता, जब तक कि मैं हर उस व्यक्ति को धन्यवाद-पत्र न लिख दूँ, जिसने मुझे तोहफ़ा दिया था। आज तक मैं हर दिन किसी न किसी को हाथ से धन्यवाद-पत्र लिखने की कोशिश करता हूँ।

लेन बीचली

मैं तक़रीबन एक महीने पहले नूसा में सर्फ़िंग कर रही थी। लहरें बहुत सुंदर थीं और समुद्र गुनगुना और रेशमी महसूस हो रहा था। मैं बहुत खुशगवार महसूस कर रही थी और मुझे इतना मज़ा आ रहा था कि मैं रास्ते में रुक गई। मेरे दिल से कृतज्ञता का आश्चर्यजनक एहसास उभरने लगा और मैंने समुद्र को देखकर सोचा, "मेरे साथ सब कुछ कितना मज़ेदार रहा है।" अचानक एक लहर न जाने कहाँ से उछली और मेरे दोनों तरफ़ कोई भी नहीं था, जो इसकी सवारी में मुझे चुनौती दे। मैं उस लहर पर सवार हो गई तथा यह वह सबसे लंबी और सबसे अच्छी लहर थी, जो जीवन में मुझे कभी मिली थी। अंत में मैंने बस समुद्र की ओर देखा और कहा, "आपको धन्यवाद।"

आप कभी नहीं जान सकते कि कृतज्ञता में आपके पूरे जीवन को बदलने की कितनी शक्ति है, जब तक की आपके पास एक कृतज्ञ हृदय न हो। और जिन लोगों ने कृतज्ञता की महिमा को खोज लिया है, वे इस आशा में इसकी प्रशंसा के गीत गाते रहते हैं, ताकि हर कोई सुन ले।

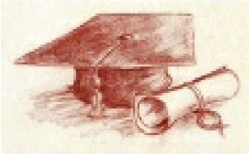

लिज़ मरे

अपनी माँ को दफ़नाने के बाद मैं अपने मित्र के घर जाकर उसके लिविंग रूम में बैठी। मेरा मित्र इस बारे में शिकायत करने लगा कि उसकी माँ ने उसके डिनर के लिए जो पोर्क चॉप्स बनाए थे, वे जले हुए थे। मेरी एक सहेली नौकरी में अपने बॉस के बारे में शिकायतें कर रही थी। और मेरा एक अन्य मित्र स्कूल से निकलने के बारे में रो रहा था। मैंने उनकी ओर देखा, फिर मैंने अपनी माँ तथा चीड़ के बक्से के बारे में सोचा। इसके बाद जब मैंने ख़ुद की ओर देखा, तो मुझे यह एहसास होने लगा कि हम कितने खुशक़िस्मत थे। सचमुच खुशक़िस्मत। क्योंकि हमारे पास हमारा स्वास्थ्य था। हम जीवित थे। मैं मानती हूँ कि कृतज्ञता और कुछ नहीं, बल्कि यह एहसास करना है कि आपके पास जो भी चीज़ है, वह उतनी ही आसानी से आपके पास नहीं भी हो सकती थी। इससे हर चीज़ सही परिप्रेक्ष्य में आ गई। मैंने अपनी वास्तविक दौलत को देखा, क्योंकि मैं न सिर्फ़ जीवित, स्वस्थ और युवा थी, बल्कि मेरे पास इतने अच्छे मित्र थे। हम आदर्श नहीं थे, लेकिन हम एक दूसरे से प्रेम करते थे। ऐसी रातें थीं, जब मैं उनके सोफ़े या फ़र्श पर सो सकती थी। मैं पार्क और गलियारे में बहुत सोई, लेकिन मैं मरने नहीं वाली थी। अगर आप पृथ्वी पर हर एक के बारे मैं सोचें और यह सोचें कि वे किस अनुभव से गुज़रते हैं, तो ग़रीबी की मेरी अवधारणा की तो कइयों से तुलना नहीं हो सकती। मेरे पास रहने के लिए जगह नहीं थी, मेरे पास खाने के लिए कुछ नहीं था, लेकिन इसके बावजूद मैंने सौभाग्य का एहसास हासिल कर लिया।

अन्तर्ज्ञान

पीटर बरवॉश

मैंने छह वर्षों तक संसार भर के लीडरों का अध्ययन किया है और उनमें से 99.9 प्रतिशत ने कहा कि अन्तर्ज्ञात तर्क से ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है। तर्क वह है जो आपने सीखा है। अन्तर्ज्ञान वह है जो आप हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि आप व्यावहारिक होकर तर्क व सहज बुद्धि का इस्तेमाल नहीं कर सकते, लेकिन वह पहली भावना बहुत, बहुत महत्त्वपूर्ण है।

“अपने हृदय और अन्तर्ज्ञान का अनुसरण करने का साहस रखें। क्या पता कैसे वे पहले से ही जानते हैं कि आप वाक़ई क्या बनना चाहते हैं।”

स्टीव जॉब्स

ऐप्पल इन्कॉर्पोरेटिड के सह-संस्थापक

मैस्टिन किप

अन्तर्ज्ञान वह बुनियादी औज़ार है, जिसकी ज़रूरत आपको अपने सपने को हक़ीक़त में बदलने के लिए होती है। अपने अन्तर्ज्ञान पर भरोसा नहीं करेंगे, तो आप बार-बार गिरेंगे।

अन्तर्ज्ञान का ज्ञान वह कौंध है, जो जब आती है, तो बहुत प्रबल और सम्मोहक भावना के साथ आती है। यह भावना हमें अपने जीवन में होने वाली किसी चीज़ के साथ एक ख़ास तरीक़े से जाने के लिए प्रेरित करती है। या कई बार किसी ख़ास तरीक़े से न जाने के लिए। हालाँकि भावना हमेशा त्वरित और प्रबल होती है, लेकिन लोग अक्सर इस अविश्वसनीय संप्रेषण पर शंका करने और उसकी बात नकारने वाले अपने चेतन मन की आवाज़ को मान लेते हैं।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

दिल की आवाज़ में मेरा बहुत विश्वास है। बहुत से लोग इसे बकवास मानते हैं, क्योंकि इसके समर्थन मैं कोई आँकड़े नहीं होते, लेकिन मैं मानता हूँ कि वहाँ पर कुछ न कुछ तो होगा, क्योंकि हमारा अवचेतन मन हमारे चेतन मन से कहीं ज़्यादा चीज़ें पकड़ लेता है और अवचेतन हमसे जिस तरह बोलता है, वह हमारे दिल की आवाज़ के ज़रिये होता है। जब किसी व्यक्ति या किसी स्थिति के बारे में मन में कोई भावना उत्पन्न होती है, तो उसे सुनना बहुत, बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। मेरे अनुभव में इसने फ़ायदा नहीं पहुँचाने के मुकाबले, उससे कहीं ज़्यादा बार फ़ायदा पहुँचाया है।

हालाँकि विज्ञान अब तक यह नहीं खोज पाया है कि हमारा अन्तर्ज्ञान क्या है या यह कहाँ से आता है, लेकिन प्राचीन ग्रंथों में बताया गया है कि अन्तर्ज्ञान वह ज्ञान है, जो शाश्वत

मस्तिष्क कही जाने वाली उच्चतर स्तर की चेतना से आता है। यह ज्ञान तरंगों के ज़रिये हमारे अवचेतन मन तक संप्रेषित किया जाता है। तब ये तरंगें मस्तिष्क और हमारे शरीर की ख़ास अंत:स्त्रावी ग्रंथियों तक संचारित की जाती हैं, जो उस ज्ञान की इस तरह व्याख्या करती हैं, ताकि हम समझ लें। इससे स्पष्ट हो जाता है कि जब हमें अन्तर्ज्ञान का कोई आवेग मिलता है, तो यह प्राय: हमारे पेट या दिल के आस-पास ही एहसास या आभास के रूप में क्यों आता है।

सरल भाषा में कहें, तो आपका अन्तर्ज्ञान सृष्टि के साथ संवाद है। शाश्वत मस्तिष्क अपने दृष्टिकोण से भविष्य को सटीकता से देख सकता है, इसलिए सृष्टि आपको एक ख़ास राह पर चलने के लिए प्रेरित कर रही है। जब भी आपको संप्रेषण मिले, उस पर शंका न करें। चाहे इसके विरोध में कितने भी प्रमाण दिख रहे हों, अपने अन्तर्ज्ञान पर भरोसा करें, क्योंकि सृष्टि रास्ता जानती है।

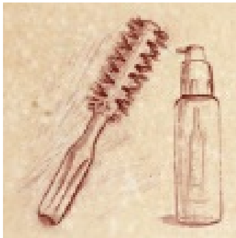

जॉन पॉल डिजोरिया

मैं लोगों को नौकरी पर रखते समय मुख्यत: अन्तर्ज्ञान के हिसाब से काम करता हूँ – यानि मैं कैसा महसूस करता हूँ। अगर मैं किसी कारोबारी स्थिति में हूँ और मैं किसी के साथ व्यवसाय करने पर विचार करना चाहता हूँ, तो मैं अन्तर्ज्ञान की दिशा में जाता हूँ, क्योंकि आत्मा महसूस करती है।

लेन बीचली

हम अपने अन्तर्ज्ञान के मूल्य को कम आँकते हैं। हम अपने सहज बोध पर विश्वास करने में असफल रहते हैं। मैंने अपनी कुछ सबसे बड़ी ग़लतियाँ तब की हैं, जब मैंने अपने अन्तर्ज्ञान की बात नहीं सुनी या अगर सुनी भी, तो मैंने उस पर सवाल किया। यह महत्त्वपूर्ण है कि आप इस पर भरोसा करना सीख लें।

हो सकता है कि आपने अनजाने में ही अपने अन्तर्ज्ञान का द्वार बंद कर दिया हो, जैसा हममें से कई लोगों ने किया है, लेकिन आप अपने अन्तर्ज्ञान की योग्यताओं को दोबारा जाग्रत कर सकते हैं। हमारे अन्तर्ज्ञान का उपयोग ही इसे शक्तिशाली बनाता है। इसी

कारण आप सफल लोगों को इस पर इतना ज़्यादा भरोसा करते देखते हैं। उन्होंने अपने अन्तर्ज्ञान पर भरोसा किया, उन्होंने इसका अनुसरण किया, उन्होंने इस पर अमल किया और ऐसा करने पर अन्तर्ज्ञान की उनकी योग्यताएँ बहुत बढ़ गईं। ज़्यादातर सफल लोग जो भी निर्णय लेते हैं, लगभग हर निर्णय में अपने अन्तर्ज्ञान का इस्तेमाल करते हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन

जब भी मेरे मन में कोई सहज बोध आता है, तो मैं उस पर अमल करता हूँ। दिलचस्प बात यह है कि जब आप उस पर काम करने के बारे में सचेत होते हैं, तो आप उसमें बेहतर बन जाते हैं। दरअसल यह जीवन की एक ऐसी योग्यता है, जिसमें आप बेहतर बन सकते हैं।

अपने अन्तर्ज्ञान पर बस भरोसा करने और इसका ज़्यादा बार अनुसरण करने के अलावा आपके अन्तर्ज्ञान की योग्यता बढ़ाने का एक आसान तरीक़ा है। सवाल पूछें!

जब आप सवाल पूछते हैं, तो आपको आपके अन्तर्ज्ञान से जवाब “मिलता” है। आप शुरुआत में आसान सवाल पूछ सकते हैं। ऐसे सवाल, जिनके जवाब की आप तुरंत पुष्टि कर सकते हैं, जैसे, “कोई व्याक्ति किस समय आएगा?” या “कोई ख़ास व्यक्ति आज किस रंग के कपड़े पहनने वाला है?” जब आपका फ़ोन बजता है, तो आप नंबर देखे बिना पूछें, “मुझे कौन फ़ोन कर रहा है?” कई बार आपका दिमाग़ जवाब देने की कोशिश करेगा, लेकिन अगर आप सवाल पूछते समय अपने दिमाग़ को शांत रख सकें, ताकि यह ग्रहण करने की अवस्था में रहे, तो अभ्यास के साथ फ़ोन करने वाले व्यक्ति का नाम आपके ज़ेहन में तुरंत कौंध जाएगा।

किसी सवाल को पूछने या किसी समाधान को माँगने में उसी प्रक्रिया का इस्तेमाल होता है, जिसके ज़रिये शाश्वत मस्तिष्क आप तक जवाब पहुँचाता है, बस इसकी दिशा बदल जाती है। सवाल पूछते वक़्त आप अपना प्रश्न शाश्वत मस्तिष्क की ओर संचारित करते हैं। शायद अब आप समझ गए होंगे कि ऐसा कैसे होता है कि जब उद्यमी आदर्श विचार माँगते हैं जिसकी संसार को उस समय ज़रूरत है, तो उन्हें एक विचार मिलता है, जो अंतत: ठीक वैसा ही साबित होता है, जिसकी संसार को उस वक़्त ज़रूरत होती है!

जब आप अपने अन्तर्ज्ञान को बेहतर बनाते हैं, तो आपको ख़ास चीज़ें करने की अधिक अन्तर्ज्ञानी प्रेरणाएँ मिलती रहेंगी, और जब वे सही साबित होती हैं, तो कई सफल लोगों की तरह ही आप भी अपने अन्तर्ज्ञान पर भरोसा करने लगेंगे और जान जाएंगे कि यह आपकी सबसे शक्तिशाली योग्यताओं में से एक है।

हीरो का तरीक़ा

स्वर्णिम नियम

लेअर्ड हैमिल्टन

आप मेरी माँ से कह सकते हैं, “मेरी तस्वीर इस मैग्ज़ीन के कवर पर है या मैंने यह उपलब्धि हासिल कर ली है!” और वे कहेंगी, “बेहतरीन। लेकिन आप लोगों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं?”

पीटर फ़ोयो

दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें, जैसा व्यवहार आप उनसे अपने लिए चाहते हों। दूसरों के साथ वैसा ही करो, जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें।

अगर हम अपने कार्यों के परिणामों का अनुभव न करें, चाहे वे परिणाम सकारात्मक हों या नकारात्मक, तो हम कभी कुछ नहीं सीख पाएँगे और कभी विकास भी नहीं कर पाएँगे। आप इस बात को अच्छी तरह समझते हैं कि गर्म इस्त्री को छूने का परिणाम होता है, ऑफ़िस वाले दिन सोने का परिणाम होता है, या अपने फ़ोन का बिल न चुकाने का परिणाम होता है। लेकिन कई लोग यह नहीं जानते हैं कि हमें जो सबसे बड़े परिणाम मिलते हैं, वे दूसरे लोगों से व्यवहार करने के तरीक़े की वजह से मिलते हैं।

पीट कैरल

हम जीवन में दूसरे लोगों के साथ कैसा बर्ताव करते हैं, यह बेहद महत्त्वपूर्ण है। हमारे प्रोग्राम में एक सिद्धांत यह है कि हम हर व्यक्ति का सम्मान करते हैं। आप अपने आस-पास के हर व्यक्ति के साथ कैसा बर्ताव करते हैं, इस बात पर ग़ौर करना सचमुच अच्छी आदत है; यह आदत आपको वहाँ सबसे अच्छी तरह ले जाएगी, जहाँ आप जाना चाहते हैं।

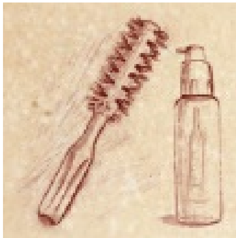

जॉन पॉल डिजोरिया

अपने आस-पास के लोगों के साथ अच्छी तरह पेश न आने से ज़रा भी मदद नहीं मिलती है। बहुत बार आप सोचते हैं कि आप भले इंसान हैं, लेकिन आप नहीं होते। लोगों के प्रति ओछे न बनें। इससे आपकी प्रगति रुक जाएगी। यह एक स्वर्णिम नियम है – दूसरों के साथ वही करो, जो आप उनसे अपने प्रति कराना चाहते हों।

"महत्त्वपूर्ण बनना अच्छी बात है, लेकिन अच्छा बनना ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है।"

रॉजर फ़ेडरर
टेनिस चैंपियन

अगर आप दूसरे लोगों के साथ बुरा सलूक करते हैं, तो आपको कभी सच्ची खुशी नहीं मिल सकती। हम सभी जुड़े हुए हैं, हम सब एक ही परिवार का हिस्सा हैं और सृष्टि हम सभी के लिए है। यदि हम किसी दूसरे व्यक्ति का नुक़सान कर रहे हैं, तो दरअसल हम सृष्टि का नुक़सान कर रहे हैं। बड़ी ग़लती... बहुत बड़ी!

माइकल ऐक्टन स्मिथ

यह करने के लिए सही चीज़ महसूस होती है – जीवन से गुज़रने का सही तरीक़ा। कृपया और धन्यवाद कहना, दूसरे लोगों का सम्मान करना, दूसरों के साथ यथासंभव सहयोग करना। यह बहुत महत्त्वपूर्ण होता है।

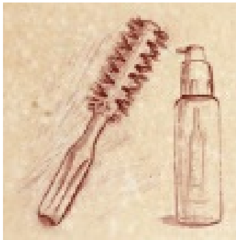

जॉन पॉल डिजोरिया

अगली महत्त्वपूर्ण चीज़ है, अफ़वाहें न फैलाएँ। आप किसी चीज़ के बारे में पूरा सच नहीं जानते हैं। और यह इस संसार में भेजने के लिए अच्छी फ़्रीक्वेंसी नहीं है। सकारात्मक फ़्रीक्वेंसी ही भेजें। अगर आप नकारात्मक फ़्रीक्वेंसी भेजेंगे, तो इससे आप और आपके आस-पास की हर चीज़ धीमी हो जाएगी।

यदि आप किसी व्यक्ति को कोई उपहार दें और वह अशिष्टता दिखाए, आपको धन्यवाद तक न दे और आपके जज़्बातों की क़द्र न करें, तो आप उस व्यक्ति के लिए दूसरा उपहार नहीं ख़रीदेंगे। देखिए, अगर हम दूसरे इंसानों के प्रति बदतमीज़, कृतघ्न या ओछे रहते हैं, तब भी ऐसा ही होगा। तब जीवन हमें अच्छी क़िस्मत, "सौभाग्यशाली अवसरों," और बेहतरीन संयोगों का उपहार नहीं देगा। परिस्थितियाँ चाहे जैसी हों, यदि आप लोगों से दयालुता का बर्ताव कर सकें, तो सृष्टि भी आपको दयालुता ही लौटाएगी। इसी तरह जीवन हममें से प्रत्येक के लिए काम करता है।

लेअर्ड हैमिल्टन

यह एक आश्चर्यजनक बात है : जब आप देते हैं और देने में आप जितने उदार होते हैं, उतना ही आपको दिया जाएगा और उतनी ही उदारता से आपको दिया जाएगा। जब आप लोगों को यह बताते है, तो यह विचार उन्हें इतना सरल जान पड़ता है कि उनकी समझ में ही नहीं आता।

लेन बीचली

इस तथ्य के प्रति जागरूक बनें कि आप जो भी विकल्प चुनते हैं, हर शब्द जो आप बोलते हैं, हर काम जो आप करते हैं, उसका एक परिणाम होता और दूसरों पर प्रभाव भी होता है।

पॉल ऑरफ़ेलिया

मैं कर्म में यक़ीन करता हूँ। आप संसार को जो देते हैं, वही आपके पास लौटकर आएगा। दूसरे शब्दों में, अच्छे काम करें। और हमेशा अपने टैक्स चुकाएँ।

"न्यूटन का तीसरा नियम (गति का) या कर्म का – चाहे हम इसे कोई भी नाम दें – एक ऐसी चीज़ है, जिसके बारे में मैं बरसों से जागरूक रहा हूँ। मैं इसे कारण और परिणाम का नियम कहता हूँ : आप संसार को जो ऊर्जा देते हैं, वही लौटती भी है। दूसरे शब्दों में, फल बीज में होता है। आप सेब का बीज बोकर शहतूत का पेड़ पाने की उम्मीद नहीं कर सकते। आप जो काम करते हैं और आप जैसा व्यवहार करते हैं, उसी से आपके जीवन के परिणाम बोए जाते हैं।"

टॉम शैडयैक
फ़िल्म निर्देशक

पीटर बरवॉश

बहुत से लोग कहते हैं, "मैं कर्म के सिंद्धात में विश्वास नहीं करता।" देखिए, आप विश्वास करते हों या न करते हों, यह नियम तो काम करता ही है।

आप हीरो की यात्रा में जितनी आगे जाते हैं, आप उतना ही ज़्यादा विकास करते हैं और

आपका दिमाग़ उतना ही ज़्यादा विस्तृत होता है। आपका मस्तिष्क इस हद तक विस्तृत होगा कि आप रोज़मर्रा की ज़िंदगी से परे की चीज़ें देखने लगेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी नहीं देखा था। आप देखते हैं कि अगर आप किसी दूसरे के लिए कोई अच्छा या दयालुतापूर्ण काम करते हैं, तो आपका भी बहुत भला होता है। और आप देखते हैं कि अगर आप किसी दूसरे का कुछ बुरा करते हैं, तो आपका भी कुछ बुरा होता है। जब आप ख़ुद के तथा अपने आस-पास के दूसरे लोगों के कार्यों के परिणाम देखते हैं, तो आपको समझ में आने लगता है कि जीवन किस तरह काम करता है। आप इसका साँचा देख सकते हैं, आप अंदरूनी कार्यविधियों को देख सकते हैं, आप जीवन की लय को देख सकते हैं और जहाँ आप पहले अँधेरे में थे, अब हर चीज़ को स्पष्टता से देखना शुरू कर सकते हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन

एक चीज़ जिसका मुझे वरदान मिला है, उसे मैं त्वरित कर्म-परिणाम कहता हूँ। अगर मैं कोई बुरी बात कहता हूँ, तो मैं सीधे जाकर अपने पैर के अँगूठे या सिर को टकरा लूँगा। नकारात्मकता के लिए यह मेरा त्वरित भुगतान है। इससे मुझे सकारात्मक बनने और अच्छी बातें कहने की याद रहती है, क्योंकि मैं त्वरित भुगतान चाहता हूँ। मेरे जीवन में ऐसा कई बार हुआ है, जब मैं समुद्र में गया और किसी से कोई नकारात्मक बात कही या नकारात्मक काम किया और इसके तुरंत बाद ही मैं किसी लहर से तबाह होते-होते बचा। दूसरी ओर, जब मैं सकारात्मक, उदार और विनम्र रहता हूँ, तो मुझे लहरों की बेहतरीन सवारी का वरदान मिलता है।

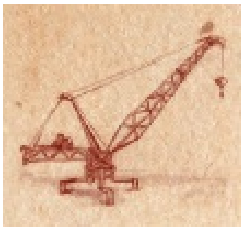

जी. एम. राव

कारोबार करने का मेरा उद्देश्य पैसे कमाने तक ही सीमित नहीं है। मैं मानता हूँ कि मुझे अपनी नियति के अनुरूप एक ज़्यादा ऊँचा उद्देश्य पूरा करना है, समाज पर स्थायी प्रभाव छोड़ना है। कारोबार समाज की सेवा है और किसी भी व्यवसाय की समृद्धि समाज को दिए गए मूल्य के अनुपात में ही होती है।

आप पहले से ही जानते हैं कि जब आप किसी दूसरे व्यक्ति के बारे में बुरा बोलते हैं, तो

आप ख़ुशी महसूस नहीं करते हैं। आपके मन की यह बुरी भावना आपको बता रही है कि यह व्यवहार आपके भीतर के हीरो से बहुत दूर का है। और उस व्यवहार का हमारे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य तथा ख़ुशी पर प्रभाव पड़ता है।

एनेस्टाज़िया सोर

मैं ऐसी चीज़ें नहीं करना चाहती, जिनके बारे में मैं जानती हूँ कि उनसे दूसरे लोगों को चोट पहुँचेगी। इसके पीछे एक ही कारण होता है – मैं। क्योंकि इसके बाद मैं बहुत विचलित हो जाऊँगी और यह अंदर से मुझे इतना कुतरेगा कि यह मुझे बुरा सौदा लगता है। उन्हें जितना नुक़सान होता है, उससे ज़्यादा नुक़सान मुझे होता है। लेकिन अगर मैं कोई अच्छी चीज़ कर सकती हूँ, तो मैं उसे कर दूँगी और मुझे बदले में कुछ नहीं चाहिए।

"जब आप कोई प्रेमपूर्ण चीज़ करते हैं, जब आप सकारात्मक ऊर्जा भेजते हैं, तो आप खुशी महसूस करते हैं। इंसान इसी तरह बने हैं। तो कर्म का लक्ष्य – कुछ सकारात्मक ऊर्जा वापस पाने के लिए सकारात्मक ऊर्जा को भेजना नहीं है। लक्ष्य सकारात्मक ऊर्जा भेजना और अपने जीवन के बारे में सकारात्मक महसूस करना है। यहीं पर काम करने की ज़रूरत है। इसीलिए सच्ची क्रांति व्यक्तिगत क्रांति है।"

टॉम शैडयैक
फ़िल्म निर्देशक

विनम्रता

लेन बीचली

यदि आप हीरो बनने की यात्रा कर रहे हैं, तो ज़मीन पर रहना और विनम्रता का एहसास बनाए रखना वाक़ई महत्त्वपूर्ण है।

पीटर बरवॉश

सचमुच विनम्र बनें। क्योंकि यदि आप विनम्र हैं, तो आप सुनेंगे; यदि आप सुनते हैं, तो आप सीखेंगे; और यदि आप सीखेंगे, तो आप सिखा सकते हैं।

मैस्टिन किप

मेरे शिक्षक ने मुझे बताया था कि आप जितने ज़्यादा ऊपर जाते हैं, आपको उतना ही ज़्यादा विनम्र होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि विनम्रता हमेशा मिलनसार बने रहना है। आप आज सफल हैं, आपकी पुस्तक आज बेस्टसेलर है, इसका यह मतलब नहीं है कि सफलता की गारंटी मिल गई है।

पॉल ऑरफ़ेलिया

मेरे डैडी मुझसे हमेशा कहते थे कि तुम्हारी असफलता की सबसे बड़ी वजह यह होगी कि तुम्हारी पुरानी सफलता तुम्हारे दिमाग़ पर चढ़ गई।

हम हीरो की राह पर चल पाते हैं या नहीं, यह हमारे व्यवहार और दूसरों से बर्ताव करने के तरीक़े से तय होता है और हीरो की राह दयालुता तथा विनम्रता की होती है। हमारा व्यवहार या तो वह सीढ़ी बनेगा, जो हमें अपने सपने की राह पर आगे धकेलती है। या फिर यह वह सीढ़ी बनेगा, जो हमें नीचे की ओर, पीछे की ओर ले जाती है। चुनाव हमारा है।

समर्पण

एनेस्टाज़िया सोर

> यह मेरा इरादा था, मेरा समर्पण था कि भले ही दरवाज़ा बंद हो, लेकिन मैं उसे खटखटाऊँगी, उसे तोड़ दूँगी या खिड़की से अंदर घुस जाऊँगी। मैं किसी भी तरीक़े से यह करने के लिए समर्पित थी।

जब आप किसी चीज़ को पर्याप्त शिद्दत से सचमुच चाहते हैं, तो आप उसके प्रति ख़ुद-ब-ख़ुद समर्पित हो जाते हैं। आपको इस बारे में सोचना भी नहीं पड़ता है, आप तो बस सीधे इसमें कूद जाते हैं। यदि आप किसी फ़िल्म को देखने के लिए बेक़रार हैं, तो आपको इसे देखने के लिए थिएटर जाने का प्रयास करने की ज़रूरत नहीं पड़ती। जब आप प्यार में दीवाने होते हैं, तो आप सामने वाले से मिलने का समर्पण करने से ख़ुद को रोक नहीं सकते।

लेअर्ड हैमिल्टन

> हम समुद्र में जो गतिविधियाँ करते हैं, उनके बारे में एक बात यह है कि वे बहुत समर्पित होती हैं। आप अनमने ढंग से लहरों की सवारी नहीं करते हैं; आप या तो सवारी करते हैं या फिर नहीं करते हैं। हर लहर और सवारी एक विश्वास है, एक समर्पण है। आप वह छलाँग लगा रहे हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन समर्पण के बारे में जानते हैं। अगर आपको अपने समर्पण को सशक्त

बनाने के लिए प्रेरणा की ज़रूरत हो, तो लेअर्ड हैमिल्टन का वीडियो देख लें, जिसमें वे टाहिटी के दक्षिण-पश्चिमी तट पर टीहूपो'ओ की विश्व की सबसे घातक लहरों में से एक की सवारी का समर्पण कर रहे हैं।

विश्व की सबसे भारी लहर के रूप में विख्यात टीहूपो'ओ लगातार 21 फुट (6.4 मीटर) ऊँची लहरें उत्पन्न करती है, जो एक इमारत जितनी मोटी होती हैं और एक बहुत उथली व रेज़र जैसी पैनी चट्टान पर टकराती हैं। टीहूपो'ओ की बड़ी लहर पर सर्फ़िंग करने का इकलौता तरीक़ा यह है कि आप जेट स्की पर रस्सी के सहारे जाएँ और गति की सीमा से मुक्त हों।

जब तक लेअर्ड ने बोट के पीछे वाली रस्सी नहीं छोड़ी, तब तक उन्होंने दोहरी दीवार वाली दैत्याकार लहर के आकार को नहीं देखा, जो उनके पीछे उठ रही थी। उन्हें एक सेकेंड के सौवें हिस्से में यह निर्णय लेना था कि वे लहर की सवारी करें या नहीं। यदि लेअर्ड ने लहर की सवारी करने का निर्णय नहीं किया होता, तो यह संभावना नहीं थी कि वे पहाड़ जैसे पानी और नीचे की घातक चट्टान से बच पाते। इसके बजाय, लेअर्ड हैमिल्टन ने संभावना की सीमाओं को तोड़ दिया और सर्फ़िंग के क्षेत्र में इतिहास रच दिया।

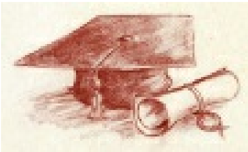

लिज़ मरे

यह तय करना मायने रखता है कि आपके पास इस पल जो भी है, वह आपके मनचाहे काम को करने के लिए पर्याप्त है। अगर आप हमेशा सोचते हैं कि आपके पास कोई चीज़ नहीं है, अगर आप सोचते हैं, "मुझे यह करने के लिए इसकी ज़रूरत पड़ेगी," तो आप सही समय का इंतज़ार कर रहे हैं। समय कभी सही नहीं होता।

सही समय कभी भविष्य में नहीं होता। यह अभी है। और आपका पूर्ण समर्पण वह इशारा है, जो आपके सपने के द्वार खोल देता है। यह इसके विपरीत तरीक़े से कभी नहीं होगा। जब तक आप समर्पण नहीं कर लेते, आपको सिर्फ़ दीवारें ही नज़र आएँगी।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

आपको सचमुच समर्पण करना होता है। आप इसे आधे-अधूरे मन से नहीं कर

सकते। जब आप सचमुच समर्पित होते हैं, तो आपके शरीर की हर मांसपेशी,आपका अवचेतन मन और आपका चेतन मन, चाहे यह जाग्रत हो या सपने देख रहा हो, आपकी उस मनचाही चीज़ की दिशा में काम करता है, जिसे आप हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। और इसी से सारा फ़र्क़ पड़ता है।

लेअर्ड हैमिल्टन

जब आप समर्पण करते हैं, तो आपके लिए सही परिस्थितियाँ अपने आप बन जाती हैं। मैं यह कहना पसंद करूँगा, “मैं इतना चतुर हूँ कि मैंने इस बारे में सोच लिया,” लेकिन कोई भी इतना चतुर नहीं होता। ये परिस्थितियाँ आपको इसलिए दी गई थीं, क्योंकि आपने समर्पित होकर विश्वास किया कि यह संभव था।

लेन बीचली

अचानक आपको मार्गदर्शन दे दिया जाता है और सृष्टि सब कुछ प्रदान करती है। यह उस महान कहावत की तरह है – जब विद्यार्थी तैयार होता है, तो शिक्षक अपने आप प्रकट हो जाएगा।

मैस्टिन किप

अगर आप अपने सपने के प्रति पूर्ण समर्पण करते हैं, तो दरवाज़े खुल जाएँगे। मैं सचमुच सोचता हूँ कि दरवाज़े हमेशा वहाँ होते हैं, लेकिन जब आप पूरी तरह समर्पित होते हैं, तभी वे आपको दिखते हैं।

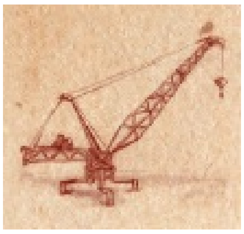

जी. एम. राव

जब मेरा समर्पण एक निश्चितता बन गया, तो दरवाज़े खुल गए। मैं वह उदाहरण दे सकता हूँ, जब हमने दिल्ली हवाई अड्डे के लिए बोली लगाई। हम संसार का सबसे अच्छा हवाई अड्डा बनाने जा रहे थे। यह हमारा सपना था। इस प्रोजेक्ट ने संसार के सबसे अच्छे और सबसे बड़े हवाई अड्डे विकसित करने वालों को आकर्षित किया और बोली लगाने की प्रक्रिया बहुत जटिल तथा थकाने वाली थी। हमने खुद को कुछ सबसे योग्य साझेदारों, बहुत ज्ञानी विशेषज्ञों और बहुत समर्पित टीम के साथ तैयार किया। हमने संसार के आधुनिक हवाई अड्डों की यात्रा की और उनसे सीखा। इस तरह हम हर बाधा से उबरे और तकनीकी दृष्टि से एकमात्र योग्य उम्मीदवार के रूप में उभरे। लेकिन हमारी यात्रा यहीं ख़त्म नहीं होती। बोली की प्रक्रिया को क़ानूनी चुनौतियों से उबरना था और यह मामला देश की सर्वोच्च अदालत में गया। फलस्वरूप देर होने के कारण पहले से कठोर समयसीमा और भी ज़्यादा कठोर बन गई। यह संसार का पाँचवाँ सबसे बड़ा हवाई अड्डा बनने वाला था और एक बहुत जटिल माहौल था, जिसमें 58 विभागों के साथ समन्वय करना था।एक बार जब प्रोजेक्ट शुरू हो गया, तो स्थितियाँ सही हो गईं। लगभग 2.5 अरब डॉलर की पूँजी जुटाई गई। 27 देशों से 40,000 कर्मचारी और इंजीनियर प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए एक साथ आए। अंतत: हमने 37 महीने के विश्व-रिकॉर्ड समय में प्रोजेक्ट को पूरा कर दिया। सृष्टि ने हमारे समर्पण को वरदान दिया। इसने विश्व में सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा बनाने के हमारे सपने को आशीर्वाद दिया और हमारा लक्ष्य हासिल करने के लिए मार्ग को सुचारु बनाया। आज हम 199 हवाई अड्डों में चौथे सर्वश्रेष्ठ हैं।

जब हम किसी को उसके सपने का अनुसरण करते देखते हैं, तो हमें यह ग़लतफ़हमी हो सकती है कि ख़ुशक़िस्मती की वजह से वह यह कर सका होगा। वास्तव में, इसका ठीक उल्टा होता है। जब आप हीरो की यात्रा में छलाँग लगाने का निर्णय लेते हैं, तब ख़ुशक़िस्मती मिलती है। जब आप अपने सपने के प्रति समर्पित होते हैं, तो ऐसा लगता है मानो आपके सपने में आपकी मदद कर सकने वाले हर व्यक्ति को सृष्टि आदेश देती है कि वह उसी जगह पर रहे जहाँ आपको उसकी ज़रूरत है, हर उस चीज़ के साथ रहे जिसकी आपको ज़रूरत है और ठीक उसी समय पर जब आपको उसकी ज़रूरत है।

समर्पण और सृष्टि

मेरी बेटी के बॉयफ्रेंड के पास एक सुरक्षित नौकरी थी। वह जानता था कि अगर वह पंद्रह साल तक कड़ी मेहनत करे, तो वह धीरे-धीरे कंपनी की सीढ़ियाँ चढ़ जाएगा। लेकिन यह

नौकरी उसके आनंद से दूर थी। उसने सचमुच कड़ी मेहनत की, लेकिन सिर्फ़ इसलिए ताकि वह सर्फ़िंग कर सके, जो उसे संसार में किसी दूसरी चीज़ से ज़्यादा प्रिय थी। तो इस युवा वयस्क ने एक बड़ा निर्णय लिया। उसने निर्णय लिया कि वह अपने आनंद का अनुसरण करेगा।

कई महीनों तक उसने कंपनी का संसार छोड़ने और सर्फ़बोर्ड बनाने के अपने सपने को शुरू करने की योजनाएँ बनाईं। वादे के मुताबिक़ उसने ठीक उसी दिन इस्तीफ़ा दिया, जिसके प्रति उसने ख़ुद को समर्पित किया था। उसके पास और कुछ नहीं, बल्कि एक सपना और उस सपने के प्रति समर्पण था, लेकिन सृष्टि ने उसके लिए सारी व्यवस्था कर दी।

एक सफल स्थानीय निर्माता ने उसे यह अवसर दिया कि वह सर्फ़बोर्ड बनते हुए देखे। दूसरे निर्माता ने उसे सर्फ़बोर्ड बनाने का मुफ़्त प्रशिक्षण दिया और बताया कि ज़्यादा पैसे बचाने के लिए कुछ मशीनों को कैसे बनाना है। एक ग्राफ़िक डिज़ाइनर ने उसके नए कारोबार के लिए मुफ़्त में लोगो बनाने में मदद की। एक सर्फ़ सप्लाई स्टोर ने उसे उसकी ज़रूरत का सामान थोक भाव पर दिया। उसके सर्फ़बोर्ड निर्माण स्टूडियो के लिए उसके डैडी ने मशीनें, बिजली और शेल्फ़ प्रदान किए। अपना स्टूडियो बनाने के लिए उसे एक ऐसी जगह पर मुफ़्त किराए का प्रस्ताव दिया गया, जहाँ से समुद्र और कैलिफ़ोर्निया तट का सुंदर दृश्य दिखता था, जिसकी कोई कल्पना कर सकता था। और जहाँ भी वह जाता है, लोग उससे कहते हैं कि वह उनके लिए एक सर्फ़बोर्ड बना दे।

यह सब सिर्फ़ दो सप्ताह में ही हो गया। यह सृष्टि की संयोजन शक्ति है कि जब आप अपने सपने के प्रति समर्पित होते हैं और अपने आनंद का अनुसरण करते हैं, तो आप पर “सौभाग्य” की बारिश हो जाएगी।

मैस्टिन किप

अगर आपके पास एक सपना है, तो आप प्लान-बी, यानि वैकल्पिक योजना नहीं बनाते हैं। विल स्मिथ ने कहा था कि अगर आपके पास कोई प्लान-बी है, तो यह जान लें कि आप अतंत: प्लान-बी पर ही पहुँचने वाले हैं। आपको तो बस पूरी तरह प्लान-ए पर केंद्रित रहना चाहिए। आपका सारा प्रेम, आपका सारा विश्वास आपकी सारी ऊर्जा, आपका सारा सकंल्प उसी में होना चाहिए।

लेअर्ड हैमिल्टन

आपके पास एक वैकल्पिक योजना होती है; आप जानते हैं कि चाहे जो हो जाए, अगर मैं पूरी तरह कामयाब नहीं हुआ, तब भी मैं कुछ तो पा ही लूँगा। लेकिन यह वह योजना नहीं है, जिसका आप इस्तेमाल करने जा रहे हैं। और अगर आप उस पर ध्यान केंद्रित करने लगते हैं, तो अंतत: वही आपकी योजना बन जाएगी।

आप यह जानकर अपने मन को तसल्ली और आश्वस्तकारी सुरक्षा जाल दे सकते हैं कि मूल योजना नाकाम रहने पर भी आप बिलकुल सही-सलामत रहेंगे, लेकिन अगर आप प्लान-बी को गंभीरता से बनाते हैं, तो यह जोख़िम रहता है कि आपका अवचेतन मन उसी योजना को साकार कर देगा। अपना सारा ध्यान और एकाग्रता प्लान-ए पर केंद्रित करेंगे, तो वही साकार होगा!

संकल्प

लेअर्ड हैमिल्टन

आपको अपने सपने का पीछा करते समय अटल और अथक रहना होता है।

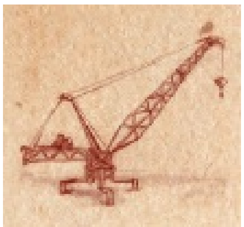

जी. एम. राव

एक बार जब मैंने समर्पण कर लिया, तो इसे सफल बनाने का सकंल्प अपने आप पैदा हो गया।

पीट कैरल

हर व्यक्ति के सकंल्प का स्तर समान नहीं होता। जब बाधा सामने आती है और शंकाएँ घर करने लगती हैं, तो हर एक में वही हौसला नहीं होता, जो उन्हें इससे चिपके रहने के लिए प्रेरित करे। लेकिन संभावना वहाँ रहती है।

जब आपने बचपन में चलने की कोशिश की थी, तो आप सैकड़ों बार गिरे थे। जब आपने पहली बार ख़ुद खाना खाने की कोशिश की थी, तो आपने भोजन मुँह के बजाय अपनी आँख, गाल और अन्य स्थानों पर लगाया था। बोला कैसे जाए, यह सीखना एक लंबी यात्रा थी, जो ग़लतियों से भरी थी, लेकिन आपने एक बार भी इस प्रयास को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा। संकल्प आपकी प्रकृति का हिस्सा है। यह आपके भीतर ही है और आप इसे दोबारा पा सकते हैं।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

सचमुच पाई-पाई करके हमने कारोबार चलाने के लिए पूँजी इकट्ठी करने में कामयाबी पाई। लेकिन यह मुश्किल था। बैंक हमें लोन नहीं दे रहे थे। अगर आपने पहले कभी कुछ नहीं किया है, तो कोई भी आप पर जोख़िम नहीं लेना चाहता। आपको तो बस अपनी आस्तीन चढ़ानी होती है और कोई तरीक़ा खोजना होता है।

अगर आपके मन में अपने सपने को साकार करने की ज्वलंत इच्छा है, तो आपके पास वह सारा संकल्प होगा, जो इसे सच करने के लिए ज़रूरी है। ऐसे दिन भी होंगे, जब आप थोड़े निराश महसूस करते हैं, ऐसे दिन भी हो सकते हैं, जब आप ख़ुद पर शंका करते हैं या जब आपको ऐसा महसूस होता है कि आप यह नहीं कर सकते, लेकिन आपकी ज्वलंत इच्छा आपको इन दिनों के पार ले जाएगी। आपके भीतर की ज्वलंत इच्छा एक प्रबल शक्ति है, जो हार मानने की इच्छा जैसी किसी भी अस्थायी भावना को ख़ारिज कर देती है और आपको एक ऐसा समर्पण व संकल्प प्रदान करती है, जो आपके सामने आने वाली किसी भी मुश्किल को लाँघ जाता है। जब हम द सीक्रेट फ़िल्म बना रहे थे, तो मेरी ज्वलंत इच्छा और विश्वास इतना ज़्यादा था कि मैंने संकल्प हासिल करने के बारे में कभी नहीं सोचा, क्योंकि मेरी प्रबल इच्छा का मतलब था कि मुझमें संकल्प पहले ही कूट-कूट कर भरा था।

एनेस्टाज़िया सोर

मुझे एक क्रेडिट कार्ड की ज़रूरत थी। मैं बैंक गई, लेकिन वे मुझे क्रेडिट कार्ड नहीं देना चाहते थे, क्योंकि मेरा कोई प्रभावशाली वित्तीय इतिहास नहीं था और मेरी माँ का भी नहीं था। मैंने बेवर्ली हिल्स में वेल्स फ़ार्गो बैंक के मैनेजर से कहा, “अगर आप मेरी मदद नहीं करते हैं, तो मैं क्रेडिट कैसे बनाऊँगी? मुझे 500 डॉलर दे दें। मैं आपसे 5 लाख डॉलर नहीं माँग रही हूँ। मैं बैंक में 1,000 डॉलर जमा करूँगी और आप मुझे 500 डॉलर दे दें।” वह इसके लिए तैयार नहीं हुआ। अंत में मैंने कहा, “सुनिए, मैं बैंक के सामने ख़ुद को आग लगा लूँगी।” इस पर उसने मुझे 500 डॉलर का क्रेडिट कार्ड दे दिया। और मैं अब भी वेल्स फ़ार्गो की ग्राहक हूँ।

संकल्प ख़ुद पर विश्वास करने से भी उत्पन्न होता है। जब आपको ख़ुद पर विश्वास होता है, तो स्वाभाविक तौर पर आपमें संकल्प होता है। कोचों और व्यक्तिगत प्रशिक्षकों का हम पर सकारात्मक प्रभाव इसलिए पड़ता है, क्योंकि वे हमें लगातार बताते रहते हैं कि हम ज़्यादा अच्छा कर सकते हैं, कि हम उस काम को कर सकते हैं और वे हर क़दम पर हमें प्रेरित करते रहते हैं। हम पर उनके विश्वास की बदौलत हमें भी विश्वास हो जाता है कि हम अपने सपने को हासिल कर सकते हैं और जब हमें विश्वास होता है, तो हममें कुछ भी हासिल करने का संकल्प आ जाता है। आप अपने ख़ुद के कोच बन सकते हैं! आप सकारात्मक आत्म-चर्चा से ख़ुद को प्रेरित कर सकते हैं; ख़ुद को बताएँ कि आप यह कर सकते हैं, कि आपने ज़्यादा मुश्किल मौक़ों पर विजय हासिल की है, कि आपमें वह सब है जिसकी ज़रूरत है, कि आपने ठान लिया है और आपके सपने की सफलता आपके हाथों में है और आप निश्चित रूप से विजयी होंगे! आपका अवचेतन मन आपके कहे हर शब्द को सुन लेगा और फिर आप वह काम कर लेंगे!

मैस्टिन किप

सपने बीज की तरह होते है; इन्हें बड़े होने में समय लगता है। यह रातोंरात नहीं होता। हम भूल चुके हैं कि हमें इसे अर्जित करना होता है। आजकल हम तुरतं संतुष्टि चाहने वाले युग में रहते हैं – यह मुझे अभी दे दो, और मैं इसके लिए कुछ करना नहीं चाहता, बस मुझे यह दे दो। लेकिन सपने अर्जित किए जाते हैं। वे

अर्जित किए जाते हैं। यदि आपका सपना अब तक साकार नहीं हुआ है, तो कोशिश करते रहें।

कभी, कभी, कभी हार न मानें

लेअर्ड हैमिल्टन

हार मानना बहुत आसान होता है। हार मानने का मतलब मुकरना होता है। “मैं बूढ़ा हूँ, मैं यह हूँ, मैं वह हूँ,” यह कहना दरअसल कोशिश न करने का बहाना मात्र है।

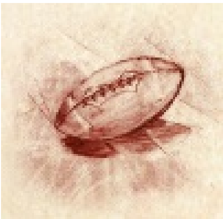

पीट कैरल

अगर आप महसूस करते हैं कि आप थक चुके हैं, तो आप वाक़ई थक चुके हैं, क्योंकि यह निराशाजनक है। हम कभी इस बिंदु तक नहीं पहुँचना चाहते, जहाँ पूरी तरह निराश हो जाएँ। आशा हमेशा रहती है। मेरा मानना है.कि कोई न कोई अच्छी चीज़ हमेशा आपकी राह में आने वाली होती है।

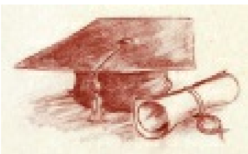

लिज़ मरे

भले ही आपको सकंल्प की बाढ़ मिल जाए, लेकिन फिर भी आपके जीवन में ऐसा दिन आ सकता है, जहाँ आपका दिल इसे छोड़ने का होगा। मैं कई बार अस्वीकृत हुई हूँ, लगभग डिप्रेशन के बिंदु तक। मुझे शिक्षा संस्थानों द्वारा इतनी बार अस्वीकृत किया गया कि मैं स्कूलों के नामों की सूची के अंत तक पहुँच रही थी। मुझे लेने वाले स्कूलों की संख्या कम होती जा रही थी। आख़िर मैं उस पल पर पहुँची, जहाँ मुझे एक मुश्किल चुनाव करना था। मेरी जेब में बस इतने पैसे थे कि मैं अगले स्कूल के इंटरव्यू तक जा सकती थी या फिर सारी कोशिशें छोड़कर पीट्ज़ा खा सकती थी। पीट्ज़ा या इंटरव्यू... इनमें से कौन-सा विकल्प चुनूँ? मैंने

> बस महसूस किया, “मैं बेघर और भूखी हूँ। वे मुझे अस्वीकार कर देंगे।” अचानक मेरा सपने देखने वाला हिस्सा सोचने लगा, “क्या हो, अगर यही वह स्कूल हो, जो मुझे स्वीकार कर ले?” मुझे पीट्रज़ा का विचार छोड़ना पड़ा और मैं उस स्कूल तक गई। और यही वह स्कूल था, जिसने मुझे ले लिया – वही अगला स्कूल। आप कभी नहीं जानते कि कब आप सफलता से बस एक इंच दूर हैं। आपको इसे एक और बार करना होता है। जब एक और बार से काम न बने, तो उसे एक बार और कर दें।

आप विपरीत गुणों वाले संसार में रहते हैं, इसलिए उतार-चढ़ाव दोनों ही आएँगे। आपने वे दिन अनुभव किए होंगे, जब किसी कारण आप सचमुच निराश महसूस कर रहे होंगे और आसान से आसान चीज़ भी मुश्किल लग रही होगी, मानो आप दलदल में चल रहे हों। उन दिनों आपको शायद ऐसा नहीं लगता होगा, जैसे आपमें बहुत ज़्यादा या ज़रा सा भी संकल्प है।

आपने वे दिन भी अनुभव किए होंगे, जब आप अविश्वसनीय रूप से खुश और ऊर्जावान महसूस कर रहे होंगे, जब आप संसार के शिखर पर महसूस करते होंगे, जैसे आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं। देखिए, वह सुखद, आनंददायक भाव इंसान के सबसे ऊँचे और सबसे शक्तिशाली भावों में से एक है, क्योंकि इसके साथ आप न सिर्फ़ अजेय महसूस करते हैं, बल्कि अजेय होते भी हैं। जब आप ख़ुशी से भरे होते हैं, तो आप संकल्प से भी भरे होते हैं, क्योंकि ख़ुशी के दृष्टिकोण से हर चीज़ आसान नज़र आती है। अपनी ख़ुशी खोजें – अपने आनंद का अनुसरण करें – और आपको वह सारा संकल्प-बल मिल जाएगा, जिसकी ज़रूरत आपको अपना सपना हासिल करने के लिए है।

खंड तीन
खोज

भूलभुलैया

लेअर्ड हैमिल्टन

> जैसा आप सोचते हैं, यात्रा कभी वैसी नहीं होगी। आपके पास मंज़िल का विचार तो होता है, लेकिन आपको मार्ग कभी पता नहीं होता।

कई लोग अपने सपने छोड़ देते हैं या उन पर काम करना भी शुरू नहीं करते हैं, क्योंकि वे जहाँ खड़े हैं, वहाँ से उन्हें उनके सपने का पूरा मार्ग नहीं दिख रहा होता है। देखिए, आप आगे का पूरा मार्ग कभी नहीं देख पाएँगे, इसलिए कभी यह नहीं जान पाएँगे कि आपका सपना कैसे सच होने वाला है। किसी भी सफल व्यक्ति को आज तक कभी पता नहीं चला कि उसका सपना कैसे साकार होगा। उसने तो बस विश्वास किया कि यह साकार होगा और तब तक कोशिश नहीं छोड़ी, जब तक कि यह साकार नहीं हो गया।

मैस्टिन किप

> मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा जीवन ऐसा दिखेगा, जैसा कि यह अभी दिखता है। मैं तो बस इतना जानता था कि मुझे यह ऐसा महसूस होगा, लेकिन मैं कभी नहीं जानता था कि यह इस तरीक़े से होगा।

आपके सपनों का मार्ग भूलभुलैया में रहने जैसा है। आप बस अपने आगे की कुछ फ़ीट जगह देख सकते हैं। आप यह नहीं देख सकते कि अगले मोड़ के आगे क्या है, जब तक कि आप वहाँ पहुँच नहीं जाते और फिर आपको उसके बाद अगली कुछ फ़ीट जगह दिखाई देने लगती है। कई बार तो बंद गली सामने आ जाती है और आपको मुड़ना होता

है। भूलभुलैया में कई बार आपको जादू से शॉर्टकट मिल जाते हैं, जो आपकी यात्रा की गति को बढ़ा देते हैं। आपके सपनों का मार्ग भी ठीक इसी तरह आपके सामने खुलता है।

लेन बीचली

कोई भी आगे का पूरा रास्ता नहीं देख सकता। आपको तो बस अपना पहला क़दम आगे रखने की इच्छा करनी होती है और यात्रा पर निकलना होता है।

मैस्टिन किप

अपने सपनों को जीने की प्रक्रिया जोख़िम भरी यात्रा का नाम है – यह देखना कि आगे क्या है। जिस भी व्यक्ति की आप प्रशंसा करते हैं, जो भी व्यक्ति आपको प्रेरित करता है, उसने किसी सटीक योजना के साथ यात्रा शुरू नहीं की थी। हो सकता है की उसके मन में एक विचार, इरादा या अंतिम लक्ष्य रहा हो, लेकिन उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि वह वहाँ कैसे पहुँचने वाला है।

भूलभुलैया में होना ही वह साहसिक यात्रा है, जो आप करना चाहते थे। आप हर चीज़ नहीं देखना चाहते थे, आगे की हर चीज़ मालूम नहीं करना चाहते थे और अपनी अँगुलियाँ चटकाकर अपने सपने सच नहीं करना चाहते थे। आप तो यात्रा की चुनौती चाहते थे, क्योंकि सिर्फ़ चुनौतियों को पार करने से ही आपको सच्ची ख़ुशी और संतुष्टि मिल सकती है, जिसकी तलाश हर इंसान कर रहा है।

एनेस्टाज़िया सोर

ऐसी चीज़ें हैं, जो उस तरह से नहीं होंगी, जैसी कि आपने योजना बनाई है। इसलिए आपको अपनी रणनीति बदलने और दूसरी राह पकड़ने के लिए तैयार

रहना होता है। यह किसी भूलभुलैया जैसा है। आप आगे जाते हैं और आपको एक बंद गली मिलती है। यह देखकर आप पलटते हैं और दूसरी राह खोजते हैं। लेकिन इसके बावजूद यह आपके सपने को पूरा करने के अंतिम बिंदु तक ले जाएगी।

जब आप अपने सपनों की राह पर होते हैं, तो हो सकता है कि एक दीवार अचानक सामने प्रकट हो जाए और आपको महसूस हो, जैसे आप बंद गली में आ गए हैं और आपकी संभावनाएँ ख़त्म हो गई हैं। लेकिन यह भूलभुलैया जैसा ही होता है। चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी नज़र आती हों, हमेशा एक और मार्ग होता है जिस पर आप चल सकते हैं। जब आप जानते हैं कि आपके सपने की सफलता भूलभुलैया के केंद्र में है, तो आप किसी भी अप्रत्याशित मोड़ या घुमाव से नहीं घबराएँगे, क्योंकि आपको पता होगा कि आपको अगले मोड़ पर ही सफलता मिल सकती है। और ठीक इसी तरह सपने सच होते हैं।

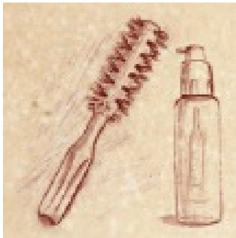

जॉन पॉल डिजोरिया

हो सकता है कि यह सब एक ही समय में न मिले। अगर आप सचमुच कोई चीज़ चाहते हैं, तो यह बहुत धीरे-धीरे तथा कठिनाई से हासिल होती है। रास्ते में छोटे-छोटे क़दम उठाएँ।

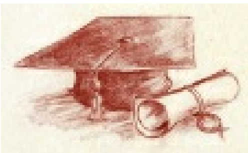

लिज मरे

मैं समझती हूँ कि लोगों को बहुत-सी परिस्थितियों से मुक़ाबला करना पड़ता है। लेकिन भारी विपरीत परिस्थितियों में भी आप एक काम कर सकते हैं। यह वैसा ही है, जैसा थियोडोर रूज़वेल्ट ने कहा था, “जो भी आपके पास है, जहाँ भी आप हों, उससे आप जो भी कर सकते हों, कर दें।” आप एक चीज़ चुन सकते हैं और ख़ुद को उसके प्रति समर्पित कर सकते हैं। और भले ही इसमें लंबा समय लगे, लेकिन एक-एक इंच करके और एक-एक विकल्प चुनकर आप अपने लिए एक नया जीवन बना लेंगे। यह ज़रूरी नहीं है कि घटनाएँ हॉलीवुड जैसी नाटकीय हों, लेकिन वे होंगी।

एक समय में एक क़दम

अपनी यात्रा में ख़ुद को याद दिलाएँ कि एक समय में एक क़दम ही है, जो आपको उठाना है। एक समय में एक क़दम ही है, जो आप उठा सकते हैं। और चाहे आप ख़ुद को कहीं भी पाएँ या चाहे स्थितियाँ कैसी भी हों, आप एक क़दम हमेशा उठा सकते हैं। आप पराजित महसूस कर सकते हैं, अगर आप अपने दिमाग़ को भविष्य में हो सकने वाली सारी संभावनाओं से अभिभूत हो जाने दें। आपके सपने की राह कभी उस तरीक़े से प्रकट नहीं होगी, जैसा आप सोचते हैं, इसलिए बस “एक समय में एक क़दम” उठाने की नीति पर चलते रहें। जब हम द सीक्रेट फ़िल्म बना रहे थे, तो इन शब्दों ने मेरी बहुत मदद की थी। जब मेरा सपना मेरे इंसानी दिमाग़ की सोची हुई राह से दूर जा रहा था, तो मैं ख़ुद को बस अगला क़दम उठाने की ओर ले गई और एक समय में एक क़दम उठाने से मेरा सपना सच हो गया।

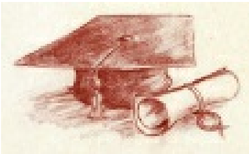

लिज़ मरे

यदि आप यह सोचते हैं कि आप हर पायदान देख सकते हैं, तो आप ग़लतफ़हमी में हैं। हम.यही सोचने की ग़लती करते हैं कि हमें हर.चीज़ को नियंत्रण करने की ज़रूरत है – या हम ऐसा कर सकते हैं। मेरी माँ नार्कोटिक्स एनॉनिमस गई थीं, जहाँ सभी लोग शांति की प्रार्थना करते हैं: “हे ईश्वर, मुझे उन चीज़ों को स्वीकार करने की शक्ति दो जिन्हें मैं बदल नहीं सकता, उन चीज़ों को बदलने का साहस दो जिन्हें मैं बदल सकता हूँ और इनका फ़र्क़ पहचाने की बुद्धि दो।”.और यही सब कुछ है।

मैं अपनी माँ को वापस नहीं ला सकती थी। मैं अपने पिता के एचआईवी संक्रमण को नहीं बदल सकती थी। मैं मौसम को नियंत्रित नहीं कर सकती थी। आप उन सारी चीज़ों की सुची बना सकते हैं, जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते, और अगर आप अपनी ऊर्जा उनमें लगाते हैं, तो यह सारी ऊर्जा बर्बाद हो जाएगी। इसके बजाय, आप यह कहते हैं, “ठीक है, मैं कर ही क्या सकता हूँ?”

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मैं एक समय में एक क़दम उठा रहा हूँ और मैंने कभी-कभार पीछे भी क़दम उठाए हैं या सामने बंद गली भी आई हैं, लेकिन जब तक आपके दिमाग़ में बड़ा सपना है और आपको यक़ीन है कि आप वहाँ पहुँच जाएँगे, तो अंतत: आप वहाँ पहुँच ही

जाते हैं।

और भूलभुलैया में ही एक दिन आप मोड़ मुड़ते हैं और अचानक अपनी मंज़िल पर पहुँच जाते हैं; इसी तरह आपका सपना सच होता है।

एक बार जब आप अपना सपना हासिल कर लेते हैं और इसके बाद अपनी यात्रा को पलटकर देखते हैं, तो आपको एहसास होता है कि हर दीवार ने आपको वैकल्पिक मार्ग पर चलने के लिए विवश किया, जो न सिर्फ़ आपको अपने सपने की ओर ले गया, बल्कि अक्सर आपके सपने के कहीं बेहतर संस्करण की ओर ले गया, जिसे आपने कभी संभव ही नहीं माना था। सच तो यह है कि कोई दीवारें नहीं हैं; सिर्फ़ दीवारों का छलावा है। कोई बंद गली नहीं हैं; सिर्फ़ बंद गलियों का छलावा है। दोनों ही दरअसल सिर्फ़ चक्करदार मार्ग हैं, जिनका उद्‌देश्य आपको अपने सपनों के उस ज़्यादा बड़े संस्करण की दिशा में ले जाना है।

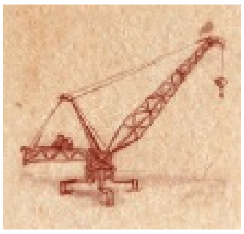

जी. एम. राव

चार दशकों की मेरी यात्रा में कई बार ऐसा हुआ कि चीज़ें उस तरह से नहीं हुईं, जैसी हमने उम्मीद की थी। मैं ठहरकर खुले दिमाग़ से दिशा बदलने में ज़रा भी नहीं हिचकिचया।

हमने हाल ही में इसे अनुभव किया, जब हमने 1.2 अरब डॉलर से ज़्यादा में एक अंतर्राष्ट्रीय बड़ी ऊर्जा कंरनी की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी ख़रीदी। जब परिस्थितियाँ वैसी नहीं बनीं, जैसी कि हमें उम्मीद थी और हमारी आकांक्षाएँ हमारे साझेदारों के सामंजस्य में नहीं आ पाईं, तो हमने उस साझेदारी से बाहर निकलने का निर्णय लिया, भले ही यह हमारे लिए अस्थायी झटका हो। बहरहाल, जब मैं पीछे पलटकर देखता हूँ, तो इसके बाद हमने उससे कहीं ज़्यादा हासिल कर लिया है। यदि इरादे में साफ़गोई है, तो सृष्टि आपको पुरस्कार देने का कोई न कोई तरीक़ा खोज लेती है।

यदि हीरो की यात्रा पर किसी वक्त आपका समर्पण निराशा, अस्वीकृति या किसी ऐसी चीज़ द्वारा डगमगाने लगता है, जो आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं हुई, तो ऐसे समय आपको ख़ुद को दोबारा याद दिलाने की ज़रूरत है कि आपको हमेशा आपके सपने की और ऐसे मार्ग से ले जाया जा रहा है, जिससे आपको सबसे बड़ा परिणाम मिलेगा।

मैस्टिन किप

उद्यमी के रूप में एक शब्दावली है “पिवॉटिंग” यानि महत्त्वपूर्ण परिवर्तन करना। इसका बुनियादी तौर पर मतलब है कि अगर कोई चीज़ काम नहीं करती है, तो मैं महत्त्वपूर्ण परिवर्तन करने वाला हूँ – जो मैंने सिखा है उस पर अमल करने वाला हूँ और किसी नई चीज़ के साथ आने वाला हूँ। और हीरो की यात्रा दरअसल इसी बारे में है। देखें कि क्या कारगर होता है और जो कारगर नहीं होता, उसे बदल दें। दोबारा कोशिश करें और अंतत: आप वहाँ पहुँच जाएँगे।

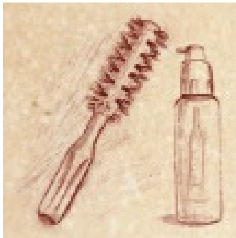

जॉन पॉल डिजोरिया

सपने बदलते हैं। जब मैंने 1980 में अपने पार्टनर के साथ जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स की शुरूआत की थी, तो हमारा सपना था, “अगर हम एक साल में 50 लाख डॉलर कमा सकें, तो हम दोनों को दो से ढाई लाख डॉलर मिल जाएँगे। फिर हम जीवन भर आराम से रहेंगे।” देखिए, जब हमारी कंपनी का आकार उतना बड़ा हुआ, तो हमारा सपना बदलकर ज़्यादा बड़ा बन गया। तो यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि एक बार जब आप एक सपने को हासिल कर लेते हैं, तो उसके बाद आप दूसरे सपने की और चल देते हैं। यह विकास है।

जब आप अपनी हीरो की यात्रा के रोमांचक मोड़ों और घुमावों के बीच अपने सपने का अनुसरण करते हैं, तो आप एक चीज़ पर भरोसा कर सकते हैं। आपने शुरुआत में जितना बड़ा सपना सोचा था, अंत में आपका सपना कभी उससे छोटा नहीं होगा। यह सिर्फ़ ज़्यादा बड़ा बनेगा और ऐसे तरीक़ों से, जिनकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

हमें मना करने वाले और हमारे सहयोगी

पीटर फ़ोयो

‘नहीं’ कहने वाले लोगों से हम सभी टकराते हैं। इतना बड़ा कारोबार खड़ा करने के लिए मुझे उन लोगों से जूझना पड़ा जिन्होंने मेरी बातों को नकार दिया।

‘नहीं’ कहने वाले लोगों से पीटर फ़ोयो को हर दिशा में जूझना पड़ा था। वे संभावित नकारात्मक निवेशकों, प्रतिस्पर्धियों और सरकारी अधिकारियों से जूझे, जो उन्हें उनका सपना हासिल करने से रोक सकते थे। लेकिन राह में खड़े सभी नकारात्मक लोगों और तमाम मुश्किलों के बावजूद आज नेक्सटेल मेक्सिको में 17,000 कर्मचारी हैं, जो टेलिकॉम की नवीनतम चीज़ों के साथ 40 लाख से ज़्यादा ग्राहकों की सेवा कर रहे हैं। मेहनती अप्रवासियों की संतान के रूप में शुरुआत करते हुए पीटर ने पाँच साल से भी कम समय में नेक्सटेल का अपना बड़ा सपना हासिल कर लिया और उस वक़्त उनकी उम्र सिर्फ़ अड़तीस साल थी। पीटर के नेतृत्व में नेक्सटेल मेक्सिको पिछले दस से अधिक वर्षों में तेज़ी से बढ़ी और एक मल्टी-बिलियन डॉलर कंपनी में बदल गई।

मैस्टिन किप

‘नहीं’ कहने वाले लोग यात्रा का हिस्सा हैं। यह बात जान लें कि अगर आप सफल हैं, अगर आप कोई बड़ी चीज़ कर रहे हैं, तो कुछ लोग आपसे प्रेम करने वाले हैं और कुछ आपसे नफ़रत करने वाले हैं। मैं तो बस इसे सफलता की निशानी मानता हूँ।

जिस भी व्यक्ति ने कभी ऐसा कुछ किया है, जो पहले कभी नहीं किया गया था, उसने ऐसे सैकड़ों-हज़ारों नकारात्मक लोगों का सामना किया है, जिन्होंने कहा था कि उसका सपना असंभव है। आप क्या सोचते हैं, लोगों ने एडिसन से क्या कहा था, जब उन्होंने ऐलान किया कि वे एक ऐसी तकनीक ईजाद करने जा रहे हैं, जो पूरे कमरे को रोशन कर देगी? आप क्या सोचते हैं, लोगों ने ऐलेक्ज़ैन्डर ग्राहम बेल से क्या कहा था, जब उन्होंने लोगों को बताया कि वे एक यंत्र ईजाद कर रहे थे, जो हज़ारों मील दूर बैठे दो लोगों को एक दूसरे से बात करने में समर्थ बना देगा? आप इस तथ्य पर भरोसा कर सकते हैं कि अगर आपके पास एक बड़ा सपना है और नहीं कहने वाले बहुत से नकारात्मक लोग आस-पास हैं, तो वे इस बात का सबूत हैं कि आप यह कर सकते हैं!

एनेस्टाज़िया सोर

1995 तक मैं इतनी व्यस्त थी कि मैंने सोचा, “मुझे बेवर्ली हिल्स में अपना स्टोर खोलना चाहिए।” मैं दुकान के मालिक के पास गई, लेकिन उसने मुझसे कहा, “क्या तुम्हारा दिमाग़ ख़राब हो गया है? तुम भौंहें सँवारकर किराया चुकाने लायक़ पैसे नही कमा सकती हो।” वह मुझे दुकान किराए पर नहीं देना चाहता था। लेकिन जब उसने देखा कि मुझ पर सनक सवार थी, तो वह मान गया। उसने कहा, “ठीक है, मैं तुम्हें छह महीने का वक़्त देता हूँ।” और देखिए, पहले सप्ताह में ही स्टोर के बाहर लाइन लग गई और उसने एक दिन मुझे फ़ोन करके कहा, “मैंने कभी ऐसी कोई चीज़ नहीं देखी। क्या तुम यक़ीन से कह सकती हो कि तुम वहाँ भौंहें ही सँवार रही हो?”

लेअर्ड हैमिल्टन

मना करने वाले हमेशा मौजूद रहते हैं। और संवेदनशील इंसान के रूप में आप हमेशा इससे प्रभावित होंगे; सवाल तो यह है कि आप इसके साथ क्या करते हैं। इसके शिकार न बनें, नहीं तो वे अपने उद्देश्य में सफल हो जाएँगे।

‘नहीं’ कहने वालों का क्या प्रभाव पड़ेगा है, यह आप पर निर्भर करता है। सिर्फ़ आप ही फ़ैसला करते हैं कि आप उन पर कैसी प्रतिक्रिया करते हैं। यदि आप एक ‘नहीं’ कहने वाले को अपने दिल तक पहुँचने की अनुमति देते हैं, तो आप अन्य कई ‘नहीं’ कहने

वालों से प्रभावित होने का रास्ता खोल देते हैं, इसलिए उनकी वजह से ख़ुद को परेशान न होने दें। यह मना करने वालों के इरादे का ठीक विपरीत होता है, लेकिन आपके हौसले पस्त करने के बजाय उनके शब्द आपको एक नई ऊर्जा के साथ प्रेरित भी कर सकते हैं, जो आपको अपना सपना हासिल करने के लिए प्रेरित करती है।

पीटर फ़ोयो

किसी मना करने वाले को सफलता का प्रेरक घटक मानना एक बेहतरीन भावना है। वे दरअसल आपको ज़्यादा ख़ुश और ज़्यादा सफल बनने की दिशा में ज़्यादा तेज़ी से ले जाते हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन

मैंने बहुत से मना करने वालों की बातों का इस्तेमाल ईंधन की तरह किया था। “तुम यह नहीं कर सकते!” को मैंने इस तरह लिया, “ओह हाँ, मैं इसे कर सकता हूँ!” इसकी बदौलत मैं चलता गया। मैंने इसे बस सिर के बल खड़ा कर दिया और एक नकारात्मक चीज़ को सकारात्मक चीज़ में बदल दिया, क्योंकि ख़ास तौर पर मेरे संसार में, ‘नहीं’ कहने वाले बहुत से लोग थे और अब भी हैं।

पीटर बरवॉश

मैं आलोचना से ज़्यादा विचलित नहीं हुआ, जब मुझे यह एहसास था कि मैं सही मार्ग पर चल रहा हूँ।

“मुझे बहुत बार बताया गया है कि यह नहीं किया जा सकता। बार-बार इसे घटित करने के लिए मुझे लगन के हर क़तरे का इस्तेमाल करना पड़ा है।”

हॉवर्ड शुल्ट्ज़
स्टारबक्स के चेयरमैन और सीईओ

'नहीं' कहने वाले आपको किसी दूसरे, ज़्यादा बेहतर मार्ग की दिशा दिखाने का काम भी कर सकते हैं। हो सकता है, आपने मन में अपना सपना हासिल करने का कोई तरीक़ा तय कर लिया हो, लेकिन जब आप उस मार्ग का अनुसरण करते हैं, तो आपको मना करने वाले निर्णायक लोग मिलते हैं और वे आपके सपने को बीच राह में रोक देते हैं। चूँकि आप आगे नहीं जा सकते, इसलिए आपको मजबूरन दूसरे तरीक़े की तलाश करनी पड़ती है। अंतत: आप अपने सपने को हासिल करने के लिए एक नया तरीक़ा खोज लेते हैं, जो उस मार्ग से कहीं अधिक श्रेष्ठ होता है, जिस पर आप पहले चल रहे थे – मना करने वालों की बदौलत। भगवान उनका भला करे!

पीटर फ़ोयो

जब मैं बेहद नकारात्मक लोगों से टकराता हूँ, तो वे दरअसल मेरी मंज़िल की राह दिखाने का काम करते हैं। वे मुझे पीछे खींचने के बजाय सही दिशा में ज़्यादा तेज़ी से जाने की राह दिखाते हैं।

पीटर बरवॉश

जब मैं कैनेडा में खेल रहा था, तो उस वक़्त टेनिस असोसिएशन के प्रेज़िडेंट ने मुझे एक पत्र लिखा, "आपको खेलना छोड़ देना चाहिए, क्योंकि आप बहुत ख़राब.खिलाड़ी हैं।" इसे बाधा के रूप में देखने के बजाय मैंने इसे एक चुनौती के रूप में देखा। जब मैं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खेलने के लिए कैनेडा लौटा, तो मैं छोर बदलने के लिए तैयार था और मैच के आख़िरी गेम के लिए सर्व करने की तैयारी कर रहा था। मैंने वह पत्र बाहर निकाला, जिसमें इस व्यक्ति ने कहा था कि मैं बहुत ख़राब खिलाड़ी हूँ, और मैं यहाँ राष्ट्रीय चैंपियनशिप को जीतने वाला था।

सतही लोगों और बातों को नज़रअंदाज़ करें

अपनी यात्रा में आप एक मूल्यवान सलाह पर विचार कर सकते हैं। दूसरे लोगों को अपना

सपना बताने से पहले आपको ख़ुद में विश्वास और संकल्प भर लेना चाहिए। अगर आप अपने सपने के बारे में लोगों को बहुत जल्दी बताने लगते हैं, तो उनकी प्रतिक्रिया से आप हतोत्साहित हो सकते हैं और सचमुच शुरू करने से पहले ही हार मान सकते हैं। यह पहले भी कई लोगों साथ हो चुका है, शायद आपके साथ भी हुआ हो। आपके मन में कोई चीज़ करने का बेहतरीन विचार आया, जो आपकी सामान्य विशेषज्ञता के क्षेत्र में नहीं था, आपने इसे दूसरों को बताया, उन्होंने आपके मन में शंका भर दी और आपका विचार तथा स्वप्न ज़मीन से ऊपर उठने से पहले ही चूर-चूर हो गए। फिर जैसा क़िस्मत को मंजूर था, कुछ समय बाद आपको पता चला कि पहले आपके मन में जो बड़ा विचार था, वह किसी दूसरे के ज़रिये संसार में प्रकट हो गया – और यह बेहद सफल हो गया।

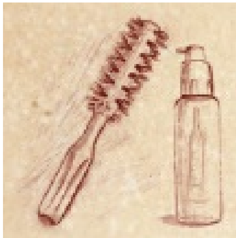

जॉन पॉल डिजोरिया

कुछ महत्त्वपूर्ण चीजों पर ध्यान दें। अनेक व्यर्थ चीज़ों को नज़रअंदाज़ कर दें।

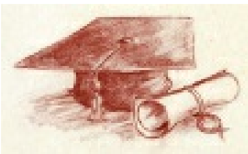

लिज मरे

दूसरे लोग आपके लिए चीज़ें तय करें, इस बारे में सावधान रहे। लोगों की अपनी राय होती है और वे आपको बहुत जल्दी बता देते हैं कि क्या संभव है और क्या असंभव है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग कितने विश्वास से बोलते है। कोई नहीं जानता कि क्या संभव है, जब तक कि वह उसे स्वयं न कर रहा हो। कोई नहीं जानता।

“उन लोगों से दूर रहें, जो आपकी महत्त्वाकांक्षाओं को छोटा करने की कोशिश करते हैं। छोटे लोग हमेशा यह करते हैं, लेकिन सचमुच महान लोग आपको महसूस कराते हैं कि आप भी महान बन सकते हैं।”

मार्क ट्वेन
लेखक

जब मैंने द सीक्रेट बनाने का फ़ैसला किया, तो मैंने अपने सपने के बारे में किसी दूसरे को तब तक नहीं बताया, जब तक कि मैंने अपने मन में इसे पूरी तरह नहीं जमा लिया। शोध

करने, योजना बनाने और इसे अपने भीतर एकीकृत करने में मैंने चार महीने लगा दिए, जब तक कि मैं यह नहीं जान गई कि कोई मुझे इससे विमुख नहीं कर सकता। सिर्फ़ तभी मैंने अपना यह विचार दूसरों को बताया, जब हज़ारों मना करने वाले लोग मेरे सपने को असंभव क़रार देते, और उनमें से एक का भी मुझ पर असर नहीं होता।

दूसरों को बताने से पहले अपने सपने पर काम करें, अपने सपने में विश्वास पर काम करें और अपने मन में अपने सपने को अच्छी तरह जमा लें, जब तक कि इसकी तस्वीर आपके सामने एकदम स्पष्ट न हो जाए।

लेन बीचली

जब मैं बड़े समय मैनली बीच में सर्फ़िंग कर रही थी, तो दो लोग मेरी दाईं तरफ़ थे, जो मुझसे पानी से बाहर निकलने को रहे थे और दो लोग मेरी बाईं तरफ़ थे जो कह रहे थे, “हम सोचते हैं कि आप बेहतरीन हैं और आपके साथ सर्फ़िंग करके मज़ा आ गया।” आप क्या सोचते हैं, मैं किसकी बात सुनने वाली थी? ज़ाहिर है, बाईं तरफ़ के दो लोगों की।

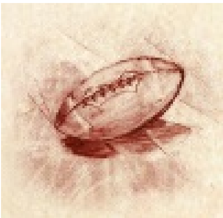

पीट कैरल

नौकरी छूटने से उबरने और उसकी बदौलत ज़्यादा मज़बूत हनने की शक्ति मुझे इस चीज़ से मिली कि मैंने उस निर्णय को मान्यता नहीं दी। मैंने उसे स्वीकार ही नहीं किया। मैंने इस विचार को चुनौती दी कि वे सही थे और मैं जानता था कि उनसे असहमत होने का कारण मौजूद था।

‘नहीं’ कहने वालों के बारे में सच्चाई यह है कि वे अक्सर ऐसे लोग होते हैं, जिन्होंने अपने दिमाग़ के दरवाज़े बंद कर लिए हैं और वे ख़ुद अपनी पूरी क्षमता से नहीं जी रहे हैं। अगर वे अपनी पूरी क्षमता से जी रहे होते, तो वे अपने अनुभव से यह जान लेते कि कुछ भी संभव है।

जॉन पॉल डिजोरिया

जब मैं ग्यारहवीं कक्षा में था, तो पूरी कक्षा के सामने हमारे बिज़नेस टीचर ने मेरी मित्र मिचेल और मुझे बताया कि हम कभी कुछ नहीं कर पाएँगे। हम जानते थे कि वे ग़लत थे। हम निश्चित रूप से अपने जीवन में कुछ करेंगे। मिचेल सुपरस्टार बन गयी। वह 'द मामाज़ एंड द पापाज़' नामक गायकों के ग्रुप वाली मिचेल फ़िलिप्स है।

जब हम द सीक्रेट फ़िल्म बना रहे थे, तो नहीं कहने वाले लोगों के साथ मेरे कई अनुभव हुए, लेकिन एक सबसे अलग था। मैं टेलिविज़न एग्ज़ेक्यूटिव्स के एक बड़े समूह के सामने फ़िल्म का पहला कट प्रस्तुत कर रही थी। उस बिंदु तक आने के लिए एक साल की मेहनत और हर चीज़ के त्याग की ज़रूरत पड़ी थी। स्क्रीनिंग के अंत में एग्ज़ेक्यूटिव्स ने फ़िल्म पर एक भी प्रशंसा भरी टिप्पणी नहीं की। इसके बजाय वे गंभीर रूप से आलोचनात्मक थे और उन्होंने फ़िल्म के हर पहलू में दोष निकाले। प्रस्तुति के बाद जब मैं उस इमारत से निकली, जहाँ मीटिंग आयोजित थी, तो मैं सदमे में थी और बदहवास-सी सड़कों पर भटकती रही। अंतत: मैंने ख़ुद को सँभाला और एक घंटे की घर तक की उड़ान के लिए हवाई अड्डे की ओर बढ़ी। उस उड़ान के दौरान मुझे एहसास हुआ कि ऐसा कोई तरीक़ा नहीं था, जिससे मैं उन एग्ज़ेक्यूटिव्स की अनंत आलोचनाओं को सुधार सकती थी। और मुझे इसकी ज़रूरत भी नहीं थी। जब तक हवाई जहाज़ ज़मीन पर उतरा, मेरे अंदर कुछ परिवर्तनों की प्रेरणा आई, जो फ़िल्म में किए जा सकते थे। हमने उन प्रेरणाओं पर अमल किया और उन्हें फ़िल्म में डाल दिया और यही वे तत्व थे, जो उस फ़िल्म को भारी सफलता की ओर ले गए।

सहयोगी

हालाँकि लगभग हमेशा आपको हीरो की यात्रा में 'नहीं' कहने वाले निश्चित रूप से मिलेंगे, लेकिन साथ ही आपको कई सहयोगी, कई देवदूत भी मिलेंगे, जो या तो पहले से ही आपके जीवन में हैं या फिर जो कुछ समय के लिए ही सही, प्रकट होते हैं, ताकि वे आपका समर्थन करें और आपकी यात्रा में आपकी मदद करें।

मैस्टिन किप

मुझे यक़ीन नहीं है कि स्व-निर्मित सफलता या स्व-निर्मित इंसान जैसी कोई चीज़ होती है, क्योंकि हर एक को रास्ते में मदद मिली थी।

लेन बीचली

सभी सफल लोगों ने दूसरों के कंधों पर खड़े होकर सफलता हासिल की है और चाहे आप कितने भी सफल हों, यह याद रखना और एहसास करना महत्त्वपूर्ण है कि इस यात्रा में किस-किस ने आपकी मदद की है।

कोई भी अपने दम पर अकेले सपना हासिल नहीं करता है। असंख्य लोग हैं, जो आपका समर्थन करेंगे और सपने की राह पर आपकी मदद करने के लिए असाधारण प्रयास करेंगे। हीरो की यात्रा में हमें जो अनुभव होते हैं, उन सारे अनुभवों में उन लोगों की असाधारण मदद से होने वाला आश्चर्य संभवत: सबसे अद्‌भुत है, जिन्हें आप जानते हैं या जिन्हें आप बमुश्किल जानते हैं, लेकिन वे आपकी राह में अपना समर्थन और सहयोग देते हैं।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मैं विशाल समर्थनकारी नेटवर्कों के सहारे काम करता हूँ। मेरे परीवार का हर व्यक्ति,जिसने मेरा समर्थन किया। वे सारे निवेशक, जिन्होंने मेरे कारेबार में पैसे लगाए। वे कर्मचारी, जो मेरे लिए तब काम करने आए, जब मेरे विचार बस दिमाग़ में मौजूद रूपरेखा ही थे।

> लेन बीचली
>
> आठ साल की उम्र में विश्व चैंपियन बनने का शुभ लक्ष्य तय करना स्पष्ट रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण था। बीच में ऐसे समय आए, जब मैं पीछे हटना चाहती थी, मैं दूर जाना चाहती थी और अपने हाथ हवा में उठाकर कहना चाहती थी, "यह बहुत ज़्यादा मुश्किल है।" सौभाग्य से ऐसे मर्मस्पर्शी मौकों पर मेरे जीवन में ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने मुझे ऊपर उठाया और कहा, "तुम यह कर सकती हो। मुझे तुम पर भरोसा है।" और जब ऐसा कोई व्यक्ति, जिसका आप अपने जीवन में सम्मान और क़द्र करते हैं, आकर आपको बताता है कि उसे आप पर भरोसा है, तो इससे आपमें बहुत आत्मविश्वास आ जाता है। जीवन में ऐसे लोगों का आपके आस-पास रहना सचमुच महत्त्वपूर्ण है।

द सीक्रेट फ़िल्म बनने के दौरान हमारे जीवन में असंख्य लोग आए और उन्होंने अगले क़दम को उठाने में हमारी मदद की। उन सारे सहयोगियों के अलावा मेरे पास लोगों की एक टीम थी, जो मेरे साथ फ़िल्म बनाने पर काम करती थी। इन सभी के समर्पण तथा सहयोग के बिना मेरा सपना कभी सच नहीं हो पाता।

एक ऐसा समय भी था, जब मेरे पास अपनी टीम को वेतन देने के लिए भी पर्याप्त पैसे नहीं थे। मैंने अपना मकान गिरवी रख दिया था, जमा पैसे से ज़्यादा रक़म बैंक से निकाल ली थी और हर क्रेडिट कार्ड का अधिकतम इस्तेमाल कर लिया था, ताकि फ़िल्म बनाना जारी रख पाऊँ, लेकिन मैं इस दिल तोड़ने वाले दिन तक पहुँची, जहाँ मेरे पास अपनी टीम को देने के लिए पैसे नहीं थे। क्या आप जानते हैं, उन्होंने क्या किया? मेरी टीम के कुछ वरिष्ठ सदस्य इकट्ठे हुए और उन्होंने अपने क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके पैसे निकालकर उन लोगों को वेतन दिया, जो इसके बिना गुज़ारा नहीं चला सकते थे। बेशक मेरी टीम के लोग मेरे सबसे बड़े सहयोगी थे।

मुसीबतों और चमत्कारों की राह

एनेस्टाज़िया सोर

जीवन एक चुनौती है। यदि आप सोचते हैं कि जीवन सुगम है और यह आदर्श है, तो या तो आपको ग़लतफ़हमी है या फिर आप मनोरोग के शिकार हैं।

पीटर बरवॉश

हर दिन बाधाएँ आती हैं। ऐसा कोई इंसान नहीं है, जिसके साथ सुबह जागने पर शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक या आध्यात्मिक रूप से कुछ गड़बड़ न हो। इस तथ्य को स्वीकार करें कि आपके सामने बाधाएँ आने वाली हैं। वे हर एक के सामने आती हैं। लोग कहते हैं, “मैं ही क्यों?” लेकिन ज़रा बताएँ, आप क्यों नहीं?

“आपके लक्ष्य की राह हमेशा सुगम नहीं रहने वाली। बाधाएँ उत्पन्न होंगी और समस्याएँ सामने आएँगी, लेकिन आपको याद रखना है कि आप किस लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं... बड़ी तस्वीर को न भूलें और छोटी दुर्घटनाओं या छोटी असफलताओं को अपनी राह न रोकने दें।”

डेरेक जेटर

अमेरिकी बेसबॉल चैंपियन

चुनौतियाँ और बाधाएँ

हीरो की यात्रा में आप जिस बाधा या चुनौती का सामना करते हैं, वह हर बाधा या चुनौती आपका कायाकल्प कर देती है, क्योंकि इसकी बदौलत आप चारित्रिक शक्ति और वे गुण तथा योग्यताएँ हासिल करते हैं, जिनकी ज़रूरत आपको बाधा या चुनौती से उबरने के लिए होती है। इन गुणों और योग्यताओं का उदय आपको ऐसे व्यक्ति में ढाल देता है, जैसा बनने की ज़रूरत आपको अपना सपना हासिल करने के लिए है। इस वजह से चुनौतियाँ और बाधाएँ प्रबल संकेत हैं कि आप हीरो की अपनी यात्रा पर अच्छी तरह चल रहे हैं। वास्तव में आप जितनी बड़ी बाधाओं और चुनौतियों का सामना करते हैं, आपकी सफलता उतनी ही ज़्यादा बड़ी होगी और आप उसे हासिल करने के उतने ही ज़्यादा क़रीब होंगे।

मैस्टिन किप

लोग चुनौतियों से जो सबसे बड़ी चीज़ हासिल करते हैं, वह भौतिक नहीं, आंतरिक होती है। सबसे बड़ा लाभ वह होता है, जो वे बनते हैं। जब आप किसी चुनौती का सामना करते हैं और फिर उस चुनौती से उबरते हैं, तो ख़ुद पर आपका विश्वास बढ़ जाता है, अपनी योग्यताओं में आपका विश्वास बढ़ जाता है, दैवी शक्ति में आपका विश्वास बढ़ जाता है और आप किसी दूसरी बड़ी चीज़ को भी कर सकते हैं। बाधाओं से उबरना शायद सबसे बड़ा उपहार है – उस चीज़ से कहीं अधिक बड़ा, जो आपको मिलती है। क्योंकि यह एक ऐसी चीज़ है, जो आपसे कभी नहीं छीनी जा सकती।

पीटर बरवॉश

एक बार जब आप निराशाओं, चुनौतियों, उतार-चढ़ावों आदि की श्रंखलाओं के पार आ जाते हैं, तो आप हमेशा बेहतर हो जाते हैं, क्योंकि इस प्रक्रिया में आपको ज़बर्दस्त आत्मविश्वास हासिल होता है।

अगर आपने अपने जीवन में कभी किसी ऐसी चीज़ का सामना किया है, जिसमें आपके पास उबरने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था, तो आपको ऐसी शक्तियाँ मिली होंगी, जिनके बारे में आप नहीं जानते थे कि वे आपके पास थीं। आप जो शक्तियाँ

हासिल करते हैं, वे आपके चरित्र का निर्माण करती हैं और आपको पहले से भी ज़्यादा बड़े व्यक्ति में रूपांतरित कर सकती हैं। शिशु को जन्म देने वाली महिलाएँ यह बात अच्छी तरह जानती हैं। बच्चे को पालने और उसकी देखभाल करने के लिए माँओं को मज़बूत होने की ज़रूरत होती है। उन्हें धैर्य, सहनशक्ति, संकल्प और शारीरिक सहनशक्ति की ज़रूरत होती है। प्रसव पीड़ा और जन्म देने का अनुभव उन्हें मातृत्व हेतु आवश्यक शक्तियाँ व गुण देकर तैयार करता है, ताकि वे उस काम को अच्छी तरह कर सकें। सबसे मुश्किल समय के दौरान शक्ति बनाए रखने के कारण ही हममें से कई लोग अपनी माँ को हीरो मानते हैं।

मैस्टिन किप

जब आप सचमुच क़दम बढ़ाकर चुनौती को अंगीकार करते हैं और फिर उससे उबर जाते हैं, तो आपका वह हिस्सा कहता है, "हे भगवान, आपने यह कर दिया!" आप वहाँ बैठकर बस यह नहीं कह सकते, "मैं ख़ुद से प्रेम करता हूँ।" आत्मसम्मान अर्जित किया जाता है।

लेन बीचली

चुनौतियाँ और बाधाएँ हम सभी को विकास करने, बेहतर बनने और सीखने का अवसर प्रदान करती हैं। वे हमें अपने आरामदेह दायरे के बाहर क़दम रखने और वह सब अनुभव करने का मौक़ा देती हैं, जो जीवन के पास सचमुच देने के लिए है।

हीरो की यात्रा में चुनौतियों और बाधाओं का उद्देश्य हमें उन गुणों व योग्यताओं के साथ तैयार करना है, जिनकी ज़रूरत हमें अपने सपने के साकार होने के बाद उसे क़ायम रखने के लिए होगी। यदि सफलता को सँभालने की योग्यताएँ न हों, तो आपका सपना जैसे ही हासिल होगा, वैसे ही धुआँ-धुआँ हो जाएगा। इसीलिए चुनौतियाँ और बाधाएँ हमें सफलता के लिए तैयार करती हैं।

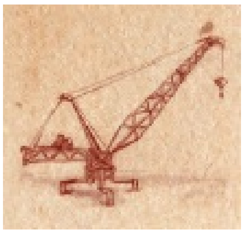

जी. एम. राव

व्यवसाय में मेरी यात्रा की दिशा किसी नदी के प्रवाह जैसी रही है, जहाँ हर बाधा ने मुझे अपनी दिशा बदलने पर मजबूर किया, लेकिन मैं अंतत: अपनी मंज़िल तक पहुँच ही गया। मेरा पूरा जीवन चुनौतियों से भरा रहा है। हर चुनौती एक सार्थक संयोग थी और इसने एक ज़्यादा बड़े अवसर के लिए द्वार खोल दिए।

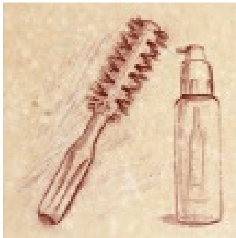

जॉन पॉल डिजोरिया

चुनौतियों और बाधाओं से हमारी शिक्षा पूरी होती है और यह हमारी सफलता का हिस्सा है। कितनी बार जीवन में चीज़ें हुई हैं, लेकिन वे उस तरह नहीं हुईं जैसे मैं चाहता था, लेकिन इसके माध्यम से मुझे यह एहसास हुआ : अगर मैं इससे नहीं गुज़रा होता, तो जीवन में बाद में मैं इतना ख़ुश या सफल नहीं होता, जितना कि इस वक़्त हूँ। जीवन में कई ऐसी चीज़ें होने वाली हैं, लेकिन ये वे सबक़ होंगे, जो आपको अपने सर्वोच्च पुरस्कार तक ले जाते हैं।

जब मैं पलटकर अपनी यात्रा पर ग़ौर करती हूँ, तो पाती हूँ कि मैंने जिन बाधाओं और चुनौतियों का सामना किया था, वे उन बाधाओं और चुनौतियों की तुलना में कुछ नहीं थीं, जिनका मैंने अपने जीवन में तब सामना किया था, जब मैंने अपने सपने का अनुसरण करने का निर्णय नहीं लिया था। जब आपके पास एक उद्देश्य होता है और आप अपने सपने का अनुसरण कर रहे होते हैं, तो बाधाएँ और चुनौतियाँ उतनी मुश्किल या कठिन नहीं दिखती हैं, जितनी कि उद्देश्य न होने पर दिखती हैं। उद्देश्य न होने पर ऐसा लग सकता है कि चुनौतियों या बाधाओं का कोई कारण नहीं है और वे बदक़िस्मती जैसी महसूस हो सकती हैं। बहरहाल, उनका एक उद्देश्य होता है, क्योंकि आपको विकास करना होता है। इसलिए आप भले ही जीवन से छिपने की कोशिश कर लें, लेकिन इसके बावजूद आपको चुनौतियों और बाधाओं का सामना करना होगा।

पीटर बरवॉश

मेरा बुनियादी दर्शन यह रहा है : अगर कोई अच्छी चीज़ होती है, तो मैं उसकी प्रशंसा करता हूँ; अगर कोई बुरी चीज़ होती है, तो मैं उसे सीखने की प्रक्रिया के रूप में देखता हूँ।

जब चुनौतियों और बाधाओं से हमारा पहली बार सामना होता है, तो वे हम सभी के लिए मुश्किल होती हैं। लेकिन वे मुश्किल तभी तक होती हैं, जब तक कि आप समाधान नहीं खोज लेते और उनसे उबरने का तरीक़ा नहीं ढूँढ़ लेते। आपको कभी ऐसी कोई बाधा या चुनौती दी ही नहीं जाती, जिससे उबरने की योग्यता आपमें न हो। कभी नहीं।

पीटर फ़ोयो

मानसिकता बाधाओं से हमें उबारती है। मेरी मानसिकता ख़ुश और कृतज्ञ रहने की है। यह हमेशा से ऐसी ही रही है। मैंने आर्थिक दृष्टि से और ज़्यादा बाँटने का निर्णय भी लिया है और आप जितना ज़्यादा बाँटते हैं, उतनी ही ज़्यादा बाधाएँ दूर चली जाती हैं।

पीटर फ़ोयो अपनी सफलता का सार चंद सिद्धांतों को देते हैं, जिनका अभ्यास उन्होंने अपने सपने को साकार करने के लिए निष्ठापूर्वक किया। सामने चाहे कोई भी बाधा आ जाए, वे विचलित नहीं होते हैं। वे कृतज्ञता के सतत अभ्यास द्वारा एक सकारात्मक और प्रसन्न मानसिकता क़ायम रखते हैं। जहाँ संभव होता है, वे दूसरे लोगों की मदद करते हैं। और जब उनका सामना किसी मुश्किल से होता है, तो वे हीरो की एक महान क्षमता – मानसिक चित्रण – का इस्तेमाल करते हैं।

पीटर फ़ोयो

प्रतिस्पर्धियों से, भ्रष्टाचार से, अधिकारियों से बाधाएँ आती रही हैं, लेकिन मैं

> दरअसल उन्हें महसूस नहीं करता। मैं परिणाम को महसूस करता हूँ; मैं महसूस करता हूँ कि मैं कहाँ जा रहा हूँ। बाधा एक घुमावदार मार्ग के समान है। मैं कहता हूँ, "ठीक है, तो हम इससे पार कैसे पाएँ?" मैं कुछ अलग ही चीज़ का मानसिक चित्रण करता हूँ।

आप जो परिणाम चाहते हैं, उसका मानसिक चित्र बनाएँ और आपको समस्या का समाधान मिल जाएगा या किसी चुनौती से उबरने का सबसे अच्छा तरीक़ा मिल जाएगा। लेकिन जब आपको समाधान दिया जाता है, तब उसे सुनने के लिए आपके मस्तिष्क को चिंता के विचारों से मुक्त होना चाहिए।

कल्पना करें, आप खो गए हैं और किसी से दिशा संबंधी निर्देश माँगते हैं, लेकिन जब वह व्यक्ति आपको निर्देश देता है और दुर्दशा से आपको बाहर निकालने में मदद करने की कोशिश करता है, तो आप इस बारे में बोलने लगते हैं कि आप कितने खो गए थे, किस तरह खोना एक बड़ी समस्या था, कैसे आप बाहर निकलने का रास्ता खोजने की कोशिश कर रहे थे और कैसे अब आप चिंतित हैं कि आप कभी बाहर निकलने का रास्ता नहीं खोज पाएँगे। आप दिशा निर्देश सुन ही नहीं पाएँगे, हालाँकि वे आपको दिए जा रहे हैं! अगर आपका मन चिंता या दुख के विचारों में डूबा हुआ है, तो आप सृष्टि के दिए समाधान नहीं सुन सकते।

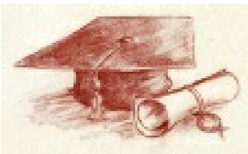

लिज़ मरे

> मैं कई बार मित्र के घर में नीचे फ़र्श पर ही सो जाती थी। मुझे स्कूल शुरू होने से पहले सुबह जल्दी क्लास पहुँचना होता था, जिसमें मैंने नाम लिखवाया था। वहाँ पहुँचने के लिए मुझे किसी प्रेरणा की ज़रूरत थी। इसलिए मैं अपने दिमाग़ में एक धावक को देखती थी। मुझे लगता है, यह मैं ही थी, लेकिन मैंने सिर्फ़ उसकी पीठ ही देखी थी। और वह अकेली ही दौड़ने के मार्ग पर दौड़ती रहती थी। मैं इन शारीरिक अवरोधों को देखती थी और वह उन अवरोधों को कूदकर पार कर लेती थी। मैं इस धावक की तस्वीर देखती रहती थी, ताकि मैं ख़ुद को उठा सकूँ। मैं कहती थी, "ठीक है, तुम थकी हुई हो, यह एक अवरोध है। तुमने पढ़ाई का काम कल रात को ही निबटा लिया था। तुमने एक अवरोध पार कर लिया था। नाश्ते के बिना ट्रेन से वहाँ पहुँचना, तुम्हारा भूखा रहना। बाधाएँ, बाधाएँ, बाधाएँ।" और मैं उसे अवरोधों के पार कूदते हुए देखती थी, उसकी गठीली और धूप में पसीना-पसीना पीठ। हर बार जब भी कोई चीज़ मेरे रास्ते में बाधा बनकर आती थी, तो उससे क्या? वह तो सिर्फ़ एक और अवरोध थी! क्योंकि देखिए, अवरोध दौड़ने के मार्ग से अलग नहीं है; अवरोध तो दौड़ने के मार्ग का हिस्सा है और यदि अवरोध न हों, तो इसका मतलब है कि मैं अपने दौड़ने के मार्ग से दूर हूँ। जब चीज़ें उस तरीक़े से होती थीं, जो दिशा का बस हिस्सा था, तो मैं जानती थी कि अगर मैं पर्याप्त

अवरोधों को कूदकर पार कर लूँगी, तो अंतत: अपनी फ़िनिश लाइन तक पहुँच जाऊँगी।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मैं नहीं जानता कि कैसे, लेकिन सबसे स्याह समय में भी मैं इस प्रोडक्ट में इतना ज़्यादा यक़ीन करता था कि मैं जानता था मैं कामयाब होने वाला हूँ। अगर आप डटे रहते हैं और आप सृष्टि से माँग करते हैं – तो यह देती है।

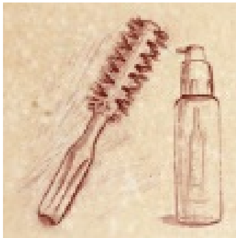

जॉन पॉल डिजोरिया

सफल हो रहे व्यक्ति की एक बाधा यह है कि जब अस्वीकृति मिलती है, तो वह प्रयास छोड़ देता है। किसी भी चीज़ में सफल बनने की एक कुंजी है बहुत सारी अस्वीकृति के लिए तैयार रहना और ख़ुद पर इसका असर न होने देना। बहुत से लोग कोई चीज़ शुरू करते समय इसके लिए तैयार नहीं होते, इसलिए वे सोचते हैं कि वे असफल हो गए हैं और इससे वे रुक जाते हैं। यदि हमें ढेर सारी अस्वीकृतियाँ न मिली होतीं, तो मैं कभी जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स शुरू ही नहीं कर पाता।

असफलताएँ और ग़लतियाँ

“हम ग़लतियाँ करते हैं। अगर हमसे ग़लतियाँ न हों, तो मज़ा ही क्या है? अगर मैं गॉल्फ़ खेलूँ और अठारह होल में से प्रत्येक में मैं एक ही शॉट में एक होल मार लूँ, तो मैं बहुत लंबे समय तक गॉल्फ़ नहीं खेल सकूँगा। मेरा मतलब है, खेल को रोचक बनाने के लिए आपको कभी-कभार ऊबड़-खाबड़ जगह में जाना होता है। वैसे, बहुत ज़्यादा बार नहीं।”

वॉरेन बफ़े
उद्योगपति और निवेशक

लेन बीचली

अगर आप अपनी कुछ तथाकथित असफलताओं और ग़लतियों पर, या विपत्तियों और निराशाओं पर सोच-विचार में समय लगाएँ, तो आपको एहसास हो जाता है कि वे सभी हमारी यात्रा के आवश्यक हिस्से हैं।

पॉल ऑरफ़ेलिया

एक बच्चा किस तरह खड़ा होता है और नीचे गिरता है? इसमें बहुत हिम्मत की ज़रूरत होती है। शून्य से पाँच साल तक की पूरी प्रक्रिया से गुज़रने में बहुत-सी बाधाएँ आती हैं। लेकिन आप अपनी ग़लतियों से सीखते हैं।

लेअर्ड हैमिल्टन

आपको असफलता के लिए भी तैयार रहना पड़ता है। मैं जानता हूँ कि मेरे सबसे बड़े सबक़ सफलताओं से नहीं, असफलताओं से आए हैं। असफलता ही हमें अपने सपने के ज़्यादा क़रीब पहुँचाती है।

अगर आपने अपने सपने को साकार करने के लिए अच्छे विवेक के आवश्यक गुण हासिल नहीं किए हैं, तो असफलताएँ और ग़लतियाँ उन्हें विकसित कर देंगी। मान लें, आपने किसी की कही बात पर विश्वास किया और इस वजह से असफल हो गए। आप पूरा सोच-विचार किए बिना कोई निर्णय ले लेते हैं और आपको पता चलता है कि आपने एक बड़ी ग़लती कर दी है। बहरहाल, जब आप पलटकर असफलता या ग़लती पर विचार करते हैं, तो आप देख सकते हैं कि वहाँ पर लाल झंडियाँ या चेतावनी के निशान थे, जिन्हें आपने नज़रअंदाज़ कर दिया, जो आपको बता रहे थे कि कोई चीज़ सही नहीं थी। दूसरे शब्दों में, आपने अपने अन्तर्ज्ञान को नज़रअंदाज़ कर दिया।

लेन बीचली

ग़लतियाँ दरअसल सीखने का अवसर हैं और एकमात्र ग़लती पहली बार में सबक़ न सीखना है। सृष्टि के बारे में बेहतरीन बात यह है कि यह आपको वही सबक़ तब तक प्रदान करती रहेगी, जब तक कि आप इससे सीख न लें।

आप देख सकते हैं कि आपको ख़ुद जाँच-पड़ताल करने की ज़रूरत थी और दूसरे लोगों की राय पर अंधों की तरह भरोसा नहीं करना चाहिए था। या आप देख सकते हैं कि आपको कोई बड़ा काम करने से पहले ज़्यादा सावधानी से अच्छी तरह सोच-विचार करने की ज़रूरत थी।

"मैंने एक असफल रेस्तराँ से जितना सीखा, उतना सफल रेस्तराँओं से नहीं सीखा।"

वूल्फ़गांग पक
रेस्तराँ मालिक और व्यवसायी

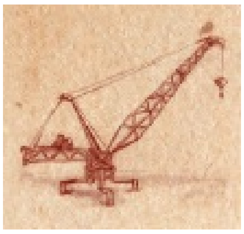

जी. एम. राव

हमें असफलताओं का जश्न मनाना चाहिए, क्योंकि वे कर्म से उत्पन्न होती हैं, इसलिए वे सीखने का सबसे बड़ा मैदान बन जाती हैं। और हमें सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि वे ग़लतियाँ दोबारा न होने पाएँ। नए विचारों, नई नीतियों, प्रयोगशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए ग़लती की निंदा नहीं की जानी चाहिए।

जब आप अपनी असफलताओं और ग़लतियों की ज़िम्मेदारी लेते हैं, जब आप किसी दूसरे को दोष नहीं देते हैं, बल्कि उनके भीतर छिपे सबक़ की तलाश करते हैं, तो वे हीरो की यात्रा पर आपकी प्रगति के शक्तिशाली औज़ार बन जाते हैं। ग़लतियाँ और असफलताएँ अवश्यंभावी हैं; आप उनमें छिपे जादू को बाहर निकाल पाते हैं या नहीं, यह आप पर निर्भर है!

लेअर्ड हैमिल्टन

यह एक निश्चित प्रक्रिया है। पहले आपको यक़ीन करना होता है कि यह संभव है। फिर आपको असफल होने का इच्छुक रहना होता है; आप दोबारा उठकर खड़े होते हैं और उस काम को दोबारा करते हैं और बहुत जल्दी ही आप कहते हैं, “वाह, मैं चल रहा हूँ।” और फिर, “मैं थोड़ा बेहतर हो रहा हूँ।” और फिर, “मैं इसमें अच्छा हो गया हूँ।” बहुत जल्दी आप शिखर पर पहुँच जाते हैं और तब आपको एहसास होता है कि यह शिखर पर पहुँचने के बारे में नहीं था, यह तो प्रक्रिया के बारे में था। और आपको इस प्रक्रिया की लत पड़ जाती है।

चमत्कार

पीटर बरवॉश

मैं उन सभी पलों के लिए बहुत कृतज्ञ रहा हूँ जो घटित हुए हैं और मुझे यह एहसास हुआ है कि हम उतने स्वतंत्र नहीं हैं। हम बहुत निर्भर हैं, न सिर्फ़ ऑक्सीजन पर, बल्कि सौभाग्य पर, अच्छी टाइमिंग पर और दूसरे लोगों पर।

हीरो की यात्रा में मुश्किलें आ सकती हैं, लेकिन आप रास्ते में कई चमत्कारों का अनुभव भी करेंगे। सच तो यह है कि चमत्कार मुश्किलों से ज़्यादा होते हैं। मेरा ख़ुद का अनुभव यह रहा है कि जब मैं अपने सपने की राह पर थी, तब जो जादू और चमत्कार हुए, वे उतने ही रोमांचक थे, जितना कि मेरे सपने का साकार होना। जब सृष्टि आपकी ख़ातिर चीज़ों को इस तरह क़तारबद्ध करना शुरू करती है, जिस तरह कोई इंसानी दिमाग़ नहीं कर सकता, तो मैं आपसे वादा करती हूँ कि आपकी साँस रूक जाएगी। आप बार-बार पूछेंगे, “यह कैसे हुआ?”

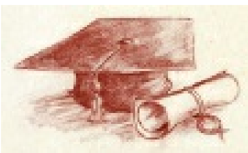

लिज़ मरे

मैं सड़कों पर सो रही थी और दुकानों से समान चुराती थी; जो संसार में सबसे अच्छी आदत तो नहीं हैं, लेकिन क्या करती, मुझे खाने की ज़रूरत थी। मैं बार्न्स ऐंड नोबल की दुकान पर भी जाती थी और सेल्फ़-हेल्प पुस्तकें चुरा लाती थी और सीढ़ियों पर उन्हें पढ़ती थी। फिर मेरी कहानी फैली और मुझे स्टीफ़न कवी की कंपनी से फ़ोन आया। मैं वहाँ गई, लेकिन जब तक कि मैं उनके सामने नहीं खड़ी हुई, तब तक मुझे यह एहसास नहीं हुआ कि मैंने उनकी पुस्तक चुराई थी। मुझे उन्हें बताना ही पड़ा, “मैंने आपकी पुस्तक दुकान से चुराई थी।” और उन्होंने बताया कि यह उनकी तरफ़ से भेंट है।

लिज़ मरे की उम्र सिर्फ़ अठारह साल थी, जब स्टीफ़न कवी ने उनसे कहा कि वे स्टेज पर उनके साथ खड़ी होकर अपनी कहानी सुनाएँ। वह दिन लिज़ के जीवन में चमत्कारी साबित हुआ, क्योंकि इसने उन्हें अपनी कहानी बताने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए सार्वजनिक रूप से बोलने की राह पर डाल दिया। लिज़ ने आगे चलकर अपनी ख़ुद की बेस्टसेलिंग पुस्तक लिखी और मिखाइल गोर्बाचेव, दलाई लामा और टोनी ब्लेयर जैसी हस्तियों के साथ मंच पर बैठीं।

पीटर बरवॉश

1968 के अंत में जब मैं टेनिस टूर पर था, तो मेरे पास ज़रा भी पैसा नहीं बचा था। मैं फ़ोर सीज़न्स होटेल्स के संस्थापक इसि शार्प के साथ खेल रहा था और उन्होंने पूछा, “तुम क्या करने वाले हो?” मैंने कहा, “मैं नहीं जानता, शायद मैं दोबारा स्कूल में पढ़ाने लगूँगा।” इस पर उन्होंने कहा, “टूर में बने रहने के लिए तुम्हें किस चीज़ की ज़रूरत है?” मैंने कहा, “1,800 डॉलर के दो वर्ल्ड एयर टिकिट। इन 3,600 डॉलर से मैं इसमें बना रहूँगा।” अगले दिन मैं उनके ऑफ़िस गया और उन्होंने टेबल के पार 3,600 डॉलर का चेक बढ़ाते हुए कहा, “शुभकामना।” इसने मेरा जीवन पलट दिया। यह टूर में बने रहने में समर्थ होने का बहुत, बहुत अभिन्न हिस्सा था, जिसने मुझे अच्छी विश्व रैंकिंग पाने की अनुमति दी। और उसके बाद बाक़ी सब इतिहास है।

मैस्टिन किप

मैं अपनी पूर्व गर्लफ़्रेंड के माता-पिता के मकान में 8 बाई 8 फ़ीट के पूल हाउस में सस्ते किराए पर रह रहा था। “द डेली लव” पहले मेरा शौक था, लेकिन मैंने उसी समय इसे पूर्णकालिक बनाने का निर्णय लिया था। एक महीने तक मैं ट्वीट करता रहा, ईमेल करता रहा और भारी अनिश्चितता से जूझता रहा। इसके बाद किम कार्देशियन ने 20 लाख लोगों से अधिक को ट्वीट किया कि वे मेरे ट्विटर हैंडल का अनुसरण करें। मैं उस पल को कभी नहीं भूल पाऊँगा। रातोंरात हमारे सदस्यों की संख्या 1,000 से 10,000 हो गई। मैंने दैवी उपस्थिति को महसूस किया, जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही थी।

लेन बीचली का बड़ा सपना विश्व की सर्वश्रेष्ठ महिला सर्फ़र बनना था और यह करने के लिए उन्हें चार लगातार विश्व ख़िताबों के विश्व कीर्तिमान को पीछे छोड़ना था। लेन अपने चौथे विश्व ख़िताब के लिए साल की आख़िरी प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। पूरे वर्ष में कई प्रतिस्पर्धाओं में सबसे ज़्यादा अंक पाने वाली खिलाड़ी विश्व ख़िताब जीतती है और उस साल अंतिम स्पर्धा में जाते समय लेन अंकों में आगे थीं तथा उनका चौथा विश्व ख़िताब उनकी पहुँच के भीतर था।

लेन बीचली

यह 2001 की बात थी और यह उस साल की आख़िरी प्रतिस्पर्धा थी। मैं क्वार्टर फ़ाइनल में थी, लेकिन मैं आख़िरी लहर पर गिर गई, जिससे मैं उस स्पर्धा में नाकाम रही। ऐसा लग रहा था कि संभवत: मेरा चौथा लगातार मिलने वाला ख़िताब हाथ से छूट रहा था। मुझे ऐसा महसूस हुआ, जैसे मैंने पूरे संसार को नीचा दिखाया था। मैं अदंर से बहुत बुरा महसूस कर रही थी, क्योंकि मेरा अंतिम लक्ष्य वर्तमान रिकॉर्ड की बराबरी करना और फिर उसे पीछे छोड़ना था, जो चार लगातार विश्व ख़िताबों को जीतने का था।

लेन को चमत्कार की ज़रूरत थी। लेन की कई प्रतिस्पर्धियों के पास अब लेन के कुल अंकों से आगे निकलने का अवसर था और विश्व ख़िताब पर दावा करने का भी, बशर्ते वे उस दिन स्पर्धा में जीत जातीं।

लेन बीचली

1993 की विश्व चैंपियन पॉलीन मेंकज़र मेरे पास से गुज़रीं और बोलीं, “चिंता मत करो, मैं सब सँभाल लूँगी।” वे चाहती थीं कि मैं वह विश्व ख़िताब जीतूँ। प्रतिस्पर्धियों को हराने के इरादे से पॉलीन ने जोशीला प्रदर्शन किया और किसी भी खिलाड़ी को विश्व ख़िताब पर दावा करने के अवसर से रोक दिया। पॉलीन ने वह प्रतिस्पर्धा जीत ली और इस प्रक्रिया में मुझे मेरा लगातार चौथा विश्व ख़िताब थमा दिया। उनकी आँखों की रोशनी सचमुच ख़राब थी और वे इसके ऑपरेशन का ख़र्च नहीं उठा सकती थीं, इसलिए मैंने धन्यवाद के तौर पर उनकी आँखों के ऑपरेशन का भुगतान करने का निर्णय लिया।

लेन बीचली लगातार छह विश्व ख़िताब जीतने की ओर आगे बढ़ गईं।

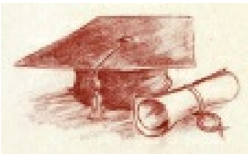

लिज़ मरे

जब मेरे जीवन की कहानी “न्यू यॉर्क टाइम्स” में छपी, तो मैंने हीरो बनने के बारे में बहुत कुछ सीखा। समाज के बहुत सारे लोग मेरे स्कूल में आए और वे सब वहाँ मेरी मदद करने के इरादे से आए थे। मैं उन्हें नहीं जानती थी। उनके हाथों में मिठाई के पैकेट थे, अलमारियों से निकाले कपड़े थे, कॉलेज के लिए गिफ़्ट पैकेज थे और वे बस देवदूतों के समूह की तरह वहाँ खड़े थे। मैं बेघर थी; उन्होंने एक अपार्टमेंट का किराया चुकाया। उन्होंने सोने के लिए बिस्तर की व्यवस्था की। उन्होंने प्रकाश की व्यवस्था की। उन्होंने फ़्रिज को भर दिया। हर व्यक्ति अपने तरीक़े से अद्भुत था, लेकिन वहाँ एक ख़ास महिला थी। वह लोगों के उस समूह के आने के तीन सप्ताह बाद आई थी और उसने तुरंत पूरे स्कूल के सामने मेरा हाथ थाम लिया, अपना परिचय दिया और मुझसे क्षमा माँगी। मैंने जब उससे पूछा किस बात के लिए, तो उसने कहा, “क्योंकि मैंने तुम्हारे बारे में “न्यू यॉर्क टाइम्स” में पढ़ा था और मैंने लेख अपने फ़्रिज पर लगा दिया तथा हर दिन मैं ख़ुद से कहती हूँ कि मैं तुम्हारी मदद करने जा रही हूँ। लेकिन फिर मैं कहती हूँ, ‘ओह, मेरे पास न तो समय है, न ही पैसा – मैं कुछ नहीं कर सकती।’ देखो मेरी प्यारी, आज सुबह जब मैं अपने कपड़े धो रही थी, तो मेरे दिमाग़ में यह विचार आया कि लिज़ के पास धुलवाने के लिए कुछ कपड़े तो होंगे।” और तब जाकर मुझे एहसास हुआ कि वह एक वैन के सामने खड़ी थी। उसने मेरी ओर देखा और पूछा, “क्या तुम्हारे पास धुलवाने के लिए कपड़े हैं?” हम जाकर मेरे कपड़े ले आए और वह सप्ताह में एक बार उन्हें साफ़ करने लगी। उसने मुझसे कहा, “मैं ज़्यादा तो नहीं कर सकती, लेकिन इतना तो कर ही सकती हूँ।” काश इस संसार का हर व्यक्ति यह सबक़ ले – मैं ज़्यादा तो नहीं कर सकता, लेकिन मैं इतना तो कर ही सकता हूँ। मैंने सीखा कि आप छोटे-छोटे तरीक़ों से दूसरे लोगों की मदद कर सकते हैं, जो आप इसी पल

कर सकते हैं। अगर हम सब इसी तरह जिएँ, तो आप इस पृथ्वी की सोच में एक बदलाव देखेंगे।

सबसे कठिन परीक्षा

एनेस्टाज़िया सोर

अगर आप नींद से जागकर वही साधारन-सी ज़िंदगी हर दिन नहीं जीना चाहते, तो आपको एक योद्धा बनने की ज़रूरत है। अगर आप फ़र्क़ पैदा करना चाहते हैं, अगर आप महत्त्वपूर्ण बनना चाहते हैं, तो आपको एक योद्धा बनने का ज़रूरत है। मैं महत्त्वपूर्ण बनना चाहती थी। मैं ऐसी चीज़ें करना चाहती थी, जो मेरा जीवन बदल दें और जो लोगों के जीवन को बदल दें। मैं साधारण नहीं बन सकती।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

यह मुश्किल था। कारोबार को सचमुच चलने में महीनों लग गए। हम ज़्यादा दौलत नहीं कमा रहे थे। 1998 में इंटरनेट को शायद ही कोई जानता था, इसलिए हमारे प्रोडक्ट ख़रीदने वाले ग्राहक न के बराबर थे। हमारा एक दोस्त हर महीने एक नक़ली नाम से हमें ऑर्डर देता था, ताकि हमें थोड़ा आत्मविश्वास मिल जाए और हम प्रोत्साहित होकर चलते रहें। हम हार मानने के क़रीब थे।

हीरो की यात्रा में एक आख़िरी चुनौती होती है, जिसका सामना आपको सफलता का पुरस्कार पाने से पहले करना पड़ेगा और उस आख़िरी चुनौती का आकार आपके सपने के आकार से तय होता है। इस आख़िरी चुनौती को सबसे कठिन परीक्षा कहा जाता है। यह आपके सपने की मृत्यु जैसा नज़र आ सकता है, लेकिन जब आप इससे उबर जाते

हैं, तो आपके सपने का उदय होता है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

यह आदर्श हीरो की यात्रा है, है ना? पूरी तरह बंद गली में पहुँचना, सारी उम्मीद लगभग चली जाती है और फिर आप पलटकर उछलते हैं। अगर हम गेंद को सीधे मैदान से बाहर पहुँचा सकें और हमें संघर्ष न करना पड़े या मुश्किल न उठानी पड़े, तो यह बहुत नीरस होगा।

लेन बीचली

आपको तलहटी को छूना होता है और पलटकर उछलने के लिए चुनौतियों से गुज़रना होता है।

आपने फ़िल्मों में सबसे कठिन परीक्षा देखी होगी, जहाँ हीरो अपनी खोज में हर बाधा से उबर चुका है और जब वह राजकुमारी को बचाने ही वाला होता है या पवित्र प्याले को हासिल करने के क़रीब होता है, तो एक आख़िरी चुनौती होती है, जिससे उसे उबरना होता है, तभी वह चरम पुरस्कार को थाम सकता है।

मैस्टिन किप

हर हीरो लगभग मर जाता है, या मरने के बाद दोबारा पैदा होता है। मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक या शारीरिक, सचमुच मृत्यु का यह विचार लोगों के लिए आतंकित करने वाला होता है। लेकिन हमें सलीब पर ईसा की तरह, अपनी बाँहें फैलाकर चलना होता है।

“अगर मैं किसी दूसरी चीज़ में सचमुच सफल हो जाती, तो मैं कभी उस एक क्षेत्र में

सफल होने का संकल्प नहीं कर सकती थी, जो सचमुच मेरा क्षेत्र था। मैं आज़ाद हो गई, क्योंकि मेरा सबसे बड़ा डर साकार हो गया था और मैं उसके बावजूद जीवित थी और मेरे पास एक बेटी थी, जिससे मैं लाड़ करती थी और मेरे पास एक पुराना टाइपराइटर था और एक बड़ा विचार था। इसलिए तलहटी एक ठोस नींव बन गई, जिस पर मैंने अपने जीवन को दोबारा बनाया।"

जे. के. रोलिंग
हैरी पॉटर सीरीज़ की लेखिका

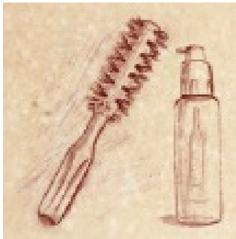

जॉन पॉल डिजोरिया

मैं एक कपंनी के लिए काम करता था और वहाँ दो पूर्णकालिक पदों पर व्यस्त रहता था। हालाँकि कंपनी की हालत ठीक थी, मगर उन्होंने कहा कि मैं उनकी तरह का मैनेजर नहीं हूँ और उन्होंने मुझे नौकरी से निकाल दिया। मैं दूसरी कंपनी के लिए काम करने लगा। एक साल बाद उन्होंने भी मुझे नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि मैं उनके साथ वीकएंड पर सैर करने नहीं जाता था। जिस अगली कपंनी के लिए मैंने काम किया, उसकी बिक्री मैंने तीन गुना कर दी, लेकिन एक दिन कंपनी के मालिक ने कहा, "मुझे अफ़सोस है, लेकिन हमें आपको निकालना होगा, क्योंकि हमारे पास कोई है, जो आपका काम आधी तनख़्वाह में कर सकता है।" और तब मैंने जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स की शुरूआत की। जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स में दो साल काम करने के बाद मुझे एक बात का एहसास हुआ। अगर मैंने उन तीन कंपनियों में काम नहीं किया होता, जहाँ से मुझे नौकरी से निकाला गया था, तो जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स को शुरू करना लगभग असंभव होता, क्योंकि हर कपंनी ने मुझे कुछ सिखाया था। हालाँकि मुझे नौकरी से निकाल दिया गया था, लेकिन ऐसा लग रहा था, मानो सृष्टि मुझे यहाँ से वहाँ ले जा रही थी, मुझे रास्ते में कई चीज़ें सिखा रही थी, चाहे मुझे यह बात मालूम हो या न हो।

जब जॉन पॉल डिजोरिया और उनके कारोबारी साझेदार पॉल मिचेल अपने हेयर केयर प्रोडक्ट बाज़ार में उतारने वाले थे, तभी एक निवेशक ने अचानक सारी पूँजी खींच ली, हालाँकि पहले उसने उनके कारोबार में पैसे लगाने का वादा किया था। जॉन पॉल और उनके पार्टनर के ऊपर अचानक भारी ज़िम्मेदारियाँ आ गईं, उनके बिल चुकाने का कोई तरीक़ा नहीं था और अगले पैंतालीस दिन तक बचने का कोई तरीक़ा नहीं था, जब तक कि उनके ग्राहक ख़रीदे गए सामान का भुगतान न कर दें। ऐसा लग रहा था कि वे तबाह हो जाएँगे। लेकिन तभी जॉन पॉल के दिमाग़ में एक शानदार विचार आया – डिलिवरी पर

नक़द भुगतान के लिए डिस्काउंट देना। लगभग हर ग्राहक ने इस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया और जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स बच गई।

लेन बीचली

1995 में मुझे विश्व में दूसरा दर्जा मिला था और मैं अपने पहले विश्व ख़िताब की दावेदारी में थी। मैं कड़ी मेहनत कर रही थी और फिर 1996 में मैं लम्बी थकान का शिकार हो गई। शारीरिक दृष्टि से कोई चीज़ ग़लत नहीं दिखती है, लेकिन मानसिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक दृष्टि से आप तलहटी में पहुँच जाते हैं। मैं इस हद तक प्रभावित हो गई कि मुझमें आत्महत्या की प्रवृत्तियाँ आ गई थीं। जो व्यक्ति जीवन को इतना प्रेम करने वाला हो, उसके लिए यह सचमुच परेशानीदायक था। मैं हार मान लेना चाहती थी, लेकिन मेरे पास जीने के लिए अब भी कुछ था। मैंने सर्फ़िंग के अपने प्रेम पर ध्यान केंद्रित करने का चुनाव किया। मैं जिस चीज़ से प्रेम करती थी, उसे करने के लिए मेरे पास शारीरिक शक्ति नहीं थी, लेकिन मुझमें अब दोबारा इसे करने की दिशा में श्रम करने की मानसिक शक्ति थी। मैंने हवाई जाकर प्रतिस्पर्धा करने का फ़ैसला कर लिया, हालाँकि मैं जानती थी कि मुझमें इसकी शक्ति नहीं थी। मैंने सोचा, “मैं वहाँ जाकर बस मज़े करूँगी।” मैंने उस साल हवाई में हर स्पर्धा जीती और यह उसके एक साल पहले की बात है, जब मैंने अपना पहला विश्व ख़िताब जीता था। दीर्घकालीन थकान का यह अनुभव सचमुच मूल्यवान सबक़ था। मुझे सचमुच ख़ुशी है कि मैंने हार नहीं मानी।

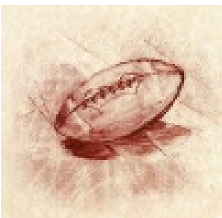

पीट कैरल

मेरे कोचिंग करियर में मुझे कई बार निकाला गया है। जब मेरे पेशे में आपको नौकरी से निकाला जाता है, तो खेल जगत का हर व्यक्ति इस बारे में जान जाता है। यह अख़बारों में छपता है। यह समाचारों में आता है। यह बड़ी ख़बर होती है। ऐसा नहीं है कि आपको नौकरी से निकाल दिया जाता है और आपको घर जाकर बस अपनी पत्नी से निबटना होता है। आपको हर दूसरे व्यक्ति से निबटना होता है। यह एक ज़बर्दस्त चुनौती है। लेकिन ठीक है, यह हो गया, और इसमें ऐसा कुछ होना चाहिए, जो मुझे राह में आगे बेहतर तथा ज़्यादा मज़बूत बनने में मदद करेगा। यहीं

पर मुझे यह दैवी आभास हुआ कि हालाँकि मैंने लंबे समय तक काम किया था, लेकिन मैं पर्याप्त गहराई तक नहीं गया था और उस चीज़ के संपर्क में नहीं आया था, जो मेरे लिए महत्त्वपूर्ण थी, ताकि मैं इसे अपने अगले प्रोग्राम में बाहर ला सकूँ। मेरे सितारे गर्दिश में थे और मैं नहीं जानता था कि क्या मुझे एक और मौक़ा मिलेगा, लेकिन अगर मिले तो मैं उसके लिए तैयार था। यूएससी जाने का अवसर बन गया और हम इस स्वप्न से प्रेरित हुए कि हम चीज़ों को पहले से बेहतर करने वाले हैं।

मैस्टिन किप

जब चीज़ें गड़बड़ हो जाती हैं और हमारी जड़ें उखाड़ दी जाती हैं, तब ऐसा लगता है जैसे जीवन हमारे ख़िलाफ़ हो गया है या जीवन कठोर हो गया है। लेकिन यदि ये पल दैवी तूफ़ान का रूप हों, तो क्या हो? और क्या हो, अगर चीज़ें आपको सज़ा देने के लिए गड़बड़ न हो रही हों, बल्कि उन्हें इसलिए हटाया जा रहा हो, क्योंकि वे आपकी सबसे बड़ी क्षमता और आपके आध्यात्मिक मार्ग की पूर्ति नहीं करती हों? क्या हो, यदि जड़ें आपके सर्वश्रेष्ठ हितों के लिए उखाड़ी जा रही हों? क्या हो, अगर आपका सबसे बुरा सप्ताह या आपका सबसे बुरा दिन दैवी रूप से भेजा गया हो और दरअसल आपका सबसे महान दिन हो?

एनेस्टाज़िया सोर भौंहों की प्रोडक्ट रेंज बाज़ार में उतारने ही वाली थीं, तभी उनके प्रमुख निवेशक ने हाथ खींच लिए। अचानक एनेस्टाज़िया के सामने अपने प्रोडक्ट से भरे वेयरहाउस का प्रचार करने, बेचने और वितरित करने के लिए 20 लाख डॉलर की ज़रूरत आन पड़ी। उनके पास बस सात दिन थे, जिसमें वे या तो पैसा खोज सकती थीं या फिर अपने सपने को छोड़ सकती थीं। छोड़ने के बजाय एनेस्टाज़िया ने ख़ुद को मार्केटिंग, बिक्री और वितरण के कारोबार के बारे में हर चीज़ सिखाई। उनकी चतुराई और लगन के चलते एनेस्टाज़िया के भौंहों के प्रोडक्ट वेयरहाउस से निकले और अमेरिका तथा संसार भर में ज़बर्दस्त तरीक़े से सफल हो गए।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मैंने 2004 में माइंड कैंडी नामक खेल कपंनी शुरू की और हमने जो पहला गेम

बनाया, वह बहुत रचनात्मक था, लेकिन वाणिज्यिक दृष्टि से यह तबाही था। मोशी मॉन्सटर्स हमारा आख़िरी दाँव और बढ़िया विडियो गेम बनाने का आख़िरी मौक़ा था। हमने इसे बनाया, लेकिन यह हमारा सारा पैसा खा गया, इसलिए 2008 के अंत में हमारे पास नक़दी ख़त्म हो गई। मेरे दिल की आवाज़ चीख़-चीख़कर मुझसे कह रही थी कि इसमें कुछ जादू था और इस प्रोडक्ट में सचमुच कुछ ख़ास था, लेकिन हमें निवेश करने वाला एक भी इंसान नहीं मिला। वह दौर सबसे बड़ी बाधा और सबसे ज़्यादा कुंठाजनक समय था, क्योंकि मेरे पास लोगों की एक टीम थी, जिन्हें मुझे वेतन देना था। हम ख़ुद को दिवालिया घोषित करने और कारोबार बंद करने की कगार पर खड़े थे। उन सारी लंबी अँधियारी रातों में मैं सुबह 4 बजे जागकर इधर-उधर करवटें बदलता रहता था और यह नहीं जानता था कि इन भयंकर समस्याओं को कैसे सुलझाऊँ। सौभाग्य से मुझे एक मददगार निवेशक मिल गया, जिसने थोड़ा पैसा लगाया और क्रिसमस के ठीक पहले हमारे पास पर्याप्त पैसा आ गया था कि हम स्टाफ़ को तनख़्वाह दे सकें और कार्यस्थल की बत्तियाँ चालू रख सकें। अगले ही महीने हमने अपनी सदस्यता सेवा शुरू कर दी और हम तभी से मुनाफ़े में चल रहे हैं।

पॉल ऑरफ़ेलिया

एक चीनी कहावत है: “संकट अवसर है।” यह सच है कि हर असफलता में एक नए अवसर के बीज छिपे होते हैं।

द सीक्रेट फ़िल्म के लिए मेरा सपना था कि यह संसार के हर देश में एक साथ रिलीज़ हो। मैंने ख़ुद को विश्वास दिलाया था कि ऐसा करने का एकमात्र तरीक़ा यह था कि पूरे संसार के बहुत सारे टेलिविज़न नेटवर्क इसे 24 घंटे की अवधि के भीतर प्रसारित करें। जब द सीक्रेट का विचार पहले-पहल पैदा हुआ, तो शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय टेलिविज़न नेटवर्कों ने इस प्रोजेक्ट में वास्तविक रुचि दिखाई थी। बहरहाल, एक बार जब फ़िल्म पूरी हो गई, तो इसे देखे बिना ही अंतरराष्ट्रीय नेटवर्कों ने एक-एक करके अपने हाथ खींच लिए। हमने फ़िल्म पूरी कर ली थी, मुझ पर 30 लाख डॉलर का कर्ज़ था और हमारे पास संसार में अपनी फ़िल्म रिलीज़ करने का कोई उपाय नहीं दिख रहा था।

फिर हमने एक कंपनी के बारे में सुना, जिसने इंटरनेट पर विज्ञापन देने की नई टेक्नोलॉजी ईजाद की थी। हमारी फ़िल्म को रिलीज़ करने की एक नई संभावना प्रकट हो गई थी! हमारी टीम ने कंपनी के साथ जी-तोड़ मेहनत की, ताकि टेक्नोलॉजी का विस्तार करके उसे फ़ुल लेंथ फ़िल्म के हिसाब से ढाला जाए। द सीक्रेट इंटरनेट पर लाइव स्ट्रीमिंग के ज़रिये रिलीज़ हुई – यह पहली फ़िल्म थी, जिसे इस तरह देखा गया। टेक्नोलॉजी ने द सीक्रेट को पूरे संसार में 24 घंटे की अवधि के भीतर देखे जाने की अनुमति दी, जैसा मैंने

सपना देखा था।

> “हार मान लेने से बेहतर है भूखे मरने का जोख़िम लेना। अगर आप अपने सपनों को छोड़ देते हैं, तो फिर बचता ही क्या है?”

जिम कैरी
अभिनेता

सच तो यह है कि हालाँकि सबसे कठिन परीक्षा डरावनी नज़र आ सकती है, लेकिन जब आप इसका सामना करते हैं, तो शायद आपको यह एहसास भी नहीं होगा कि यह सबसे कठिन परीक्षा है। जब आप इस आख़िरी चुनौती तक पहुँचते हैं, तो आप इसके लिए अच्छी तरह तैयार होते हैं। इतनी दूर तक आने का मतलब यह है कि आप अपने भीतर की शक्तिशाली योग्यताओं को पहले ही जाग्रत कर चुके हैं और आपके पास हर वह चीज़ है, जिसकी ज़रूरत आपको सबसे कठिन परीक्षा का सामना करने और उस पर विजय पाने के लिए है।

खंड चार
विजय

पुरस्कार

आपने चैंपियनशिप जीतने वाली खेल टीमों और स्वर्ण पदक जीतने तथा विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले खिलाड़ियों की ज़बरदस्त ख़ुशी देखी होगी। उनकी ऊर्जा इतनी शक्तिशाली होती है कि यह आप तक पहुँच जाती है; आप उल्लास से भर जाते हैं और यहाँ तक कि आपके आँसू भी निकल पड़ते हैं। बहरहाल, उन्हें देखने के दौरान हमारी भावनाएँ उन भावनाओं की तुलना में कुछ भी नहीं होतीं, जो खिलाड़ी विजय के अपने पल में महसूस करता है। क्योंकि यात्रा का हर क़दम उठाने के बाद, सारी चुनौतियों से लगातार जूझने और सारी बाधाओं से उबरने के बाद ही आप यह जान सकते हैं कि सफलता के पल के अंतिम पुरस्कार का अनुभव करना दरअसल कैसा लगता है।

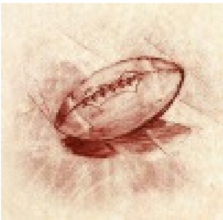

पीट कैरल

यह 2005 में ओक्लाहोमा मैच के पहले वाली रात थी। मैं अपनी टीम से बात कर रहा था। यहाँ हम अपराजित सीज़न में खेल रहे थे, टीम के रूप में अपराजित थे और कॉलेज फ़ुटबॉल के इतिहास में सबसे बड़ा मैच खेलने जा रहे थे। उस रात की मीटिंग में क्या कहना सार्थक होता? मैंने अंदर जाकर उनसे कहा कि हमने ठीक वही किया था, जो करने का हमने फ़ैसला किया था। हम इसे इतना बेहतर करना चाहते थे, जितना पहले कभी नहीं किया गया था और हमने लगातार बहुत सारे मैच जीते थे और अब हम वह सबसे बड़ा मैच खेल रहे थे, जो हम खेल सकते थे। हमने सपना देखा था, हमने इस पर काम किया था, जब तक कि हमने इसे गढ़ नहीं दिया और सामने वाली टीम हमें किसी तरह नहीं हरा सकती थी। लेकिन यह सबक़ नही था; हमारे लिए सबक़ तो यह था कि एक दिशा तय करने और एक सपना गढ़ने के बाद आप ठीक वही हासिल कर सकते हैं, जो आप करना चाहते हैं। और हम बाहर गए और उस मैच को सचमुच भारी अंतर से जीत लिया।

पीटर बरवॉश

मेरा जीवन सबसे अद्भुत संभव जीवनों में से एक रहा है। आज हम शुरू हुई सत्रह मूल कंपनियों में से अकेले बचे हैं। टेनिस को 134 देशों तक ले जाने का सपना पूरा हो गया।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मेरे करियर में सबसे रोमांचक बिंदुओं में से एक 2009 की शुरुआत में आया, जब हमने अपनी सदस्यता सेवा शुरू की। हमने मुफ़्त में जो प्रोडक्ट बनाया था, उसके लिए अब हम बच्चों के माता-पिता से हर महीने लगभग 5 पाउण्ड चुकाने को कह रहे थे। हमारी बहुत छोटी टीम एक कंप्यूटर के आस-पास भीड़ लगाकर खड़ी थी, जब हमने सदस्यता के प्रस्ताव को ऑनलाइन जारी किया और हम वहाँ बैठकर स्क्रीन को देखते रहे। पाँच मिनट के भीतर हमें अपना पहला ऑर्डर मिल गया और हमने पहले 5 पाउण्ड कमा लिए। हम एक दूसरे को गले लगा रहे थे और कूद रहे थे। इससे पहले कि हमें शांत होने का मौक़ा मिले, हमें दूसरा ऑर्डर मिल गया और फिर तीसरा और फिर चौथा। हम बहुत ज़्यादा ख़ुश थे कि अभिभावक इस प्रोडक्ट के लिए पैसे देने को तैयार थे, जिसमें हमने अपना हृदय, आत्मा और ऊर्जा लगा दी थी। यह बहुत असाधारण भावना थी।

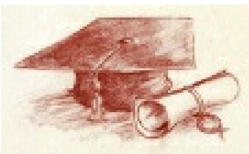

लिज़ मरे

मेरे लिए वह पल बहुत सुंदर था, जब मैं हार्वर्ड गई और मेरे पास स्कॉलरशिप थी तथा मुझे शुरुआती श्रोताओं से बोलने का अवसर मिला। मैं अपने मित्रों से कहा करती थी, “जो हो रहा है, वह सब किसी फ़िल्म जैसा महसूस होता है। यह किसी पुस्तक जैसा महसूस होता है।” और फिर उन्होंने मेरी जीवन-यात्रा पर एक फ़िल्म बनाई और इसके बाद मैंने एक पुस्तक लिखी। इससे मेरा यह विचार और भी पुख़्ता हो गया कि इस संसार में जादू होता है।

लेन बीचली

अपने करियर की ओर पीछे पलटकर देखने में समर्थ होना और यह कहना बेहद पुरस्कारदायक है, “मैंने यह कर दिया। मैं यक़ीन नहीं कर सकती कि मैंने यह कर दिया!” कई बार तो मुझे अब भी उस व्यक्ति से ख़ुद को जोड़ने में मुश्किल आती है, जिसने वे सारे विश्व ख़िताब जीते। लेकिन मैं इसके लिए बहुत कृतज्ञ हूँ; अपने सपने का अनुसरण करके दूसरे लोगों की ज़िंदगी बदलने का अवसर पाना बेहद संतुष्टिदायक है।

लेअर्ड हैमिल्टन

इतने बड़े सपने से शुरू करना और उसे हक़ीक़त में साकार करने से मेरा दिल ख़ुश हो जाता है। यह किसी परीकथा जैसा है। सारी चुनौतियाँ, सारी असफलताएँ, सारी दुर्घटनाएँ और चोटें तथा आहत हृदय – ये सभी बहुत कम क़ीमत थी। मैं एक पल भी नहीं बदलना चाहूँगा, अगर इससे वह जगह बदल जाए, जहाँ मैं आ गया हूँ।

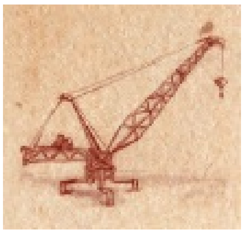

जी. एम. राव

जीवन ने मुझे इतना दिया है, जितना मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। अगर मैंने अपने सपने का अनुसरण नहीं किया होता, तो मेरा जीवन बहुत साधारण होता।

एनेस्टाज़िया सोर

मेरा जीवन सर्वश्रेष्ठ है – किसी फ़िल्म जैसा। मैं वही करती हूँ, जिससे मैं प्रेम करती हूँ। आप कितने सौभाग्यशाली होते हैं, जब आप वह कर पाते हैं, जिससे आप प्रेम करते हैं? मैंने यात्रा का आनंद लिया और मैं अब भी हर दिन आनंद लेती हूँ, जैसे यह एक नया दिन हो। जीवन के अंत में कोई अफ़सोस न होना एक सर्वश्रेष्ट भावना है।

आपके सपने की सफलता का अंतिम पुरस्कार यात्रा के अंत की नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत की निशानी है। अचानक, आर्थिक पुरस्कार और विस्तार करने या अपने सपने पर आगे निर्माण करने के असंख्य अवसर आपके जीवन में बाढ़ की तरह आएँगे। पैसा, अवसर और सफलता अपने साथ स्वतंत्रता का एक सुखद एहसास लाते हैं, लेकिन उनकी तुलना किसी काम को करने की ख़ुशी और संतुष्टि की अनुभूति से नहीं की जा सकती – कि शून्य से आपने कुछ बना दिया है।

पॉल ऑरफ़ेलिया

हर सुबह मैं स्वयं से यह पूछकर शुरूआत करता हूँ कि मैं इस ख़ास दिन क्या करना चाहता हूँ। यही स्वतंत्रता है।

मैस्टिन किप

मेरे पास यात्रा करने और अपने जीवन को चाहे जैसा बनाने तथा गढ़ने की स्वतंत्रता है। मैं पूरी तरह से स्थान-स्वतंत्र हूँ, इसलिए मैं अपना कारोबार बाली, माउई, भारत, दक्षिण अफ़्रीका, न्यू यॉर्क – कहीं से भी चला सकता हूँ। स्वतंत्रता बहुत शानदार होती है; भले ही मैं यात्रा कर रहा हूँ, लेकिन मैं अब भी दौलत बनाने और कारोबार चलाने में समर्थ हूँ। यह बहुत रोमांचक है। और सबसे कमाल की

बात यह है कि मैं जब चाहूँ, तब जाग सकता हूँ। मैं स्कूल जाने के लिए सुबह उठने से नफ़रत करता था; यह सबसे बुरा था।

एनेस्टाज़िया सोर

सपना जितना ज़्यादा बड़ा होता है, ज़ाहिर है, पैसा भी उतना ही ज़्यादा होता है। किसी भी सपने का वित्तीय पुरस्कार तो होता ही है।

जब सफलता आती है, तो संभवत: आप ख़ुद को किसी ऐसी जगह खड़ा पाएँगे, जहाँ अपने जीवन में शायद पहली बार आप वे चीज़ें ख़रीद सकते हैं जिन्हें आप हमेशा ख़रीदना चाहते थे, आप ऐसी जगहों पर यात्रा कर सकते हैं, जहाँ आप हमेशा जाना चाहते थे और आप ऐसी चीज़ें कर सकते हैं, जो आप हमेशा से करना चाहते थे। इसके साथ ही आपके पास अपने परिवार के सदस्यों और मित्रों के साथ अपनी सफलता बाँटने का अविश्वसनीय अवसर भी होता है, ताकि उनका जीवन भी बेहतर बन सके।

मैस्टिन किप

दो चीज़ें हैं, जो बेहद पुरस्कारदायक रही हैं – वापस लौटाने में समर्थ होना और दूसरे लोगों की मदद करने के लिए संसाधनों का होना। आख़िरकार मैं उस स्तर पर दूसरों को देने में समर्थ बन गया हूँ, जिस पर मैं हमेशा से देना चाहता था।

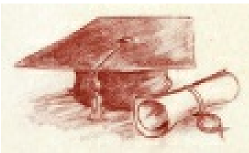

लिज़ मरे

जब मैं बेघर थी, तब मैं जिन लोगों के साथ संघर्ष कर रही थी, वे आज तक मेरा परिवार हैं। उन लोगों को मैं अब सोलह-सत्रह सालों से जानती हूँ। और जब मेरे पास थोड़ा पैसा आया, तो मैं बहुत रोमांचित हो गई, क्योंकि मैं हम सभी के लिए कुछ कर सकती थी। हमने अपनी आवश्यकताओं से शरुआत की: हम सभी डेंटिस्ट के पास गए। मेरे दो दोस्तों को किराए के अपार्टमेंट की ज़रूरत थी; हमने

किराए की ज़िम्मेदारी सँभाल ली। मेरे मित्र के डैडी को कैंसर हो गया था और उन्हें ऑपरेशन की ज़रूरत थी; हम उनका ऑपरेशन कराने में समर्थ थे। मैं अब एक घर में रह सकती थी। मैं जिन लोगों से प्रेम करती थी, उनकी देखभाल करने, कुछ योगदान देने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में समर्थ होने से मुझे ज़बर्दस्त ख़शी मिली। यह मेरे जीवन के सबसे पुरस्कारदायक अनुभवों में से एक है।

मैं बहुत साधारण परिवार में पैदा हुई और हालाँकि हमारे पास ज़्यादा पैसा नहीं था, लेकिन हमारे पास प्यार था। मैं बहुत सौभाग्यशाली थी, जो सुरक्षा के माहौल में पली-बढ़ी, जहाँ मैं अपने परिवार के प्रेम से घिरी थी। मेरे माता-पिता ने ज़िंदगी भर सचमुच कड़ी मेहनत की, लेकिन उनके पास कभी ज़्यादा पैसा नहीं रहा। जब मेरे पिता की मृत्यु हुई, तो मेरी माँ न सिर्फ़ ज़िंदगी भर के प्रेम से वंचित रह गईं, बल्कि उनके पास पैसा भी बहुत कम बचा था और उनके पास कोई आमदनी नहीं थी। मेरे पिताजी द सीक्रेट की सफलता से पहले ही गुज़र गए थे, इसलिए वे कभी उस सपने को साकार होते नहीं देख पाए। लेकिन मेरी माँ ने देखा। उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी जैसे-तैसे गुज़ारा कर बिताई थी, लेकिन द सीक्रेट के बाद यह सब बदल गया।

मुझे एक ख़ास दिन याद है, जब मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए। उन्होंने एक स्टोर में जाकर ख़ुद के लिए कई कपड़े ख़रीदे थे। वे आँसुओं में इसलिए थीं, क्योंकि जीवन में पहली बार उन्होंने भाव पूछे बिना कपड़े ख़रीदे थे।

अगर आप इतने ख़ुशक़िस्मत हैं कि आपके पास कोई अभिभावक है, जिसने आपके विकास और कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित किया है, तो आप समझ जाएँगे कि मुझे उस दिन कैसा महसूस हुआ होगा। मैं अपनी माँ को चाहे जितना दे दूँ, वह उसकी बराबरी नहीं कर सकता, जो उन्होंने मेरे जीवन में मुझे दिया है।

पीटर फ़ोयो

कुछ लोग कहते हैं, “आप अब भी काम क्यों करते हैं?” इस पर मैं कहता हूँ, “क्योंकि मैं फ़र्क़ पैदा कर रहा हूँ और मैं जब तक यहाँ हूँ, ऐसा करना पसंद करूंगा।”

ख़ुशी के लिए काम करना

अपने सपने को साकार करने और इसे जीने से बेहतर भावना संसार में दूसरी नहीं है। विशुद्ध आनंद की ख़ातिर काम करना, सोमवार को जागना और सचमुच रोमांचित होना; आप जो करते हैं, उससे इतना ज़्यादा प्यार करना कि लंबी छुट्टी

का विचार उबाऊ लगने लगे – यही जीवन है!

पीटर बरवॉश

1970 के दशक के अंत में और 1980 के दशक की शुरुआत में मैं हवाई में रहता था। सुबह छह बजे मैं लिफ़्ट में होता था, साढ़े छह बजे टेनिस कोचिंग रहती थी और मैं चारों तरफ़ देखते हुए सोचता था, "इन बेचारे लोगों को सुबह इतनी जल्दी काम पर जाना होता है।" मुझे दरअसल कभी लगा ही नहीं कि मैं नौकरी पर गया हूँ या मैंने ज़रा भी काम किया है।

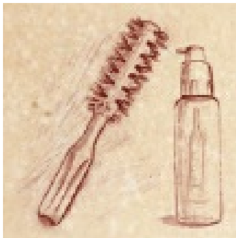

जान पॉल डिजोरिया

मैं जो करता हूँ, उससे प्यार करता हूँ। मैं अपने ऑफ़िस जाने की राह देखता हूँ। मैं जिन लोगों के साथ काम करता हूँ, उनसे मिलने का राह देखता हूँ। मैंने जीने का यह तरीक़ा चुना है और यह अच्छा है।

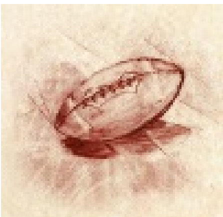

पीट कैरल

मैं जो कर रहा हूँ, उसे करना पसंद करूँगा, चाहे मुझे उसके लिए पैसे मिलें या नहीं। यह रोचक है कि ज़्यादातर खिलाड़ी यही बात कहते हैं। यह अच्छी बात है कि हम पेशेवर हैं और हमें यह करने के लिए अच्छे पैसे मिलते हैं, लेकिन हम यह चीज़ पैसों के बिना भी करते। आप सौभाग्यशाली हैं कि आप जो करते हैं, उसके बारे में ऐसा महसूस करने का अवसर मिल रहा है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

बहुत सारे लोग कहते हैं, “अगर मैंने पैसे बना लिए, अगर मैं कारोबार में सफल हो गया, तो मैं तीस साल की उम्र में रिटायर हो जाऊँगा।” लेकिन ऐसा बहुत कम होता है, क्योंकि जिन लोगों में वह जोश, वह बड़ा सपना और किसी अद्‌भुत चीज़ को बनाने की भविष्यदृष्टि होती है, वे उस तरह के लोग नहीं होते, जो बस रिटायर होना चाहें।

द सीक्रेट फ़िल्म बेचने के लिए मेरे सामने बहुत सी धनराशि का प्रस्ताव रखा गया और उस वक़्त मैं भारी कर्ज़ में थी तथा मुझे इसे पूरे संसार में एक साथ रिलीज़ करने का कोई तरीक़ा नहीं दिख रहा था। लेकिन अपना सपना बेचने की बात सोचना भी मुझे गवारा नहीं था। यह मेरी सबसे बड़ी ख़ुशी और जीने के कारण को बेचने जैसा होता, जिसे कितनी भी दौलत नहीं ख़रीद सकती थी।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

मुझे यह व्यवसाय बहुत बड़ी धनराशियों – सैकड़ों मिलियन डॉलरों – में बेचने के कई प्रस्ताव मिले, लेकिन मैं पश्चिम की ओर जाकर नाव में बैठकर कॉकटेल नहीं पीना चाहता था। मैं जो करता हूँ, उससे प्रेम करता हूँ। मैं चीज़ें बनाना और गढ़ना जारी रखना चाहता हूँ तथा असाधारण लोगों के साथ काम करते रहना चाहता हूँ। यही चीज़ मुझे सुबह बिस्तर से बाहर निकालती है।

किसी सपने को हासिल करने के पुरस्कारों का अनुभव करना आनंददायक है और अपने सपने को साकार करने वाला हर व्यक्ति इनमें से हर पुरस्कार का हक़दार है। बहुत संभव है कि आप भी अपनी सफलता को आगे जारी रखने के रोमांच तथा उत्साह से भरे होंगे। आप भी अपने सपने को और आगे तक ले जाना चाहते होंगे, क्योंकि अब आप जान गए हैं कि आपके भीतर ही वे सारे गुण और योग्यताएँ हैं, जिनसे आप कुछ भी, कोई भी सोची गई चीज़ हासिल कर सकते हैं। लेकिन यह आपकी कहानी का अंत नहीं है। यह इस यात्रा का अंत नहीं है। एक और अत्यावश्यक क़दम है, जो हीरो की यात्रा पूरी करने के लिए आपको उठाना होगा और यही वह आख़िरी क़दम है, जो किसी इंसान को हीरो में बदलता है।

जीने लायक़ जीवन

पीटर बरवॉश

> हम अपने शरीर को संतुष्ट करने के लिए जो कर सकते हैं, उसकी सीमाएँ होती हैं। हम एक बार में भोजन की सीमित मात्रा ही खा सकते हैं। हम कितना पी सकते हैं, उसकी भी एक सीमा होती है। बहरहाल, दूसरों की सेवा करने की क्षमता असीमित होती है। जो लोग संसार में ख़ुश रहते हैं, वे वही लोग हैं, जो दूसरों की ख़ातिर चीज़ें कर रहे हैं।

हीरो की यात्रा में आपके साथ कुछ विराट घटित होता है। आप एक रूपांतरण से गुज़रते हैं और उस रूपांतरण से आप यात्रा में एक और क़दम उठाने के लिए प्रेरित होते हैं। यह आख़िरी क़दम है। इस आख़िरी क़दम को उठाकर आप सच्चे हीरो बन जाते हैं और हीरो की यात्रा पूरी हो जाती है।

आपमें अपना सपना साकार करने के लिए जोश की जो आग थी, वह करुणा की आग में रूपांतरित हो जाती है और एक तरह से आप उन लोगों की मदद करने के लिए घर लौट आते हैं, जो उतने ही सुविधाहीन हैं, जितने कि कभी आप थे। आप उनकी परेशानियाँ जानते हैं। आप उनकी निराशा की भावना जानते हैं, क्योंकि आपने उन सबका अनुभव किया था। और आपको अंतर्मन की गहराई से आवाज़ आती है कि आपने राह में जो कुछ भी हासिल किया है, उसके साथ आप जितने ज़्यादा लोगों की मदद कर सकते हों, उन्हें प्रेरित कर सकते हों, उतना करें; हर वह चीज़ करें, जो आप कर सकते हैं; जो भी संसाधन आपके पास हों, उनका इस्तेमाल करें।

मैस्टिन किप

दो स्थान होते हैं, जहाँ हीरो अटक जाता है। एक तो तब, जब रोमांचक यात्रा का बुलावा आता है, जिसमें हर हीरो उसे अस्वीकार करने के दौर से गुज़रता है। यह बात सब जानते हैं। जो बात लोगों को ज़्यादा मालूम नहीं है, वह है लौटने की अस्वीकृति। जब हीरो ने अपना पुरस्कार हासिल कर लिया है, लेकिन वह इतने आनंद तथा भारी ख़ुशी में होता है कि लौटना ही नहीं चाहता। मगर यात्रा तब तक पूरी नहीं होती, जब तक कि आप जीवन के उस अमृत को ग्रहण नहीं करते हैं और अपनी जन्मभूमि में लौटकर उसे दूसरों को बाँटते नहीं हैं। हीरो को जो चीज़ हीरो बनाती है, वह यह है कि यह कोई स्वार्थपूर्ण यात्रा नहीं है। हीरो ऐसा व्यक्ति है, जिसने अपने जीवन को ख़ुद से ज़्यादा बड़ी किसी चीज़ के आधार पर बनाया है।

"जब हम मूलत: ख़ुद के और आत्म-संरक्षण के बारे में सोचना छोड़ देते हैं, तब हम चेतना के सचमुच वीरतापूर्ण रूपांतरण से गुज़रते हैं।"

जोसेफ़ कैंपबेल
पौराणिक कथा विशेषज्ञ

आपने कितनी भी सफलताएँ, कितने भी पुरस्कार हासिल किए हों, जब आपसे ज़्यादा बड़ा कोई स्वप्न आपके दिल को जकड़ता है, तभी भीतर का हीरो प्रकट होता है। आप उसे बाँटने के लिए प्रेरित होते हैं, जिसे "जीवन का जादुई अमृत" कहा गया है – आपने यात्रा में जो हर चीज़ सीखी थी – ताकि आप अधिक से अधिक लोगों के जीवन में फ़र्क़ डाल सकें।

पीटर बरवॉश

लॉरेंस रॉकेफ़ेलर ने कहा था कि आप तब जान जाएँगे कि जीवन में आपने परिपक्वता हासिल कर ली है, जब आप समझ लेंगे हैं कि सबसे ऊँचा पद जो आप कभी हासिल करेंगे, वह तो सेवक का है; जो व्यक्ति इसे जान जाता है, उसी का जीवन सचमुच सफल होगा। और हर एक की सेवा करने में समर्थ बनने की कुंजी बहुत, बहुत विनम्र होना है। यह आपका सबसे मूल्यवान आभूषण है। यह जीवन में

आपकी चरम उपलब्धि है; यह सबसे महत्त्वपूर्ण सबक़ है।

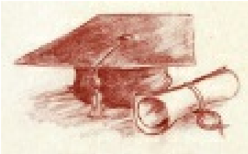

लिज़ मरे

जब मैं इस तरह से अपने जीवन का इस्तेमाल करती हूँ, जिससे किसी दूसरे इंसान का जीवन बेहतर बनता है, तो मैं बेहद जीवंत महसूस करती हूँ।

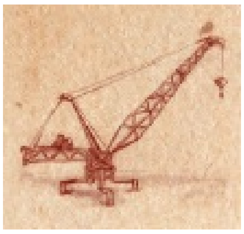

जी. एम. राव

आज मेरे पास जो भी है, वह सब समाज ने मुझे दिया है। मैं महसूस करता हूँ कि यह मेरी ज़िम्मेदारी है कि मैं कृतज्ञ होकर सामाजिक ज़िम्मेदारी के मूल्य को निभाऊँ।

जब आप हीरो की यात्रा पूरी कर लेते हैं, तो आप जानते हैं कि जिन लोगों ने आपकी मदद की थी, उनके समर्थन के बिना आप कभी अपने सपने को हासिल नहीं कर पाते। आपको जो मिला है, उसके प्रति सबसे गहरी कृतज्ञता और संघर्षरत लोगों के प्रति सबसे गहरी करुणा की वजह से आप ख़ुद को देने और दूसरों के जीवन में फ़र्क़ डालने से रोक नहीं सकते। आप करुणा की जो तपिश महसूस करते हैं, वह इतनी बड़ी होती है कि आप चाहे जो कर लें, आप चाहे जितना दे दें, आप उससे भी ज़्यादा देना चाहते हैं।

पीटर बरवॉश

मेरे लिए यह कितना महत्त्वपूर्ण है कि मैं योगदान दूँ और कोई ऐसी चीज़ करूँ, जो मायने रखती है? यह मेरे जीवन का अस्तित्व है। इसीलिए मैं सुबह उठता हूँ। यही है, जो मुझे रात को अपना सिर तकिए पर रखने और संतुष्टि का ज़बर्दस्त एहसास महसूस करने की अनुमति देता है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

अगर आपके पास बहुत सारी दौलत है और यह बैंक में पड़ी हुई कुछ नहीं कर रही है, तो यह संभावना की बर्बादी जैसा महसूस होता है। आपको इसे किन्हीं कामों में लगाना चाहिए। लोगों की मदद करना और उन्हें सहारा देना अच्छा महसूस होता है। उन्हें उनके सपने पूरे करते देखना और ज़्यादा ख़ुश ज़िंदगी जीते हुए देखने में अच्छा महसूस होता है।

पीटर फ़ोयो

जब मैं अपने ऑफ़िस में बैठता हूँ और अपनी टीम के एक व्यक्ति को देखता हूँ तथा उनके बच्चों को गलियारे में भागते-दौड़ते देखता हूँ, तो उस पल से ज़्यादा संतुष्टिदायक कुछ भी नहीं होता। यह देखना कि वह बच्चा ख़ुश है, स्वस्थ है, एक अच्छे स्कूल जा रहा है... यह जानना कि आप उस विचार के कारण किसी व्यक्ति की सीधे परवाह कर रहे हैं, जो आपके दिमाग़ में एक दिन आया था।

पॉल ऑरफ़ेलिया

मैं जी-तोड़ मेहनत से काम इसलिए नहीं कर रहा हूँ, ताकि मेरे बेटे एक शानदार बँगले में रह सकें। सब कुछ उन्हें पर्याप्त मिलने वाला है और इससे ज़्यादा नहीं। मेरा सब कुछ परोपकार में जाने वाला है और मैं मरने से पहले सारी चीज़ें दान कर दूँगा।

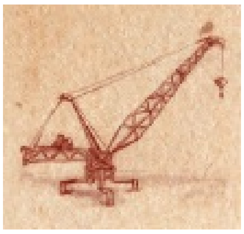

जी. एम. राव

मैं ख़ुशक़िस्मत हूँ कि सृष्टि ने मुझे समाज की सेवा करने का अवसर दिया। मैंने अपनी सारी शेयरहोल्डिंग उस फ़ाउंडेशन के नाम कर दी है, जिसे हम चलाते हैं।

हीरो की यात्रा में यह आख़िरी क़दम किसी परोपकारी संस्था के नाम पर चेक काटने के बारे में ही नहीं है। यह तो किसी ऐसे क्षेत्र में अपना समय, ऊर्जा और उत्साह देने का तरीक़ा खोजने के बारे में है, जो आपके हृदय को झंकृत करता हो। यह उन ख़ास लोगों को खोजने के बारे में है, जो इस समय उसी सुविधाहीन स्थिति में हों, जिसमें आप कभी थे, या उन लोगों को खोजने के बारे में, जिनके पास वह हासिल करने के संसाधनों का अभाव हो, जिसे आपने हासिल किया है। अपनी हासिल की गई सारी कुशलताओं और योग्यताओं के साथ आप दूसरे लोगों के जीवन को हर संभव तरीक़े से बेहतर बनाने चल पड़ते हैं और उन्हें अवसर प्रदान करते हैं, ताकि वे भी अपने सपनों का पीछा कर सकें।

एनेस्टाज़िया सोर

जब दक्षिण अफ़्रीका में ओपरा ने लड़कियों के लिए अपना स्कूल खोला, तो मैं भी वहाँ गई। मैंने उन्हें कभी इतना ख़ुश, इतना आनंदित नहीं देखा। उनकी ऊर्जा बेहद अविश्वसनीय थी, क्योंकि वे उन लड़कियों की ज़िंदगी बदल रही थीं। वापस लौटाना वह सबसे संतुष्टिदायक अनुभव है, जो आपको जीवन में मिल सकता है। दान देना सर्वश्रेष्ठ है।

सफल लोग जानते हैं कि सिर्फ़ पैसे देना ही लोगों की मदद करने का अंतिम जवाब नहीं है और जिन लोगों ने यात्रा पूरी कर ली है, वे यह सुनिश्चित करने में बहुत मेहनत करते हैं कि जहाँ वे अपना पैसा दे रहे हैं, वहाँ लोगों को ज़िंदगी बदलने के साधन और अवसर मुहैया कराए जाएँ।

जॉन पॉल डिजोरिया

अब मेरा सबसे बड़ा सपना किसी देश के पर्यावरण को दिमाग़ में रखते हुए उसे विकसित व समृद्ध बनाने में मदद करना है।

या तो लोग जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं वाले लोगों के जीवन-यापन की ख़ातिर पैसा देने का चुनाव करते हैं, जैसे साफ़ पानी। या फिर वे अपना पैसा लोगों को ऐसे साधन और अवसर प्रदान करने के लिए देते हैं, जिनकी उन्हें परिपूर्ण जीवन जीने के लिए ज़रूरत होती है। यह पुरानी कहावत के विचार जैसा है कि सिर्फ़ मछली ही न दें, बल्कि ऐसे साधन व योग्यताएँ प्रदान करें, ताकि लोग ख़ुद ही मछली पकड़ सकें। आप अपना पैसा, अपना समय और कोई दूसरी चीज़ जो आपके पास देने के लिए है, उन्हें कहाँ दें, यह तय करने के लिए इस कहावत के सिद्धांत से मार्गदर्शन लें।

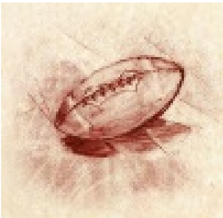

पीट कैरल

संसार में लाखों सार्थक उद्देश्य हैं और काश मैं उन सबको निभा सकता, लेकिनअ बेटर एलए (एक बेहतर लॉस एंजिलिस) ने हमें सचमुच प्रेरित किया, क्योंकि हम लॉस एंजिलिस में ही थे। यही वह जगह थी, जहाँ हम काम करते थे। हम एक बार में एक-एक व्यक्ति करके काम करते हैं। हम उनके मन में आशा जगाते हैं और यह एहसास दिलाते हैं कि अगर वे अपने लिए सपने बुन सकें, तो वे सचमुच अपने संसार को नियंत्रित और निर्देशित कर सकते हैं। सौभाग्य से, हम कुछ परिवारों और कुछ बच्चों को बचाने में महत्त्वपूर्ण घटक साबित हुए हैं। मैं इससे जुड़कर बहुत गर्व महसूस करता हूँ। मेरी इच्छा है कि काश मैं ज़्यादा दे सकता और ज़्यादा कर सकता।

प्रेरणा, प्रोत्साहन और आशा ऐसी चीज़ें भी हैं, जो आप हर दिन दूसरे लोगों को दे सकते हैं और ये चीज़ें अक्सर किसी को इतना फ़ायदा पहुँचाती हैं, जितना कि पैसे से नहीं पहुँचता।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

इस पल मुझे एक चीज़ से बहुत प्रेम है और वह है स्कूल के बच्चों को प्रेरित करना। हो सकता है, उन्हें यह भी न पता हो कि उद्यमिता का क्या मतलब है, लेकिन उनसे बात करके और उन्हें प्रेरित करके आप जानते हैं कि उनमें से कुछ अपने ख़ुद के व्यवसाय खड़े करेंगे और आगे चलकर पुरस्कारदायक, ख़ुशहाल जीवन जिएँगे।

जिस पल से द सीक्रेट कंपनी को अपनी आमदनी का पहला डॉलर मिला (इसके मुनाफ़ा कमाने के बहुत पहले) तभी से कंपनी ने संसार भर के ग़ैर-लाभकारी संगठनों को दान दिया है, जिनका कार्य लोगों को सशक्त करता है और संतुष्टिदायक जीवन जीने में उनकी मदद करता है।

पीटर बरवॉश

हमने एक वीलचेयर टेनिस प्रोग्राम शुरू किया, जो अब एक तरह से पूरे संसार में चल रहा है। हमने 38 वर्षों तक संसार के हर वीलचेयर खिलाड़ी को मुफ़्त टेनिस सबक़ दिए हैं। हम इस खेल के ज़रिये लोगों को बहुत-सी ख़ुशी देने में समर्थ रहे हैं।

आप हीरो की अपनी यात्रा में चाहे जहाँ हों या भले ही आपने अब तक इसे शुरू न किया हो, लेकिन आप यह कर सकते हैं। जब किसी को आपकी मदद की ज़रूरत हो, तो वह सब करें, जो भी आप उसकी मदद करने के लिए कर सकते हों। और एक महत्त्वपूर्ण दिशानिर्देश है, जिस पर आप अमल कर सकते हैं, ताकि आप यह जान लें कि कब मदद करनी है और कब नहीं करनी है: कोई ऐसी चीज़ न करें, जो वह व्यक्ति ख़ुद आसानी से कर सकता हो। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आप उसकी मदद नहीं करेंगे, बल्कि उसकी शक्ति कम कर देंगे। मदद करने और किसी को अशक्त बनाने के बीच एक महीन रेखा होती है, इसलिए ऐसे मायनों में मदद करें, जो वे अपनी ख़ातिर आसानी से नहीं कर सकते। उन्हें प्रेरित करें, उन्हें प्रोत्साहित करें, उनमें विश्वास भरें और उन्हें अवसर प्रदान करें, ताकि वे ख़ुद को अपनी वर्तमान स्थिति से बाहर निकाल सकें। जब आप यह करते हैं, तो आप उन्हें सशक्त बनाते हैं। हममें से कोई भी इससे ज़्यादा बड़ा काम नहीं कर सकता कि हम किसी दूसरे इंसान को उस चीज़ में सशक्त बनाएँ, जो उसे अपने जीवन को परिपूर्ण बनाने के लिए ज़रूरी हो।

मैस्टिन किप

चाहे कुछ भी हो, देने के अवसर असीमित होते हैं। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि आप मंदी में हैं; इसके बावजूद देने के प्रचुर अवसर हैं। और जब आप प्रचुरता से देते हैं, तभी दरअसल प्रचुरता आपकी ओर प्रवाहित होती है।

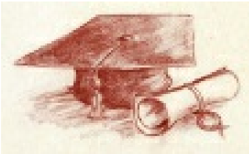

लिज़ मरे

कई बार लोगों को लगता है कि उन्हें एक पुस्तक लिखने या हज़ारों लोगों के सामने भाषण देने की ज़रूरत है। लेकिन आप बहुत छोटे-छोटे तरीक़ों से सेवा कर सकते हैं, जिनके मायने बहुत बड़े हो सकते हैं।

पीटर फ़ोयो

आप लोगों को अपना समय दे सकते हैं या फिर आप उन्हें अपने संसाधन दे सकते हैं। हम अपने अस्तित्व को सिर्फ़ तभी ज़्यादा समृद्ध कर सकते हैं, जब हम दूसरों की मदद करें।

"आप जो करते हैं, यदि उससे एक भी इंसान की मदद होती है, तो आपने कुछ अद्‌भुत कर दिया है।"

ब्लेक मायकॉस्की
टॉम्स शूज़ के संस्थापक

जॉन पॉल डिजोरिया

जब हम छह साल के थे, तो मेरी माँ मुझे और मेरे भाई को क्रिसमस के समय लॉस ऐंजिलिस के बाज़ार में ले गईं। जब हम वहाँ थे, तो उन्होंने हमें दस सेंट देकर कहा कि हम जाकर उस बाल्टी में पैसे डाल दें, जहाँ एक आदमी घंटी बजा रहा था। हमने ऐसा कर दिया और माँ से पूछा, "हमने उस आदमी को दस सेंट क्यों दिए?" उन दिनों हमारे पास बहुत कम पैसा था और आप दस सेंट में दो बड़े सोडा पॉप और शायद तीन कैंडी बार ख़रीद सकते थे। हमारी माँ ने कहा, "यह साल्वेशन आर्मी है। ये बेघर लोगों की मदद करते हैं। जब तक तुम ज़िंदा रहो, यह बात याद रखो लड़कों, कि चाहे हमारे पास कितना भी हो, हमेशा कोई न कोई होता है, जिसके पास हमसे कम होता है। हमेशा थोड़ी मदद करने की कोशिश करो।" इसने मुझमें देने के संस्कार डाल दिए, चाहे पास में कितना भी पैसा हो। मैं सोचता हूँ कि यह किसी के सफल होने का हिस्सा है। जिस सफलता को बाँटा नहीं जाता, वह दरअसल असफलता है।

जब आप किसी भी तरह से देते हैं, चाहे वह दान कितना ही बड़ा या छोटा हो, तो किसी दूसरे इंसान की मदद करने से आपको जो ख़ुशी मिलती है, वह हमेशा आपके साथ रहेगी। वास्तव में, आप जो ख़ुशी और आनंद महसूस करते हैं, वह इतना बड़ा होता है कि इससे आप हैरान हो सकते हैं कि कहीं आपके सपने का अनुसरण करने का आवाहन इसलिए तो नहीं किया गया था, ताकि आप हीरो की यात्रा के इस आख़िरी क़दम पर पहुँच सकें, जहाँ ख़ुद से ज़्यादा बड़ा सपना आप पर हावी हो जाए।

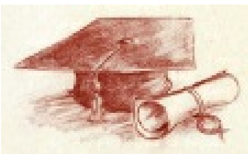

लिज़ मरे

जब आप लोगों से उनके सपनों के बारे में पूछते हैं, तो अंतिम निष्कर्ष हमेशा यही होता है, "क्योंकि मैं लोगों के जीवन को बेहतर बनाना चाहता हूँ।" यह एक ऐसी इच्छा है, जो हम सभी के भीतर होती है। मैं सोचती हूँ कि हम इसके साथ पैदा होते हैं और यह यहाँ रहने की हमारी तक़दीर को पूरा करने का हिस्सा है।

लेअर्ड हैमिल्टन

मैं बस यह पता लगाना चाहता हूँ कि कैसे अधिक से अधिक किया जाए और ज़्यादा बड़ा फ़र्क़ डाला जाए। मैं सोचता हूँ कि इस दिशा में आगे बढ़ने पर अंत में यह एहसास हो सकता है कि दूसरी चीज़ें प्राप्त करना मेरा उतना महत्त्वपूर्ण लक्ष्य नहीं था, जितना फ़र्क़ पैदा करना था।

आप में छिपा हीरो

हीरो की यात्रा का आख़िरी क़दम उठाने के बाद आप पूर्ण, पवित्र इंसान बन जाते हैं – एक सच्चे हीरो। इस पृथ्वी पर अपनी यात्रा शुरू करते वक़्त आपका मन और चेतना सीमित थी, लेकिन अब उसका रूपांतरण हो चुका है। जहाँ पहले जीवन की परिस्थितियों में कोई सुर-ताल या कारण नज़र नहीं आ रहा था, वहीं अब आप स्पष्टता से देख सकते हैं कि जीवन सटीक और समझ में आने वाले तरीक़ों से काम करता है। दूसरे लोगों के लिए आपकी करुणा के ज़रिये आपका मन सृष्टि के साथ एकाकार हो जाता है, जो सभी लोगों के लिए है। जब आपकी करुणा गहरी होती है, तो दुविधा, कष्ट और डर ग़ायब होने लगते हैं और उनकी जगह पर बुद्धि व ज्ञान आ जाता है, जो पुस्तकें पढ़ने और डिग्री हासिल करने से प्राप्त ज्ञान से परे होता है। आपको वह सब याद रहता है, जो आप हैं। आप देखते हैं कि पृथ्वी पर हम सभी एक परिवार का हिस्सा हैं और आप पूर्ण शांति तथा जीवन के प्रति अपार ख़ुशी से भर जाते हैं। यह आपकी कहानी है और यह आपकी नियति है।

मैं उस संभावना को जानती हूँ, जो आपके भीतर है। मैं उन साहसिक गुणों और शक्तियों को जानती हूँ, जो आपके भीतर हैं। यह आपकी कहानी है, लेकिन सिर्फ़ आप ही इसे जी सकते हैं। यह हीरो की आपकी यात्रा है, लेकिन सिर्फ़ आप ही इसे कर सकते हैं। आपके पास अब नक़्शा तथा कम्पास है और आपके साथ हम सभी हैं, रास्ते के हर क़दम पर।

पीटर फ़ोयो

आपका जीवन अधिक सुखद, अधिक संतुष्टिदायक हो सकता है। यह आपके भीतर है और बाहर निकाले जाने की राह देख रहा है; चाहे आप कहीं भी हों या कैसी भी परिस्थितियों में हों।

लेन बीचली

मुझे आप पर भरोसा है, लेकिन इसका तब तक कोई महत्व नहीं है, जब तक कि आपको ख़ुद पर भरोसा न हो। ख़ुद पर भरोसा करें और आप जीवन में अंतत: जो भी चाहते हों, उसे हासिल करने के लिए जो भी कर सकते हों, उसे कर दें।

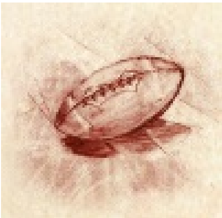

पीट कैरल

हर व्यक्ति में शक्ति होती है। अक्सर हम शक्ति को अपने आस-पास के उन लोगों के हवाले कर देते हैं जिनकी अपनी राय होती है, या हम देखने लगते हैं कि हम कहाँ से आए हैं या हमारी पृष्ठभूमि क्या है और हम ख़ुद को पर्याप्त श्रेय नहीं देते हैं कि हमारे पास अपनी मनचाही चीज़ का सृजन करने की शक्ति है। यह वह सबसे महत्वपूर्ण संदेश है, जो मैं किसी को भी दे सकता हूँ।

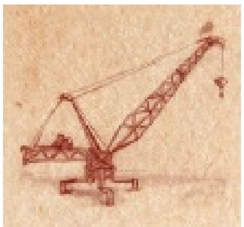

जी.एम. राव

अपने सपनों पर भरोसा करें और कभी हार न मानें। लगनशील रहें, विश्वास करते रहें और यह साकार हो जाएगा। हर यात्रा एक सपने से शुरू होती है और सपने में आपके पूर्ण विश्वास से रास्ता बन जाएगा।

जॉन पॉल डिजोरिया

सफल लोगों और असफल लोगों में बड़ा फ़र्क़ यह है कि सफल लोग किसी चीज़ की आशा नहीं करते। बस, जाइए और काम को कर दीजिए। अगर आप सफल नहीं होते हैं, तो तब तक कोशिश करते रहें, जब तक आप सफल न हो जाएँ। हर एक में यह शक्ति होती है – आपमें भी यह शक्ति है।

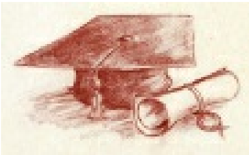

लिज़ मरे

हम इस जीवन का क्या करते हैं, यह अंतत: आपके रवैये पर निर्भर करता है। हम कौन हैं और हम यहाँ क्यों हैं, इस बारे में हम ख़ुद को जो कहानी बताते हैं, वही हमारे अनुभव की गुणवत्ता को तय करती है। अच्छी ख़बर यह है कि आप उस कहानी को किसी भी समय बदल सकते हैं, क्योंकि आप अपने जीवन के एकमात्र लेखक हैं और हमेशा रहेंगे।

पीटर फ़ोयो

मैं क्या कर सकता हूँ और मैं कितनी ज़ोर से चिल्ला सकता हूँ, ताकि हर कोई मेरी बात सुन ले कि आप एक हीरो हैं! हर इंसान एक हीरो है। आप ख़ुद अपनी दुनिया के हीरो हो सकते हैं।

हर उस क़दम के साथ जो आप उठाते हैं, हर चीज़ के साथ जो आप जीवन में हासिल करना चाहते हैं, हर सपने के साथ जो आप साकार करना चाहते हैं, आप शाश्वत ख़ुशी खोज रहे हैं। और आप इस शाश्वत ख़ुशी की खोज जारी रखेंगे, हर पहाड़ी और हर घाटी में, जब तक कि आख़िरकार हीरो की यात्रा के अंत में आपको पता नहीं चल जाएगा कि आप जिस शाश्वत ख़ुशी की तलाश कर रहे हैं, वह ख़ुशी यह खोज लेने में है कि आप वास्तव में कौन हैं।

यह इस पृथ्वी पर हममें से प्रत्येक के लिए हीरो की यात्रा की समाप्ति है। सिर्फ़ आप ही खोज की सबसे बड़ी यात्रा कर सकते हैं। सिर्फ़ आप ही इस बारे में सच्चाई का पता लगा सकते हैं कि आप सचमुच कौन हैं। सिर्फ़ आप ही अपने भीतर के हीरो को खोज सकते हैं। उस समय तक, आपके जीवन के हर दिन, युगों-युगों तक, आपके भीतर का हीरो आपका आवाहन करता रहेगा।

हीरो में ये सभी शामिल हैं

इस पुस्तक से प्राप्त आमदनी से द सीक्रेट कंपनी हीरो में योगदान देने वाले निम्न फ़ाउंडेशनों और परोपकारी संस्थाओं को सहयोग देकर सम्मानित महसूस करती है।

माइकल ऐक्टन स्मिथ

www.mindcandy.com

माइकल ऐक्टन स्मिथ माइंड कैंडी के सीईओ और सृजनात्मक संचालक हैं। बच्चों की इस मनोरंजन कंपनी ने विश्व में बेहद लोकप्रिय मॉशी मॉन्स्टर्स खेल ईजाद किया। मॉशी मॉन्स्टर्स एक ऑनलाइन खेल है, लेकिन इसमें खिलौने, ट्रेडिंग कार्ड, पत्रिकाएँ, एक पुस्तक और एक फ़िल्म भी शामिल है। माइंड कैंडी का नेतृत्व करते हुए माइकल यह

सपना देखते हैं कि वे डिजिटल पीढ़ी के लिए संसार की महानतम मनोरंजन कंपनी बनाएँ।

द मॉशी फ़ाउंडेशन

www.themoshifoundation.com

माइकल ने द मॉशी फ़ाउंडेशन की स्थापना इस उद्देश्य से की, ताकि संसार के बच्चों और किशोरों की मदद करने के लिए अनुदान देने वाला संगठन खड़ा हो सके। शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण को समर्थन देने के लिए आज तक अनुदान दिए जा रहे हैं, ताकि बच्चों को वित्तीय मुश्किलों से उबारा जाए और विशेष आवश्यकताओं तथा अपंगताओं वाले बच्चों की शिक्षा व चिकित्सा में मदद की जा सके।

लेन बीचली

www.laynebeachley.com

लेन बीचली इतिहास की सबसे सफल महिला सर्फ़र हैं और सात बार विश्व ख़िताब की रिकॉर्ड विजेता रह चुकी हैं। वे वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय सर्फ़िंग असोसिएशन की वाइस-प्रेज़िडेंट हैं और सर्फ़िंग ऑस्ट्रेलिया तथा द स्पोर्ट ऑस्ट्रेलिया हॉल ऑफ़ फ़ेम के बोर्ड में शामिल हैं। लेन हर दिन सर्फ़िंग करती हैं, कभी-कभार मास्टर्स इवेन्ट्स में प्रतिस्पर्धा करती हैं और एक प्रेरक वक्ता हैं।

लेन बीचली एम फ़ॉर द स्टार्स फ़ाउंडेशन

www.aimforthestars.com.au

लेन ने लेन बीचली एम फ़ॉर द स्टार्स फ़ाउंडेशन इस लक्ष्य से स्थापित किया, ताकि वे युवा महिलाओं और लड़कियों को वित्तीय समर्थन व प्रोत्साहन दें, जिससे उन्हें उनके सपने हासिल करने में मदद मिले। यह योजना खेल, शिक्षा, समुदाय व सांस्कृतिक क्षेत्रों में पूरे ऑस्ट्रेलिया की समर्पित महिलाओं के लिए उपलब्ध है। लेन का लक्ष्य महानता हासिल करने की खोज में इन युवा महिलाओं और लड़कियों की मदद करना है।

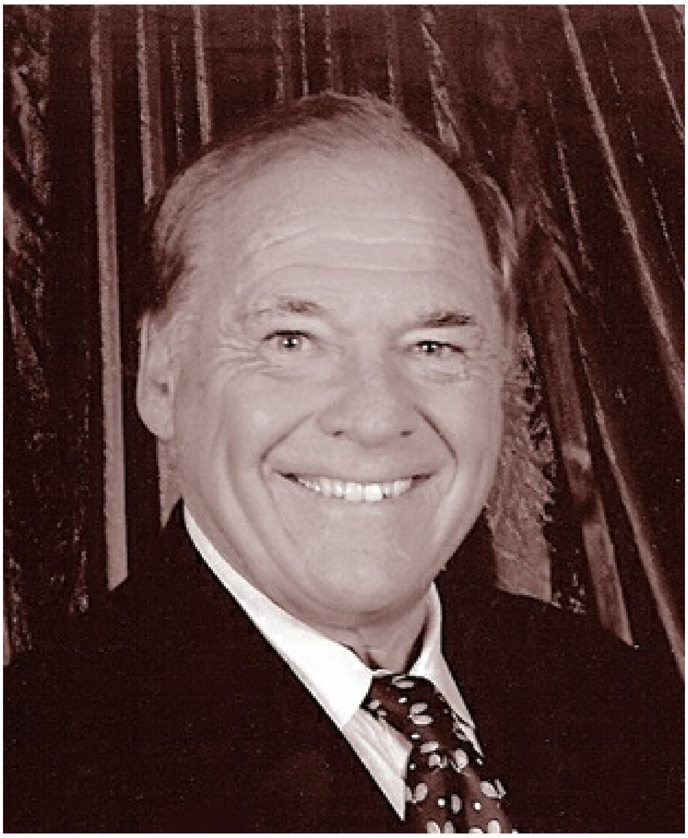

पीटर बरवॉश

www.peterburwash.com

पीटर बरवॉश पूर्व पेशेवर टेनिस खिलाड़ी और अब तक के सबसे सम्मानित टेनिस प्रशिक्षकों में से एक हैं। पीटर विश्व की सबसे बड़ी टेनिस मैनेजमेंट कंपनी पीटर बरवॉश इंटरनैशनल के संस्थापक और प्रेज़िडेंट हैं, जो संसार भर के 32 देशों में शीर्ष-स्तरीय टेनिस कोचिंग और व्यक्तिगत कार्यक्रम संचालित कर रही है। पीटर एक बेस्टसेलिंग लेखक और लोकप्रिय प्रेरक वक्ता भी हैं।

केयर फ़ॉर वृंदावन

www.fflvrindavan.org

अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के फलस्वरूप पीटर केयर फ़ॉर वृंदावन नाम के संगठन का समर्थन करने लगे हैं। यह अमेरिका स्थित परोपकारी संस्था भारत के ग़रीब वृंदावन क्षेत्र के लिए चंदा इकट्ठा करती है। स्थानीय समुदायों को बुनियादी ज़रूरतों का सामान प्रदान किया जाता है और उन्हें भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बनाया जाता है। यह परोपकारी संस्था विशेष रूप से हज़ारों उपेक्षित भारतीय लड़कियों की शिक्षा के लिए पैसे देती है, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें।

पीट कैरल

www.petecarroll.com

पीट कैरल अमेरिकी फ़ुटबॉल कोच और दो राष्ट्रीय चैंपियनशिपों के विजेता हैं। साथ ही उन्होंने बहुत से संभागीय ख़िताब भी जीते हैं। पीट वर्तमान में सिऐटल सीहॉक्स के मुख्य कोच और एग्ज़ेक्यूटिव वाइस प्रेज़िडेंट हैं, जहाँ उन्हें हाल ही में वर्ष के एनएफ़सी कोच के पुरस्कार से नवाज़ा गया।

अ बेटर एलए और अ बेटर सिऐटल

www.abetterla.org

www.abetterseattle.com

पीट अपने परोपकारी कार्य के लिए विख्यात हैं, ख़ास तौर पर लॉस ऐंजिलिस और

सिऐटल में गैंग व युवा हिंसा को रोकने के प्रयासों के लिए। पीट ने **अ बेटर एलए** और **अ बेटर सिऐटल** की स्थापना की, जिनका लक्ष्य लोगों को अधिक सुरक्षित और अधिक मज़बूत समाज प्रदान करने में सशक्त बनाना था। ये संगठन सामाजिक संगठनों के साथ साझेदारी करते हैं, ताकि परिवारों और युवाओं को संसाधन, मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया जाए, जिससे वे समृद्ध हो सकें।

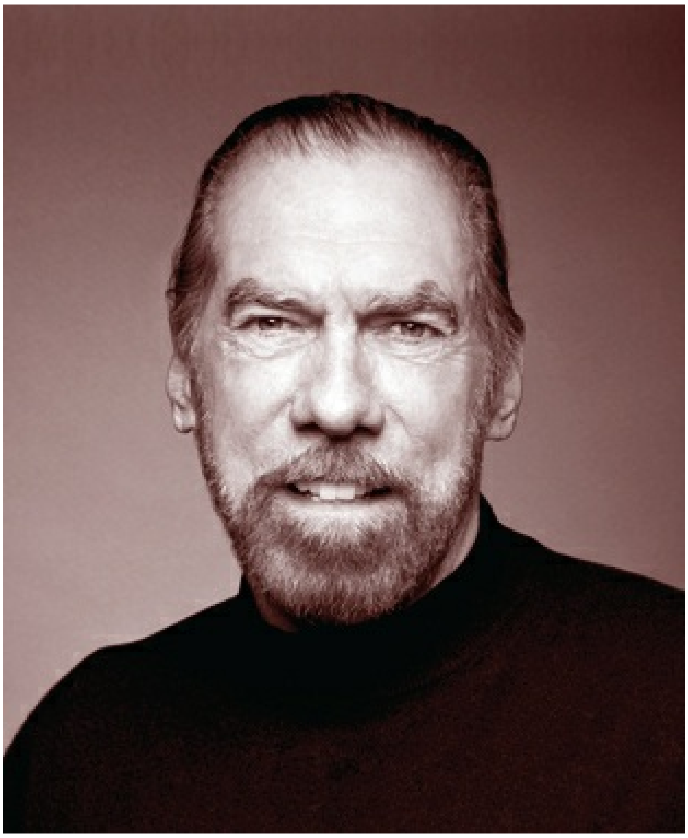

जॉन पॉल डिजोरिया

www.paulmitchell.com

जॉन पॉल डिजोरिया एक व्यवसायी हैं, जिन्होंने जॉन पॉल मिचेल सिस्टम्स नामक कंपनी की सह-स्थापना की, जो हेयर केयर प्रोडक्ट बनाती है तथा ब्यूटी सलून चलाती है। जॉन पॉल कंपनी के सीईओ हैं और उन्होंने 1 अरब डॉलर से अधिक का सालाना टर्नओवर हासिल कर लिया है। 1989 में उन्होंने पेट्रॉन स्पिरिट्स कंपनी की सह-स्थापना की और अब इसके अधिकतर भाग के मालिक हैं। जॉन पॉल पर्यावरणवादी मुद्दों, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और परोपकार के विषय में भी विचार रखते हैं।

जेपीज़ पीस, लव ऐंड हैप्पिनेस फ़ाउंडेशन

www.peacelovehappinessfoundation.org

बचपन में पालक गृह में समय गुज़ारने और वयस्क के रूप में बेघर रहने के दौर झेलने

वाले जॉन पॉल ने अपनी परोपकारी संस्था जेपीज़ पीस, लव एंड हैप्पिनेस फ़ाउंडेशन को महत्त्वपूर्ण संसाधन समर्पित किए हैं। यह संगठन पर्यावरण की स्थिरता, सामाजिक उत्तरदायित्व और पशु संरक्षण का समर्थन करता है। इसका लक्ष्य बागवानी तथा खेती के कार्यक्रम के ज़रिये लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जो उनके परिवारों को भोजन मुहैया कराने और उन्हें ख़ुद का कारोबार शुरू करने में समर्थ बनाते हैं।

पीटर फ़्रोयो

www.nextel.com.mx

पीटर फ़्रोयो बिज़नेस एग्ज़ेक्यूटिव और अंतरराष्ट्रीय टेलिकम्युनिकेशन्स विशेषज्ञ हैं। पीटर को पूरे दक्षिण अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ और सबसे नवाचारी सीईओ में से एक माना जाता है। वे कई कंपनियों के संचालक मंडल में हैं और नेक्सटेल कम्युनिकेशन्स मेक्सिको के प्रेज़िडेंट के रूप में 17,000 कर्मचारियों का नेतृत्व करते हैं।

नेक्सटेल फ़ाउंडेशन

www.nextel.com.mx/nextelfundacion.html

कंपनी के सीईओ के रूप में पीटर ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की प्रशंसनीय संस्कृति बनाई है। **नेक्सटेल फ़ाउंडेशन** शिक्षा के ज़रिये समुदाय के सबसे कमज़ोर सदस्यों का सहयोग करता है। फ़ाउंडेशन विभिन्न स्कॉलरशिप द्वारा विद्यार्थियों

को सहारा देता है और युवाओं, ग़रीबों तथा अपंग लोगों के लिए कई कार्यक्रम चलाता है। इसके अलावा, यह वैज्ञानिक शोध व उच्च शिक्षा के लिए भी राशि प्रदान करता है।

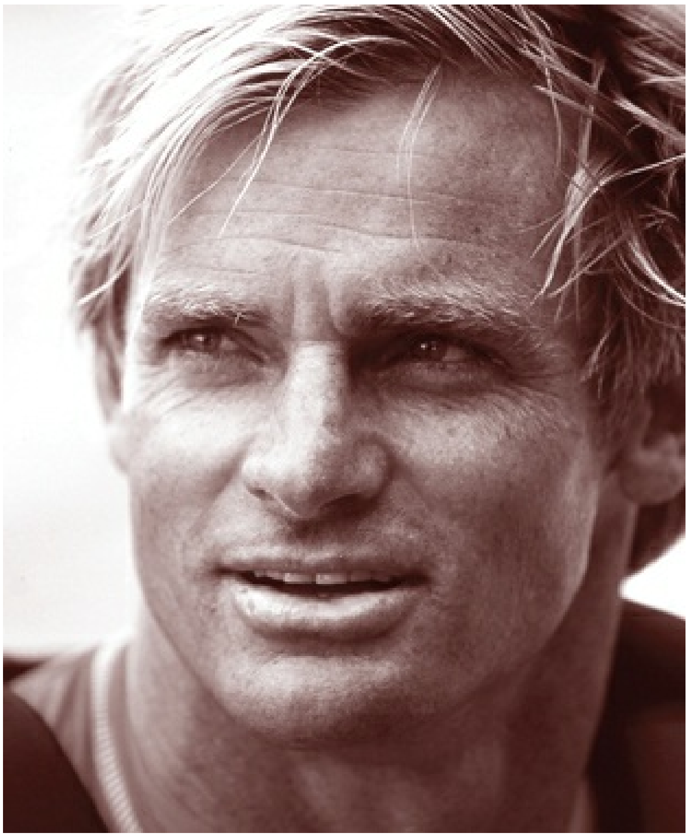

लेअर्ड हैमिल्टन

www.lairdhamilton.com

लेअर्ड हैमिल्टन ऊँची लहरों के विश्वविख्यात सर्फ़र, नवाचारी, तथा टो-इन सर्फ़िंग, स्टैंड-अप पैडल बोर्डिंग तथा हाइड्रोफ़ॉइल सर्फ़िंग के प्रवर्तक हैं। लेअर्ड बड़ी लहरों की सवारी करने, क्रॉसओवर सर्फ़ खेलों के नए रूप विकसित करने और अपने उद्देश्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में अपना समय देते हैं।

रेनकैचर

www.raincatcher.org/laird

लेअर्ड और उनकी पत्नी गेब्रिएल रीस को हाल ही में **रेनकैचर** के संचालक मंडल में नियुक्त किया गया। यह ग़ैर-लाभकारी संगठन वैश्विक जल संकट को कम करने के लिए स्थापित किया गया था। रेनकैचर ने रेनवॉटर-हार्वेस्टिंग सिस्टम्स की व्यवस्था के ज़रिये संसार भर में 7 लाख लोगों की मदद की है। रेनकैचर का लक्ष्य 2015 तक 1 करोड़ अन्य लोगों को स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराना है।

मैस्टिन किप

www.thedailylove.com

मैस्टिन किप एक उद्यमी, लेखक और ब्लॉगर हैं, जो अपने प्रेरणा के संदेश फैलाने के लिए सामाजिक मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। मैस्टिन ने एक वेबसाइट, दैनिक ईमेल और ट्विटर अकाउंट द डेली लव की स्थापना की, जो हर दिन 6,00,000 सदस्यों तक पहुँचता है और द हफ़िंगटन पोस्ट द्वारा प्रकाशित होता है। मैस्टिन ओपराज़ में लाइफ़क्लास में अतिथि के रूप में आ चुके हैं और ओपरा ने अगली-पीढ़ी के आध्यात्मिक चिंतक के रूप में उन्हें अपने सुपर सोल संडे कार्यक्रम में स्थान दिया है।

ऐंथनी रॉबिन्स फ़ाउंडेशन

www.anthonyrobbinsfoundation.org

मैस्टिन अपने कायाकल्प का श्रेय लाइफ़ कोच ऐंथनी रॉबिन्स की मदद को देते हैं और कृतज्ञता स्वरूप उन्होंने **ऐंथनी रॉबिन्स फ़ाउंडेशन** को अपना समर्थन प्रदान किया है। यह ग़ैर-लाभकारी संगठन ऐसी योजनाएँ चलाता है, जिनका उद्देश्य समाज द्वारा प्रायः उपेक्षित लोगों – युवा, बुज़ुर्ग, बेघर और जेल के क़ैदी – की सहायता करना तथा उन्हें समृद्ध बनाना है।

लिज़ मरे

www.homelesstoharvard.com

लिज़ मरे एक बेस्टसेलिंग लेखिका और संसार की सबसे लोकप्रिय प्रेरक वक्ताओं में से एक हैं, जो बेघर होने से लेकर हार्वर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ने तक की अपनी अविश्वसनीय यात्रा के लिए मशहूर हैं। वे मंच पर मिखाइल गोर्बाचेव, दलाई लामा और टोनी ब्लेयर जैसे लोगों के साथ आ चुकी हैं। उन्हें युवाओं के सशक्तीकरण हेतु किए गए प्रेरक काम के लिए वाइट हाउस तथा ओपरा विनफ़्री द्वारा सम्मानित किया गया है।

मोमेन्टम टीन्स फ़ॉर लीडरशिप

www.momentumteens.org

किशोरों के रोल मॉडल के रूप में लिज़ को **मोमेन्टम टीन्स फ़ॉर लीडरशिप** का समर्थन करने पर गर्व है, जो एक ग़ैर लाभकारी संगठन है। इसका लक्ष्य युवाओं में नेतृत्व योग्यताओं को प्रोत्साहित करना, सशक्त बनाना और पोषण देना है। मोमेन्टम टीन्स वर्कशॉप और कार्यक्रम आयोजित करता है, जो किशोरों को ज़िम्मेदार बनने, तथा अपने समुदाय और संसार के प्रति एक बेहतर योगदानकर्ता बनने के साधन तथा अनुभव प्रदान करते हैं।

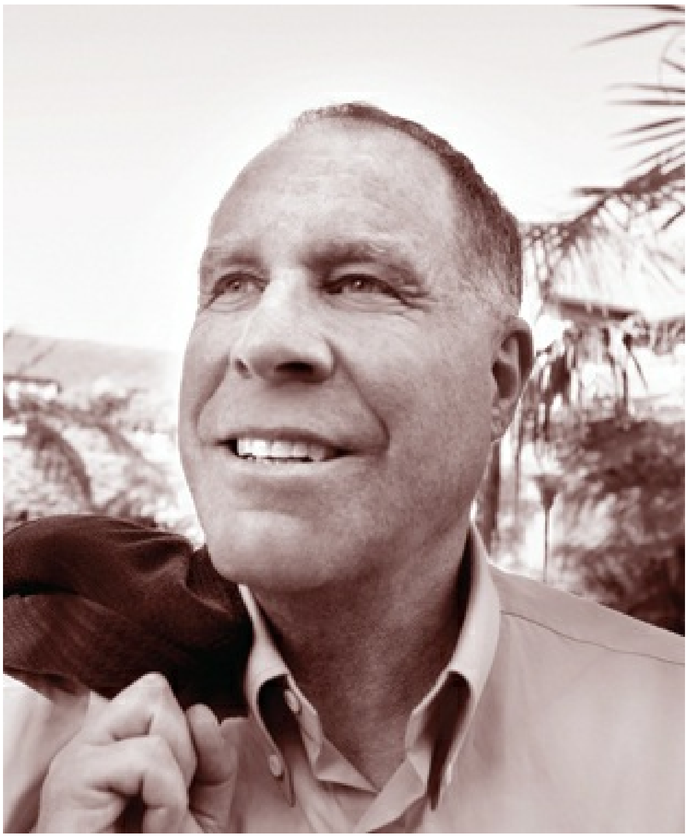

पॉल ऑरफ़ेलिया

www.paulorfalea.com

पॉल ऑरफ़ेलिया किंकोज़ के संस्थापक हैं, जो विश्व की अग्रणी ऑफ़िस सप्लाइज़ और बिज़नेस सर्विसेस की श्रंखला है। किंकोज़ में अपना दखल छोड़कर पॉल अब अपना ज्ञान और अनुभव युनिवर्सिटी प्रोफ़ेसर के रूप में प्रदान करते हैं तथा अपनी विभिन्न परोपकारी रुचियों में समय देते हैं।

ऑरफ़ेलिया फ़ाउंडेशन

www.orfaleafoundation.org

पॉल के नेतृत्व में **ऑरफ़ेलिया फ़ाउंडेशन** ने दूसरों को उनकी ख़ूबियाँ खोजने हेतु सशक्त बनाने का प्रयास किया है। सहारा देने वाली योजनाओं में बचपन की नवाचारी शिक्षा, प्रेरित विद्यार्थियों के लिए हाई स्कूल योजनाएँ, उच्च शिक्षा की हज़ारों छात्रवृत्तियाँ और चुनिंदा युनिवर्सिटी प्रोग्रामों के लिए बेहतर अनुदान शामिल है। पॉल एकल माता-पिता की परिस्थिति में सहायता करने और बच्चों को स्कूल में स्वास्थ्यवर्धक भोजन सुनिश्चित करने के प्रति भी समर्पित हैं।

जी. एम. राव

www.gmrgroup.in

जी. एम. राव जीएमआर समूह के संस्थापक और चेयरमैन हैं, जो भारत में बेंगलुरु स्थित वैश्विक ऊर्जा और अधोसंरचना विकास कॉर्पोरेशन है। भविष्यदृष्टा कारोबारी लीडर श्री राव ने अपनी कंपनी को कुछ समय पहले नगरीय विकास और पॉवर प्लांट, राजमार्ग तथा हवाई अड्डों जैसी राष्ट्रीय संपत्तियों के निर्माण की ओर मोड़ा है।

जीएमआर वरलक्ष्मी फ़ाउंडेशन

www.gmrgroup.in/foundation.html

श्री राव कंपनियों के सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रबल पक्षधर हैं और उन्होंने स्थानीय समुदायों में घोर ग़रीबी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव को दूर करने के लिए **जीएमआर वरलक्ष्मी फ़ाउंडेशन** स्थापित किया है। यह फ़ाउंडेशन हर एक के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना चाहता है। स्वास्थ्य आवश्यकताएँ अस्पतालों, मेडिकल क्लीनिकों और ऐंबुलेंस की उपलब्धता द्वारा आसान बनाई जाती हैं। उद्यमिता योजनाओं तथा प्रशिक्षण संस्थाओं की स्थापना द्वारा उद्यमी युवाओं को स्वरोज़गार के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

एनेस्टाज़िया सोर

www.anastasia.net

एनेस्टाज़िया सोर को एक असाधारण भौंह-विशेषज्ञ माना जाता है और वे सौंदर्य उद्योग की अग्रणी स्तंभ हैं। भौंह को आकार देने की उनकी अनूठी विधि की बदौलत एनेस्टाज़िया ने बहुत महत्त्वपूर्ण ग्राहक बना लिए हैं, जिनमें हॉलीवुड की कई मशहूर हस्तियाँ शामिल हैं। वे बेवर्ली हिल्स और ब्रेंटवुड में अपने प्रमुख सलून चलाती हैं। इसके अलावा पूरे संसार के उच्चवर्गीय डिपार्टमेंट स्टोर्स में एनेस्टाज़िया ब्राओ स्टूडियो हैं और उन्होंने भौंहों तथा मेकअप के कई विशिष्ट प्रोडक्ट की श्रृंखला ख़ुद बनाई और बाज़ार में उतारी है।

एनेस्टाज़िया ब्राइटर होराइज़न फ़ाउंडेशन

www.anastasiafoundation.org

एनेस्टाज़िया ब्राइटर होराइज़न फ़ाउंडेशन के ज़रिये गोद लिए गए बच्चों के युवा बनने पर उन्हें सौंदर्य और त्वचा की देखभाल में करियर बनाने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। ब्यूटी स्कूल में शिक्षा, इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण और नौकरी दिलाने के लिए आर्थिक सहायता तथा सहयोग प्रदान किया जाता है। लक्ष्य है आत्म-निर्भरता उत्पन्न करना और भविष्य की बुनियाद तैयार करना।

हीरो के योगदानकर्ताओं की पुस्तकें

लेन बीचली

बिनीथ द वेव्ज़

आत्म-विश्वास की शक्ति के बारे में लेन बीचली के कथन।

प्रकाशक : रैंडम हाउस ऑस्ट्रेलिया, 2009

पीटर बरवॉश

बिकमिंग द मास्टर ऑफ़ युअर डी-ए-एस-एच

व्यक्तिगत क़िस्से, अनुभूतियाँ और अतीत तथा वर्तमान के प्रबुद्ध लोगों से बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह, हमारी जीवन यात्रा को बेहतर बनाने के लिए बुनियादी दिशानिर्देश।

प्रकाशक : टॉर्चलाइट पब्लिशिंग, 2007

डियर टीनेजर

पीटर बरवॉश शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ तथा पूर्ण विकसित होने के लिए किशोरों को एक अमूल्य मार्गदर्शिका प्रदान करते हैं।

प्रकाशक : टॉर्चलाइट पब्लिशिंग, 2008

लेअर्ड हैमिल्टन

फ़ोर्स ऑफ नेचर : माइंड, बॉडी, सोल, ऐंड, ऑफ़ कोर्स, सर्फ़िंग

लेअर्ड हैमिल्टन अपना अनूठा दर्शन बताते हैं, जिसका इस्तेमाल करके वे संसार के सबसे महान बिग-वेव सर्फ़र बने।

प्रकाशक : रोडेल बुक्स, 2008

मैस्टिन किप

डेली लव

प्रकाशक : हे हाउस पब्लिशिंग, रिलीज़ डेट 2014

लिज़ मरे

ब्रेकिंग नाइट : अ मेमॉयर ऑफ़ फ़ॉरगिवनेस, सरवाइवल ऐंड माई जर्नी फ़्रॉम होमलेस टु हारवर्ड

लिज़ मरे की प्रेरक कहानी – सड़कों पर रहने से लेकर हारवर्ड युनिवर्सिटी से स्नातक होने तक।
प्रकाशक : हाइपेरियन, 2010

पॉल ऑरफ़ेलिया

कॉपी दिस! : लेसन्स फ़्रॉम अ हाइपरऐक्टिव डिसलेक्सिक हू टर्न्ड अ ब्राइट आइडिया इन्टु वन ऑफ़ अमेरिकाज़ बेस्ट कंपनीज़

पॉल ऑरफ़ेलिया की कहानी, जो एक संघर्षरत् बच्चे के रूप में शुरू होती है, जो मुश्किल से लिख-पढ़ सकता है, और किंको के निर्माण पर ख़त्म होती है, जिसे वे 1.5 अरब डॉलर के साम्राज्य में बदल देते हैं।
प्रकाशक : वर्कमैन पब्लिशिंग कं., इंक., न्यू यॉर्क
© द ऑरफ़ेलिया फ़ैमिली फ़ाउंडेशन 2005